'বিদেহ' ৩৪৬ ম অংক ১৫ মই ২০২২ (বর্ষ ১৫ মাস ১৭৩ অংক ৩৪৬)

ঐ অংকমে অছি:-

Go to the link below for download of old issues of VIDEHA Maithili e magazine in .pdf format and Maithili Audio/

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



Video/ Books/ paintings/ photo files. ৱিদেহক প্ৰবান ঋংক আ অাঁডিযো/ ৱীডিযো/ পোথী/ চিত্ৰকনা/ ফোটৈ সভক ফাগন সভ ডাউঁননোড কবৱাঁক হেতু নীচাঁক নিংক পৰ জাউ।

**VIDEHA ARCHIVE ৱিদেহ পেটাৰ**



View Videha googlegroups (since July 2008)



view Videha Facebook Official Group (since January 2008)- for announcements

১.

গজেন্দ্ৰ ঠাকুৰ

Videha e-Learning



....

[সংঘ নোক সেৱা আযোগ/ ৱিহাৰ নোক সেৱা আযোগক পৰীক্ষা নেন মৈথিলী (অনিৱার্য আ ঐচ্ছিক) আ আন ঐচ্ছিক ৱিষয আ সামান্য জ্ঞান (অংগ্ৰেজী মাধ্যম) হেতু সামিগ্ৰী]

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

....

[एन.टी.ए.- यू.जी.सी.-नेट-मैथिली नेल सेहो]

[STUDY MATERIALS FOR UPSC (UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION) & BPSC (BIHAR PUBLIC SERVICE COMMISSION) EXAMS- MAITHILI (COMPULSORY & OPTIONAL) AND OTHER OPTIONALS AND GENERAL STUDIES (ENGLISH MEDIUM)]

[FOR NTA-UGC-NET-MAITHILI ALSO]

....

[एन.टी.ए.- यू.जी.सी.-नेट-मैथिली नेल/ FOR NTA-UGC-NET-MAITHILI]

NTA_UGC_NET_MAITHILI_01

NTA_UGC_NET_MAITHILI_02

NTA_UGC_NET_MAITHILI_03 (श्री शम्भु कुमार सिंह द्वारा संकलित)

....

यू. पी. एस. सी. (मेन्स) २०२० ऑप्शनल: मैथिली साहित्य विषयक टेस्ट सीरीज

यू.पी.एस.सी. क प्रिलिमिनरी परीक्षा २०२० सम्पन्न भऽ गेल अछि। जे परीक्षार्थी एहि परीक्षामे उत्तीर्ण करताह आ जँ मेन्समे हुनकर ऑप्शनल विषय मैथिली साहित्य छैन्हि तँ ओ एहि टेस्ट-सीरीजमे सम्मिलित भऽ सकैत छथि। टेस्ट सीरीजक प्रारम्भ प्रिलिम्सक रिजल्टक तुरत बाद होयत। टेस्ट-सीरीजक उत्तर विद्यार्थी स्कैन कऽ editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकैत छथि, जँ मेनसँ पठेबामे असोकर्ज होइन्हि तँ ओ हमर व्हाट्सएप नम्बर 9560960721 पर सेहो प्रश्नोत्तर पठा सकैत छथि। संगमे ओ अपन प्रिलिम्सक एडमिट कार्डक स्कैन कएल कॉपी सेहो वेरीफिकेशन लेल पठाबथि। परीक्षामे सभ प्रश्नक उत्तर नहि देमय पड़ैत



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ঊৈক ক্ষদা জঁ ঊৈস্ঠ সীবীজমে রিদ্যার্থী সভ প্রশ্নক উঁত্তব দেতাহ তঁ হ্নকা নেন শ্রেযস্কব বহতন্হি। রিদেহক সভ স্কীম জেকাঁ ঙাগো পূর্ণতঃ নিঃশ্বঙ্ক খছি। – **গজেন্দ্র ঠাক্কব**

সংঘ নোক সেরা খাযোগ দ্বাবা খাযোজিত সিরিন সর্রিসেজ (ক্ষখ্য) পবীক্ষা, ২০২০ মৌথিনী (ঐছিক) নেন ঊৈস্ঠ সীবীজ/ প্রশ্ন–পত্র– ১ খা ২

<u>TEST SERIES–1</u>

<u>TEST SERIES–2</u>

……………………………………………………………………………………………………

MAITHILI (COMPULSORY & OPTIONAL)

<u>UPSC MAITHILI OPTIONAL SYLLABUS</u>

<u>BPSC MAITHILI OPTIONAL SYLLABUS</u>

<u>মৌথিনী প্রশ্নপত্র– যূ.পী.এস.সী. (ঐছিক)</u>

<u>মৌথিনী প্রশ্নপত্র– যূ.পী.এস.সী. (খনিরার্য)</u>

<u>মৌথিনী প্রশ্নপত্র– রী.পী.এস.সী.(ঐছিক)</u>

……………………………………………………………………………………………………

মৌথিনীক রর্তনী

১

মৌথিনীক রর্তনী– রিদেহ মৌথিনী মানক ভাষা খা মৌথিনী ভাষা সম্পাদন পাঠ্যক্রম

<u>ভাষাপাক</u>

২

মৈথিলীক বর্তনীমে পর্যাপ্ত বিবিধতা অছি। অদা প্রশ্নপত্র দেখলা উত্তর একর বর্তনী ইগ্নূ BMAF001 সঁ প্রেরিত বুকলেট অছি, সে একর একরা এক উদাহরণ নীচাঁ উদাহরণ-স্বরূপ দিযৌ, ততবেঁ ধবি পর্যাপ্ত অছি। যূ.পী.এস.সী. ক **মৈথিলী (বৈকল্পিক) পেপর লেল সেহো ই পর্যাপ্ত অছি,** সে জে বিদ্যার্থী মৈথিলী (বৈকল্পিক) পেপর লেনে ছথি সে একর একটা আর ফাস্ট-রীডিং দোসর-উদাহরণ নীচাঁ করথি।

IGNOU ইগ্নূ **BMAF-001**

....

MAITHILI (OPTIONAL)

TOPIC 1 [Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) ভারোপীয় ভাষা পরিবার মধ্য মৈথিলীক স্থান/ মৈথিলী ভাষাক উদ্ভব ও বিকাস (সংস্কৃত, প্রাকৃত, অবহট্ঠ, মৈথিলী)]

TOPIC 2 (Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

TOPIC 3 (জ্যোতিরীশ্বর, বিদ্যাপতি আ গোবিন্দদাস বিলেবেসমে ছথি আ বসমর করি চত্তব চতুরভুজ বিদ্যাপতি কালীন কবি ছথি। এতয় সমীক্ষা সীখনাক প্রারম্ভ করবাঁসঁ পূর্ব চারু গোটেকে শব্দাবলী নব শব্দক পর্যায় সংগ দেল জা রহল অছি। নব আ প্রবান শব্দাবলীক জ্ঞানসঁ জ্যোতিরীশ্বর, বিদ্যাপতি আ গোবিন্দদাসক প্রশ্নোত্তরমে ধার আওত, সংগহি শব্দকোষ বৃদ্ধনাসঁ খাঁটী মৈথিলীমে প্রশ্নোত্তর লিখবাঁমে ধাখ আস্তে-আস্তে খতম হোযত, লেখনীমে প্রবাহ আযত আ স্বচ্ছ ভাবক অভিব্যক্তি ভয সকত।)

TOPIC 4 (রবীন্দ্রনাথ ঝা শব্দাবলী আ মিথিলাক দ্রুষি-মত্স্য শব্দাবলী)

TOPIC 5 (রেণু এডীশন- প্রথম পত্র- লোকিক গাথামে সমাজ ও সংস্কৃতি)

TOPIC 6 (রেণু এডীশন- দ্বিতীয পত্র- বিদ্যাপতি)



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

TOPIC 7 (রৈন্যূ এডীশন– দ্বিতীয পত্র– পদ্য সমীক্ষা– রাঁনগী)

TOPIC 8 (রৈন্যূ এডীশন– প্রথম পত্র– নোক গাথা নৃহ নাটক সংগীত)

TOPIC 9 (রৈন্যূ এডীশন– দ্বিতীয পত্র– যাত্রী)

TOPIC 10 (রৈন্যূ এডীশন– দ্বিতীয পত্র– মৌথিনী বামাযণ)

TOPIC 11 (রৈন্যূ এডীশন– দ্বিতীয পত্র– মৌথিনী উঁপন্যাস)

TOPIC 12 (রৈন্যূ এডীশন– প্রথম পত্র– শৈদ্ধ রিচাব)

TOPIC 13 (তিবহুতা নিপিক উঁদ্ভব ও রিকাস)

TOPIC 14 (আধুনিক নাটকমে চিত্রিত নির্ধনতাক সমস্যা– শম্ভু কুমাব সিংহ)

TOPIC 15 (স্বাতংত্র্যোত্তব মৌথিনী কথামে সামাজিক সমবসতা– অৰুণ কুমাব সিংহ)

TOPIC 16 (যূ. পী.এস.সী. মৌথিনী প্রথম পত্রক পবীক্ষার্থী হেত্ত উঁপযোগী সংকনন, মৌথিনীক প্রমুখ উঁপভাষাক ক্ষেত্র আ ওকব প্রমুখ রিশেষতা, মৌথিনী সাহিত্যক আদিকান, মৌথিনী সাহিত্যক কান-নির্ধাবণ– শম্ভু কুমাব সিংহ)

TOPIC 17 (মৌথিনী আ দোসব প্রর্রবিযা ভাষাক রীচমে সম্বন্ধ (রাঁগ্না, অসমিযা আ ওড়িযা) [যূ.পী.এস.সী. সিনেরঁস, পত্র-১, ভাগ-"এ", ক্রম-৩.])

TOPIC 18 [মৌথিনী আ হিন্দী/ রাঁগ্না/ ভোজপুবী/ মগহী/ সংথানী– রিহাব নোক সেরা আযোগ (রী.পী.এস.সী.) কেব সিরিন সেরা পবীক্ষাক মৌথিনী (ঐচ্ছিক) রিষয নেন]

....

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



GENERAL STUDIES (PRELIMINARY & MAINS)

GS (Pre)

TOPIC 1

GS (Mains)

NCERT-ENVIRONMENT CLASS XI-XII

NCERT PDF I-XII

TN BOARD PDF I-XII

ALL INDIA RADIO ENGLISH NEWS

ALL INDIA RADIO NEWS ARCHIVE

ALL INDIA RADIO TALKS AND CURRENT AFFAIRS

RAJYA SABHA TV NEWS DISCUSSIONS

SANSAD TV

....

OTHER OPTIONALS

IGNOU eGYANKOSH

....

-গজেন্দ্র ঠাকুর

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



विदेह सम्मान
বিদেহ সম্মান
www.videha.co.in

Videha
e-Learning

Gajendra Thakur

२. गद्य

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

२.१.गजेन्द्र ठाकुर- "विकीपीडिया"मे मैथिलीकेँ मैथिली "गूगल ट्रांसलेट"मे सेहो.. अगिला लक्ष्य "अमेजन अलेक्सा"

२.२.रवीन्द्र नारायण मिश्र- मातृभूमि (उपन्यास)- ३म खेप

२.३.गद्य-नाटिकेल उपन्यास-त्रयीक पहिल उपन्यास "सहस्रशीर्षा" क बाद दोसर उपन्यास- गजेन्द्र ठाकुर "द .... फागन्स"- (पहिल खेप)

गजेन्द्र ठाकुर

"विकीपीडिया"मे मैथिलीकेँ मैथिली "गूगल ट्रांसलेट"मे सेहो.. अगिला लक्ष्य "अमेजन अलेक्सा"

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

গুগল ট্রান্সলেট

গুগল ট্রান্সলেটক লিংক

https://translate.google.com/?sl=en&tl=mai&op=translate

গুগল ট্রান্সলেটকেঁ আব প্রষ্ঠ করবাক অগতা ছৈ তএ লেল অগিলা কাজ অছ। বচুল ছী: **https://translate.google.com/about/contribute/**

প্রারম্ভ:

রিকীপীডিয়া ০১ ফবরবী ২০০৮ লিংক

https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&lpg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false (মৈথিলী দেরনাগরী)

https://books.google.co.in/books?id=cTezCU59bJwC&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false (মৈথিলী তিরহুতা)

https://books.google.co.in/books?id=3zKudz6wAO8C&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false (মৈথিলী ব্রেল)

গুগল ট্রান্সলেট ২৩ জুন ২০১১ক লিংক

https://www.facebook.com/groups/videha/permalink/138489416229195/

গুগল ট্রাসলেশন টুলমে

"রিহারী" ভাষাক রদনামে মৈথিলী লেল অনগ ট্রাসলেশন টুল রনেরাক আরেদন রিদেহক সদস্যগণ দ্বারা দেল গেল অছি। অপন যোগদান গুগল ট্রাসলেট লেল করু, আ কএল সম্পাদন রদনরা কান কারণ যে (অংগ্রেজীমে) "রিহারী" নাম্না কোনো ভাষা নৈ হেরাক চর্চা করু। ঐ লিংকপর অনুরাদ করু; গুগল একাউন্টসঁ লাগ অন কেলাক রাদ।

http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject

http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?proj



ect=gws&langcode=bh (links closed)

রিকীপীডিযা মৌথিলী লিংক

রিদেহ (পত্রিকা) https://mai.wikipedia.org/s/kgv
গন্টবনেটক সংসাবমে মৌথিলী ভাষা https://mai.wikipedia.org/s/s6h
ভানসবিক গাছ https://mai.wikipedia.org/s/ipm
রিদেহ https://mai.wikipedia.org/s/ie1
রিদেহক ফেসর্বুক ভর্সন https://mai.wikipedia.org/s/iu1
রিদেহ সম্মান https://mai.wikipedia.org/s/jc2
রিদেহ থার্কাগিভ https://mai.wikipedia.org/s/jc0
রিদেহ মিথিলা বনে https://mai.wikipedia.org/s/jc3
রিদেহ মিথিলাক খোজ https://mai.wikipedia.org/s/jc4
রিদেহ সূচনা সংপর্ক থন্বেষণ https://mai.wikipedia.org/s/jc5
শ্রুতি প্রকাশিন https://mai.wikipedia.org/s/iu7
থনচিন্হাব থাখব https://mai.wikipedia.org/s/ion
মৌথিলী গজল https://mai.wikipedia.org/s/idz
মৌথিলী রাঁন গজল https://mai.wikipedia.org/s/iex
মৌথিলী ভক্তি গজল https://mai.wikipedia.org/s/if1
http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili
http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai

http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai

http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai

থতিম পাঁচু সাগর্ট রিকী মৌথিলী প্রাজেক্টক থছি। এহি লিংক সভ পব জা কয প্রাজেক্টকেঁ থাগাঁ রাঁঢ় াউঁ। (links closed)



ঋমেজন ঋনেক্সা মৈথিনী (শীঘ্র....)

"রিকীপীডিযা"মে মৈথিনীকরাঁদ মৈথিনী "গূগন ট্রান্সনেট"মে সেহো.. ঋগিনা নক্ষ্য "ঋমেজন ঋনেক্সা"

রিদেহক তেসব ঋংকমে (০১ ফবরঁবী ২০০৮) জে খুশখবঁবী পাঠক নোকনিকেঁ মৈথিনী রিকীপীডিযাকসম্বন্ধমে দেন গেন ছন তকব স্বখদ পবিণতি কএক সান পহিনে ভেটন ছন।

মৈথিনী গূগন ট্রান্সনেটক সম্বন্ধমে রিদেহক ফেসবুঁক পৃষ্ঠাপব ২০১১ মে দেন গেন তকব স্বখদ পবিণতি ১১ মঞ ২০২২ কেঁ ভেটন।

মৈথিনী ঋমেজন ঋনেক্সাক সেহো ঋাবম্ভ শীঘ্রে হএত।

(নিংক-স্ক্রীনচিত্র নীচাঁ দেন জা বহন ঋছি।)

https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&lpg=PA1&pg=PA2#v=onepage&q&f=false
https://www.facebook.com/groups/videha/permalink/138489416229195/



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

9:25



Videha 'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका १ फरबरी २००८ (वर्ष 1 मास 2 अंक 3)

ৱিদেহ পাক্ষিক পত্ৰিকা Videha Maithili Fortnightly e Magazine ৱিদেহ विदेह

Videha **বিদেহ** http://www.videha.co.in/[redacted] मानुषीमिहसंस्कृताम्

विकीपीडिया पर मैथिली पर लेख तँ छल मुदा मैथिलीमे लेख नहि छल,कारण मैथिलीक विकीपीडियाक स्वीकृति नहि भेटल छल। हम बहुत दिनसँ एहिमे लागल रही,आ' सूचि करैत हर्षित छी जे 27.01.2008 केँ भाषाकेँ विकी शुरू करबाक हेतु स्वीकृति भेटल छैक, मुदा एहि हेतु कमसँ कम पाँच गोटे,विभिन्न जगहसँ एकर एडिटरक रूपमे नियमित रूपेँ कार्य करथि तखने योजनाकेँ पूर्ण स्वीकृति भेटतैक। नीचाँ लिखल लिंक पर जाय एडिट कय एहि प्रोजेक्टमे अहाँ सभ सहयोग करब, से आशा अछि। पछिला अंकमे देवनागरी कोना लिखू ,एहि पर हम लेख लिखने रही। इंगलिश कीबोर्ड पर ओहि तरहे लिखने विकीमे सेहो मैथिली लिखि सकैत छी। एम. गेराईक माध्यमसँ श्री अंशुमन पाण्डेयक, जिनकर मैथिलीक युनीकोडमे स्थानक आवेदन लंबित अछि, अनुरोध भेटल छल, ओ' सूचना मँगलन्हि जाहि सँ स्पष्ट रूपसँ बंगला लिपि आ' मैथिली लिपिक मध्य अंतर ज्ञात भय सकय।ई सूचना हम एम. गेराईक माध्यमसँ हुनका पठा देलियन्हि, कारण पाण्डेयजी ईमेल एड्रेस हमरा नहि अछि। विकीमे पूर्ण स्वीकृतिक हेतु एहि लिंक सभ पर राखल प्रोजेक्टकेँ आँगा बढ़ाऊ।

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai

http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai

http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai

अपनेक प्रतिक्रिया आ' रचनाक प्रतीक्षा अछि।

नई दिल्ली *गजेन्द्र ठाकुर*

01.02.2008

9:53




Gajendra Thakur shared a link.

Admin 23 Jun 2011 · 

•••

गूगल ट्रांसलेशन टूलमे "बिहारी" भाषाक बदलामे मैथिली लेल अलग ट्रांसलेशन टूल बनेबाक आवेदन विदेहक सदस्यगण द्वारा देल गेल अछि। अपन योगदान गूगल ट्रांसलेट लेल करू, आ कएल सम्पादन बदलबा काल कारण मे (अंग्रेजीमे) "बिहारी" नाम्ना कोनो भाषा नै हेबाक चर्चा करू। ऐ लिंकपर अनुवाद करू; गूगल एकाउंट सँ लॉग इन केलाक बाद ।

http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject
http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh

google.com

Google in Your Language


 Comment
 Send

 **You, Ashish Anchinhar and 7 others**



Gajendra Thakur

Author Admin •••

नीचाँक पाँचू साइट विकी मैथिली प्रोजेक्टक अछि, प्रोजेक्टकेँ आगाँ बढ़ाऊ।

http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai

 Write a comment...   



9:54




Gajendra Thakur shared a link.
Admin 23 Jun 2011 ·


http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject
http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh

google.com
Google in Your Language



Comment

Send


You, Ashish Anchinhar and 7 others



Gajendra Thakur
Author Admin •••

नीचाँक पाँचू साइट विकी मैथिली प्रोजेक्टक अछि, प्रोजेक्टकेँ आगाँ बढ़ाऊ।

http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai

http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai

http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai

10 y Like 3

ওহি সময়মে বিদেহ সম্পাদক মন্ডলমে ঔ লোকনি ছথি: সহ-সম্পাদক: উমেশ মংডল । সহায়ক সম্পাদক: শিব কুমার ঝা আ মুন্নাজী (মনোজ কুমার কর্ণ) । ভাষা সম্পাদন: নাগেন্দ্রকুমার ঝা আ পঞ্জীকার বিদ্যানন্দ ঝা । কলা-সম্পাদন: জ্যোতি ঝা চৌধরী আ রশ্মি রেখা সিন্হা । সম্পাদক-শোধ-অন্বেষণ: ডা. জয়া বর্মা আ ডা. রাজীব কুমার বর্মা । সম্পাদক-নাটক-রংগমংচ-চলচিত্র: বেচন ঠাকুর। সম্পাদক সূচনা-সম্পর্ক-সমাদ: পূনম মংডল আ প্রিয়ংকা ঝা। সম্পাদক অনুবাদ বিভাগ: বিনীত উৎপল । স্পষ্ট অছি জে "সম্পাদক অনুবাদ বিভাগ" বিনীত উৎপল (আবা অসিস্টেন্ট প্রাফেসর, আস.আস.এম.সী. জম্মু) ক বিশেষ সহয়োগ রহল, আশীষ অনচিন্হার সম্পাদক মন্ডল মে নহিয়ো রহনা উত্তর কোনো সম্পাদকসঁ কম কাজ নৈ করৈত ছথি। মৌথিলীকে পাঠক রস্মা সেহো অপন যথাশক্তি যোগদান দেলনি।

https://books.google.co.in/books?id=zmIugpjpOKYC&lpg=PA1&pg=PA600#v=onepage&q&f=false

https://books.google.co.in/books?id=-U04e5FfnTEC&lpg=PA1&pg=PA405#v=onepage&q&f=false

গুগল ট্রান্সলেটকেঁ আর পুষ্ট করবাক অগতা ছৈ তঁগ লেল অগিলা কাজ অছ। রহল ছী: **https://translate.google.com/about/contribute/**

গুগল ট্রান্সলেট কার্যক্রম দেখূ

https://youtu.be/nP-nMZpLM1A

Google Translate:04:45to06:25 (24 new languages at 06:00)

Detailed Description
Tune in to find out about how we're furthering our mission to organize the world's information and make it universally accessible and useful. To watch this keynote with American Sign Language (ASL) interpretation, please click here: **https://youtu.be/PeUXBvRExic**



0:00 Opening Film
1:47 Introduction, Sundar Pichai
6:21 Knowledge
15:45 Knowledge&Search
27:15 Skin Tone Equity
32:00 Computing
33:08 Assistant
43:34 Computing: AI Test Kitchen
53:08 Safer with Google
1:04:38 Safer Way to Search
1:11:20 Android: Opening
1:45:45 Android: Wear OS&Tablet
1:25:32 Android: Better Together
1:31:22 Hardware: Opening
1:33:22 Hardware: Pixel Phone&Buds
1:45:44 Hardware: Ambient&Beyond the Phone
1:54:32 Augmented Reality&Close

অপন মংতব্য editorial.staff.videha@gmail.com পব পঠাউ।

বৰীন্দ্ৰ নাৰাযণ মিশ্ৰ

মাতৃভূমি (উপন্যাস)- ৩ম খেপ

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



মাতৃভূমি

ঊ

জয়ন্তক প্রতিভাক চর্চা ত্রিকুট

ভরনমে লোগতে বহুত ছল। কালীকান্ত স্বয়ং হুনকাসঁ বহুত প্রভাবিত বহথি। শাস্ত্রক জ্ঞানক সংগে হুনকা সংগীতমে সেহো মহারত ছল। হুনকব স্ববসঁ তঁ লগৈত ছল জেনা ভগবতী স্বয়ং প্রকট ভএ বহল ছথি। সবস্বতী পূজা দিন কালীকান্তক পাঁজবমে বৈসল হুনকব কন্যা চন্দ্রিকা তঁ হুনকব গীত স্বনি মংত্রমুগ্ধ ভএ গেল ছলীহ। তকব বাদ সংগীত সিখবাক বহানে চন্দ্রিকা নিত্য জয়ন্তনগ পহুঁচি জাগত ছলী। কালীকান্তকেঁ সেহো এহিমে কোনো আপত্তি নহি বহনি অপিতু হুনকা সহমতিএসঁ ও শাবদাকুঞ্জ আবি জয়ন্তসঁ সংগীত বিদ্যা সিখৈত ছলীহ। ঙা এম বহুত দিন ধবি চলৈত বহল

। নিত্য প্রতিক সংপর্কসঁ জয়ন্তক প্রতি চন্দ্রিকাক আকর্ষণ বঢ়ৈত গেলনি। আচার্যজীকেঁ তঁ এহি

বাতক জানকাবী বহনি মুদা াহুনকা জয়ন্তপব পূর্ণ বিশ্বাস বহনি। ও জনৈত ছলাহ জে জয়ন্ত সিদ্ধাংতক পক্কা ছথি আ মর্যাদাক প্রতিকূল কিছু নহি কবতাহ। কালাংতবমে জয়ন্তকেঁ চন্দ্রিকা ত্রিকুট

ভরল সেহো বজাবএ লগলীহ। জয়ন্তকেঁ ঙা পসিন্ন নহি পড়নি

মুদা হঠাত মনো নহি কএ পাবথি।

ভাদরক মাস ছল । নদীমে বাঢ়ি আবি গেল ছল । নগ-পাস জেম্হবে দেখূ পানিএ-পানি দেখাগত ছল । এহলো সময়মে জয়ন্ত ওতএ নিত্য সাঁঝমে পহুঁচি জাগত ছলাহ । একসবমে মনন-চিংতন কবৈত ছলাহ । ওহুদিন

জয়ন্ত চন্দ্রিকাকেঁ সংগীত শিক্ষা দএ ধাবক কাত বিদা বহথি। চন্দ্রিকাকেঁ ত্রিকুট

ভরল নএ জএবাক হেতু কাব তৈযাব

ছল। মুদা ও জয়ন্তক সংগে জএবাক হেত ্খড়ি গেলীহ।

"সময় সাল ঠীক নহি ছৈক। নদীমে বাঢ়ি সে আএল অছি। এহল পবিস্থিতি মে অহাঁক এমহব-ওমহব গেনাগ ঠীক নহি হোএত।"- জয়ন্ত কহলথিন।

"মুদা হমবা তঁ অহাঁসঁ ফবাক হেবাক মোনে নহি কবৈত অছি।"

"ঙা কোনো নীক লক্ষণ

নহি অছি। কহী অহাঁ পবেসানীমে নে পড়ি জাগ। জঁ অহাঁক পিতাক কান ধবি ঙা



बात सभ गेलनि तँ गेल घर छी। अहाँक तँ किछु नहि बिगड़ैत मुदा हमर तँ स त्यानाशे भऽ जाएत ? "

"अहाँ सदरि कान एहने गप्प किएक करैत रहैत छी ? हुनका सभ बात बुझल छ नि। हुनका ईहो बुझल छनि जे हम अहाँसँ प्रेम करैत छी। "

"ई तँ बड़ अनर्थ भेल। अहाँकेँ एहि बातक सभक प्रचार नहि करबाक छल। एहिसँ अहाँकेँ सामाजिक अप्रतिष्ठा भऽ सकैत अछि। "

"हम सभ किछु गलत कहितहुँ तखन ने ? अहाँक उज्ज्वल चरित्रपर जानकी धाम क कण-कणकेँ विश्वास छैक। "

"मुदा तकर माने की ? लोकलाजो कोनो चीज होइत अछि। फेर हम अहाँ क ेँकतेक दिन धरि संग दऽ सकैत छी ?

"एना नहि बाजू जयन्त। अहाँकेँ साइत नहि पता अछि जे अहाँ कतेक संपन्न छी। हमर पिता तँ एक तरहें अहाँकेँ हेतु सभ किछु करबाक हेतु प्रस्तुत छथि, ओ निरंतर अहाँक बारेमे पुछैत रहैत छथि। आग्रह करैत रहैत छथि जे अहाँक सुख-सुविधाक ध्यान राखल जाए। "

"मुदा अहाँकेँ ई नहि बिसरबाक चाही जे हम एहिठाम विद्याध्ययन हेतु आएल छी। हमर शोधप्रबंधक काज अंतिम चरणमे अछि आ एहन हालतमे हमरा अपनध्यानकेँ केन्द्रित राखब बहुत जरूरी अछि। "

"अहाँ हमरा ठकबाक प्रयास नहि करू। हम नीकसँ जनैत छी जे केओ अहाँक ध्यानकेँ विचलित नहि कऽ सकैत अछि। अहाँ स्वयं ेसेहो नहि। "

"एतेक प्रशंसा सुनि कऽ हम तँ आओर चिंतामे पड़ि गेल छी। "

दुनू गोटे गप्पमे तल्लीन छलाह। ओमहर सूर्यास्त कखन भेल सेहो हुनका सभ केँ पता नहि चललनि। एही बीचमे चंद्रिकाक पैर ससरि कऽ साँपक बिहरि पर पड़ि गेलनि। ओ चिचिआ उठलीह-



"নগৈত অছি কিছু কাটি লেলক। "

দহিনা পৈবক ওঁঠা নগসঁ খূন বহনবহনা কএ নিকলি বহল ছল। জাহে-জাহে জযন্ত কিছু বুঝিতথি তাহে চংদ্রিকা ঠামহি খসি পড়লীহ। জযন্ত চিচিআ উঠলাহ -

"দৌড়ূ জাউ। জুলুম ভএ গেল। চাংদ্রিকাকেঁ সাঁপ কাটি লেলকনি।

নগ-পাসমে কতহু কেও নহি ছল। হবখা সে ভএ বহল ছল। বহি-বহি কএ মেঘ খাপসমে ঠৈকবাগত ভযানক গর্জনা কবৈত ছল। বিজলৌকাক প্রকাশমে ফটকীমে নাগবাবা দেখেলখিল। হুনকা দেখিতহি জযন্ত জোব-জোবসঁ চিকবএ লগলাহ-

"জুলুম ভএ গেল। চংদ্রিকাকেঁ সাঁপ কাটি লেলকনি। । '

জযন্তক চিকবব স্বনি নাগবাবা সাবধান ভেলাহ।

"ওা তঁ জযন্তক আবাজ বুঝা বহল অছি। এদা এহন বিকবাল সমযমে ও এতএ কী কএ বহল ছথি ? " -সে সভ সোচৈত নাগবাবা ওতএ পহুঁচলাহ। তাহে কালীকান্তক দূটা আদমী সেহো চংদ্রিকাকেঁ তকৈত ওহিঠাম পহুঁচল। নাগবাবা চংদ্রিকাকেঁ দেখিতহি বজৈত ছথি-

"একব বাঁচব মোসকিল অছি। নগৈত অছি নাগ ডসি লেলকনি অছি। "

"কিছু তঁ কবিঔক নাগবাবা। "

"হিনকা নাগপর্বত স্থিত হমবকুটীমে লেলে চলূ। ওতহি কিছু ভএ সকৈত অছি। "

নাগবাবাক বাত স্বনি জযন্ত মাথ পকড়ি কএ বৈসি গেলাহ।

"বৈসী সোচ-বিচাব কববাক সময নহি অছি। চংদ্রিকা নগ বহুত কম সময ছনি। বিলংব কেলাসঁ হিনকা বাঁচব মোসকিল ভএ জাএত। তেঁ হুনকা শীঘ্রে নাগ পর্বত পব লএ চলূ। হমহু ওতহি চলৈতছী। "- নাগবাবা বজলাহ।

(অগুবর্ততে)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



অপন মংতব্য editorial.staff.videha@gmail.com **পর পঠাউ।**

গড়-নাবিকেন ***উপন্যাস-ত্রয়ী****ক পহিল উপন্যাস* ***"সহস্রশীর্ষা"*** *ক বাদ দোসর উপন্যাস*

গজেন্দ্র ঠাকুর

দ .... ফাগুন্স

(পহিল খেপ)

১

হমর নাম ছী...........

আ গাম "গড় নাবিকেন"

আই দিন অফিসসঁ দস বজে রাতিমে ঘুরলহুঁ তঁ ডেরা পহুঁচিতে রেঁটা স্বাগত কেলক। বুঝা গেল জে কুসল অছি। পুছলিঐ কী ভেল তঁ ও মোন পাড়লক জে আমুকা সিনেমা দেখবাক প্রোগ্রাম ছলৈ। হমর এহি জবাবপর কি দেবী ভ২ গেল অছি, থাকল ছী ও সোফাপর মুঁহ ঘুমা ক২ বৈসি গেল আ কথুক উত্তরো নৈ দিঅএ। কনিযাঁকেঁ কহলিযন্হি জে কাল্হি সিনেমা চলৈ চলব সে নৈ হেতৈ, ৮-১১ বলা শো তঁ খতম ভ২ গেলৈ। ও রেঁটাসঁ পুছি ক২ ওতহিযেসঁ চিকরি ক২ কহলন্হি জে অহাঁ আমুকা প্রামিস কেনে রহিঐ। হঁ প্রামিস তঁ কেনে রহিঐ, তকরা পূরা তঁ করৈযে পড়ত। ফের মোন পড়ল জে সরকার নাগেট শো দেখেবাক অনুমতি থিযেটর সভকেঁ দেনে ছৈ, সে আগ কাল্হি ১১ সঁ ২ বজেক শো দেখি সকৈ ছী। বুক মাগ শো সাগেটপর অনলাইন টিকেট কটেলৌঁ আ সে দেখি রেঁটাক কসব খতম ভেলৈ। রেঁটা, কনিযাঁ আ মাঁ তীনূ গোটে তৈযার ভ২ গেলা আ সিনেমো জে পড়া নাগল সে সলগর। সানমে এক্কু দূ টা তঁ নীক সিনেমা বলৈ ছৈ বাঁলীবুডমে।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

দূ রঁজে বাতিমে সিনেমা দেখি কঽ ঘুবি বহল ছী থাকি গাড় ীক নাগঠৈ একটা রঁড়কা হোর্ডিংপব পড়নৈ, আ ওহনে রঁহুত বাস হোর্ডিং খরৈত গেন।

ওগ হোর্ডিং সভপব বাজ্যক মহিনা মুখ্যমংত্রীক কনী খগবাযন সন খভযমুদ্রারঁনা ফোটৈ ছনৈ। ওনা তঁ রৈঠৈসঁ রৈশী বনিংগ কমেল্ট্রী হমহী কবৈ ছৈ, বস্তাক সভটা চীজক রিস্তৃত রিরবণ দৈত গাড় ী চনরৈ ছী, কখনো কান জখন দ্নূ হাথ ছোড়ি খিস্সা খাগূ রঁঢ়রৈ ছিঐ তঁ ও টৈকিতো খছি আ সড়কক সভটা কানূন, রেড-নাগঠৈ, গ্রীন নাগঠৈ, জেব্রা ক্রাসিংগ, সভটা ও রুঁমরঁ২ নগৈএ। মুদা ঐ হোর্ডিং সভকেঁ হম খনঠা দেনিঐ জে কহরৈ তঁ উনঠৈ স্বনা দেত জে ঙ সভ হমবা রুঁমনে খছি। মুদা ঐরেঁব সে নৈ ভেন। শীসা খোনি কঽ ও খচবজসঁ হমবাসঁ প্ছনক-

"ঙ ককব ফোটৈ ছিঐ ডৈডী ? "

"ঙাহো নৈ রূঁমন খছি, ফননা দীদী মুখ্যমংত্রীক ফোটৈ ছিযন্হি ঙ"।

"মবি গেনখিন্হ ? কহিযা ? "

কনী কান তঁ হমবা রুঁমরাঁমে নৈ খাএন আ জখন খাযন তঁ ততেক হঁসী নাগন জে গাড় ী চনেনাগ মুশিকন। মাঁ কনিযাঁ আ রৈঠাকেঁ কহনিযন্হি জে ঙ কিতারঁমে পঢ়ৈএ জে মুগনাক রাঁদ রঁড়কা ফোটৈ আ মূর্তি রঁনৈ ছৈ সে একবা ভেনৈ জে মবি গেনীহ মুখ্যমংত্রী আ স্কূনমে এক্কা দিনক ছুট্টী নৈ ভেটৈন, আ হমবা সংগে ওহো সভ পেঠৈ পকড়ি কঽ হঁসঽ নগনা। রৈঠী হতপ্রভ সভকেঁ দেখৈত বহন। ও হমবা দিস গশাবা কঽ কয স্টীযবিংগপব ধ্যানদেরাঁ নঽ কহনক তঁ হম গাড় ীকেঁ সড়কক কাত নগা কঽ গাড় ী ঠাঢ় কঽ নেনৌঁ।

"সূতন ছনৌঁ কী, উঠা দেনৌঁ।"- ফোন ঘনঘনাগএ আ ওগমেসঁ খরাঁজ রঁহবাগএ।

"নৈ, এতে জন্দী কহাঁ সূতৈ ছী, কি কোনো জরুবী গপ খছি কী ? ", দূ রঁজে বাতি কঽ ঔফিসক হাকিম রিনা কাজেক ফোন কিএ কবত, সে জকবা গাঁস্টিংকৈ কহৈ ছৈ তহিনা প্ছা গেন ছন।

"এম্সক ট্রৌমা সেন্টব খারি সকৈ ছী, খাউ তঁ ফেব খাগাঁ গপ হেতৈ"।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



डेरा पहुँचि, कपड़ा पहीरि कऽ उपरका बरजरामे छी, अपन गाड़ी नऽ जायब तँ पार्किंग भेटैत अछि नै से सोचि कऽ। गेटपर उतरि कऽ जखने ट्रौमा सेन्टरक भीतर जाइ छी तँ अबाज अबैए-

"सर, एम्हर छी हम"। हमर असिस्टेन्टक सहेर गानकेँ हाथसँ साटने हमरा शोर करै छथि।

"अहूँ एतै छी, हाकिम रहैने अछि, तेँ हम आयल छी"।

"हमरे दुआरे रहैने छथि, अटैक कऽ देलक गुन्डा सभ"।

"कतऽ, कोना ? "

ओ अपन गानपरसँ हाथ हटबैत छथि तँ गान दू टुकड़ी दुनू दिस भेल देखाइत अछि।

"हाँ, हाँ"।

ओ धड़फड़ा कऽ हाथसँ गानकेँ साटि नै छथि।

हम कहै छिऐन्हि- "अहिना केने रहू, अहाँकेँ अपन गान देखा नै पड़ै रहल अछि तेँ अहाँकेँ पता नै अछि जे ...."। चुप भऽ जाइ छी।

कते कानसँ एतऽ छी।

एक घण्टासँ छी। जखन आइ.जी., डी.आइ.जी. सहेर सभ कनी कान पहिने एना तखनसँ कनी ध्यान देलकहेँ। ओहो सभ की करतै, देखै नै छिऐ भीड़।

एकटा डाक्टर हुनका रहाकेँ नऽ जाइ छन्हि एकटा कोठलीमे। ओइ कोठलीक बाहर सभ हाकिम जमा छथि, सभ गम्भीर मुद्रा बनेने छथि। लोकल थाना बला सभ सेहो आबि गेल अछि। थाना बला सभ सहटि कऽ हमरा लग आबि गेल।

दरोगाजी हमरा अपन मोबाइल निकालि एकटा वी.डी.ओ. देखबैत छथि।

"देखू ऐ गुन्डा सभकेँ, हमरेपर पाथर फेकि रहल अछि"।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

হবলদাব সাহেবঁ টিপনখিন্হ জে ওগ সাবকেঁ হ্জুব জেল পঠা দেলখিন মুদা গজেবী-চবসী সভ ছৈ। কোনো ডবে-ভব নৈ হোগ ছৈ। হ্জুবে কহ মোটবসাগকিন থানেপবসঁ চোবা লেলকন্হি, ওকব অখনি ধবি পতে নৈ চলল ছৈ।

হম দবোগাজীসঁ পুছলিযন্হি- "অহাঁকেঁ কী লগৈএ, কী ঞা ল্ঁা এন্ড ঑ঁডবক গপ ছৈ আকি ঑ঁফিসক কাজসঁ একব কোনো সম্বন্ধ ছৈ" ?

ও কহৈ ছথি জে মামিলামে পেঁচ ছৈ। তহকীকাত তঁ জবঁবদস্ত ঢংগসঁ হেতৈ। মুদা ও সেহো কহৈ ছথি জে মোটা-মোটী ঞা ল্ঁা-঑ঁডবেক সমস্যা ছিঐ। মুদা দেখূ...

গাল সীবিঁ দেল গেল ছলন্হি। ঞন্সপেক্টব সাহেবঁ হমবা কহৈ ছথি জে গাল তঁ দূ টুকড়া ভ২ গেল ছলৈ। সীনাক বাঁদ ডাক্টব এনা দেখেলে ছলন্হি।

সভ হাকিম অপনা-অপনা ঘব দিস বিদা ভেলা। সবকাবী গাড়ী ঞংস্পেক্টব সাহৈবঁ কহ লহ গেলন্হি আ হম ঙ্বঁবকেঁ ফোন লগেলৌঁ।

....
....

অগিলা দিন ভোবে-ভোব ঑ঁফিস গেলৌঁ তঁ অর্দলী ঞশাবামে কহলক জে একটা ঞলফর্মেব আযল অছি। হম কহলিঐ জে ককবোসঁ ভেঁট কিএ নৈ কবা দেলিঐ, এতেক গোটে ঑ঁফিসমে অছি তঁ কহলক জে কহৈএ জে অহীঁসঁ ভেঁট কবত, কহৈএ জে হমব ঞলাকাক হাকিম ছথি, অনকাপব ওকবা ভবোস নৈ ছৈ।

"হমব ঞলাকাক ছী, কত্তব্যা ছী, নামো-গাম বঁতা দেলক কী ? "

"নাম তঁ নৈ বঁতেলক মুদা কহলক জে গামক নাম কহি দিযৌন্হ হাকিমকেঁ, অপনে বুঁজা লেতা। গামক নাম কহলক বিচিত্রে.... কিদন তঁ "গঢ় নাবিকেল" ! "

(অন্বরর্ততে)

ঐ **বচনাপব অপন মঁতব্য** editorial.staff.videha@gmail.com **পব পঠাঙ।**

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



𑓓. 𑒣𑒠𑓂𑒨

𑓓.𑓑.𑒣𑓂𑒩𑒠𑒲𑒣 𑒣𑒳𑒭𑓂𑒣- 𑓒 𑒙𑒰 𑒏𑒫𑒱𑒞𑒰 𑒂 𑓒 𑒙𑒰 𑒑𑒖𑒪

𑓓.𑓒.𑒂𑒬𑒲𑒭 𑒁𑒢𑒔𑒱𑒢𑓂𑒯𑒰𑒩- 𑒦𑒏𑓂𑒞𑒱 𑒑𑒖𑒪



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

প্রদীপ প্বষ্প

২ টা করাঁগ খা ২ টা গজন

করাঁগ

১

কোনো পবীকেব নগবমে বহিতৌঁ হম
খা দূধ বোটী চটি নিনিযাঁ গরিতৌঁ হম
মাঁ চূমিতয মাথ নগা টীকা কাজব
মন হোগএ ফেব সঁ নেনা রঁনিতৌঁ হম

২

ছৈ রিযাহ খাগযে ওকব সে রিসবা দেনিযৈ
নোব পোছি নেনিযৈ খা দাঠ ি কটৈরাঁ নেনিযৈ
নগ্ন জা বহন ছনৈ খা রঁবিযাতী ভুতিযা বহন
নাম পূছি দ্ন্হিনক হম বস্তা দেখা এনিযৈ

গজন



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

১
ভানা ৱঁবন্তী তীব তনরাব ককবা নেন
ঙা ব্যর্থক ব৺কেব ননকাব ককবা নেন

সৱঁ দিন ভবি রস্বধা স্ফুট্ট্বঁ বহুন পহিনে সঁ
ঙা খ্নিখাঁ পবমাণ্ব হথিযাব ককবা নেন

নোবক ছৈ সৱঁঠাম রিঞ্চী নগবমে খ্যাগ
তখনো ঙা হ্মস্কীক পবচাব ককবা নেন

নাগন জকবা ভূখ ভাতক তকব সোম্বামে
মেরা মিসবী কেব জযকাব ককবা নেন

ৱঁস্তী ডেবা জাগ জে মাত্র হবমাড়ঃ । সঁ
তৈ ঠাঁ রিষধব কেব ফ্ফুকাব ককবা নেন

জা ধবি বহনৈ প্রাণ ফ্টহো খভারে ভেন
হ্মগনা উঁত্তব ভোজ জযরাব ককবা নেন

(২২ ২২ ২১২ ২১২ ২২১)

২

পাখড়ি তঁবক মচান মোন পড়ি গেন
খপড় । ৱঁনা দনান মোন পড়ি গেন

তোহব হমব পিবীত ভেন খনঘোন
মাবিক পড়ন নিশান মোন পড়ি গেন

ডগ ডগ কবয ৱঁদন ত' নোকসৱঁ ৱাঁজৈ
ভাদর ৱঁহয ৱঁনান মোন পড়ি গেন

ভূখন দিৱস কনৈত ফেব ৱীতন ত'
গামক খপন নরান্ন মোন পড়ি গেন

তোৱে ভ' জীৱনো কষ্টৈত ঙা 'প্ৱম্প'
জাতিক ক্ষুদা সিমান মোন পড়ি গেন

(2212 121 21 221 সৱঁ পাঁতিমে,
তেসব শৈবক পহিন পাঁতিক খংতমে দীর্ঘকেঁ হ্ৰস্ব মানৱাঁক ছূট নেন গেন খছি। প্ৱবান গজন।)

খপন মংতব্য editorial.staff.videha@gmail.com **পব পঠাউ।**

আশীষ অনচিন্হাব

ভক্তি গজল

ছথি সিয়া জন ধিয়া মৈথিলী জানকী
মোনমে বঁস বহথি মৃণ্মযী জানকী

ভূমিমে ভূমিকা ছল বঁনল তাহি দিন
কোখিমে সোন সন পার্থরী জানকী

বুঁদ্ধি ও রূপমে তীক্ষ্ণ আ সৌম্য ধবি
শিব ধনুষকেঁ উঠা কামিনী জানকী

বাম তোড়ল ধনুষ জে জনক মোনমে
এক ভেলথি অপন বামজী জানকী

ভাগ কে দোষ যা বাম মাযা বচন
বন গমন সিয হবণ মানিনী জানকী

বাম লক্ষ্মণ সকল সৈন্য হনুমানপব
ভাব ছল তাকি আনবঁ সহী জানকী

ধ্রুব বাবণ মবণ দামিনী অগ্নিমে
আবি সাস্বব স্বনথি বঁতকহী জানকী



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

বাম জানথি হ্মদা ফেব সিয বন গমন
গর্ভমে বত্ন বখনে বহী জানকী

ঋষি বাল্মীকি বখননি খপন ধর্ম খা
পোসননি পুত্র খভিমানিনী জানকী

খগ্নি নব হ্মশ পকড়ি হস্থ কেনথি বঁহ্ত
হাবি গেনথি খপন বামজী জানকী

ভূমিজা ভূমি গেনীহ বঁড়ি দুখ সহৈত
দর্দ দুখ কেব ছথি জীবনী জানকী

খাধুনিক কানমে বাম বাবণ জহাঁ
খাগযো দুখ সহথি ভগবতী জানকী

সভ পাঁতিমে 212-212-212-212 মাত্রাক্রম খছি। ঙা বঁহবে হ্মতদাবিক হ্মসম্মন সানিম খছি। 11ম শৈবক পহিন পাঁতিক খঁতিম নঘু ছুটৈক তৌবপব নেন গেন খছি।

ঐ বচনাপব খপন মঁতব্য editorial.staff.videha@gmail.com **পব পঠাউ।**

৪.স্ত্রী কোনা

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



৪.১.ফহ্মদ "খন্বন্জযা"- স্বকথা সিম্মড় কত্ত জোগনো জায



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA



ক্ষ্মদ "খন্বন্জযা"

স্বক্থা সিম্মড় কত্ত জোগনো জায

স্বক্থা সিম্মড় কত্ত জোগনো জায,,,

রিনা দূধ কে রঁচা কেনা পোসনো জায,,

হাথ মেঁ রোজগাব নয ছৈ...

স্বরোজগাব কে যহাঁ ব্যরহাব নৈ ছৈ...

ভূখনো পেট জযকাবা খাবো কত্ত নগৌনো জায...

সূক্থা সিম্মড় কত্ত জোগনো জায,,

রিনা দূধ কে রঁচা কেনা পোসনো জায,,

মহংগাঞা ফ্নংগী কে পাব ছৈ

ভঞ্চাচাব কে ব্যরহাব ছৈ

দ্বাব দ্বাব ভটকী ভটকী কে

কেকৱো কেকৱো গোমাব নগৌনো জায...

স্বকথা সিম্মড ় কত্ত জোগনো জায...

ৱিনা দ্ধ কে ৱঁচা কেনা পোসনো জায...

আপবাধ ৱৈনগাম ছৈ

ব্যৱস্থা হনকান ছৈ

বক্ষক আৱঁ ভক্ষক ভে গেনয

ৱোনো কেকবা কেকবা পব এক্ষ আঙা আব কবনো জায...

স্বকথা সিম্মড ় কত্ত জোগনো জায...

ৱিনা দূধ কে ৱঁচা কেনা পোসনো জায...

স্বনৈ নৈ কোয তৈযাব নৈ ছৈ

ৱোনে মেঁ সৱঁ পাৱংগত হোশিযাব ছৈ

আকৱকান কে সভা মংডনী মেঁ

সসেংগ কৈকবা কৈকবা স্বনৈনো জায..

স্বকথা সিম্মড ় কত্ত জোগনো জায

ৱিনা দূধ কে ৱঁচা কেনা পোসনো জায...

সাহিত্য সেঁ কেকৱো সৱোকাব নয ছৈ

ছপনা ছপান সৱঁ ব্যাপাব ভেন ছৈ

কেকবা –কেকবা আৱো কহিযা তক ?

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

नोन तेल हरदी नगेलो जाय...

स्वस्था सिस्मङ कत्ते जोगलो जाय...

बिना दूध के बँचा केना पोसलो जाय...

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

संघ लोक सेवा आयोग/ बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेल मैथिली (अनिवार्य आ ऐच्छिक) आ आन ऐच्छिक विषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामिग्री

[STUDY MATERIALS FOR UPSC (UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION) & BPSC (BIHAR PUBLIC SERVICE COMMISSION) EXAMS- MAITHILI (COMPULSORY & OPTIONAL) AND OTHER OPTIONALS AND GENERAL STUDIES (ENGLISH MEDIUM)]

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



Videha e-Learning





পেটাব (বিসোর্স সেন্টব)

....

শব্দ-ব্যাকবণ-ওতিহাস

MAITHILI IDIOMS & PHRASES মৈথিলী মুহাবরা এরম্ লোকোক্তি প্রকাশ- বমাকান্ত মিশ্র মিহিব (খাঁটী প্রবাহযুক্ত মৈথিলী লিখবাঁমে সহায়ক)

ডॉ. ননিতা ঝা- মৈথিলীক ভোজন সম্বন্ধী শব্দাবলী (খাঁটী প্রবাহযুক্ত মৈথিলী লিখবাঁমে সহায়ক)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



মৈথিলী শব্দ সংচয **MAITHILI DICTIONARY- RAMDEO JHA** (খাঁটী প্রয়োগযুক্ত মৈথিলী লিখবাঁমে সহায়ক)

ENGLISH MAITHILI COMPUTER DICTIONARY

MAITHILI ENGLISH DICTIONARY

অণিমা সিংহ -Shishu_Geet_Khel_Anima_Singh

ডॉ. রমণ ঝা

মৈথিলী কাব্যমে অলঙ্কার **অলঙ্কার-ভাস্কর**

আনন্দ মিশ্র (সৌজন্য শ্রী রমানন্দ ঝা "রমণ")- মিথিলা ভাষাক স্বরোধ ব্যাকরণ

BHOLALAL DAS **মৈথিলী স্বরোধ ব্যাকরণ- ভোলা লাল দাস**

রাধাকৃষ্ণ চৌধরী- A Survey of Maithili Literature

....

মূলপাঠ

তিরহুতা লিপিক উদ্ভর ও রিকাস (যূ.পী.এস.সী. সিলেবস)

রাজেশ্বর ঝা- মিথিলাক্ষরক উদ্ভর ও রিকাস (মৈথিলী সাহিত্য সংস্থান আর্কাইব)

Surendra Jha Suman দত্ত-রতী (মূল)- শ্রী স্বরেন্দ্র ঝা স্বমন (যূ.পী.এস.সী. সিলেবস)

প্ররন্ধ সংগ্রহ- রমানাথ ঝা (রী.পী.এস.সী. সিলেবস) CIIL SITE

....

সমীক্ষা



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

सुभाष चन्द्र यादव-राजकमल चौधरी: मोनोग्राफ

शिव कुमार झा "टिल्लू" खिस्सा-समालोचना

डॉ रमेश्वर झा- B_JHA_Nibhand_Nikunj.pdf

डॉ. देवशंकर नवीन- Adhunik_Sahityak_Paridrishya

डॉ. रमण झा- भिन्न-अभिन्न

प्रेमशंकर सिंह- मैथिली भाषा साहित्य:बीसम शताब्दी (आलोचना)

डॉ. रमानन्द झा 'रमण'

हिआओन

अखियासल CIIL SITE

दुर्गानन्द मण्डल-चक्षु

RAMDEO JHA दत्त-वतीक वस्तु कौशल- डॉ. श्रीरामदेवझा

SHAILENDRA MOHAN JHA परिचय निचय- डॉ शैलेन्द्र मोहन झा

....

अतिविशिष्ट पाठ

पहिने मिथिला मैथिलीक सामान्य जानकारी लेल एहि पोथी कें पढ़ू:-

राधाकृष्ण चौधरी- मिथिलाक इतिहास

फेर एहि मनलग्गू फागुन सभकें सेहो पढ़ू:-

केदारनाथ चौधरी

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



चमेलीरानी **माहुर**

करार

क्षमाक परत

पगरा (मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ कथा) (साभार श्रुतिका) **डायरीक खाली पन्ना (साभार श्रुतिका)**

योगेन्द्र पाठक वियोगी- विज्ञानक रंतव्य

रामलोचन ठाकुर- मैथिली लोककथा

....

किछु मैथिली पोथी डाउनलोड साइट (ओपन सोर्स)

SAHITYA AKADEMI

http://sahitya-akademi.gov.in/publications/e-books.jsp

http://sahitya-akademi.gov.in/general/Digitalbooks.jsp

CIIL

http://corpora.ciil.org/maisam.htm

अखियासल (रमानन्द झा रमण)

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI1.pdf

जनुआयल करकरी- महेन्द्र

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI2.pdf



প্রবন্ধ সংগ্রহ- রমানাথ ঝা (রী.পী.এস.সী. সিরেৱস)

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI3.pdf

সৃজন কের দীপ পর্ব- সং কেদার কানন আ অরবিন্দ ঠাকুর

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI4.pdf

মৈথিলী গদ্য সংগ্রহ- সং শৈলেন্দ্র মোহন ঝা

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI5.pdf

ARCHIVE.ORG (বিজযদের ঝা)

https://archive.org/details/%40vijay_deo_jha?&sort=-publicdate&page=2

VIDEHA MAITHILI BOOKS/ PICTURE-AUDIO-VIDEO ARCHIVE

http://videha.co.in/new_page_15.htm

IGNCA

http://ignca.nic.in/coilnet/mithila.htm

http://ignca.nic.in/coilnet/kalyani.htm (MAITHILI ENGLISH DICTIONARY)

MITHILA DARSHAN

https://mithiladarshan.com/ *(online pdf of Maithili journal)*

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



OLE NEPAL's E-PUSTAKALAYA (https://pustakalaya.org/en/)

পোথীক লিংক

মৈথিলী সাহিত্য সংস্থান

https://www.maithilisahityasansthan.org/resources *(online pdf of Reasearch Papers/ books)*

....

অরিপন ফাউন্ডেশন (http://www.aripanafoundation.org/)

PRATHAM BOOKS MAITHILI STORYWEAVER

https://storyweaver.org.in/stories/?language=Maithili&query=&sort=Ratings

https://www.youtube.com/playlist?list=PLAT74nNc2fmYaW29mRVAIgzRq63_9zWbI (মৈথিলী অডিযো ব্ল্ক)

জানকী এফ.এম সমাচার

https://www.youtube.com/user/Janakifm/videos (জানকী এফ.এম সমাচার)

I LOVE MITHILA

https://www.ilovemithila.com/ (online maithili journal)

https://maithili.com.np/ *(owner I Love Mithila)*

প্যারে মৈথিল

https://www.youtube.com/channel/UCq30Llck2tNw8BI4t8jjzQg (प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द- मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय यू ट्यूब चैनल)

....

ALL INDIA RADIO DOORDARSHAN आकाशवाणी दूरदर्शन

http://prasarbharati.gov.in/

http://newsonair.com/

https://doordarshan.gov.in/

आकाशवाणी मैथिली पोडकास्ट http://prasarbharati.gov.in/podcast.php?filterlang=Maithili&from=1947-08-15&fromwp=2020-08-29&to=2050-12-31&search=GO

आकाशवाणी पटना/ दरभंगा मैथिली रेजनल न्यूज टैक्स्ट डाउनलोड-1 http://newsonair.com/RNU-NSD-Audio-Archive-Search.aspx

आकाशवाणी पटना/ दरभंगा मैथिली रेजनल न्यूज टैक्स्ट डाउनलोड-2 http://newsonair.com/Regional-Text.aspx

आकाशवाणी दरभंगा http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=282

आकाशवाणी दरभंगा यू ट्यूब चैनल https://www.youtube.com/channel/UCGdNveEFmv4pPolWITEMxVA



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

आकाशवाणी
भागलपुर http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=359

आकाशवाणी
पूर्णियाँ http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=256

आकाशवाणी
पटना । http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=122

....

VIDEHA e-LEARNING YOUTUBE CHANNEL

https://www.youtube.com/channel/UC4abVKqMj2pDWAkXiOHp7A

-गजेन्द्र ठाकुर

....

विदेहक किछु विशेषांक:-

१) हाइकू विशेषांक १२ म अंक, १५ जून २००८

Videha_15_06_2008 Videha_15_06_2008_Tirhuta 12

२) गजल विशेषांक २१ म अंक, १ नवम्बर २००८

Videha_01_11_2008 Videha_01_11_2008_Tirhuta 21

३) विहनि कथा विशेषांक ६७ म अंक, १ अक्टूबर २०१०



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

১৩) জগদীশ চন্দ্র ঠাকুর অনিল বিশেষাংক ১৯১ ম অংক ১ দিসম্বর ২০১৫

Videha_01_12_2015

১৪) বিদেহ সম্মান বিশেষাংক- ২০০ম অংক ১৫ অপ্রৈল ২০১৬/ ২০৫ ম অংক ১ জুলাই ২০১৬

Videha_15_04_2016

Videha_01_07_2016

১৫) মৈথিলী সী.ডী./ অল্বম গীত সংগীত বিশেষাংক- ২১৭ ম অংক ০১ জনবরী ২০১৭

Videha_01_01_2017

১৬) মৈথিলী রেলঁ পত্রকাবিতা বিশেষাংক

VIDEHA_313

১৭) মৈথিলী বীহনি কথা বিশেষাংক-২

VIDEHA_317

১৮) রামলোচন ঠাকুর বিশেষাংক

VIDEHA_319

১৯) রামলোচন ঠাকুর শ্রদ্ধাঞ্জলি বিশেষাংক

VIDEHA_320

২০) রাজনন্দন লাল দাস বিশেষাংক

VIDEHA_333

....

লেখকক আমংত্রিত রচনা আ ওকর আমংত্রিত সমীক্ষকক সমীক্ষা সীরীজ

১. কামিনীক পাঁচ টা কবিতা আ ওকর মধুকান্ত ঝাক টিপ্পণী

বিদেহক দূ সএ নৌম অংক Videha_01_09_2016



....

"পাঠক হমব পোথী কিএ পঢ়থি"- লেখক দ্বাবা খপ্পন পোথী/ বচনাক সমীক্ষা সীবীজ

১. খাশীষ খনচিন্তাব 'বিদেহ' ক ৩২৭ ম খংক ০১ খগস্ত ২০২১

....

এডিটর্স চোগস সীবীজ

এডিটর্স চোগস সীবীজ-১

বিদেহক ১২৩ ম (০১ ফববৰী ২০১৩) খংকমে ৰনাকোবপব মৈথিলীমে পহিল করিতা প্রকাশিত ভেল ছল। ওা দিসম্বব ২০১২ ক দিল্লীক নির্ভযা ৰনাকোব কান্ডক ৰাদক সময ছল। ওনা ওা খনূদিত বচনা ছল, তেন্বগ্বমে পস্বপ্বলেটী গীতাক এহি করিতাক হিন্দী খন্বরাদ কেলে ছলীহ খাব. শাঁতা স্বন্দবী খা হিন্দীসঁ মৈথিলী খন্বরাদ কেলে ছলাহ রিনীত উঁপেল। হমব জানকাবীমে এহিসঁ ৰৈশী সিহবাৰৈৰনা করিতা কোনো ভাষামে নহি বচল গেল খছি। সাত সালক ৰাদো ওা সমস্যা ওহলে খছি। ওা করিতা সভকেঁ পঢ়ৰাক চাহী, খাস কঽ সভ ৰৈটীক ৰাপকেঁ, সভ ৰহিলক ভাএকেঁ খা সভ পলীক পতিকেঁ। খা রিচাবৰাক চাহী জে হম সভ খপনা ৰচা সভ লেল কেহল সমাজ ৰনেলে ছী।

<u>এডিটর্স চোগস সীবীজ-১</u> (ডাউনলোড লিংক)

এডিটর্স চোগস সীবীজ-২

বিদেহক ৩০-১০০ ম খংকক ৰীচ ৰ্ৰেস্ট কৈসবক সমস্যাপব বিদেহ মে মীনা ঝা কেব একটা লঘু কথা প্রকাশিত ভেল। ওা মৈথিলীক পহিল কথা ছল জে ৰ্ৰেস্ট কৈসব পব লিখল গেল। হিন্দীমে সেহো তাধবি এহি রিষযপব কথা নহি লিখল গেল ছল, কাবণ এহি কথাক ওা-প্রকাশিত ভেলাক ১-২ সালক ৰাদ হিন্দীমে দূ গোটেমে ঘোঁঘাউঁজ ভঽ বহল ছল কি পহিল হম খাকি হম, ঝদা দূনূক তিথি মৈথিলীক কথাক পবরতী ছল। ৰাদমে ওা বিদেহ লঘু কথামে সেহো সংকলিত ভেল।

<u>এডিটর্স চোগস সীবীজ-২</u> (ডাউনলোড লিংক)



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

এডিটর্স চোগস সীরীজ-৩

রিদেহক ৩.০-১০০ ম খংকক রাঁচ জগদীশী চন্দ্র ঠাকুব খনিনক কিছু রাঁন করিতা প্রকাশিত ভেন। রাঁদমে হুনকব ৩ টা রাঁন করিতা রিদেহ শিশু উঁসেরমে সংকনিত ভেন জাহিমে ২ টা করিতা রেঁরী চাগলডপব ছন। পঢ়ু ঙা তীনূ করিতা, রাঁদক দূনূ রেঁরী চাগলডপব নিখন করিতা পঢ়রেঁ টা কৰু সে খাগ্রহ।

এডিটর্স চোগস সীরীজ-৩ (ডাউঁননোড নিংক)

এডিটর্স চোগস সীরীজ-৪

রিদেহক ৩.০-১০০ ম খংকক রাঁচ জগদানন্দ ঝা মনুক একটা দীর্ঘ রাঁন কথা কহি নিখ রাঁ উঁপন্যাস প্রকাশিত ভেন, নাম ছন চোনহা। রাঁদমে ঙা বচনা রিদেহ শিশু উঁসেরমে সংকনিত ভেন, ঙা বচনা রাঁন মনোরিজ্ঞানপব খাধাবিত মৌথিনীক পহিন বচনা ছী, মৌথিনী রাঁন সাহিদ কোনা নিখী তকব ট্রেনিং কোর্সমে এহি উঁপন্যাসকেঁ বাখন জেরাঁক চাহী। কোনা মডর্ন উঁপন্যাস খাগাঁ রঁঢ় ছৈ, স্টেপ রাঁগ স্টেপ খা সেহো রাঁন উঁপন্যাস। পঢ়রেঁ টা কৰু সে খাগ্রহ।

এডিটর্স চোগস সীরীজ-৪ (ডাউঁননোড নিংক)

এডিটর্স চোগস সীরীজ-৩

এডিটর্স চোগস ৩ মে মৌথিনীক "উঁসনে কহা থা" মানে ফুমাব পরনক দীর্ঘকথা "পগঠ" (সাভাব খঁতিকা)। হিন্দীক পাঠক, জে "উঁসনে কহা থা" পঢ়নে হেতা, কেঁ রুঁঝন ছন্হি জে কোনা খহি কথাকেঁ বচি চন্দ্রধব শর্মা 'গুনেবী' খমব ভ২ গেনাহ। হম চর্চা ক২ বহন ছী, ফুমাব পরনক "পগঠ" দীর্ঘকথাক। একবা পঢ়নাক রাঁদ খহাঁকেঁ একটা রিচিত্র, স্বখদ খা মোন মৌন করৈরঁনা খনুভর ভেটৈত, জে সেক্সপীরিখন ট্রেজেডী সঁ মিনিতো নাগত খা ফবাকো। ফদা এহি বচনাকেঁ পঢ়নাক রাঁদ তামস, ঘৃণা সভপব নিযংত্রণকেঁ খা সামাজিক/ পাবিরাবিক দাযিত্বকেঁ সেহো খহাঁ খাব গম্ভীবতাসঁ নেরেঁ, সে ধবি পক্কা খছি। ফদা একব একটা শর্ত খছি জে একবা সমৈ নিকানি ক২ এক্ক উঁখড় াহামে পঢ়ী জাগ।

এডিটর্স চোগস সীরীজ-৩ (ডাউঁননোড নিংক)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



এডিষ্টর্স চোগস সীবীজ-৬

জগদীশ প্ৰসাদ মন্ডনক নঘ্কথা "ৰিসাঁঢ়": ১৯৪২-৪৩ ক খকানমে ৰঁগানমে ১ঔ নাখ নোক ম্ৰগনা, ম্ৰদা খমৰ্ত্য সেন নিখৈত ছথি জে হ্নকব কোনো সব-সম্ব্ৰন্ধী এহি খকানমে নহি মবনন্হি। মিথিনোমে খকান খাএন ১৯৬৭ ঙা. মে খা গন্দিবা গাঁধী জখন এহি ক্ষেত্ৰ খএনী তঁ হ্নকা দেখাওন গেন জে কোনা ম্ৰসহব জাতিক নোক ৰিসাঁঢ় খা কঽ এহি খকানকেঁ জীতি নেনন্হি। মৌথিনীমে নেখনক একভগাহ স্থিতি ৰিদেহক খাগমনসঁ পহিনে ছন। মৌথিনীক নেখক নোকনি সেহো খমৰ্ত্য সেন জেকাঁ ওহি মহাৰিভীষিকাসঁ প্ৰভাৰিত নহি ছনা খা তেঁ ৰিসাঁঢ়পব কথা নহি নিখি সকনা। জগদীশ প্ৰসাদ মন্ডন এহিপব কথা নিখনন্হি জে প্ৰকাশিত ভেন চেতনা সমিতিক পত্রিকামে, ম্ৰদা কাৰ্যকাবী সম্পাদক দ্বাবা ৰৰ্তনী পবিৰৰ্তনক কাবণ ও মৌথিনীমে নহি ৰবণ্ খৰহন্ত্ৰমে নিখন ৰূ্ঝা পড়ন, খা ওতেক প্ৰভাৰী নহি ভঽ সকন কাবণ ৰিষয বহ্ট খাঁট়ী খা ৰৰ্তনী হ্ৰত্ৰিম। সে একব প্বনঃ ঙা-প্ৰকাশিন খপন খসনী ৰূপমে ভেন ৰিদেহমে খা ঙা সংকনিত ভেন "গামক জিনগী" নঘ্কথা সংগ্ৰহমে। এহি পোথীপব জগদীশ প্ৰসাদ মন্ডনকেঁ টৈগোৰ নিটৰেচব খৰাৰ্ড ভেটৈননি। জগদীশ প্ৰসাদ মন্ডনক নেখনী মৌথিনী কথাধাবাকেঁ একভগাহ হেৰাঁসঁ ৰঁচা নেনক, খা মৌথিনীক সমানান্তব গতিহাসমে মৌথিনী সাহিহ্যকেঁ দূ কানখন্ডমে ৰাঁটি কঽ পঢ়এ জাএ নাগন- জগদীশ প্ৰসাদ মন্ডনসঁ পূৰ্ব খা জগদীশ প্ৰসাদ মন্ডন খাগমনক ৰাঁদ। তঁ প্ৰস্তুত খছি নঘ্কথা ৰিসাঁঢ়- খপন স্বচা স্বৰূপমে।

<u>এডিষ্টর্স চোগস সীবীজ-৬</u> (ডাউঁননোড নিংক)

এডিষ্টৰ্স চোগস সীবীজ-৭

মৌথিনীক পহিন খা একমাত্ৰ দনিত খামেকথা: সন্দীপ হ্ৰমাৰ সাহফী। সন্দীপ হ্ৰমাৰ সাহফীক দনিত খামেকথা জে খহাঁকেঁ খপন নঘ্ খাকাবাক খছৈত হিনোড়ি দেত খা খহাঁক ঙা স্থিতি কঽ দেত জে সমানান্তব মৌথিনী সাহিহ্য কতৰোঁ পঢ়্ খহাঁকেঁ খছোঁ নহি হোযত। ঙা খামেকথা ৰিদেহমে ঙা-প্ৰকাশিত ভেনাক ৰাঁদ নেখকক পোথী "ৰৈশাখমে দনানপব"মে সংকনিত ভেন খা ঙা মৌথিনীক খখন ধবিক একমাত্ৰ দনিত খামেকথা থিক। তঁ প্ৰস্তুত খছি মৌথিনীক পহিন দনিত খামেকথা: সন্দীপ হ্ৰমাৰ সাহফীক কনমসঁ।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

एडिटर्स चोइस सीरीज-७ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज-८

लेखा उगैकाकेँ बातिमे स्वलेखा लेल किछु लोककथा (विदेह पेटारसँ)।

एडिटर्स चोइस सीरीज-८ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर्स चोइस सीरीज-९

मैथिली गजलपर परिचर्चा (विदेह पेटारसँ)।

एडिटर्स चोइस सीरीज-९ (डाउनलोड लिंक)

....

जगदीश प्रसाद मण्डल जीक ६३ टा पोथीक नव संस्करण विदेहक २३३ (Videha_01_09_2017) सँ २३० (Videha_15_05_2018) धरिक अंकमे धारावाहिक प्रकाशित नीचाँक लिंकपर पढ़ू:-

VIDEHA_233	VIDEHA_234	VIDEHA_235	VIDEHA_236	VIDEHA_237	VIDEHA_238
VIDEHA_239	VIDEHA_240	VIDEHA_241	VIDEHA_242	VIDEHA_243	VIDEHA_244
VIDEHA_245	VIDEHA_246	VIDEHA_247	VIDEHA_248	VIDEHA_249	VIDEHA_250

....

विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक ब्रेल, तिरहुता आ देवनागरी रूपमे

विदेह ई-पत्रिकाक जीवन रचनाक संग-
मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ रचनाक एकटा समानान्तर संकलन:

विदेह: सदेह: १ (२००८-०९) देवनागरी

विदेह: सदेह: १ (२००८-०९) तिरहुता

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



বিদেহ:সদেহ:২ (মৈথিলী প্রবন্ধ-নিবন্ধ-সমালোচনা ২০০৯-১০) দেবনাগরী

বিদেহ:সদেহ:২ (মৈথিলী প্রবন্ধ-নিবন্ধ-সমালোচনা ২০০৯-১০) তিরহুতা

বিদেহ:সদেহ:৩ (মৈথিলী পদ্য ২০০৯-১০)দেবনাগরী

বিদেহ:সদেহ:৩ (মৈথিলী পদ্য ২০০৯-১০) তিরহুতা

বিদেহ:সদেহ:৪ (মৈথিলী কথা ২০০৯-১০)দেবনাগরী

বিদেহ:সদেহ:৪ (মৈথিলী কথা ২০০৯-১০) তিরহুতা

বিদেহ মৈথিলী বিহনি কথা [বিদেহ সদেহ ৫]দেবনাগরী

বিদেহ মৈথিলী বিহনি কথা [বিদেহ সদেহ ৫] তিরহুতা

বিদেহ মৈথিলী বিহনি কথা [বিদেহ সদেহ ৫]- দোসর সংস্করণ দেবনাগরী

বিদেহ মৈথিলী লঘুকথা [বিদেহ সদেহ ৬]দেবনাগরী

বিদেহ মৈথিলী লঘুকথা [বিদেহ সদেহ ৬] তিরহুতা

বিদেহ মৈথিলী পদ্য [বিদেহ সদেহ ৭]দেবনাগরী

বিদেহ মৈথিলী পদ্য [বিদেহ সদেহ ৭] তিরহুতা

বিদেহ মৈথিলী নাট্য উৎসব [বিদেহ সদেহ ৮]দেবনাগরী

বিদেহ মৈথিলী নাট্য উৎসব [বিদেহ সদেহ ৮] তিরহুতা

বিদেহ মৈথিলী শিশু উৎসব [বিদেহ সদেহ ৯]দেবনাগরী

বিদেহ মৈথিলী শিশু উৎসব [বিদেহ সদেহ ৯] তিরহুতা

বিদেহ মৈথিলী প্রবন্ধ-নিবন্ধ-সমালোচনা [বিদেহ সদেহ ১০]দেবনাগরী

বিদেহ মৈথিলী প্রবন্ধ-নিবন্ধ-সমালোচনা [বিদেহ সদেহ ১০] তিরহুতা

বিদেহ:সদেহ ১১

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



রিদেহ:সদেহ ১২

রিদেহ:সদেহ ১৩

………………………………………………………………………………………………………

T□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ "□□□□□□□□□□□□□□" □□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ "□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□" □□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□. □□□□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□. □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ the □□□□□□□□ □□□□s.-Editor

………………………………………………………………………………………………………

Maithili Books can be downloaded from: MAITHILI BOOKS
………………………………………………………………………………………………………

[রিদেহ মৌথিলী মানক ভাষা আ মৌথিলী ভাষা সম্পাদন পাঠ্যক্রম- ভাষাপাক](রিদেহ মৌথিলী মানক ভাষা আ মৌথিলী ভাষা সম্পাদন পাঠ্যক্রম- ভাষাপাক)

[রিদেহ সম্মান-সম্মান-সূচী (সমানান্তৱ সাহিৎ অকাদেমী পুৱস্কাৱ সহিত)](রিদেহ সম্মান-সম্মান-সূচী (সমানান্তৱ সাহিৎ অকাদেমী পুৱস্কাৱ সহিত))…………………………………………………………………………………………………

অপন মংতব্য editorial.staff.videha@gmail.com **পৰ পঠাঙ।**

সূচনা/ ঘোষণা

"রিদেহ সম্মান" সমানান্তৱ সাহিৎ অকদেমী পুৱস্কাৱক নামসঁ প্রচনিত অছি। "সমানান্তৱ সাহিৎ অকাদেমী পুৱস্কাৱ" (মৌথিলী), জে সাহিৎ অকাদেমীক মৌথিলী রিভাগক গএব সাংৱৈধানিক কাজক রিৱোধমে শুৰু কএন ছন, নেন অনুশংসা আমন্ত্রিত অছি।

অনুশংসা ২০১৯ আ ২০২০ ৱর্খ নেন নিম্ন কোটি সভমে আমন্ত্রিত অছি:
১) ফেনো
২)মূন পুৱস্কাৱ



३)बाल-साहित्य
४)युवा पुरस्कार आ
५) अनुवाद पुरस्कार।

पुरस्कारक सभ प्राणशैविया साहित्य अकादेमी, दिल्लीक समानान्तर पुरस्कारक समक्ष बहत, जे एहि लिंक sahitya-akademi.gov.in पर उपलब्ध अछि। अपन अनुशंसा editorial.staff.videha@gmail.com पर पठाउ।

वि दे ह *विदेह* Videha *विदेह* **http://www.videha.co.in** *विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका* Videha Ist Maithili Fortnightly e Magazine *विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका* *नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू।*

Search Books

powered by Google

Search the full text of GOOGLE VIDEHA books

VIDEHA ARCHIVE OF OLD ISSUES विदेह पुरान अंकक आर्काइव *(पूर्ति: अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल)* ***विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंकपर उपलब्ध अछि। All the old issues of Videha e journal are available for pdf download at the respective links below.***

"विदेह" ई-पत्रिकाक पुरान अंक: देवनागरी वर्सन	**"विदेह" ई-पत्रिकाक पुरान अंक: मिथिलाक्षर वर्सन**	**"विदेह" ई-पत्रिकाक पुरान अंक: मैथिली-ब्रेल वर्सन**

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



Videha_01_01_08	Videha_01_01_08_Tirhuta	1
Videha_15_01_08	Videha_15_01_08_Tirhuta	2
Videha_01_02_08	Videha_01_02_08_Tirhuta	3
Videha_15_02_08	Videha_15_02_08_Tirhuta	4
Videha_01_03_08	Videha_01_03_08_Tirhuta	5
Videha_15_03_08	Videha_15_03_08_Tirhuta	6
Videha_01_04_2008	Videha_01_04_2008_Tirhuta	7
Videha_15_04_2008	Videha_15_04_2008_Tirhuta	8
Videha_01_05_2008	Videha_01_05_2008_Tirhuta	9
Videha_15_05_2008	Videha_15_05_2008_Tirhuta	10
Videha_01_06_2008	Videha_01_06_2008_Tirhuta	11
Videha_15_06_2008	Videha_15_06_2008_Tirhuta	12
Videha_01_07_2008	Videha_01_07_2008_Tirhuta	13
Videha_15_07_2008	Videha_15_07_2008_Tirhuta	14
Videha_01_08_2008	Videha_01_08_2008_Tirhuta	15
Videha_15_08_2008	Videha_15_08_2008_Tirhuta	16
Videha_01_09_2008	Videha_01_09_2008_Tirhuta	17
Videha_15_09_2008	Videha_15_09_2008_Tirhuta	18
Videha_01_10_2008	Videha_01_10_2008_Tirhuta	19



Videha_15_10_2008	Videha_15_10_2008_Tirhuta	20
Videha_01_11_2008	Videha_01_11_2008_Tirhuta	21
Videha_15_11_2008	Videha_15_11_2008_Tirhuta	22
Videha_01_12_2008	Videha_01_12_2008_Tirhuta	23
Videha_15_12_2008	Videha_15_12_2008_Tirhuta	24
Videha_01_01_2009	Videha_01_01_2009_Tirhuta	25
Videha_15_01_2009	Videha_15_01_2009_Tirhuta	26
Videha_01_02_2009	Videha_01_02_2009_Tirhuta	27
Videha_15_02_2009	Videha_15_02_2009_Tirhuta	28
Videha_01_03_2009	Videha_01_03_2009_Tirhuta	29
Videha_15_03_2009	Videha_15_03_2009_Tirhuta	30
Videha_01_04_2009	Videha_01_04_2009_Tirhuta	31
Videha_15_04_2009	Videha_15_04_2009_Tirhuta	32
Videha_01_05_2009	Videha_01_05_2009_Tirhuta	33
Videha_15_05_2009	Videha_15_05_2009_Tirhuta	34
Videha_01_06_2009	Videha_01_06_2009_Tirhuta	35
Videha_15_06_2009	Videha_15_06_2009_Tirhuta	36
Videha_01_07_2009	Videha_01_07_2009_Tirhuta	37
Videha_15_07_2009	Videha_15_07_2009_Tirhuta	38



videha_01_08_2009	videha_01_08_2009_tirhuta	39
videha_15_08_2009	videha_15_08_2009_tirhuta	40
videha_01_09_2009	videha_01_09_2009_tirhuta	41
videha_15_09_2009	videha_15_09_2009_tirhuta	42
videha_01_10_2009	videha_01_10_2009_tirhuta	43
videha_15_10_2009	videha_15_10_2009_tirhuta	44
videha_01_11_2009	videha_01_11_2009_tirhuta	45
videha_15_11_2009	videha_15_11_2009_tirhuta	46
videha_01_12_2009	videha_01_12_2009_tirhuta	47
videha_15_12_2009	videha_15_12_2009_tirhuta	48
videha_01_01_2010	videha_01_01_2010_tirhuta	49
videha_15_01_2010	videha_15_01_2010_tirhuta	50
videha_01_02_2010	videha_01_02_2010_tirhuta	51
videha_15_02_2010	videha_15_02_2010_tirhuta	52
videha_01_03_2010	videha_01_03_2010_tirhuta	53
videha_15_03_2010	videha_15_03_2010_tirhuta	54
videha_01_04_2010	videha_01_04_2010_tirhuta	55
videha_15_04_2010	videha_15_04_2010_tirhuta	56
videha_01_05_2010	videha_01_05_2010_tirhuta	57



videha_15_05_2010	videha_15_05_2010_tirhuta	58
videha_01_06_2010	videha_01_06_2010_tirhuta	59
videha_15_06_2010	videha_15_06_2010_tirhuta	60
videha_01_07_2010	videha_01_07_2010_tirhuta	61
videha_15_07_2010	videha_15_07_2010_tirhuta	62
videha_01_08_2010	videha_01_08_2010_tirhuta	63
videha_15_08_2010	videha_15_08_2010_tirhuta	64
videha_01_09_2010	videha_01_09_2010_tirhuta	65
videha_15_09_2010	videha_15_09_2010_tirhuta	66
videha_01_10_2010	videha_01_10_2010_tirhuta	67
videha_15_10_2010	videha_15_10_2010_tirhuta	68
videha_01_11_2010	videha_01_11_2010_tirhuta	69
videha_15_11_2010	videha_15_11_2010_tirhuta	70
videha_01_12_2010	videha_01_12_2010_tirhuta	71
videha_15_12_2010	videha_15_12_2010_tirhuta	72
videha_01_01_2011	videha_01_01_2011_tirhuta	73
videha_15_01_2011	videha_15_01_2011_tirhuta	74
videha_01_02_2011	videha_01_02_2011_tirhuta	75
videha_15_02_2011	videha_15_02_2011_tirhuta	76





videha_15_12_2011	videha_15_12_2011_tirhuta	96
videha_01_01_2012	videha_01_01_2012_tirhuta	97
videha_15_01_2012	videha_15_01_2012_tirhuta	98
videha_01_02_2012	videha_01_02_2012_tirhuta	99
videha_15_02_2012	videha_15_02_2012_tirhuta	100
videha_01_03_2012	videha_01_03_2012_tirhuta	101
videha_15_03_2012	videha_15_03_2012_tirhuta	102
videha_01_04_2012	videha_01_04_2012_tirhuta	103
videha_15_04_2012	videha_15_04_2012_tirhuta	104
videha_01_05_2012	videha_01_05_2012_tirhuta	105
videha_15_05_2012	videha_15_05_2012_tirhuta	106
videha_01_06_2012	videha_01_06_2012_tirhuta	107
videha_15_06_2012	videha_15_06_2012_tirhuta	108
videha_01_07_2012	videha_01_07_2012_tirhuta	109
videha_15_07_2012	videha_15_07_2012_tirhuta	110
videha_01_08_2012	videha_01_08_2012_tirhuta	111
videha_15_08_2012	videha_15_08_2012_tirhuta	112
videha_01_09_2012	videha_01_09_2012_tirhuta	113
videha_15_09_2012	videha_15_09_2012_tirhuta	114



videha_01_10_2012	videha_01_10_2012_tirhuta	115
videha_15_10_2012	videha_15_10_2012_tirhuta	116
videha_01_11_2012	videha_01_11_2012_tirhuta	117
videha_15_11_2012	videha_15_11_2012_tirhuta	118
videha_01_12_2012	videha_01_12_2012_tirhuta	119
videha_15_12_2012	videha_15_12_2012_tirhuta	120
videha_01_01_2013	videha_01_01_2013_tirhuta	121
videha_15_01_2013	videha_15_01_2013_tirhuta	122
videha_01_02_2013	videha_01_02_2013_tirhuta	123
videha_15_02_2013	videha_15_02_2013_tirhuta	124
videha_01_03_2013	videha_01_03_2013_tirhuta	125
videha_15_03_2013	videha_15_03_2013_tirhuta	126
videha_01_04_2013	videha_01_04_2013_tirhuta	127
videha_15_04_2013	videha_15_04_2013_tirhuta	128
videha_01_05_2013	videha_01_05_2013_tirhuta	129
videha_15_05_2013	videha_15_05_2013_tirhuta	130
videha_01_06_2013	videha_01_06_2013_tirhuta	131
videha_15_06_2013	videha_15_06_2013_tirhuta	132
videha_01_07_2013	videha_01_07_2013_tirhuta	133

videha_15_07_2013	videha_15_07_2013_tirhuta	134
videha_01_08_2013	videha_01_08_2013_tirhuta	135
videha_15_08_2013	videha_15_08_2013_tirhuta	136
videha_01_09_2013	videha_01_09_2013_tirhuta	137
videha_15_09_2013	videha_15_09_2013_tirhuta	138
videha_01_10_2013	videha_01_10_2013_tirhuta	139
videha_15_10_2013	videha_15_10_2013_tirhuta	140
videha_01_11_2013	videha_01_11_2013_tirhuta	141
videha_15_11_2013	videha_15_11_2013_tirhuta	142
videha_01_12_2013	videha_01_12_2013_tirhuta	143
videha_15_12_2013	videha_15_12_2013_tirhuta	144
videha_01_01_2014	videha_01_01_2014_tirhuta	145
videha_15_01_2014	videha_15_01_2014_tirhuta	146
videha_01_02_2014	videha_01_02_2014_tirhuta	147
videha_15_02_2014	videha_15_02_2014_tirhuta	148
videha_01_03_2014	videha_01_03_2014_tirhuta	149

VIDEHA_150	VIDEHA_151	VIDEHA_152	VIDEHA_153	VIDEHA_154

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



VIDEHA_155	VIDEHA_156	VIDEHA_157	VIDEHA_158	VIDEHA_159
VIDEHA_160	VIDEHA_161	VIDEHA_162	VIDEHA_163	VIDEHA_164
VIDEHA_165	VIDEHA_166	VIDEHA_167	VIDEHA_168	VIDEHA_169
VIDEHA_170	VIDEHA_171	VIDEHA_172	VIDEHA_173	VIDEHA_174
VIDEHA_175	VIDEHA_176	VIDEHA_177	VIDEHA_178	VIDEHA_179
VIDEHA_180	VIDEHA_181	VIDEHA_182	VIDEHA_183	VIDEHA_184
VIDEHA_185	VIDEHA_186	VIDEHA_187	VIDEHA_188	VIDEHA_189
VIDEHA_190	VIDEHA_191	VIDEHA_192	VIDEHA_193	VIDEHA_194
VIDEHA_195	VIDEHA_196	VIDEHA_197	VIDEHA_198	VIDEHA_199
VIDEHA_200	VIDEHA_201	VIDEHA_202	VIDEHA_203	VIDEHA_204
VIDEHA_205	VIDEHA_206	VIDEHA_207	VIDEHA_208	VIDEHA_209
VIDEHA_210	VIDEHA_211	VIDEHA_212	VIDEHA_213	VIDEHA_214

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

VIDEHA_215	VIDEHA_216	VIDEHA_217	VIDEHA_218	VIDEHA_219
VIDEHA_220	VIDEHA_221	VIDEHA_222	VIDEHA_223	VIDEHA_224
VIDEHA_225	VIDEHA_226	VIDEHA_227	VIDEHA_228	VIDEHA_229
VIDEHA_230	VIDEHA_231	VIDEHA_232	VIDEHA_233	VIDEHA_234
VIDEHA_235	VIDEHA_236	VIDEHA_237	VIDEHA_238	VIDEHA_239
VIDEHA_240	VIDEHA_241	VIDEHA_242	VIDEHA_243	VIDEHA_244
VIDEHA_245	VIDEHA_246	VIDEHA_247	VIDEHA_248	VIDEHA_249
VIDEHA_250	VIDEHA_251	VIDEHA_252	VIDEHA_253	VIDEHA_254
VIDEHA_255	VIDEHA_256	VIDEHA_257	VIDEHA_258	VIDEHA_259
VIDEHA_260	VIDEHA_261	VIDEHA_262	VIDEHA_263	VIDEHA_264
VIDEHA_265	VIDEHA_266	VIDEHA_267	VIDEHA_268	VIDEHA_269
VIDEHA_270	VIDEHA_271	VIDEHA_272	VIDEHA_273	VIDEHA_274

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



VIDEHA_275	VIDEHA_276	VIDEHA_277	VIDEHA_278	VIDEHA_279
VIDEHA_280	VIDEHA_281	VIDEHA_282	VIDEHA_283	VIDEHA_284
VIDEHA_285	VIDEHA_286	VIDEHA_287	VIDEHA_288	VIDEHA_289
VIDEHA_290	VIDEHA_291	VIDEHA_292	VIDEHA_293	VIDEHA_294
VIDEHA_295	VIDEHA_296	VIDEHA_297	VIDEHA_298	VIDEHA_299
VIDEHA_300	VIDEHA_301	VIDEHA_302	VIDEHA_303	VIDEHA_304
VIDEHA_305	VIDEHA_306	VIDEHA_307	VIDEHA_308	VIDEHA_309
VIDEHA_310	VIDEHA_311	VIDEHA_312	VIDEHA_313	VIDEHA_314
VIDEHA_315	VIDEHA_316	VIDEHA_317	VIDEHA_318	VIDEHA_319
VIDEHA_320	VIDEHA_321	VIDEHA_322	VIDEHA_323	VIDEHA_324
VIDEHA_325	VIDEHA_326	VIDEHA_327	VIDEHA_328	VIDEHA_329
VIDEHA_330	VIDEHA_331	VIDEHA_332	VIDEHA_333	VIDEHA_334

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



VIDEHA_335	VIDEHA_336	VIDEHA_337	VIDEHA_338	VIDEHA_339
VIDEHA_340	VIDEHA_341	VIDEHA_342	VIDEHA_343	VIDEHA_344
VIDEHA_345	VIDEHA_346	VIDEHA_347	VIDEHA_348	VIDEHA_349
VIDEHA_350	VIDEHA_351	VIDEHA_352	VIDEHA_353	VIDEHA_354

....

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

वि दे ह *विदेह* Videha *विदेह* ***http://www.videha.co.in*** *विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका* Videha Ist Maithili Fortnightly e Magazine *विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू।*

Search Books

powered by Google

Search the full text of GOOGLE VIDEHA books

VIDEHA ARCHIVE OF MAITHILI BOOKS विदेह मैथिली पोथीक आर्काइव *(पूर्ति: व्यवसायिक उद्देश्य वा मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल)* **सभ** ***पोथी पी.डी.एफ. डाउनलोड लेल क्रमानुसार नीचाँक लिंक सभपर उपलब्ध अछि।*** *All the books are available for pdf download at the respective links below.*

राधाकृष्ण चौधरी (सौजन्य- प्रभात कुमार चौधरी)

मिथिलाक इतिहास

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



A Survey of Maithili Literature

THE POLITICAL AND CULTURALHERITAGE OF MITHILA

স্বশীন (সৌজন্য- নৱোঁনাবাযণ মিশ্র)

খস্মিতা (নঘুকথা সংগ্রহ)

ভামতী (নাটক)

রিঁনয ভূষণ (সৌজন্য- খাশীষ খনচিন্হাব)

উঁজবা পবরাক খোজ (করিতা সংগ্রহ)

ডॉ. উঁদয নাবাযণ সিংহ "নচিকেতা" (সৌজন্য- নচিকেতা)

নো এন্ট্রী : মা প্ররিশ (দেরনাগবী) NO_ENTRY_MA_PRAVISH

নো এন্ট্রী : মা প্ররিশ (তিবহুতা) No_Entry_Ma_Pravish_Tirhuta

নো এন্ট্রী : মা প্ররিশ (ব্রেঁন) NO_ENTRY_BRAILLE

Andolan

Ek_Chchal_Raja

Janak_A_Anya_Ekanki

Natak_ka_lel

Nayak_ka_naam_JEEVAN

Pratyavarthan

Rama_leela

প্রিযংরদা (একাংকী)

খণিমা সিংহ (সৌজন্য- নচিকেতা)

Shishu_Geet_Khel_Anima_Singh

প্ররোঁধ নাবাযণ সিংহ (সৌজন্য- নচিকেতা)

Anher_Nagari_translator_Prabodh_Narayan_Singh

Chayanika_Edited_Prabodh_Narayan_Singh

Vaijayanti_Poems_Prabodh_Narayan_Singh

Haathik_Daant

ঽঽকা গপ (সম্পাদিত কথা সংকনন)

প্রেমক বোগ (নাটক)

ডॉ রঁচেশ্বব ঝা

B_JHA_Nibhand_Nikunj

ডॉ. দেরশংকব নরীন (সৌজন্য- দেরশংকব নরীন)

Adhunik_Sahityak_Paridrishya

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



ডা. নন্দিতা ঝা। (সৌজন্য- নন্দিতা ঝা)

মৈথিলীক ভোজন সম্বন্ধী শব্দাবলী

শিব কুমার ঝা "টিল্লু"

ক্ষণপ্রভা-কবিতা-সংগ্রহ

অংশু-সমালোচনা

রাজেশ্বর ঝা (মৈথিলী সাহিত্য সংস্থান আর্কাইভ)

রাজেশ্বর ঝা- মিথিলাক্ষরক উদ্ভব ও বিকাস

সুরেন্দ্র ঝা সুমন (আর্কাইভ ডাটা কাম)

Surendra Jha Suman দত্ত-বতী (মূল)- শ্রী সুরেন্দ্র ঝা সুমন

গোবিন্দ ঝা ((IGNCA SITE আর্কাইভ)

MAITHILI ENGLISH DICTIONARY

রামদেব ঝা (সৌজন্য- শংকরদেব ঝা)

সব্যসাচী (অভিনন্দন গ্রন্থ)

MAITHILI DICTIONARY- RAMDEO JHA

দত্ত-বতীক বস্তু কৌশল- ডা. শ্রীরামদেবঝা

ডা শৈলেন্দ্র মোহন ঝা। (আর্কাইভ ডাটা কাম)

পরিচয় নিচয়- ডা শৈলেন্দ্র মোহন ঝা

রমানাথ ঝা (CIIL SITE আর্কাইভ)

প্রবন্ধ সংগ্রহ- রমানাথ ঝা

শম্ভু কুমার সিংহ

তুকারাম রামা শেটক কোংকণী উপন্যাসক মৈথিলী অনুবাদ ডা শম্ভু কুমার সিংহ দ্বারা

পাখলো

TOPIC 14 (আধুনিক নাটকমে চিত্রিত নির্ধনতাক সমস্যা- শম্ভু কুমার সিংহ)

TOPIC 16 (যূ. পী.এস.সী. মৈথিলী প্রথম পত্রক পরীক্ষার্থী হেতু উপযোগী সংকলন, মৈথিলীক প্রমুখ উপভাষাক ক্ষেত্র আ ওকর প্রমুখ বিশেষতা, মৈথিলী সাহিত্যক আদিকাল, মৈথিলী সাহিত্যক কাল-নির্ধারণ- শম্ভু কুমার সিংহ)

অরুণ কুমার সিংহ

TOPIC 15 (স্বাতংত্র্যোত্তর মৈথিলী কথামে সামাজিক সমরসতা- অরুণ কুমার সিংহ)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



ক্ষমাব পরন (সৌজন্য- খঁতিকা)

পগঠ (মৈথিলীক সর্বশ্রেষ্ঠ কথা)

ডাযবীক খালী পন্না

বমাকান্ত মিশ্র "মিহিব" (খার্কাগিব ডাঁট কাম)

মৈথিলী ক্ষমারবা এরম লোকোক্তি প্রকাশি- বমাকান্ত মিশ্র মিহিব

খানন্দ মিশ্র (সৌজন্য- বমানন্দ ঝা "বমণ")

মিথিলা ভাষাক স্বরোঁধ ব্যাকবণ

স্বভাষ চন্দ্র যাদব (সৌজন্য- স্বভাষ চন্দ্র যাদব)

বঁনৈত বিগড়ৈত (লঘুকথা সংগ্রহ) Banait_Bigrait_SubhashChandraYadav

বাজকমল চৌধবী: মোনোগ্রাফ

প্রেমশঁকব সিংহ

মৈথিলী ভাষা সাহিত্য:বীসম শতাব্দী (আলোচনা)

ডাঁ. বমণ ঝা (সৌজন্য- বমণ ঝা)

মৈথিলী কাব্যমে খলঙ্কাব

খলঙ্কাব-ভাস্কব

মৈথিলী কাব্যমে জ্যাতিষ

ভিন্ন-খভিন্ন

ভোলা লাল দাস (খার্কাগিব ডাঁট কাম)

মৈথিলী স্বরোঁধ ব্যাকবণ- ভোলা লাল দাস

ডাঁ. বমানন্দ ঝা 'বমণ' (সৌজন্য- বমানন্দ ঝা "বমণ"/ CIIL SITE খার্কাগিব)

হিখাওন

Sagar_rati_Deep_Jaray

বাজু খা ' টৌকাক গাছ (খনুবাদ)

খখিযাসন CIIL SITE

কেদাবনাথ চৌধবী (সৌজন্য- কেদাবনাথ চৌধবী)

চমেলীবানী

মাহুব

কবাব

খবাঁবা লহিতন

যাগেন্দ্র পাঠক "বিযাগী"

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



বিজ্ঞানক বাতকথা

দুর্গানন্দ মণ্ডল

সঁচযিকা

কথা কুসুম (বিহনি আ লঘু কথা সংগ্রহ)

Chakshu

রামলোচন ঠাকুর (সৌজন্য- রামলোচন ঠাকুর)

আঁখি মুনলে আঁখি খোললে (সংস্মরণ)

স্মৃতিক ধোখরল রংগ (সংস্মরণ)

অপূর্বা (কবিতা সংগ্রহ)

ইতিহাসহন্তা (কবিতা সংগ্রহ)

দেশক নাম ছলৈ সোন চিড়ৈযা (কবিতা সংগ্রহ)

লাখ প্রশ্ন অনুত্তরিত (কবিতা সংগ্রহ)

প্রতিধ্বনি (বিদেশী ভাষাক কবিতাক মৈথিলী রূপান্তরণ)

পদ্মানদীক মাঝী (অনূদিত উপন্যাস)

মৈথিলী লোককথা

আজুক কবিতা (সম্পাদিত কবিতা সংগ্রহ)

বেতাল কথা (হাস্য-ব্যংগ)

দেসিল বযনা (অখড়াবা)

গজেন্দ্র ঠাকুর

প্রবন্ধ-নিবন্ধ-সমালোচনা ভাগ-১

প্রবন্ধ-নিবন্ধ-সমালোচনা ভাগ দু (কুরুক্ষেত্রম্ অন্তর্মনক-২)

সহস্রবাঢ়নি (উপন্যাস)

সহস্রাব্দীক চৌপড়পর (পদ্য সংগ্রহ)

গল্প-গুচ্ছ (বিহনি আ লঘু কথা সংগ্রহ)

সংকর্ষণ (নাটক)

ত্বঞ্চাহঞ্চ আ অসঞ্জাতি মন (দুটা গীত প্রবন্ধ)

বাল মণ্ডলী/ কিশোর জগত (বাল নাটক, লঘুকথা, কবিতা আদি)

উল্কামুখ (নাটক)

সহস্রশীর্ষা (উপন্যাস)

ধাংগি বাট বনেবাক দাম অগূবার পেলে ছী (রুবাই, কতা আ গজল সংগ্রহ)

শব্দশাস্ত্রম্ (লঘুকথা সংগ্রহ)

কুরুক্ষেত্রম্ অন্তর্মনক

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



দেৱনাগৱী ৱর্সন তিৱহুতা ৱর্সন ব্রেল ৱর্সন

সহস্রবাঢ়নি_ব্রেল-মৈথিলী (মৈথিলীক পহিল ব্রেল পোথী)

UPSC/ BPSC MAITHILI OPTIONAL

TOPIC 1[Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) ভারোপীয ভাষা পরিৱার মধ্য মৈথিলীক স্থান/ মৈথিলী ভাষাক উদ্ভৱ ও ৱিকাস (সংস্কৃত, প্রাকৃত, অৱহট্ট, মৈথিলী)]

TOPIC 2(Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

TOPIC 3 (জ্যোতিরীশ্বর, ৱিদ্যাপতি আ গোৱিন্দদাস সিলেবসমে ছথি আ বসময কবি চতুর চতুরভুজ ৱিদ্যাপতি কালীন কবি ছথি। এতয সমীক্ষা শৃংখলাক প্রারম্ভ করবাসঁ পূর্ব চারু গোটকে শব্দারলী নর শব্দক পর্যায সংগ দেল জা রহল অছি। নর আ পুরান শব্দারলীক জ্ঞানসঁ জ্যোতিরীশ্বর, ৱিদ্যাপতি আ গোৱিন্দদাসক প্রশ্নোত্তরমে ধার আওত, সংগহি শব্দকোষ ৱঢ়লাসঁ আঁটী মৈথিলীমে প্রশ্নোত্তর লিখবামে ধাখ আস্তে-আস্তে খতম হোযত, লেখলীমে প্ররাহ আযত আ স্বচা ভারক অভিব্যক্তি ভয সকত।)

TOPIC 4 (ৱবীন্দ্রনাথ ঝা শব্দারলী আ মিথিলাক ঋষি-মত্স্য শব্দারলী)

TOPIC 5 (রৈন্যূ এডীশন- প্রথম পত্র- লোকিক গাথামে সমাজ ও সংস্কৃতি)

TOPIC 6 (রৈন্যূ এডীশন- দ্বিতীয পত্র- ৱিদ্যাপতি)

TOPIC 7 (রৈন্যূ এডীশন- দ্বিতীয পত্র- পদ্য সমীক্ষা- রাগনগী)

TOPIC 8 (রৈন্যূ এডীশন- প্রথম পত্র- লোক গাথা নৃত্য নাটক সংগীত)

TOPIC 9 (রৈন্যূ এডীশন- দ্বিতীয পত্র- যাত্রী)

TOPIC 10 (রৈন্যূ এডীশন- দ্বিতীয পত্র- মৈথিলী রামাযণ)

TOPIC 11 (রৈন্যূ এডীশন- দ্বিতীয পত্র- মৈথিলী উপন্যাস)

TOPIC 12 (রৈন্যূ এডীশন- প্রথম পত্র- শব্দ ৱিচার)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY

TOPIC 13 (तिरहुता लिपिक उद्भव ओ विकास)

TOPIC 17(मैथिली आ दोसर पूर्वी भारतीय भाषाक बीचमे सम्बन्ध (बांग्ला, असमिया आ ओड़िया) [यू.पी.एस.सी. सिलेबस, पत्र-१, भाग-"ए", क्रम-३.])

TOPIC 18[मैथिली आ हिन्दी/ बांग्ला/ भोजपुरी/ मगही/ संथाली- बिहार लोक सेवा आयोग (बी.पी.एस.सी.) केर सिविल सेवा परीक्षाक मैथिली (ऐच्छिक) विषय लेल]

जलोदीप (बाल-नाटक संग्रह)
अक्षरमुष्टिका (बाल-लघुकथा संग्रह)
बालक बगिया (बाल-पद्य संग्रह)
नाराशंसी (गीत-प्रबन्ध)
सहस्रजित् (पद्य संग्रह)
जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी
गंगा ब्रिज (नाटक)
मछन्द (नाटक)
The_Science_of_Words
Learn Mithilakshar Script तिरहुता (मिथिलाक्षर) सीखू
Learn Braille through Mithilakshar Script ब्रेल सीखू
Learn International Phonetic Script through Mithilakshar Script अन्तर्राष्ट्रीय ध्वन्यात्मक वर्णमाला सीखू
मिथिला बर्न/ मिथिला चित्रकला/ मिथिलाक पाबनि तिहार (कथा) आ मिथिलाक संगीत
A Survey of Maithili Literature- Vol.II - GAJENDRA THAKUR (soon)
मिथिलाक इतिहास- भाग-२ (शीघ्र)

गजेन्द्र ठाकुर (सम्पादन)
विदेह सदेह [विदेह www.videha.co.in पेटार : :विदेह ई-पत्रिकाक ०१ सँ २५ म अंकक बीछल रचनाक संग containing matter from 01st to 25th issue of Videha e-magazine

विदेह: सदेह: १ (२००८-०९) देवनागरी

विदेह: सदेह: १ (२००८-०९) तिरहुता

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



রিদেহ সদেহ [রিদেহ www.videha.co.in পেটাব :রিদেহ ঙ্গ-পত্রিকাক ২৬ ম সঁ ৫০ ম খংকক রীছন বচনাক সংগ containing matter from 26th to 50th issue of Videha e-magazine

রিদেহ সদেহ [রিদেহ www.videha.co.in পেটাব (খংক ৫১-১০০) সঁ, মৈথিলীক সর্বশ্রেষ্ঠ বচনাক একটা সমানান্তব সংকলন]



বিদেহ মৈথিলী শিশু উৎসব [বিদেহ সদেহ ৯] তিরহুতা

বিদেহ মৈথিলী প্রবন্ধ-নিবন্ধ-সমালোচনা [বিদেহ সদেহ ১০]দেবনাগরী

বিদেহ মৈথিলী প্রবন্ধ-নিবন্ধ-সমালোচনা [বিদেহ সদেহ ১০] তিরহুতা

বিদেহ:সদেহ ১১

বিদেহ:সদেহ ১২

বিদেহ:সদেহ ১৩

বিদেহ ঙা-পত্রিকাক সভটা পুরান অংক Videha e journal's all old issues

VIDEHA ARCHIVE OF OLD ISSUES বিদেহ পুরান অংকক আর্কাইব

"বিদেহ" ঙা-পত্রিকাক পুরান অংক: দেবনাগরী বর্সন (অংক ০০১ সঁ ১৪৯)

"বিদেহ" ঙা-পত্রিকাক পুরান অংক: মিথিলাক্ষর বর্সন (অংক ০০১ সঁ ১৪৯)

"বিদেহ" ঙা-পত্রিকাক পুরান অংক: মৈথিলী ব্রেল বর্সন (অংক ০০১ সঁ ১৪৯)

VIDEHA 150 ONWARDS

VIDEHA-SADEHA

বিদেহ ফাগুন (অংক ০০১ সঁ ১৪৯-দেবনাগরী , মিথিলাক্ষর আ মৈথিলী ব্রেল বর্সন)

বিদেহ ঙা-পত্রিকা GOOGLE VIDEHA BOOKS
ভাষাপাক -বিদেহ মৈথিলী মানক ভাষা আ মৈথিলী ভাষা সম্পাদন পাঠ্যক্রম
AUDIO ARCHIVE FOLDER
MITHILA_PAINTING-MODERN ART-PHOTOS
VIDEHA OLD ISSUES FOLDER

VIDEHA CLASSICAL SITES FOLDER
AND CLICK EACH OF THE FOLLOWING 17 LINKS TO DOWNLOAD ALL THE 11000 JPG IMAGES IN 17 PDF FILES.

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



পঞ্জী (মূল মিথিলাক্ষর তাড়পত্র)

দূষণ পঞ্জী

মোদানন্দ ঝা শাখা পঞ্জী

মংডার- মবহ্ৎ কশ্যপ-প্রাচীন

প্রাচীন পঞ্জী (নেমীনেষ্ট কএন)

উতেঢ় পঞ্জী

পনিচোভে রীবপ্তব

দরভঙ্গা রাজ আদেশে উতেঢ় আদি

ভোটী ঝা পুস্তক নির্দেশিকা

পত্র পঞ্জী

মূলগ্রাম পঞ্জী

মূলগ্রাম পরগনা হিসারেঁ পঞ্জী

মূল পঞ্জী-২

মূল পঞ্জী-৩

মূল পঞ্জী-৪

মূল পঞ্জী-৫

মূল পঞ্জী-৬

মূল পঞ্জী-৭

গজেন্দ্র ঠাকুর, নাগেন্দ্র কুমার ঝা আ পঞ্জীকার বিদ্যানন্দ ঝা

জীনোম মৌপিংগ (৪৫০ এ.ডী.সঁ ২০০৯ এ.ডী.)--মিথিলাক পঞ্জী প্রবন্ধ

জীনিয়োলোজিকল মৌপিংগ (৪৫০ এ.ডী.সঁ ২০০৯ এ.ডী.)--মিথিলাক পঞ্জী প্রবন্ধ -ভাগ-২

MAITHILI-ENGLISH DICTIONARIES

Maithili_English_Dictionary_Vol.I

MaithiliEnglishDictionary_Vol.II_GajendraThakur

ENGLISH-MAITHILI DICTIONARIES

VIDEHA ENGLISH MAITHILI DICTIONARY

English-Maithili Computer Dictionary

গজেন্দ্র ঠাকুর আ আশীষ অনচিন্হার (সম্পাদন)

মৌথিলীক প্রতিনিধি গজল

মৌথিলী গজল: আগমন ও প্রস্থান বিন্দু (গজলক আলোচনা-সমালোচনা-সমীক্ষা)

আশীষ অনচিন্হার

কুমারি গছা (গজল সংগ্রহ)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



जंघाजोड़ ी (गजल संग्रह)
अनचिन्हार आखर (गजल, रुबाइ आ कताक संग्रह)
मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास
मैथिली रंग पत्रकारिताक इतिहास (अनुवादक: अंतिका आलेख:अंतर्जाल आ मैथिली: गजेन्द्र ठाकुर)
मैथिली गजलक बेड़ी बेकोनव
शब्द-अर्थ-शक्ति
जगदानन्द झा 'मनु' (सौजन्य- जगदानन्द झा 'मनु')
नहि या उतरैए हमर घवाड़ ीपर (गजल संग्रह)
तोहर कतेक रंग (विहनि कथा संग्रह)
चोनहा- (बाल उपन्यास)
व्यथा- (कविता-गीत संग्रह)
उमेश मण्डल
निश्तुकी- कविता संग्रह
मिथिलाक संस्कार गीत, विध-व्यवहार गीत आ गीतनाद (संकलन)
मिथिलाक वनस्पति स्लाइड शो मिथिलाक जीव-जन्तु स्लाइड शो मिथिलाक जिनगी स्लाइड शो
MITHILA_PAINTING-MODERN ART-PHOTOS
सगर राति दीप जरय- इतिहास
दुध-पानि फुलाक-फुलाक (कथा एवं पाण्डुलिपि जगदीश प्रसाद मण्डल)-(भाषा एवं सम्पादन- उमेश मण्डल)
हिन्दुस्तानी मुसलमान और हिन्दुस्तानियत - मूल हिन्दी लेख- गीतेश शर्मा, मैथिली अनुवाद- उमेश मण्डल
उमेश मण्डल द्वारा मैथिली लेखकक रचना संसारसँ बौछल विचारक पाखनेटक पोथी
जगदीश प्रसाद मण्डल राजदेव मण्डल डॉ. शिव कुमार प्रसाद रामदेव प्रसाद मण्डल 'झारूदार' राम विलास साहु नन्दविलास राय कपिलेश्वर राउत प्रीतम कुमार निषाद

मिथिलाक सभ जाति आ धर्मक संस्कार, लोकगीत आ व्यवहार गीत (सौजन्य: उमेश मंडल)

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



বাম রিনাস সাহ্

খংক্ষব- নঘ্কথা সংগ্রহ

বথক চক্কা উঁনষ্টি চনৌ রাঁষ্টি (করিতা/ ঠৈনকা সংগ্রহ)

কর্ম রিঁন্ব জগ স্বন্না (দোসব করিতা/ ঠৈনকা সংগ্রহ)

স্কূনক খিচড় ী (রিহনি/ নঘ্ কথা সংগ্রহ)

দূধরেঁচনী (নঘ্ কথা সংগ্রহ)

RVS_Manak_Mail

বরীন্দ্র নাবাযণ মিশ্র (সৌজন্য- বরীন্দ্র নাবাযণ মিশ্র)

RNM_Maharaj

নন্দ রিনাস বায

NVR_Bhardutiya.pdf

NVR_CHHATHIK_DALA.pdf

NVR_HAMAR_CHAROODHAM.pdf

নাবাযণ যাদর (সৌজন্য- উঁমেশ মন্ডন)

Narayan_Yadav__Khali_Ghar.pdf

বামদের প্রসাদ মন্ডন 'ঝাকদাব'

হমবা রিঁন্ব জগত সূনা ছৈ

Gatanjali Jharoo

বাজদের মন্ডন

খম্বৃবা-করিতা-সংগ্রহ

হমব ঠৈন (উঁপন্যাস)

রঁস্বঁধবা(করিতা সংগ্রহ)

জান (পষ্টকথা)

নাজ (একাঁকী)

জন ভঁরব (উঁপন্যাস)

ত্রিরেণীক বংগ (রিহনি খা নঘ্ কথা সংগ্রহ)

পঁচৈতী (নঘ্ পষ্টকথা)

R_Mandal_Waapsi

জগদীশ প্রসাদ মন্ডন

গামক জিনগী (নঘ্কথা সংগ্রহ)

মিথিনাক রেঁটী (নাষ্টক)

মৌনাগন গাছক ফূন (উঁপন্যাস)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



জিনগীক জীত (উঁপন্যাস)
উঁথোন-পতন (উঁপন্যাস)
জীরঁন-মবন (উঁপন্যাস)
জীরন-সংঘর্ষ (উঁপন্যাস)
তরেগন (রাঁন প্রেবক রিহনি কথা সংগ্রহ)
পঁচরঙী (একাঁকী-সঁচযন)
খহ্ঝাঁগিনী..সবোজনী.. স্বভদ্রা.. ভাগক সিনেহ গত্যাদি (নঘ্কথা সংগ্রহ)
কম্প্রামাগজ (নাঁটক)
ঝমেনিযা রিঁখাহ (নাঁটক)
গন্দ্রধন্বষী খকাস (পদ্য সংগ্রহ)
শিঁভুদাস (তীনটা দীর্ঘ কথা মগট্গ্গব, শিঁভুদাস খা ফাঁসী)
গীতাঁজনি (গীত সংগ্রহ)
বাতি-দিন (করিতা সংগ্রহ)
সতভৈঁযা পোখবি (নঘ্ কথা সংগ্রহ)
তীন জেঠ এগাবহম মাঘ (গীত সংগ্রহ)
রঁজন্তা-রঁ্ঝন্তা (রিহনি কথা সংগ্রহ)
বনোকব ডকৈত (নাঁটক)
রঁভ়কী রঁহিন (উঁপন্যাস)
ভকমোঁড় (নঘ্কথা সংগ্রহ)
উঁনরাঁ চাউঁব (নঘ্কথা সংগ্রহ)
সবিতা (করিতা সংগ্রহ)
স্বখাএন পোখবিক জাগঠ (গীত সংগ্রহ)
নৈ ধাঁড় এ (রাঁন উঁপন্যাস)
স্বযঁরব (নাঁটক)
পতঝাঁড় (নঘ্ কথা সংগ্রহ)
ফনহাব (নঘ্ কথা সংগ্রহ)
গামক শিকন সূবত (নঘ্ কথা সংগ্রহ)
নজরিঁজী (নঘ্ কথা সংগ্রহ)
রঁটৈসব কাকা (নঘ্ কথা সংগ্রহ)
খামক গাছী
খপ্পন গাম
দিরানীক দীপ

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



পঁচদের সীবীজ

Panchdeo_1.pdf Panchdeo_2.pdf Panchdeo_3.pdf Panchdeo_4.pdf Panchdeo_5.pdf Panchdeo_6.pdf Panchdeo_7.pdf Panchdeo_8.pdf Panchdeo_9.pdf Panchdeo_10.pdf
Panchdeo_20.pdf Panchdeo_30.pdf Panchdeo_40.pdf Panchdeo_50.pdf Panchdeo_60.pdf Panchdeo_70.pdf Panchdeo_80.pdf Panchdeo_90.pdf Panchdeo_100.pdf

দ্ধ-পানি ফবাক-ফবাক (কথা এরং পাল্ড্নিপি জগদীশি প্রসাদ মল্ডন)- (ছাযা এরং সম্পাদন- উঁমেশি মল্ডন)

জগদীশি প্রসাদ মল্ডন জীক ৬৩ টা পোথীক নর সংস্করণ রিদেহেক ২৩৩ (Videha_01_09_2017) সঁ ২৩০ (Videha_15_05_2018) ধবিক খংকমে ধাবারাহিক প্রকাশিন নীচাঁক নিংকপব পঢ়ু:-

VIDEHA_233	VIDEHA_234	VIDEHA_235	VIDEHA_236	VIDEHA_237	VIDEHA_238
VIDEHA_239	VIDEHA_240	VIDEHA_241	VIDEHA_242	VIDEHA_243	VIDEHA_244
VIDEHA_245	VIDEHA_246	VIDEHA_247	VIDEHA_248	VIDEHA_249	VIDEHA_250

কথা রৌহ্ম সিহ্ম মেহথপা (রাঁন সাহিত্ত) মেংহথমে ভেন +২ ম সগব বাতি দীপ জবযমে পঠিত কথা সভক সংকনন

কথা রৌহ্ম সিহ্ম মেহথপা

সখ্খারানী ভপিষ্টযামীমে ভেন +৩ ম সগব বাতি দীপ জবযমে পঠিত কথা সভক সংকনন

সখ্খারানী

কীর্তিনাথ ঝা

হ্মবন: মৌথিনী ভারান্বরাদ

খড্ণ রন্নভ দাস 'স্বজন' (সৌজন্য- বমানন্দ ঝা "বমণ")

সীতা-শীন

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



মাযানন্দ মিশ্র (সৌজন্য- কেদাব কানন)
ঋরাংতব
ঋরাংতব ১ (গজন -গীতন)
ঋরাংতব ২ (গজন -গীতন)
ঋবরিন্দ ঠাক্ুব
পবতী ঠুঁটি বহন ঋছি (করিতা সংগ্রহ)
ঋন্মাবক রিরোধ মে (নঘ্ কথা সংগ্রহ)
রঁহ্কপিযা প্রদেশ মে (গজন সংগ্রহ)
জগদীশ চন্দ্র ঠাক্ুব 'ঋনিন' (সৌজন্য- জগদীশ চন্দ্র ঠাক্ুব 'ঋনিন')
ধাবক ওগ পাব (দীর্ঘ করিতা)
গীত গংগা (গীত সংগ্রহ)
গজন গংগা (গজন সংগ্রহ)
তোবা ঋংগনা মে (গীত সংগ্রহ)
তোবা ঋংগনা মে (গীত সংগ্রহ)- মূন
ননন ক্ুমাব কামত (সৌজন্য- উঁমেশ মন্ডন)
কিছু রিহনি ঋা নঘ্কথা
ক্ুন্নাজী
মোকাম দিস (রীহনি কথা সংগ্রহ)
প্রতীক (রিহনি কথা সংগ্রহ)
মাঁক ঋাংগনমে কতিঋাএন ছী (মৌথিনী গজন সংগ্রহ)
হম পুছৈত ছী (সাক্ষাকোব)
তীন টা রাঁন নাটক (মৌথিনী রাঁন সাহিত্য)
খুবন্ুছী (মৌথিনী রাঁন করিতা- রাঁন সাহিত্য)
ঘাহ (হাগক্ু-টংকা সংগ্রহ)
সন্দীপ ক্ুমাব সাফী
রৈশাখমে দনানপব
রিন্দেশ্বব ঠাক্ুব
নেপানক নোব মক্ুভূমিমে
ক্ুন্নী কামত
স্বখন মন তবসন ঋাঁখি (পদ্য ঋা গদ্য)
স্বখন মন তবসন ঋাঁখি (করিতা)
কপিনেশ্বব বাঙঁত

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



উনহন (বিহনি - নঘ্ কথা সংগ্রহ)

নংদ বিনাস বায

সখাবী-পেটোবী(নঘ্কথা সংগ্রহ)

মদন খমব (দোসব নঘ্ কথা সংগ্রহ)

মবজাদক ভোজ (তেসব নঘ্কথা সংগ্রহ)

খৰুন্ধতী দেৱী (সৌজন্য- বমানন্দ ঝা "বমণ")

মিথিনাক বিদ্ষী মহিনা

বাবা বৈদ্যনাথ (সৌজন্য- কেদাব কানন)

পহবা ওমানপব (গজন সংগ্রহ)

ৰূপনাবাযণ ঝা "বাকেশ" (সৌজন্য- বমানন্দ ঝা "বমণ")

মনমোহন নছু

ওম প্রকাশ ঝা

কিযো বুঝি নৈ সকন হমবা (গজন, কবাঁগ খা কতা সংগ্রহ)

স্বধাংশু শেখব চৌধবী (সৌজন্য- শেবদিন্দু চৌধবী)

শেখব বচিত গজন ও গীত

বিজয নাথ ঝা (সৌজন্য- শেবদিন্দু চৌধবী)

খহীক নেন

খমিত মিশ্র

নব খংশু (গজন-হজন, কবাঁগ সংকনন)

চন্দন ক্ষমাব ঝা

মোনক বাত (গজন, হজন,বান গজন, কবাঁগ খা কতাক সংকনন)

কনানন্দ ভট্ট (সৌজন্য- কেদাব কানন)

কান্হ পব নহাস হমব মৈথিনী গজন সংগ্রহ

খন্বনগ্নক-কোসী কনোনী সঁ কিশন ক্ষটীব ধবি

ডা. বামভবোস কাপড়ি "ভ্রমব" (সৌজন্য- বামভবোস কাপড়ি ভ্রমব)

বামভবোস কাপড়ি "ভ্রমব"ক কিছু নাটক

ঘবক্ষহাঁ (উপন্যাস)

ভ্রমব মৈথিনী দীর্ঘ কবিতা (হিন্দী খন্বরাদ-খবঁ বঁস নহী)

Maithili Lok-Sasnskriti-book.pdf (নেপানী ভাষামে)

মৈথিনী নোক সংস্কৃতি সংগোষ্ঠী

খনহবিযাক চান (গজন সংগ্রহ)

খাগান

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



आँगन अंक-४

गामघर

साउन २६ ३० अगस्त २०१४ ०४_१०_२०१४ गामघर १६ मई २०१७ गामघर २७ जून २०१७

उमेश पासवान

वर्णित रस

नीता झा (सौजन्य- नीता झा)

विनाश मौसी (बाल लघुकथा संग्रह)

कनकमणि दीक्षित (मूल नेपालीसँ मैथिली अनुवाद श्रीमती रूपा धीरू आ श्री धीरेन्द्र प्रेमर्षि, बाल साहित्य) (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

भगता बौआक देश-भ्रमण

स्वजीत कुमार झा (सौजन्य- स्वजीत कुमार झा)

जिद्दी (लघुकथा संग्रह)

चिड़ै (लघुकथा-संग्रह)

विपोर्टर डायरी (रिपोर्ताज)

गह्वर (लघु कथा संग्रह)

खजुरीबाली (लघु कथा संग्रह)

कोशली घुरि आउ (बाल लघु-विहनि कथा संग्रह)

दूधमती- (नेपाली आ मैथिलीमे)

अंक ३१ अंक ३२ अंक ३३ अंक ३४ अंक 35 अंक 36 अंक 37 अंक 38 अंक 39 अंक 40 अंक 41

उपेन्द्रनाथ झा "व्यास" (सौजन्य- मयंक झा)

कुबाँगयात-ए-उमर खैयाम (मैथिली पद्यानुवाद)

प्रतीक (कविता संग्रह)

संन्यासी (काव्य)

अनमोल झा

समय साक्षी थिक (विहनि कथा संग्रह)

ई जे समय अछि (विहनि कथा संग्रह)

आनन्द कुमार झा

टाकाक मोल (नाटक)

कलह (नाटक)

बदलैत समाज (नाटक)

धधाइत नवकी कनियाँक लहास (नाटक)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



यायावरी (यात्रावृत्तान्त)
अर्थयुग (लघुकथा संग्रह)
एकटा आकास (लघुकथा संग्रह)
भावांजलि (गद्य गीत)
किस्त-किस्त जीवन (आमे कथा)
आखर-आखर प्रीत
नागफांस (उपन्यास)
NAAGPHANS (IN ENGLISH)
विभा रानी
विभा रानीक दूटा नाटक (भाग रौ आ बलचन्दा)
नरेन्द्र झा (सौजन्य- नरेन्द्र झा)
पोथी:विकास ओ अर्थतंत्र- नरेन्द्र झा
पन्ना झा (सौजन्य- नरेन्द्र झा)
पोथी:अनुभूति: लघुकथा संग्रह: पन्ना झा
स्वर्णा झा (सौजन्य- प्रभा खेतान/ स्वर्णा झा)
छिन्नमस्ता- प्रभा खेतानक हिन्दी उपन्यासक मैथिली अनुवाद
विनीत उत्पल
हम पुछैत छी (कविता संग्रह)
बेहद पर बग्घ - काशीनाथ सिंहक हिन्दी उपन्यासक विनीत उत्पल द्वारा मैथिली अनुवाद
मन्त्रद्रष्टा ऋषिश्रेष्ठ- लेखक रविशंकर श्रीवास्तव "शलभ" (हिन्दीसँ मैथिली अनुवाद विनीत उत्पल द्वारा)
मोहनदास- उदय प्रकाशक हिन्दी उपन्यासक विनीत उत्पल द्वारा मैथिली अनुवाद
मोहनदास (मैथिली-देवनागरी) मोहनदास (मैथिली-मिथिलाक्षर) मोहनदास (मैथिली-ब्रेल)
संतोष मिश्र (सौजन्य- संतोष मिश्र)
पोसपुत (लघुकथा-संग्रह)
उदास मोन (लघुकथा-संग्रह)
एना-किए (कविता-संग्रह)
अएना (संपादन- कविता-संग्रह)
विनीत ठाकुर (सौजन्य- विनीत ठाकुर)
बाँकी अछि हमर दूधक कर्ज
कमलधर दास (सौजन्य- कमलधर दास)



मैथिल कर्ण कायस्थक गोत्र, प्रवर, मूल आ वैवाहिक सम्बन्ध
गोपालजी झा "गोपेश" (सौजन्य- गोपालजी झा "गोपेश")
ग्राम्य जेना ठाढ़ छी
डॉ. गंगेश गुंजन (सौजन्य- गंगेश गुंजन)
प्रथम-चौरंगिया-नाटक *(बुधिबधिया)*
नाटक aai_bhor_gangesh_gunjan
उपन्यास Pahil_Lok_Gangesh_Gunjan
कथा-संग्रहUchitvakta_GangeshGunjan
गीत-गजल DukhakDuphariya_GangeshGunjan
तारानन्द वियोगी (सौजन्य- तारानन्द वियोगी)
प्रलय रहस्य
सत्यानन्द पाठक (सौजन्य- सत्यानन्द पाठक)
HamarGaam_SatyanandPathak
डॉ. मदनेश्वर मिश्र (सौजन्य- पञ्जीकार विद्यानन्द झा)
एक छलीह महारानी
बृषेशचन्द्र लाल (सौजन्य- बृषेश चन्द्र लाल)
मोदिआइन (बी.पी.कोइरालाक कथा)
मान्छा (कथा संग्रह)
गोनरबा
रासबिहारी लाल दास (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")
स्वमति
श्यामानन्द झा (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")
मैथिली गीत चन्द्रिका
मैथिली संदेश (विभिन्न कविक कविता-सम्पादित)
भवप्रीतानन्द ओझा । (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")
Bhavpritanand_Ojha_Padavali
गणनाथ-विन्ध्यनाथ पदावली (सौजन्य- रमानन्द झा "रमण")
Gannath_Vindyanath_Padavali
श्रमवनाथ (सौजन्य- श्रमवनाथ)
क्षणिका- विहनि कथा संग्रह
नगेन्द्र कुमर (सौजन्य- श्रमवनाथ)
Sasarphani

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



যাত্রী (নাগার্জ্ন) (সৌজন্য- মিথিনা সাঁস্কৃতিক পবিষদ)

Balchanma_I Balchanma_II

....

রৌদ্ধ চর্যাপদ

Baudha_Charyapad

মহাকরি ডাক

Dak_Vachan

জ্যাতিবীশ্বিব ঠাকুব

মৈথিনী ধূর্তসমাগম

রিদ্যাপতি

ব্যাডীভক্তি তবঙ্গিণী

Goraxvijayam

শঁকবদেব

পাবিজাতহবণ

বামরিজয

দৈত্যাবি ঠাকুব

SyamantHaranYatra_Daityari Thakur_Ankia_Nat

নক্ষ্মীদেব

kumarharannat_shatskandhravanbadh_laxmideva_Ankianat

জগৎপ্রকাশমন্ন

প্রভারতীহবণ নাটক

সিদ্ধ নবসিংহমন্ন

Gitavali_Sidhi_NarsimhMall

জগৎজ্যাতির্মন্ন

HarGauriVivahNatak_KunjViharNatak_Jagatjyotirmall

হর্ষনাথ ঝা

মাধরানন্দ নাটক

Usharan_Harshnath_Jha

বনেপাণি

Usharan_Natak_Ratnpani

শ্রীকাঁত

srikrishnajanmrahasya_srikanta

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



नन्दीपति

गीतमाला

Geetmala_Nandipati

कान्हा रामदास

Gaurisvayambar_Kanharamdas

लाल

Gaurisvayambar_Natak_Lal

उमापति

Parijat Haran_Umapati

भानुनाथ

Prabhavati Haran_Bhanunath

देवानन्द

Ushaharan_Devananda

रमापति

Rukmani Parichay_Ramapati

उपाध्याय रामदास

Anandavijayabhidan Natika_Upadhyaya Ramdas

शिवदत्त

Shivdatt_Gauripranay_Sitasvayambar_Durgavijay

Shivdatt_parijat_Natak

....

पत्रिका- जर्नल

देसिल बयना (अखाड़ाबाद) -रामलोचन ठाकुर (सौजन्य- रामलोचन ठाकुर)

SOCIETY TODAY (सौजन्य- स्वमित आनन्द)

अंक ११

अंतिका (सौजन्य- गौरीनाथ)

जुलाई-सितम्बर २००८ (हरिमोहन झा विशेषांक) अक्टूबर २०१०सँ मार्च २०११ अक्टूबर २०११ सँ मार्च २०१२

मैलोरंग (सौजन्य- प्रकाश झा)

अंक२-३

धूआ-धजा (सौजन्य- परमेश्वर कापड़ि)

অংক ৭ অংক ১৪ অংক ১৩ অংক ১৬ অংক ১৮ অংক ১০ জূন ২০১২ অংক ২৪ জূন ২০১২ 23February2016 ২৩ জুলাই ২০১২ ০৩ অগস্ত ২০১২ আসিন ২০৭৩

আঁগন (সৌজন্য- বামভরোস কাপড়ি ভ্রমর)

আঁগন অংক-৪

গামঘর (সৌজন্য- বামভরোস কাপড়ি 'ভ্রমর')

সাউন ২৬ ৩০ অগস্ত ২০১৮ 04_10_২০১৮ গামঘর ১৬ মঈ ২০১৯ গামঘর ২৭ জূন ২০১৯

দূধমতী- (নেপালী আ মৈথিলীমে) (সৌজন্য- স্বজীত কুমার ঝা)

অংক ৩১ অংক ৩২ অংক ৩৩ অংক ৩৪ অংক 35 অংক 36 অংক 37 অংক 38 অংক 39 অংক 40 অংক 41

ঘর-বাহর (সৌজন্য- চেতনা সমিতি)

অপ্রৈল-জূন ২০১১

রচনা (সৌজন্য- স্বভাষ চন্দ্র যাদর)

দিসম্বর '০৩ মার্চ '০৬রাজকমল চৌধরী: মোনোগ্রাফ

পল্লর (সৌজন্য- ধীরেন্দ্র প্রেমর্ষি)

পল্লর- ১ গজল অংক

পূর্বোত্তর মৈথিল (সৌজন্য- প্রেমকান্ত চৌধরী)

অপ্রৈল-জূন 2010 জুলাই-সিতম্বর 2010 অক্টূবর সঁ মার্চ 2011

....

কিছু মৈথিলী পোথী ডাউনলোড সাইট (ওপন সোর্স)

SAHITYA AKADEMI

http://sahitya-akademi.gov.in/publications/e-books.jsp

http://sahitya-akademi.gov.in/general/Digitalbooks.jsp

CIIL

http://corpora.ciil.org/maisam.htm



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

খখিযাসন (বমানন্দ ঝা বমণ)

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI1.pdf

জ্খাযন কনকনী- মহেন্দ্র

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI2.pdf

প্রবন্ধ সংগ্রহ- বমানাথ ঝা (বী.পী.এস.সী. সিনেরঁস)

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI3.pdf

সৃজন কেব দীপ পর্ব- সং কেদাব কানন খা খবরিন্দ ঠাকুব

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI4.pdf

মৈথিলী গদ্য সংগ্রহ- সং শৈলেন্দ্র মোহন ঝা

http://corpora.ciil.org/pdf/maidhilipdf/MAI5.pdf

ARCHIVE.ORG (রিজযদের ঝা)

https://archive.org/details/%40vijay_deo_jha?&sort=-publicdate&page=2

VIDEHA MAITHILI BOOKS/ PICTURE-AUDIO-VIDEO ARCHIVE

http://videha.co.in/new_page_15.htm

IGNCA

http://ignca.nic.in/coilnet/mithila.htm

http://ignca.nic.in/coilnet/kalyani.htm (MAITHILI ENGLISH DICTIONARY)

MITHILA DARSHAN



https://mithiladarshan.com/ *(online pdf of Maithili journal)*

OLE NEPAL's E-PUSTAKALAYA (https://pustakalaya.org/en/)

পোথী নিংক

খবিপন ফাউণ্ডেশন (http://www.aripanafoundation.org/)

PRATHAM BOOKS MAITHILI STORYWEAVER

https://storyweaver.org.in/stories/?language=Maithili&query=&sort=Ratings

https://www.youtube.com/playlist?list=PLAT74nNc2fmYaW29mRVAIgzRq63_9zWbI (মৌথিনী অাঁডিযো বুঁক্স)

জানকী এফ.এম সমাচাব

https://www.youtube.com/user/Janakifm/videos (জানকী এফ.এম সমাচাব)

I LOVE MITHILA

https://www.ilovemithila.com/ ***(online maithili journal)***

https://maithili.com.np/ *(owner I Love Mithila)*

প্যাবে মৌথিন

https://www.youtube.com/channel/UCq30Llck2tNw8BI4t8jjzQg (প্যাবে মৌথিন চৈনন- কিবণ চৌধবী খা সংগীতা খানন্দ- মৌথিনীক সভসঁ নোকপ্রিয যূ ট্যূবঁ চৈনন)

মৌথিনী সাহিত্য সংস্থান

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



https://www.maithilisahityasansthan.org/resources ***(online pdf of Reasearch Papers/ books)***

....

विदेह सम्मान: ***सम्मान-सूची*** (समानान्तर साहित्य अकादेमी पुरस्कार सहित)

....

मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। इग्नू प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेषित बुझाइत अछि, से एकर एकटा एक उदाहरण नीचाँमे उनटा-पुनटा दिऐ, ततबेँ धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो ई पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट-रीडिंग दोसर-उदाहरण नीचाँमे करथि।

IGNOU इग्नू ***BMAF-001***

....

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

वि दे ह *विदेह* Videha *বিদেহ* ***http://www.videha.co.in*** *विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका* *Videha Ist Maithili Fortnightly e Magazine* *विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका* *नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू।*

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



"VIDEHA" Ist Maithili Fortnightly ejournal ARCHIVE OF VIDEOS 'বিদেহ' প্রথম মৈথিলী পাক্ষিক ঈ পত্রিকা বীডিযো আর্কাইভ মৈথিলী বীডিযোক সংকলন *(পূর্তি: ব্যবসাযিক উদ্দেশ্য আ মাত্র একেডমিক প্রযোগ নেন)* **বীডিযো দেখবাঁক নেন সবঁধিত লিংককেঁ ক্লিক করু।** For viewing videos click the respective links.

....

মিথিলাক সভ জাতি আ ধর্মক সংস্কার, লোকগীত আ ব্যবহার গীত (সৌজন্য: উমেশ মংডল)

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22

23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43

....

গুৱাহাটী বিদ্যাপতি পর্ব ২০১০

পহিল ভাগ দোসর ভাগ তেসর ভাগ চারিম ভাগ পাঁচম ভাগ

গুৱাহাটী অন্তর্রাষ্ট্রীয মৈথিলী সম্মেলন আ বিদ্যাপতি পর্ব ২০১১

01 02 03 04 05 06 07 08 09 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 25

26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46

....

চৌরঁটিযা (সৌজন্য- ধীরেন্দ্র প্রেমর্ষি)

চৌরঁটিযা

সৌভাগ্য মিথিলা

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



ननका पाग भाग-१

ननका पाग भाग-२

....

ममता गारॅय गीत (सौजन्य- श्री केदारनाथ चौधरी)

गीत

....

मिनाप-१

बुधियार छौड़ा आ राक्षस

....

https://www.youtube.com/channel/UCq30Llck2tNw8BI4t8jjzQg **(प्यारे मैथिल चैनल- किरण चौधरी आ संगीता आनन्द- मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय यू ट्यूब चैनल)**

....

अरिपन फाउंडेशन (http://www.aripanafoundation.org/)

PRATHAM BOOKS MAITHILI STORYWEAVER

https://storyweaver.org.in/stories/?language=Maithili&query=&sort=Ratings

https://www.youtube.com/playlist?list=PLAT74nNc2fmYaW29mRVAIgzRq63_9zWbI (मैथिली ऑडियो बुक्स)

जानकी एफ.एम समाचार

https://www.youtube.com/user/Janakifm/videos (जानकी एफ.एम समाचार)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



I LOVE MITHILA

https://www.ilovemithila.com/ ***(online maithili journal)***

https://maithili.com.np/ *(owner I Love Mithila)*

....

বৃখেশ চন্দ্র নান, জনকপ্ববক সৌজন্যসঁ

মিনিমিযা http://youtu.be/ffQS-_uiOXI

ঢোন-পিপহী http://youtu.be/eGHDvuvi1bw

পরনকান্ত ঝা (কাশ্যপ কমন), ভর্টসিমবি, মধ্রুবনীক সৌজন্যসঁ

বসনচৌকী http://youtu.be/DzTeAEH7gGo

....

রিদ্যাপতি গীত

http://www.youtube.com/watch?v=CtmaWYyPlRs *বজনী পল্লবী* (*http://www.youtube.com/user/rajnipallavi*)

http://www.youtube.com/watch?v=1nwmrcbmsx0 তূনিকা

http://www.youtube.com/watch?v=SQPJYnJkHrs খশ্বমানা

গীত-গোরিন্দদাস (গাযন দীক্ষা ভাবতী)

http://youtu.be/BJEH6Cy4rNk

http://youtu.be/9Jvupm02uHg

http://youtu.be/Sn3H8yuH9PU

http://youtu.be/EpAvkk9Qa40

http://youtu.be/FNWGQz1evRg



http://youtu.be/D2AxSdv8LyA

....

মৈথিলী গজল (গজল- গজেন্দ্র ঠাকুর, গায়ন দীক্ষা ভারতী)

http://youtu.be/WDcPyKqAKIc

http://youtu.be/weA0vk5-d8g (রঁহবে স্মৃতকাবিরঁ)

http://youtu.be/vma-sniQ8zs

http://youtu.be/b2ti1ASefn4

....

৭১ম সগর রাতি দীপ জরএ (০২ অক্টূবঁর ২০১০), গাম রঁবমা , জিলা মধুবঁনী (সংযোজক- জগদীশ প্রসাদ মংডল)

ভাগ-১ ভাগ-২ ভাগ-৩ ভাগ-৪ ভাগ-৫ ভাগ-৬

82 ম সগর রাতি দীপ জরএ, স্থান- গজেন্দ্র ঠাকুর জীক নিজ আবাস, গাম- মেঁহথ, জিলা- মধুবঁনী। দিনাঁক- 31 মঈ 2014 (শনি দিন), সমএ- সংধ্যা ছহ বঁজেসঁ। গোষ্ঠীক নাওঁ- কথা রঁৌস্ক সিস্ক মেহথপা সগর রাতি দীপ জরএ। আযোজনক খেপ- +২ ম আযোজন, সংযোজক- গজেন্দ্র ঠাকুর। বিশেষতা- বাঁল সাহিত্যপর কেন্দ্রিত।

https://www.youtube.com/watch?v=lnu6pf9e7zY

....

মৈলোবংগ-১

নচিকেতাক এক ছল বাজা - ভাগ-1 http://youtu.be/gzW8FTK6RQU

নচিকেতাক এক ছল বাজা - ভাগ- 2 http://youtu.be/04Uqa_r04Z4

কাঠক লোক- মহেন্দ্র মলংগিযা ভাগ-1 http://youtu.be/AMOU4nIk0AY

বিदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



काठक लोक- महेन्द्र मलंगिया भाग-2 http://youtu.be/oCd3UxfiXvQ

मैलोरंग-२

कोसी सेमीनार 12 सितम्बर 2008

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/14/CTZ3vbrI7gU

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/11/yuFXmDRcgi8

....

मिनाप-२

http://www.youtube.com/watch?v=UAx-Q5l1Fsw

http://www.youtube.com/watch?v=OT2yOBDpEvs

http://www.youtube.com/watch?v=vmkJBDO0Mu8

http://www.youtube.com/watch?v=BjyZu0ydjkU

....

मिथिलांगन

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/19/CCf_A4vGBZ0

विदेह मैथिली नाट्य उत्सव , गाम-चनौरागंज, थाना-झंझारपुर, जिला मधुबनी (रचेन ठाकुर)-विदेह (http://www.youtube.com/user/ggajendra71)

यू ट्यूब लिंक

विदेह मैथिली साहित्य/ नाट्य/ कविता/ परिचर्चा उत्सव

विदेह समानान्तर साहित्य अकादेमी सम्मान समारोह

जनकपुर- विद्यापति पर्व

http://www.youtube.com/watch?v=j48rFSl1KxU

জিতেন্দ্র ঝা, জনকপুরক
সৌজন্যসঁ *http://www.youtube.com/user/jitumaithil*

বামভদ্র http://www.youtube.com/watch?v=76U7kQGYD3c

সামা চকেবা 1 http://www.youtube.com/watch?v=lZxoac9mtis

সামা চকেবা 2 http://www.youtube.com/watch?v=3aBvRT6vIgQ

মৈথিলী কবি সম্মেলন ((মিথিলা কল্চবল অঁর্গেনাওজেশন, যূ.কে.)

http://youtu.be/RXXrIlu0gYA

বিপর্ল্পিনক ডে 2009 (ভাবত)

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/20/GPm-wlSirf8

সগব বাতি দীপ জবএ, কবিলপুব, জুন ২০১০

http://www.youtube.com/watch?v=_3w2WlDSEQs

http://www.youtube.com/watch?v=uLdHyl4DBw0

শ্রুঞ্চ ঝুমাব কথপসঁ গজেন্দ্র ঠাকুব দ্বাবা লেল সাক্ষাকোব

http://www.youtube.com/watch?v=FpuFQsaUslY

http://www.youtube.com/watch?v=VeQuNL0BbYM

http://www.youtube.com/watch?v=_3w2WlDSEQs

http://www.youtube.com/watch?v=nQaQGQ_r4QI

http://www.youtube.com/watch?v=o6nLJiWc9ao

http://youtu.be/AvBsJCHWccw

http://youtu.be/1_DygqhnUKs

প্ররোধ সম্মান: বাজমোহল ঝা

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://in.youtube.com/watch?v=2r9Z0qlI0HI

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/10/4po6E_-gJL0

(স্লাগডবকেঁ নীচমে ল' জাউ, খদনাক নীদ বাজমোহন ঝাসঁ বিনীত উৎপলক সাক্ষাৎকাব ছন্হি।)

সাহিত্য অকাদমী পুবস্কাব: মন্ত্রেশ্বব ঝা

http://www.youtube.com/watch?v=RvOraitCMak

মিথিলাক খোজ

1.গৌবীশংকব

http://www.youtube.com/watch?v=GZPmUC42CN4

http://www.youtube.com/watch?v=J7iFiiJ2CZU

2. নাগসী-নসৈঠী

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/25/bABW1Ezv5bs

নৰ্ষক্স্ব

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/5/KEsDS2JacDE

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/8/amm9_4T-HrM

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/6/OJsg4LM22x8

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/0/p00Cl71sSXA

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/3/XLhcxdHnaV4

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/21/L8ENMDv7LPQ

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/18/xGZKmXrS-T0

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/12/ZZ70nsUt-yI

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/13/yC-MjqO2opM

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/22/oOw18Z9igEc

সমন্বয় ২-৪ নবম্বর ২০১২ গন্ডিয়া হৈবীটেট সেন্টর ভাবতীয় ভাষা মহোৎসব

SAMANVAY 2-4 November 2012 IHC INDIAN LANGUAGES' FESTIVAL. Venue: India Habitat Centre, Lodhi Road, New Delhi -- 110 003.

3rd NOVEMBER 2012 MAITHILI - LOVE's OWN LANGUAGE/ BRAHMINISM IN MAITHILI/ PRE-JYOTIRISHWAR NON-BRAHMIN VIDYAPATI

http://youtu.be/YLoyVBlySn8

http://www.youtube.com/watch?v=qKkki28Haxg&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=Qz5GQWw2nl0&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=ghy3gZA0uWU&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=ApN69U25tXQ&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=6RXHC2puRMM&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=0FvIDa04Smo&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=vKpeUKNEZK4&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=-oi9WbAm7rw&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=GTe1zA8w_UE&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=TCNjyuFTLLQ&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=OHhP9wsEGpw&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

2nd NOVEMBER 2012 UGNA RE- BY SHOVNA NARAYAN (PRE-JYOTIRISHWAR NON BRAHMIN VIDYAPATI's LIFE EPISODE)

http://www.youtube.com/watch?v=AkmLrT8EBPw&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=bovATLRYkI0&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=ldfSFg16oSI&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=c8OMoK4E4QA&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=nPFqTxTolng&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=VKB_eNx-LUI&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=EY9vJgkeAsQ&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

http://www.youtube.com/watch?v=WvGac4YSOg&feature=share&list=UULiovHPPEpCk_x5WBmT2M3g

१३म सगर राति दीप जरए मे रामलोचन ठाकुर पर चित्र प्रदर्शनी

http://youtu.be/urpFSxaNu-I

मिथिलाक मूड़न- (रसनचौकीक स्वरक संग)

http://youtu.be/cMnvc97I4S8

रुद्रनारायण झा

http://www.youtube.com/watch?v=SiteS_YztLM

http://www.youtube.com/watch?v=ajXBN5Z6J2I

https://www.youtube.com/watch?v=lnu6pf9e7zY

रंजन चौधरी आ रुनी मिश्र (तरौना)

http://youtu.be/0B2CNNLbDgU

http://youtu.be/wD3k8qVr00g

http://youtu.be/64HLJNvZTV0

http://youtu.be/FxqDT4yQ6aI

http://youtu.be/M6Fjti7QHKA

http://youtu.be/m0bSjsmyLsA

http://youtu.be/74vZ4Sa_LRU

http://youtu.be/oYf0OXJsiGQ

http://youtu.be/YqoEk8R-qdo

ललित रंग आ रुनी मिश्र (तरौना)

http://youtu.be/KwwRdIx-Dec

http://youtu.be/ltrQF-BDrlc

http://youtu.be/hOAjK-n9Isc

दीक्षा भावती

http://youtu.be/pTPYg_4a_II

http://youtu.be/25NmustCBPI

http://youtu.be/k43HnEW-TBk

http://youtu.be/LXhMeEPnqys

सुषमा

http://youtu.be/FfR3Cf_VNWQ *(रंगमनी)*

नन्द कुमार मिश्रक गजल पाठ

http://youtu.be/3zcS-b4P6HE

नन्द कुमार मिश्र जीक कविता पाठ

http://youtu.be/OW5cqLjb4DA

http://youtu.be/sAih6hpt884

मैथिली- भोजपुरी अकादमी, नई दिल्ली

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/9/SJ2QmoFF7qA

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/7/vRJYXuF9yY8

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/4/dR_xHRFqGFI

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/2/Z-aRfV0SRYU

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/1/LMOcB6BQBMQ

মৈথিলী- ভোজপুরী অকাদমী, নওা দিল্লী সেমীনার 29 মার্চ 2009

http://www.youtube.com/watch?v=bfE-JIRWCXM

http://www.youtube.com/watch?v=DvSga09kAK4

http://www.youtube.com/watch?v=CLhFbjOptBU

http://www.youtube.com/watch?v=9-1S5HQcF5I

http://www.youtube.com/watch?v=dJV7TiP3j7w

http://www.youtube.com/watch?v=Q1qSSfQsHCk

http://www.youtube.com/watch?v=bdAm-NryWYM

http://www.youtube.com/watch?v=sMqREeJBfG4

http://www.youtube.com/watch?v=PPCWXZaxmSo

মৈথিলী- ভোজপুরী অকাদমী, দ্বারকা, নওা দিল্লী সেমীনার

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/29/nYQsiFjWTPE

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/28/1NzA1jr6vTM

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/27/Y8Ufpj15iyk

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/26/19JBSA4F3hw

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/24/CCapM_JdYss

http://www.youtube.com/user/ggajendra71#p/u/23/uwrnrAfufw8

....

বিদেহ সম্মান: **সম্মান-সূচী** (সমানান্তর সাহিত্য অকাদেমী পুরস্কার সহিত)

....

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मैथिलीक वर्तनी

१

मैथिलीक वर्तनी- विदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापाक

२

मैथिलीक वर्तनीमे पर्याप्त विविधता अछि। इग्नू प्रश्नपत्र देखला उत्तर एकर वर्तनी इग्नू BMAF001 सँ प्रेषित प्रश्नागत अछि, से एकर एकटा एक उदाहरण रूपमे उनटा-पुनटा दियौ, ततबेँ धरि पर्याप्त अछि। यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेल सेहो आ पर्याप्त अछि, से जे विद्यार्थी मैथिली (कम्पलसरी) पेपर लेने छथि से एकर एकटा आर फास्ट-रीडिंग दोसर-उदाहरण रूपमे करथि|

IGNOU इग्नू **BMAF-001**

………

अपन मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **पर पठाउ।**

वि दे ह *विदेह Videha বিদেহ* ***http://www.videha.co.in*** *विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly e Magazine विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू।*

Loading...

Search विदेहक नव-पुरान अंकमे ताकू (कोष्ठकमे देवनागरी, मिथिलाक्षर किंवा रोमनमे टाइप करू)।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

Search এহি পৃষ্ঠ পর দেল গেল মিথিলা আ মৈথিলীসঁ সংবন্ধিত সামগ্রী সভমে তাকু (কোনোকমে দেবনাগরী, মিথিলাক্ষর কিংবা রোমনমে টাইপ করু)।

Search Books powered by Google

Search the full text of GOOGLE VIDEHA books

মৈথিলী আ মিথিলাসঁ সংবন্ধিত কিছু মুখ্য সামগ্রী:- আন লিংকক বিষযমে সূচনা editorial.staff.videha@gmail.com কেঁ ঈ মেলসঁ পঠাবী।

সূচনা/ ঘোষণা

"বিদেহ সম্মান" সমানান্তর সাহিত্য অকাদেমী পুরস্কারক নামসঁ প্রচলিত অছি। "সমানান্তর সাহিত্য অকাদেমী পুরস্কার" (মৈথিলী), জে সাহিত্য অকাদেমীক মৈথিলী বিভাগক গএর সাংবৈধানিক কাজক বিরোধমে শুরু কএল ছল, লেল অনুশংসা আমন্ত্রিত অছি।

অনুশংসা ২০১৯ আ ২০২০ বর্খ লেল নিম্ন কোটি সভমে আমন্ত্রিত অছি:
১) ফেলো
২)মূল পুরস্কার
৩)বাল-সাহিত্য
৪)যুবা পুরস্কার আ
৫) অনুবাদ পুরস্কার।

পুরস্কারক সভ ক্রাইটেরিযা সাহিত্য অকাদেমী, দিল্লীক সমানান্তর পুরস্কারক সমক্ষ রহত, জে এহি লিংক **sahitya-akademi.gov.in** পর উপলব্ধ অছি। অপন অনুশংসা editorial.staff.videha@gmail.com পর পঠাউ।
....

http://www.videha.co.in/ **("বিদেহ" প্রথম মৈথিলী পাক্ষিক ঈ পত্রিকা)**

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html (ওংটবনেটপব মৈথিনী ভাষাক প্রথম উঁপস্থিতি/ মৈথিনীক পহিন ব্ল্নাগ- মৈথিনী ভাষা ব্ল্নাগক এগ্রীগেটব, ৩. জুনাগ ২০০৪)

http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html (ওংটবনেটপব মৈথিনী ভাষাক প্রথম উঁপস্থিতি/ মৈথিনীক পহিন ব্ল্নাগ- মৈথিনী ভাষা ব্ল্নাগক এগ্রীগেটব, ৩. জুনাগ ২০০৪)

ভানসবিক গাছ জে সন ২০০০ সঁ যাহুসিটীজপব ছন **http://www.geocities.com/bhalsarik-gachh/**, **http://www.geocities.com/gajendrathakur/** আদি নিংকপব আ অখনো ৩. জুনাগ ২০০৪ ক পোস্ট **http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html** *(কিছু দিন নেন* ***http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html*** *নিংকপব, স্রাত wayback machine of* ***https://web.archive.org/web/*/videha*** *258 capture(s) from 2004 to 2016-* ***http://videha.com/ ভানসবিক গাছ-প্রথম মৈথিনী ব্ল্নাগ / মৈথিনী ব্ল্নাগক এগ্রীগেটব****)* কেব রূপমে ওন্টবনেটপব মৈথিনীক প্রচীনতম উঁপস্থিতিক রূপমে বিদ্যমান অছি। ঙা মৈথিনীক পহিন ওংটবনেট পত্রিকা থিক জকব নাম বাঁদমে ১ জনরবী ২০০৮ সঁ "বিদেহ" পড়নৈ। ওংটবনেটপব মৈথিনীক প্রথম উঁপস্থিতিক যাত্রা বিদেহ- প্রথম মৈথিনী পাক্ষিক ঙা পত্রিকা ধবি পহুঁচন অছি,জে **http://www.videha.co.in/** পব ঙা প্রকাশিত হোগত অছি। আব "ভানসবিক গাছ" জানবৃত্ত 'বিদেহ' ঙা-পত্রিকাক প্রবঙাক সংগ মৈথিনী ভাষাক জানবৃত্তক এগ্রীগেটবক রূপমে প্রযুক্ত ভহ বহন অছি। বিদেহ ঙা-পত্রিকা ISSN 2229-547X VIDEHA পল্লবমিথিনা (ধীবেন্দ্র প্রেমর্ষি) ২০৩.৯ মাঘে সংক্রান্তি- ২০০৩ জনরবী মৈথিনীক দোসব ওংটবনেট পত্রিকা অছি জে ঐ নিংক **www.pallavmithila.mainpage.net** **পব ছন মুদা আব ঙা উঁপনব্ধ নৈ অছি।** ঙা টিপ্পণী মাত্র ওতিহাস শৃঙ্খতা নেন অছি।

....

গৃগন ট্রান্সনেট

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



"রিকীপীডিযা"মে মৈথিলীকরাঁদ মৈথিলী "গূগন ট্রান্সনেট"মে সেহো.. খগিনা নক্ষ্য "খমেজন খনেক্সা"

গূগন ট্রান্সনেট

গূগন ট্রান্সনেটক নিংক

https://translate.google.com/?sl=en&tl=mai&op=translate

গূগন ট্রান্সনেটকেঁ খাব প্রগ্ঠ কবরাঁক খগতা ছৈ তগ নেন খগিনা কাজ খঢ় । বহুন ছী: **https://translate.google.com/about/contribute/**

প্রাবম্ভ:

রিকীপীডিযা ০১ ফবরবী ২০০+ নিংক

https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&lpg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false (মৈথিনী দেরনাগবী)

https://books.google.co.in/books?id=cTezCU59bJwC&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false (মৈথিনী তিবহুতা)

https://books.google.co.in/books?id=3zKudz6wAO8C&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false (মৈথিনী ব্রেন)

গূগন ট্রেন্সনেট ২৩ জূন ২০১১ক নিংক

https://www.facebook.com/groups/videha/permalink/138489416229195/

গূগন ট্রান্সনেশন ট্রূনমে

"রিহাবী" ভাষাক রঁদনামে মৈথিনী নেন খনগ ট্রান্সনেশন ট্রূন রঁনেরাঁক খারেদন রিদেহক সদস্যগণ দ্বাবা দেন গেন খছি। খপন যোগদান গূগন ট্রান্সনেট নেন কৰু, খা কএন সম্পাদন রঁদনরাঁ কান কাবণ মে (খংগ্রেজীমে) "রিহাবী" নাম্না কোনো ভাষা নৈ হেরাঁক চর্চা কৰু। ঐ নিংকপব খনুরাদ কৰু; গূগন একাউংটসঁ নॉগ ওন কেনাক রাঁদ ।

http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject

http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh (link closed)

....

কিছু মৈথিনী পোথী ডাউনলোড সাগট (ওপন সোর্স)

IGNOU **ওগ্নূ** **BMAF-001**



SAHITYA AKADEMI

http://sahitya-akademi.gov.in/publications/e-books.jsp

http://sahitya-akademi.gov.in/general/Digitalbooks.jsp

CIIL

http://corpora.ciil.org/maisam.htm

ऋषियासन (रमानन्द झा रमण)

http://corpora.ciil.org/pdf/maithilipdf/MAI1.pdf

जुआयल कनकनी- महेन्द्र

http://corpora.ciil.org/pdf/maithilipdf/MAI2.pdf

प्रबन्ध संग्रह- रमानाथ झा (बी.पी.एस.सी. सिलेबस)

http://corpora.ciil.org/pdf/maithilipdf/MAI3.pdf

सृजन केर दीप पर्व- सं केदार कानन आ अरविन्द ठाकुर

http://corpora.ciil.org/pdf/maithilipdf/MAI4.pdf

मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मोहन झा

http://corpora.ciil.org/pdf/maithilipdf/MAI5.pdf

ARCHIVE.ORG (विजयदेव झा)

https://archive.org/details/%40vijay_deo_jha?&sort=-publicdate&page=2

VIDEHA MAITHILI BOOKS/ PICTURE-AUDIO-VIDEO ARCHIVE

http://videha.co.in/new_page_15.htm

IGNCA

http://ignca.nic.in/coilnet/mithila.htm

http://ignca.nic.in/coilnet/kalyani.htm (MAITHILI ENGLISH DICTIONARY)

http://tdil.mit.gov.in/CoilNet/IGNCA/mithila.htm

MITHILA DARSHAN

https://mithiladarshan.com/ (online pdf of Maithili journal)

*OLE NEPAL's E-PUSTAKALAYA (**https://pustakalaya.org/en/**)*

পোথী লিংক

মৈথিলী সাহিত্য সংস্থান

https://www.maithilisahityasansthan.org/resources (online pdf of Reasearch Papers/ books)

https://www.maithilisahityasansthan.org/

বাজেশ্বৰ ঝা- মিথিলাক্ষৰক উদ্ভৱ ও বিকাস (মৈথিলী সাহিত্য সংস্থান আর্কাইভ)

....

***https://www.youtube.com/channel/UCq30Llck2tNw8BI4t8jjzQg** (প্যারে মৈথিল চৈনল- কিরণ চৌধরী আ সংগীতা আনন্দ- মৈথিলীক সভসঁ লোকপ্রিয় যূ ট্যূব চৈনল)*

....

*অরিপন ফাউন্ডেশন (**http://www.aripanafoundation.org/**)*

PRATHAM BOOKS MAITHILI STORYWEAVER

https://storyweaver.org.in/stories/?language=Maithili&query=&sort=Ratings

https://www.youtube.com/playlist?list=PLAT74nNc2fmYaW29mRVAIgzRq63_9zWbI (মৌথিনী ঞডিযো বুক্স)

....

I LOVE MITHILA

https://www.ilovemithila.com/ (online maithili journal)

https://maithili.com.np/ *(owner I Love Mithila)*

https://www.quotesinmaithili.com/ *(owner I Love Mithila)*

জানকী এফ.এম সমাচাব

https://www.youtube.com/user/Janakifm/videos (জানকী এফ.এম সমাচাব)

....

http://videha-aggregator.blogspot.com/ (মৌথিনী ভাষা ব্লগক এগ্রীগেটৈব)

http://www.videha.com/ **(ওঁটবনেটপব মৌথিনী ভাষাক সভসঁ প্ৰবান উপনৰ্ব্ধ উপস্থিতি/ নোকপ্রিয ব্লগ- মৌথিনী ভাষা ব্লগক এগ্রীগেটৈব ৩. জুনাও ২০০৪ www.gajendrathakur.blogspot.com)**

http://esamaad.blogspot.com/ (পূনম মংডন ঝা প্রিযংকা ঝাক পহিন মৌথিনী ন্যূজ পোর্টন, ৯ অগস্ত ২০০৪ সঁ)

http://prakarantar.blogspot.com/ (প্রকাবাঁতব মৈথিলীক লোকপ্রিয ব্ল্নাগ, ফবৰী ২০০৯)

http://vidyapati.blogspot.com/ (মৈথিলীক লোকপ্রিয ব্ল্নাগ, অগস্ত ২০০৯)

http://www.vidyapati.org/ (মৈথিলীক লোকপ্রিয ব্ল্নাগ, অগস্ত ২০০৯)

http://hellomithila.blogspot.com/ (হেলো মিথিলা- ধীরেন্দ্র প্রেমর্ষি, সম্পাদক-প্রকাশিক, রূপা ঝা, সম্পাদন সহযোগ, পল্লব, মৈথিলী সাহিত্যিক, ৩ মগ ২০০৬)

http://pallav.blogsome.com/ (হেলো মিথিলা- ধীরেন্দ্র প্রেমর্ষি, সম্পাদক-প্রকাশিক, রূপা ঝা, সম্পাদন সহযোগ, পল্লব, মৈথিলী সাহিত্যিক, ১৭ মগ ২০০৬)

http://hellomithilaa.blogspot.com/ (মৈথিলী ন্যূজ পোর্টল, সিতম্বব ২০০৭)

http://www.hellomithila.com/ (মৈথিলী ন্যূজ পোর্টল, সিতম্বব ২০০৭)

http://shampadak.wordpress.com/ (মৈথিলী ন্যূজ পোর্টল, জনরবী-ফবৰী ২০০৮)

http://www.esamaad.com/ (মৈথিলী ন্যূজ পোর্টল, জনরবী-ফবৰী ২০০৮)

http://hellomithilaa.wordpress.com/

http://premarshi.wordpress.com/ (ধীরেন্দ্র প্রেমর্ষি)

....

http://anchinharakharkolkata.blogspot.com/ (মৈথিলীক লোকপ্রিয গজনক ব্ল্নাগ)

....

JNU

http://sanskrit.jnu.ac.in/maithili/index.jsp

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://sanskrit.jnu.ac.in/student_projects/lexicon.jsp?lexicon=maithili

....

ALL INDIA RADIO DOORDARSHAN আকাশবাণী দূরদর্শন

http://prasarbharati.gov.in/

http://newsonair.com/

https://doordarshan.gov.in/

আকাশবাণী মৈথিলী

পোডকাস্ট **http://prasarbharati.gov.in/podcast.php?filterlang=Maithili&from=1947-08-15&fromwp=2020-08-29&to=2050-12-31&search=GO**

আকাশবাণী পটনা/ দরভঙ্গা মৈথিলী রেজনল ন্যূজ টেক্স্ট ডাউনলোড-1 **http://newsonair.com/RNU-NSD-Audio-Archive-Search.aspx**

আকাশবাণী পটনা/ দরভঙ্গা মৈথিলী রেজনল ন্যূজ টেক্স্ট ডাউনলোড-2 **http://newsonair.com/Regional-Text.aspx**

আকাশবাণী দরভঙ্গা **http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=282**

আকাশবাণী দরভঙ্গা যূ ট্যূব চৈনল **https://www.youtube.com/channel/UCGdNveEFmv4pPolWiTEMxVA**

আকাশবাণী ভাগলপুর **http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=359**

আকাশবাণী পূর্ণিয়াঁ http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=256

আকাশবাণী পটনা http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=122

ALL INDIA RADIO ENGLISH NEWS

ALL INDIA RADIO NEWS ARCHIVE

ALL INDIA RADIO TALKS AND CURRENT AFFAIRS

RAJYA SABHA TV NEWS DISCUSSIONS

SANSAD TV

VIDEHA e-LEARNING YOUTUBE CHANNEL

https://www.youtube.com/channel/UC4abVKqMj2pDWIAkXiOHp7A

....

http://bramhanews.blogspot.com/ (মৈথিলী সমাচার)

http://www.mithilakhabar.com/ (নেপালক মৈথিলী ঈ পত্রিকা)

http://mithilanews.com/

http://www.maithilinews.blogspot.com/ (মিথিলা আ মৈথিলীক সমাচারক সাওঁট)

http://www.hamargam.in/ (মৈথিলী ন্যূজ পোর্টল)

http://mithiladotcom.blogspot.com/ (মৈথিলী রাষ্ট্রীয় দৈনিক)

http://mithilasamad.blogspot.com/ (মিথিনা সমাদ, মৌথিনী দৈনিক)

http://janakpurnews.blogspot.com/ (মিথিনা খা মৌথিনীক সমাচাবক সাগষ্ট)

http://www.mithilalok.com/ (মৌথিনী ন্যূজ পোর্টন)

http://mithimedia.blogspot.com/ (মৌথিনী ন্যূজ পোর্টন)

http://www.mithimedia.com/ (মৌথিনী ন্যূজ পোর্টন)

……………………………………………………………………………………

https://kirtinath.blogspot.com/ (কীর্তিনাথ ঝা ব্লৌগ)

http://jct27novmaithili.blogspot.com/ (জগদীশ চন্দ্র ঠাকুব "খনিন" ক ব্লৌগ)

http://brikhesh.blogspot.com/ (বৃষেশ চন্দ্র নান)

http://www.chetnasamiti.org/ (চেতনা সমিতি, পটনাক রেবসাগষ্ট)

http://shiv-pustak-bhandar.blogspot.com/ (মৌথিনী পোথী কীনূ)

https://mishrarn.blogspot.com/ (ভোবসঁ সাঁঝ ধবি)

https://rjanakpuri.blogspot.com/ (সাহিত্যপ্রবী)

http://bataahmaithil.in/

http://maithilpravahika.org/

http://ganeshbawra.blogspot.com/

http://maithilinews.com/

http://anandjhakavitakahani.blogspot.com/

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://chaaywala.blogspot.com/

http://maithilputr.blogspot.com/

http://maithilputramanu.blogspot.com/

http://mithilanchalpatrika.blogspot.com/

http://mithilakbat.blogspot.com/

http://maithilitimesonline.blogspot.com/

http://mithilavidehavajjitirhut.blogspot.com/

http://samadiya.blogspot.com/

http://jitumaithili.blogspot.com/

http://pratipadamaithili.blogspot.com/

http://bhatsimar.blogspot.com/

http://maithilirangmanch.blogspot.com/

http://www.mithilavaani.blogspot.com/

http://www.maithilisongsjagat.co.in/

http://mithilablog.com/

http://www.lahakchahak.com/

http://www.jaimithila.com/

http://www.dahejmuktmithila.org/

http://mithilavaani.blogspot.com/

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://www.chamundanagarpachahi.com/

http://kisunsankalplok.wordpress.com/

http://www.kisunsankalplok.co.nr/

http://maithilisongshub.blogspot.com/

http://www.rajnipallavi.com/

http://www.samaysaal.com/

http://madhubani.co.in/

http://www.premkumarmallik.com

http://apandalan.wordpress.com/

http://www.mithilaworld.tk/

http://www.mithilachowk.com/

http://maithilisongsgeet.blogspot.com/

http://rayprabhatbhatt.blogspot.com/

http://amitmohanjha83.blogspot.com/

http://maithili-darpan.blogspot.com/ **(মৈথিনীক নোকপ্রিয রঁ্নাগ)**

http://mithilatol.blogspot.com **(মিথিনাটৈন মৈথিনীক নোকপ্রিয রঁ্নাগ)**

http://maithilicinema.blogspot.com/ (মৈথিনী ফিল্ম্স)

http://maithilifilms.blogspot.com/ (মৈথিনী ফিল্ম্স)



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

http://maithili-drama.blogspot.com/ (विदेह मैथिली नाट्य उत्सव- बेचन ठाकुरक ब्लॉग)

http://mjnk.co.cc/ (जे जनकपुर न्यूज, तराई मॉडल, मिथिला ओन्फार्मेशन)

http://www.TeraiNepal.co.cc/ (तराई नेपाल मिथिला जनकपुर मधेश हालचाल Anytime Anywhere see)

http://maithilaurmithila.blogspot.com/ (मैथिलक आ मिथिलाक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://www.mithilaamanch.blogspot.com (मिथिला मंच)

http://maithilisong.blogspot.com/ (मिथिला आ मैथिलीक समाचारक ब्लॉग)

http://maithilifoundation.blogspot.com/ (मैथिली फाउंडेशन)

http://maithilibhasha.blogspot.com/ (कान्तिप कमलक ब्लॉग)

http://rkjteoth.blogspot.com/ (रूपेश कुमार झा "त्योथ"क ब्लॉग)

http://paraati.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://singarhaar.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://vaachik.wordpress.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://mithilainfo.blogspot.com (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://mithlasamachaar.blogspot.com (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://pilakhwar.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://desilbayna.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://maithilynjha.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://gaam-ghar.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://mithila-mihir.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग)

http://www.maithililekhaksangh.blogspot.com/ (मैथिली लेखक संघक जालवृत्त)

http://www.maithili.co.uk/ (मिथिला कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन, यू.के.)

http://minapjanakpur.org/ (मिनाप, जनकपुर)

http://www.airdarbhanga.org/ (आकाशवाणी दरभंगाक साइट)

http://mithilangan.org/ (मिथिला गनक साइट)

http://www.vmym.in/ (विद्यापति मैथिल युवा मंच)

http://www.tirhutalipi.4t.com/ (देवनागरी-तिरहुता फॉन्ट कन्वर्टर)

http://www.anujha.co.cc/ (यूनीकोड तिरहुता फॉन्ट-मिथिला)

http://www.jaimithila.com/ (मिथिलाक सभ्यता, संस्कृति, विभूति, गीत-संगीत आ बहुत बात जानकारीक लेल)

http://sobhagyamithilatv.com/ (सौभाग्य मिथिला- पहिल मैथिली चैनल)

http://kashyap-mithila.blogspot.com/

http://mithilapaintingtraining.blogspot.com/

http://dularuababumaithilifilmblogspot.com/

http://senuraklaajmaithilifilmblogspot.com/

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://maithlivideosongs.blogspot.com/

http://kalikantjhabuch.org/ (কালী কাঁত ঝা "বুঁচ")

http://saketanands.blogspot.com/ **(সাকেতানন্দজীক জানবৃত্ত)**

http://gunjang.blogspot.com/ **(গুঞ্জনজীক জানবৃত্ত)**

http://dariharc.blogspot.com/ **(শ্যাম দবিহৱেক জানবৃত্ত)**

http://deoshankarnavin.blogspot.com/ **(দেরশংকর নরীনক জানবৃত্ত)**

http://www.udayanarayana.com/ **(নচিকেতাক সাগষ্ট)**

http://www.indianembassy.org.np/ **(ভাবতীয দূতারাস নেপান)**

http://www.purvottarmaithilsamaj.com/ **(পূর্বোত্তব মৈথিন সমাজ)**

http://www.purvottarmaithil.blogspot.com/ **(মিথিনা সাংস্কৃতিক সমন্বয সমিতিক ত্রৈমাসিক পত্রিকা)**

http://apanmithladhaam.blogspot.com/

http://maithilikavita.blogspot.com/

http://pankajjha23.blogspot.com/

http://maithili-haiku.blogspot.com/

http://manak-maithili.blogspot.com/

http://mithilauday.org/

http://groups.google.com/group/videha (videha googlegroups)

http://dsal.uchicago.edu/lsi/ (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://dsal.uchicago.edu/lsi/taxonomy/term/1718 (Linguistic Survey of India, Gramophone recordings, Maithili)

http://music2.cooltoad.com/music/category.php?id=10576

http://maithiliacademy.org/

https://maithiliacademybihar.org/ (মৌথিলী অকাদমী, পটনা)

মৌথিলী ভোজপুরী অকাদমী, দিল্লী

http://maithili.sourceforge.net/

http://ansiss.org/

http://fedoraproject.org/

https://fedorahosted.org/fuel/wiki/fuel-maithili

http://l10n.gnome.org/teams/mai

http://translate.fedoraproject.org/languages/mai

http://www.biharlokmanch.org/ **(মিথিলা-মৌথিলী পোথী অঁনলাগন কীনূ)**

http://www.biharlokmanch.org/mithila_products_online.php **(Buy Mithila-Maithili books online)**

http://mithila-haat.com/ (Buy Mithila-Maithili books/other materials online)

http://www.antikaprakashan.com/ (অংতিকা প্রকাশনক সাগট- মৌথিলী প্রকাশক)

http://www.gorkhapatra.org.np/

http://www.sajha.org.np/

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://www.kantipuronline.com/

http://mithilahyd.org/

http://www.jyoticonsultant.com/ (মৈথিলক নৌকরী ডাট কাম)

http://www.mithilamanthan.com/

http://www.brandbihar.com/

http://www.biharbrains.org/

http://maithilijokes.blogspot.com/

http://www.rdo91fmblogspot.com/

http://www.kfm961.com/ (হেল্লো মিথিলা কার্যক্রম প্রত্যেক শনিকেঁ নেপালী সময়ানুসার রাতি ৯.৩০ বজেসঁ ১১ বজেধরি আ রাজনীতিক বিষয়বস্তুপর কেন্দ্রিত চৌবটিয়া কার্যক্রম প্রত্যেক সোমকেঁ রাতি ১০ সঁ ১১ বজেধরি প্রসারণ)

http://www.radiokantipur.com/ (হেল্লো মিথিলা কার্যক্রম প্রত্যেক শনিকেঁ নেপালী সময়ানুসার রাতি ৯.৩০ বজেসঁ ১১ বজেধরি আ রাজনীতিক বিষয়বস্তুপর কেন্দ্রিত চৌবটিয়া কার্যক্রম প্রত্যেক সোমকেঁ রাতি ১০ সঁ ১১ বজেধরি প্রসারণ)

http://www.jumptv.com/en/channel/nepal1/ (নেপাল১ টী.ভী.-জম্প টী.ভী. মৈথিলী কার্যক্রম সূচনা)

http://janakifm.org.np/ (জানকী এফ.এম., মৈথিলী সমাচার রেডিয়ো)

http://www.mithiliradio.com/ (মৈথিলী রেডিয়ো)

http://www.youtube.com/user/Janakifm (জানকী এফ.এম., মৈথিলী সমাচার রেডিয়ো **Youtube channel**)

http://www.radiomithila.org/ (মৈথিলী রেডিয়ো)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://www.appanmithila.org/ **(ৰেডিযো খপ্পন মিথিনা ৯৪.৪ MHZ)**

http://www.janakpurtoday.com.np/

http://madanpuraskar.org/

http://www.madheshuk.org/ **(এসোশিএশন ঑ফ নেপানী মধেসীজ ওন যূ.কে.)**

http://www.mithilaart.com/ **(শ্রীমতি প্রভা ঝাক সাওট)**

http://www.mithilavihar.com/

http://www.sugatisopan.com/

http://www.maithilsamaj.org.in/

http://www.maithilsamaj.com/

http://www.janakpurcity.com/

http://www.janakpur.com.np/

http://home.att.net/~maithils/

http://shyamprakashjha.com/

http://ramanathjha.com/

http://www.ramajha.com/

http://sudhakar.co.in/maithili

http://www.maithils.net/

http://www.getpredictiononline.com/

http://www.bihartimes.com/

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://www.bihar.ws/

http://www.patnadaily.com/

http://www.krraman.blogspot.com/

http://www.adi-maithili-kavita.blogspot.com/

http://www.mithilasevasamiti.blogspot.com/

http://www.jankitoday.blogspot.com/

http://opjha.blogspot.com/

http://chitthajagat.in/ (দেরনাগরী লিপিক ব্লগক এগ্রীগেটব)

http://mailorang.blogspot.com/ (মৈলোবংগ নাট্য সংস্থাক ব্লগ)

http://mailorang.in/ (মৈলোবংগ)

http://vandanasgeet.blogspot.com/

http://www.darbhangaraj.blogspot.com/

http://mithila_samachar.tripod.com/mithilasamachar/ (মিথিলা আ মৈথিলীক সমাচাবক সাওট)

http://www.ciilcorpora.net/maisam.htm

http://www.ildc.in/Maithili/MIindex.aspx (মৈথিলী ঋওজাব আ ফন্ট)

http://www.mithilaarts.com/

http://www.mithilapainting.org/

http://www.maithili.net/ (মিথিলা-মৈথিল-মৈথিলীক লোকপ্রিয় সাওট)

http://www.mithilaonline.com/ (মিথিলা-মৈথিল-মৈথিলীক লোকপ্রিয় সাওট)

http://www.onlinemithila.in/ (মিথিলা-মৈথিল-মৈথিলীক লোকপ্রিয় সাওট)

http://www.nnl.gov.np/

http://www.nepalacademy.org.np/

http://www.karnagoshthi.org/

http://surmasti.com/

http://www.maithiliworld.com/

http://www.mithila-museum.com/aboutMM/Eindex.html

http://www.tribhuvan-university.edu.np/

http://www.swastifoundation.com/ (স্বস্তি ফাউন্ডেশনক সাওট)

http://foundationsaarcwriters.com/

http://www.opmcm.gov.np/

http://www.moe.gov.np/ (নেপাল সরকারক সাওট)

http://lnmu.bih.nic.in/

http://gov.bih.nic.in/ (বিহার সরকারক সাওট)

http://www.india.gov.in/

http://rajbhasha.nic.in/

http://www.hindinideshalaya.nic.in/

http://themithila.tripod.com/

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://www.mithilaconnect.com/

http://www.esabha.net/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.maithilvivah.com/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.kanyadan.net/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.maithilbrahminvivahbandhan.org/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.mithilashaadi.com/ (मैथिल विवाहक साइट)

http://www.kalyanifoundation.org/

http://www.madhubani.com/

http://www.janakpur.org/

http://www.darbhanga-friends.com/

http://www.hindisansthan.org/

http://www.biharassociation.net/

http://www.nationallibrary.gov.in/ (नेशनल लाइब्रेरी कोलकाता)

http://dpl.gov.in/ (दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी)

http://www.connemarapubliclibrarychennai.com/ (कोनेमारा पब्लिक लाइब्रेरी)

http://rrrlf.nic.in/ (राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन)

http://www.sahitya-akademi.gov.in/(साहित्य अकादमीक साइट)

http://www.nbtindia.org.in/ (नेशनल बुक ट्रस्टक साइट)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://www.csuchico.edu/anth/mithila/

http://web.mac.com/nadjagrimm/iWeb/JWDC/Mithila%20Art%20.html

http://www.southasianist.info/india/mithila/index.html

http://www.mithilalive.com/

http://www.ethnologue.com/show_language.asp?code=mai

http://linguistlist.org/forms/langs/LLDescription.cfm?code=mai

http://www.languageshome.com/English-Maithili.htm

http://www.rosettaproject.org/archive/mai

http://www.nepalgov.gov.np/

http://maithili-mp3-songs.folkmusicindia.com/

http://www.ciil.org/ (ভাবতীয ভাষা সংস্থানক সাগর্ঠ)

http://www.ciillibrary.org/

http://www.lisindia.net/Maithili/Maithili.html

http://www.ntm.org.in/languages/maithili/default_maithili.asp (বাষ্ট্রীয খন্বরাদ মিশন)

http://www.samsung.com/in/news/localnews/2012/tagore-literature-awards-bring-together-india-best-literary-talent (TAGORE LITERATURE AWARD)



http://www.samsung.com/in/news/localnews/2011/samsung-felicitates-the-winners-of-tagore-literature-awards-2010 (TAGORE LITERATURE AWARD)

http://www.samsung.com/in/Tagore-Awards/index.html (TAGORE LITERATURE AWARD)

http://jnanpith.net/ **(भारतीय ज्ञानपीठक साइट)**

http://bparishad.in/ (भारतीय भाषा परिषद, कोलकाताक साइट)

http://www.bharatiyabhashaparishad.com/ (भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता सागर्थ)

http://www.themanbookerprize.com/ **(मैन-बूकर पुरस्कारक साइट)**

http://www.commonwealthfoundation.com/ **(कॉमनवेल्थ फाउँन्डेशनक साइट)**

http://www.crossword.in/ **(वोडाफोन-क्रॉसवर्डक साइट)**

http://www.pulitzer.org/ **(पुलित्जर पुरस्कारक साइट)**

http://nobelprize.org/ **(नोबेल पुरस्कारक साइट)**

http://www.goakonkaniakademi.org/akademi/aims.htm **(गोवा कोंकणी अकादमीक साइट)**

http://www.museindia.com/

http://www.asiawrites.org

http://indianorway.wordpress.com/

http://samanvayindianlanguagesfestival.org/

http://jaipurliteraturefestival.org/

http://dscprize.com/

http://www.hindu.com/lr/2011/04/03/stories/2011040350010100.htm

http://southasianlitfest.com/

http://www.varnamala.org/

http://indiapoetryinternationalweb.org/

http://madhubani-art.blogspot.com/ **(Maithili Literature in English)**

http://www.fortunecity.com/victorian/charcoal/49/

http://www.tarainews.com.np/

সগব বাতি দীপ জবয

http://sagarraatideepjaray.blogspot.com/
http://sagarraatideepjaray.wordpress.com/

রিদেহ মৌথিনী ক্লিজ :
http://videhaquiz.blogspot.com/

রিদেহ মৌথিনী জানবৃত্ত এগ্রীগেটব :

http://videha-aggregator.blogspot.com/
রিদেহ মৌথিনী সাহিত্য অংগ্রেজীমে অনূদিত

http://madhubani-art.blogspot.com/
রিদেহক পূর্ব-রূপ "ভানসবিক গাছ" :

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://gajendrathakur.blogspot.com/

विदेह गंडेक्स :

http://videha123.blogspot.com/

विदेह फागन :

http://videha123.wordpress.com/

विदेह: सदेह : पहिल तिरहुता (मिथिला़क्षर) जालवृत्त (ब्लॉग)

http://videha-sadeha.blogspot.com/

विदेह:ब्रेल: मैथिली ब्रेलमे: पहिल बेर विदेह द्वारा

http://videha-braille.blogspot.com/

VIDEHA IST MAITHILI FORTNIGHTLY EJOURNAL ARCHIVE

http://videha-archive.blogspot.com/

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मैथिली पोथीक आर्काइव

http://videha-pothi.blogspot.com/

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो आर्काइव

http://videha-audio.blogspot.com/

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका वीडियो आर्काइव

http://videha-video.blogspot.com/

विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मिथिला चित्रकला, आधुनिक कला आ चित्रकला

http://videha-paintings-photos.blogspot.com/

मैथिल आर मिथिला (मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय जालवृत्त)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://maithilaurmithila.blogspot.com/

http://groups.google.com/group/videha

গজেন্দ্র ঠাকুর গডেক্স

http://gajendrathakur123.blogspot.com

নেনা ভুটকা

http://mangan-khabas.blogspot.com/

Videha Radio বিদেহ রেডিয়ো:মৈথিলী কথা-কবিতা আদিক পহিল পোডকাস্ট সাইট

http://videha123radio.wordpress.com/

http://videha.listen2myradio.com/

বিদেহ মৈথিলী নাট্য উৎসব

http://maithili-drama.blogspot.com/

সমদিয়া

http://esamaad.blogspot.com/

মৈথিলী ফিল্মস

http://maithilifilms.blogspot.com/

অনচিন্হার আখর

http://anchinharakharkolkata.blogspot.com/

মৈথিলী হাইকু

http://maithili-haiku.blogspot.com/

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानक मैथिली
http://manak-maithili.blogspot.com/

बिहनि कथा

http://bihanikatha.blogspot.com/

मैथिली कविता

http://maithili-kavita.blogspot.com/

मैथिली कथा
http://maithili-katha.blogspot.com/

मैथिली समालोचना
http://maithili-samalochna.blogspot.com/

सगर राति दीप जरय

http://sagarraatideepjaray.blogspot.com

सगर राति दीप जरय

http://sagarraatideepjaray.wordpress.com

"विकीपीडिया"मे मैथिलीकेँ बाद मैथिली "गूगल ट्रान्सलेट"मे सेहो.. अगिला लक्ष्य "अमेजन अलेक्सा"
गूगल ट्रान्सलेट
गूगल ट्रान्सलेटक लिंक
https://translate.google.com/?sl=en&tl=mai&op=translate
गूगल ट्रान्सलेटकेँ आब पृष्ठ, करबाक अछि तेँ लेल अगिला काज अछि। बहुत रास:
https://translate.google.com/about/contribute/
आरम्भ:



विकीपीडिया ०६ फरबरी २००९ लिंक
https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&lpg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false (मैथिली देवनागरी)
https://books.google.co.in/books?id=cTezCU59bJwC&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false (मैथिली तिरहुता)
https://books.google.co.in/books?id=3zKudz6wAO8C&lpg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false (मैथिली ब्रेल)
गूगल ट्रान्सलेट २३ जून २०११क लिंक
https://www.facebook.com/groups/videha/permalink/138489416229195/
गूगल ट्रांसलेशन टूलमे
"बिहारी" भाषाक बदलामे मैथिली लेल अलग ट्रांसलेशन टूल बनेबाक आवेदन विदेहक सदस्यगण द्वारा देल गेल अछि। अपन योगदान गूगल ट्रांसलेट लेल करू, आ कएल सम्पादन बदलबा लेल कारण मे (अंग्रेजीमे) "बिहारी" नामक कोनो भाषा नै हेबाक चर्चा करू। ऐ लिंकपर अनुवाद करू; गूगल एकाउन्टसँ लॉग इन केलाक बाद ।
http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject
http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh (link closed)

किछु मैथिली विकिपिडिया पेजक लिंक:

विदेह (पत्रिका) **https://mai.wikipedia.org/s/kgv**
अन्तर्जालक संसारमे मैथिली भाषा **https://mai.wikipedia.org/s/s6h**

भानसघिक गाछ **https://mai.wikipedia.org/s/ipm**

विदेह **https://mai.wikipedia.org/s/ie1**

विदेहक फेसबुक भर्सन **https://mai.wikipedia.org/s/iu1**

विदेह सम्मान **https://mai.wikipedia.org/s/jc2**

রিদেহ আর্কাগিভ **https://mai.wikipedia.org/s/jc0**

রিদেহ মিথিলা বনে **https://mai.wikipedia.org/s/jc3**

রিদেহ মিথিলাক খোজ **https://mai.wikipedia.org/s/jc4**

রিদেহ সূচনা সংপর্ক অন্বেষণ **https://mai.wikipedia.org/s/jc5**

শ্রুতি প্রকাশন **https://mai.wikipedia.org/s/iu7**

অনচিন্তাব আখব **https://mai.wikipedia.org/s/ion**

মৌথিলী গজল **https://mai.wikipedia.org/s/idz**

মৌথিলী বাঁল গজল **https://mai.wikipedia.org/s/iex**

মৌথিলী ভক্তি গজল **https://mai.wikipedia.org/s/if1**

http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai

http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai

http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai

অতিম পাঁচু সাগর্ট রিকী মৌথিলী প্রাজেক্টক অছি। এহি লিংক সভ পব জা কয প্রাজেক্টকেঁ আগাঁ বঢ় াউ।

অমেজন অনেক্সা মৌথিলী (শীঘ্র....)

কিছু নীক যূ ট্যূব মৌথিলী চৌনল

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



Videha e-Learning

https://www.youtube.com/channel/UC4abVKqMj2pDWAkXiOHp7A

संघ लोक सेवा आयोग/ बिहार लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेल मैथिली ऐच्छिक विषय हेतु सामिग्री

(FOR UPSC (UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION) -BPSC (BIHAR PUBLIC SERVICE COMMISSION) EXAMS- GENERAL STUDIES AND MAITHILI OPTIONAL SUBJECTS)

https://www.youtube.com/channel/UCq30Llck2tNw8BI4t8jjzQg (प्यारे मैथिल चैनल)

http://www.youtube.com/user/Janakifm (जानकी एफ.एम., मैथिली समाचार रेडियो Youtube channel)

http://www.youtube.com/user/Maithilinews
http://www.youtube.com/user/jitumaithil (जितेन्द्र झा, जनकपुर)
http://www.youtube.com/user/sobhagya8 (सौभाग्य मिथिला)
http://www.youtube.com/user/rajnipallavi (रजनी पल्लवी)
http://www.youtube.com/user/bhaskaranjha (भास्कर झा)
http://www.youtube.com/user/mahakalijha
http://www.youtube.com/user/karia1885
http://www.youtube.com/user/omuniv
http://www.youtube.com/user/sumankumar137
http://www.youtube.com/user/gyansjha
http://www.youtube.com/user/bclalan
http://www.youtube.com/user/gareri1986
http://www.youtube.com/user/avinashjha84
http://www.youtube.com/user/chandankumarjha1

http://www.youtube.com/user/mailorang
http://www.youtube.com/user/chandanmishra2010



http://www.youtube.com/user/nirmaana

http://www.youtube.com/user/Janakifm1

http://www.youtube.com/watch?v=XpSuVHtbaQ8&feature=mfu_in_order&list=UL

http://www.youtube.com/user/gxcng

http://www.youtube.com/user/gautamkrishna85

http://youtu.be/3i3OG5Nf3y8

http://youtu.be/sJnxSe-ckmo

http://www.youtube.com/user/jitmohanjha

http://www.youtube.com/user/MiTJnPNN

http://www.youtube.com/watch?v=-9KaC8ji9t4

http://www.youtube.com/user/luvvivek2k7

http://www.youtube.com/user/bindassatyandra

http://www.youtube.com/user/rustymind1

http://www.youtube.com/user/MrDeveshKarna

http://www.youtube.com/user/rambabushah

http://www.youtube.com/user/mukeshjha84

http://www.youtube.com/user/Mauahi
www.youtube.com/user/MrBasantjha
http://www.youtube.com/user/themadan
http://www.youtube.com/user/sentukhu

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://www.youtube.com/user/yarowjha

http://www.youtube.com/user/mkoxp
http://www.youtube.com/user/luvvick21

http://www.youtube.com/user/njyclubashok

http://www.youtube.com/user/MrRamkisor

http://www.youtube.com/user/pratyushsangita/
http://www.youtube.com/user/hellomithilaa

http://www.youtube.com/user/mariyoshj

http://www.youtube.com/user/dearshantanu/

www.youtube.com/user/RajuPrasadRajbanshi

www.youtube.com/user/premarshi
http://www.youtube.com/user/Dhipre (ধীরেন্দ্র প্রেমর্ষি)

http://www.youtube.com/user/TheShubhaprabhat

http://www.youtube.com/user/njyclubashok

http://www.youtube.com/user/mithilaconnect

http://www.youtube.com/user/NAYAKSAURABH80

http://www.youtube.com/user/Rabindra888

http://www.youtube.com/user/uday88mandal

http://www.youtube.com/user/nimesdeath

http://www.youtube.com/user/pawanks6102
http://www.youtube.com/user/sahayogee
http://www.youtube.com/user/sunilkumarpawan

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



http://www.youtube.com/user/videhuk

http://www.youtube.com/user/ggajendra71(विदेह)

आ तीनटा आर साइट

http://www.dailymotion.com/video/xjophq_documentary-kosi-katha_shortfilms#from=embed

http://blackbuddhas.com/

http://youtu.be/CPwpkn5YI1I

VIDEHA ARCHIVE



Search the full text of GOOGLE VIDEHA books

1.विदेह ई-पत्रिकाक सभटा पुरान अंक Videha e journal's all old issues

http://sites.google.com/a/videha.com/videha/

विदेह ई-पत्रिकाक पहिल ५० अंक

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-i/

বিদেহ ই-পত্রিকাক ৬০ম সঁ ১৪৯ ম অংক

https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-ii/

বিদেহ ই-পত্রিকাক ১৩০ম আ আগাঁক অংক

https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-iii/

২.মৈথিলী পোথী ডাউনলোড Maithili Books Download

http://sites.google.com/a/videha.com/videha-pothi

৩.মৈথিলী অডিযো সংকলন Maithili Audio Downloads

http://sites.google.com/a/videha.com/videha-audio

৪.মৈথিলী বীডিযোক সংকলন Maithili Videos

http://sites.google.com/a/videha.com/videha-video

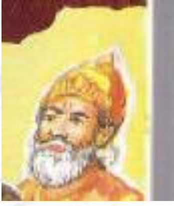
৬.মিথিলা চিত্রকলা/ আধুনিক চিত্রকলা আ চিত্র Mithila Painting/ Modern Art and Photos

http://sites.google.com/a/videha.com/videha-paintings-photos/

অপন মংতব্য editorial.staff.videha@gmail.com পর পঠাউ।

वि दे ह *विदेह* Videha *বিদেহ* **http://www.videha.co.in** *विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका* Videha Ist Maithili Fortnightly e Magazine विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका *नव अंक देखबाक लेल पृष्ठ सभकेँ रिफ्रेश कए देखू।* Always refresh the pages for viewing new issue of VIDEHA.

भारत आ नेपालक माटिमे पसरल मिथिलाक धरती प्राचीन कालहिसँ महान पुरुष ओ महिला लोकनिक कर्मभूमि रहल अछि। प्रस्तुत अछि मिथिला रत्नक एकटा छोटे संग्रह। एहि संग्रहकेँ पूर्ण करबाक हेतु अपन रत्नमूल्य संग्रहकेँ editorial.staff.videha@gmail.com केँ पठाउ। आकार्जिरक सर्वाधिकार रचनाकार, सम्बन्धित फोटोग्राफर आ संग्रहकर्त्ताक लगमे छन्हि। फोटो सभ पठएबाक लेल धन्यवाद पाठकगण। साभार। पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल। विदेहक **९७म अंक (१३ दिसम्बर २०११)** मे हिनकर सभक विशेष विवरण देल गेल अछि। तकोन विवरण देखबा लेल क्लिक करू **मिथिला रत्न/ मिथिला चित्रकला/ मिथिलाक पारम्परिक शिल्प (कला) आ मिथिलाक संगीत** ।



वैदिक जनक



वाल्मीकि



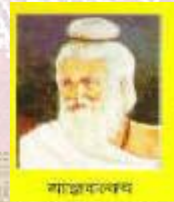
सीतापति राम



नल ऋषि



विदेघमाथव



राजसनेयी याज्ञवल्क्य

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





অংগরাজ কর্ণ



বৈশেষিক দর্শন কণাদ



মহাবীর জৈন 599-527



গৌতম বুদ্ধ BC 563-483



চাণক্য BC 350-283



চন্দ্রগুপ্ত মৌর্য চাণক্যক শিষ্য BC 340-293



আর্যভট্ট বৈজ্ঞানিক 476-550



সিদ্ধ সরহপাদ 700-780



আদি শংকরাচার্য 788-820 মংডন মিশ্রসঁ শাস্ত্রার্থ





ম.ম.গোনূ ঝা 1050-1150



গঙ্গাবাম ও হাথী স্বৰ্বন



বংশীধব ব্রাহ্মণ



ছেছন মহবাজ



দীনা- ভদবী



জ্যাতি পঁজিযাব



বাজা সনহেস



দ্নবা দযান



কানিদাস



ৰৌধি কাযস্থ



বাধাগুষ্ঠ ও কবতাবাম মন্নিক



মহাবাজ নান্যদেব

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





মন্নদের



মহাবাজ হবসিংহদের



মংত্রী গণেশ্বর



মীবাঁ সাহেবঁ



খমব রাঁরাঁ



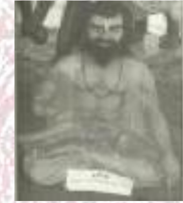
গবীবঁন রাঁরাঁ



নানবঁন রাঁরাঁ



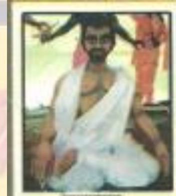
রঁঠা চমাব



কাবিখ পজিযাব



নোবিক



বায বণপান



খযাচী মিশ্র

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

 शंकर मिश्र	 पक्षधर मिश्र	 मैथिलीक आदिकवि विद्यापति (ज्योतिरीश्वर पूर्व)
 महाराज शिव सिंह	 उगना महादेव	 महाकवि विद्यापति ठाकुर 1350-1435 (मैथिलीक आदि कवि ज्योतिरीश्वर-पूर्व विद्यापतिसँ भिन्न, संस्कृत आ अवहट्टमे लेखन)
 शंकरदेव 1449-1569	 जगज्ज्योतिर्मल्ल १६१३-३७	 स्वनीति कुमार चटर्जी मैथिली प्रेमी 1890-1977





অরবিন্দ ঘোষ মৈথিলী প্রেমী 1872-1950



ডॉ. সর আশুতোষ মুখর্জী মৈথিলী প্রেমী 1864-1924



সর জী. এ. গ্রিয়র্সন মৈথিলী প্রেমী 1851-1941



কবি চন্দা ঝা 1831-1907



মহাকবি লালদাস 1856-1921



ম. ম. পরমেশ্বর ঝা 1856-1924



অবধ বিহারী প্রসাদ শাস্ত্রী 1859-1929



সর্বতন্ত্র স্বতন্ত্র বচ্চা ঝা 1860-1921



ম. ম. শশিনাথ ঝা 1860-1930



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA



ক্ষেমী রঘুনন্দন দাস 1860–1945



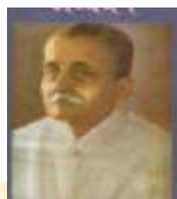
মধুসূদন ওঝা 1866–1939



ম.ম. ক্ষেমধারী ঝা ১৮৬৮–১৯২৯



ক্ষেমানন্দ ঝা "রঁখর্মী" 1869–1936



ডॉ. সর গংগানাথ ঝা 1871–1941



জনার্দন ঝা জনসীদন 1872–1951



রাসবিহারী লালদাস 1872–1940



রামচন্দ্র মিশ্র "চন্দ্র" 1873–1937 মৈথিল প্রভা



মহাবৈয়াকরণাচার্য পং দীনবন্ধু ঝা 1878–1955

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA



ভরনাথ মিশ্র 1879–1933



কীর্ত্যানন্দ সিংহ



ছত্রনাথ চৌধরী 1884–1928



ভরপ্রীতানন্দ ওঝা 1886–1970



কপিলেশ্বর মিশ্র 1887–1987



রামকৃষ্ণ মিশ্র 1888–1948



রমানন্দ মিশ্র 1890–1975



আচার্য রামলোচন শরণ 1889–1971



সীতারাম ঝা 1891–1975







विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



তাবাচবণ ঝা 1892–1928	ৰঁদ্রীনাথ ঝা 1893–1973	জীৱনাথ বায 1893–1964
 ঙঁমেশী মিশ্র 1895–1967	 ৰাঁবূ ধন্বষধাবী নান দাস 1895–1965	 ঋমবনাথ ঝা 1897–1955
 ভোনানান দাস 1897–1977	 ক্মাব গংগানন্দ সিংহ 1898–1971	 ব্রঁজমোহন ঠাক্বব 1899–1977
 ভুৱনেশ্বৰ প্রসাদ 1902–	 জযনাবাযণ ঝা 'ৱিনীত' 1902–1991	 নবেন্দ্র নাথ দাস ৱিদ্যানংকাব ১৯০৪–১৯৯২

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





সুধাকর ঝা "শাস্ত্রী" 1904–1974



দামোদর লাল দাস বিশারদ 1904–1981



রবীন্দ্রনাথ ঝা 'খদ্যোত' 1904–1996



শ্রীবল্লভ ঝা শাস্ত্রী 1905–1940



রমানাথ ঝা 1906–1971



কাশীকান্ত মিশ্র "মধুপ" 1906–1987



লক্ষ্মীনাথ গোসাঞি 1793–1872



মেহী দাস



বুঁচন ভগত, সংত 1928–1991







विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



ঋভিবাম দাস	স্নেহনতা 1909-1993	স্বতংত্রতা সেনানী স্ব. বামফন মল্ডন
 স্বন্দব ঝা "শাস্ত্রী" 1930-1998	 কাঞ্চীনাথ ঝা "কিবণ" 1906-1988	 শ্যামানন্দ ঝা 1906-1949
 বমাকাঁত ঝা, নেপান 1907-1971	 ঙশিনাথ ঝা 1907-1965	 ভুবনেশ্বব সিংহ 'ভুবন' 1907-1944
 হবিমোহন ঝা 1908-1984	 কানীকান্ত ঝা 1909-	 তংত্রনাথ ঝা 1909-1984





জীৱনাথ ঝা 1910–1977



সুৱেন্দ্র ঝা 'সুমন' 1910–2002



পং. ৱামচন্দ্র ঝা 1910–



'নাগার্জুন' বৈদ্যনাথ মিশ্র 'যাত্রী' 1911–1998



ঋাবসীপ্রসাদ সিংহ 1911–1996



গুৰু জযদেৱ মিশ্র 1911–1991 শিষ্য গংগানাথ ঝা



যশোধৱ ঝা



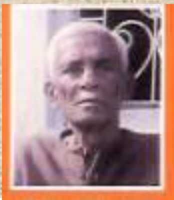
বৈদ্যনাথ মল্লিক 'ৱিধু' 1912–1987



ভীম ঝা 1912–

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





বাধানাথ দাস ১৯১২-



উপেন্দ্র ঠাকুব 'মোহন' 1913-1980



জযনাথ মিশ্র 1913-1985



শ্রীকাঁত ঠাকুব "বিদ্যানংকাব"



পঞ্জীকাব মোদানন্দ ঝা 1914-1998



আনন্দ ঝা 1914-1988



টৈক্যা হাসেগাবা, নিদেশক মিথিলা মৃজিযম, নিগাটা



মাঁগনি খবাঁস 1908-1943 সংগীতজ্ঞ



বামাশ্রয ঝা 'বামবংগ' অভিনব ভাতখণ্ড 1928-2009

 বামচত্তব মল্লিক ধ্রুপদ সংগীত 1905-1990	 খভযনাবাযণ মল্লিক	 কুমাব তাবানন্দ সিংহ, সংগীতজ্ঞ
 সংগীতাচার্য বাযবঁহাদ্ব নক্ষ্মীনাবাযণ সিংহ	 পংডিত পবমানন্দ চৌধবী, সংগীতজ্ঞ	 দ্বদযনাবাযণ ঝা
 সংগীত ভাস্কব বাজকুমাব শ্যামানন্দ সিংহ ১৯১৩-১৯৯৪	 মিথিনেশ কুমাব ঝা, তবঁনা বাদন	 নাগেশ্বব নান কর্ণ, তবঁনা বাদক

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





রাঁবূ সাহেবঁ চৌধবী 1916-1998



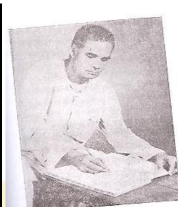
নক্ষ্মণ ঝা 1916-2000



শ্বঙ্কদেব ঝা 'উঁপেন' 1916-



বামচবিত্র পাণ্ডেয "খণ্ড" ১৯১৭-২০১০



নক্ষ্মীনাথ ঝা মিথিনা চিত্রকনা 1917-1990



উঁপেন্দ্র নাথ ঝা 'ব্যাস' 1917-2002



মনমোহন ঝা 1918-2009



ব্রজকিশোব বর্মা 'মণিপদ্ম' 1918-1986



পং. সহদেব ঝা ১৯১৯-







विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



বৃন্ধিধাৰী সিংহ বমাকৰ 1919–1991	খাদ্যাচৰণ ঝা 1920–	জযকান্ত মিশ্র, প্ৰত্ৰীক সংগ খা' নেহৰুক সংগ 1922–2009
 চন্দ্ৰ ভানু সিংহ 1922–	 স্বধাংশু শেখৰ চৌধৰী 1922–1990	 গোৰিন্দ ঝা 1923–
 যোগানন্দ ঝা 1923–1986	 ৰামকৃষ্ণ ঝা 'কিস্বন' 1923–1970	 উঁমানাথ ঝা 1923–2009
 ৱটৌশিংকৰ দাস 1923–2006	 প্ৰবোধ নাৰাযণ সিংহ 1924–2005	 মদনেশ্বৰ মিশ্র 1924–2004





অমোঘ নারায়ণ ঝা "অমোঘ" 1924-



ঈশ্বরীধর সিংহ, ব্রজমোহন ঠাকুর, শুভংকর ঝা, মদনেশ্বর মিশ্র 1924-2004, ললিত নারায়ণ মিশ্র, দেবনাথ রায



মতিনাথ মিশ্র মতংগ 1924-



আনন্দ মিশ্র 1924-2007



ডা. জযমন্ত মিশ্র ১৯২৩-২০১০



চন্দ্রনাথ মিশ্র অমর 1925-



ঈশ্বিনাথ ঝা (1926-2009)



শুভংকর ঝা 1926-



দীনানাথ পাঠক 'বন্ধু' 1928-1962



অনন্ত বিহারী লাল দাস "ইন্দু" 1928-2010



শুক্লকান্ত মিশ্র ১৯২৮-২০০০



জগদানন্দ ঝা 1928-



দুর্গানাথ ঝা "শ্রীশ"



রাজকমল চৌধরী 1929-1967



বিশ্বনাথ ঝা "বিষপায়ী" 1929-2005



জয়ধারী সিংহ 1929-2007



শৈলেন্দ্র মোহন ঝা 1929-1994



বিজয়নাথ ঠাকুর 1929-2008









मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

रमेशचन्द्र वर्मा 1930–	गोपालजी झा 'गोपेश' 1931–2008	विवेकानन्द ठाकुर 1931 –
 ताराकांत मिश्र 1931–	 ललित 1932–1983	 कविवर मधुसूदन ठाकुर 1932–
 विद्यानारायण ठाकुर 1933–	 धूमकेतु 1932–2000	 राजमोहन झा 1934–
 डॉ. धीरेन्द्र 1934–2004	 रमेश नारायण १९३४– २०११	 हरिमोहन झा, मायानन्द मिश्र, स्वरूप दास

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





রাঁবূ শ্রী সত্নাবাযণ সিংহ ঝা বাঘরাচার্য



রাঁবূ শ্রী সত্নাবাযণ সিংহ



মাযানন্দ মিশ্র 1934–



তাবানন্দ তরুণ ১৯৩৩– ২০১১



সোমদের 1934–



বাজনন্দন নান দাস 1934–



বমানন্দ রেণু 1934–2011



কানীকাঁত ঝা "বূঁচ" 1934–2009



শ্যাম চন্দ্র 1934–







विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



ডোবীনান শর্মা "শ্রোত্রিয" ১৯৩৬–	বামভদ্র, ধনুষা, নেপান ১৯৩৬–২০২০	কেদাবনাথ চৌধবী 1936 –
 জীবকাংত 1936–	 দেৱকাংত ঝা 1936–	 ডॉ খমৱেশ পাঠক 1936–
 ৰঁনবাম 1936–2008	 মৈথিনীপুত্র প্রদীপ 1936–	 বামদেৱ ঝা 1936–
 বৱীন্দ্র নাথ ঠাকুব 1936–	 ৱিনোদ ৱিহাবী ৱর্মা 1937–2003	 বীবেন্দ্র মল্লিক 1937–

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



 कीर्तिनारायण मिश्र 1937–	 गौरीकांत चौधरीकांत 1937–2001	 युगल किशोर मिश्र १९३+–२००१
 प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन' 1938–	 महेश्वरनाथ मल्लिक 1938–	 परशुराम झा १९३+–
 कुलानन्द मिश्र 1940–2000	 विनोद पासवान 'विहंगम' 1940–	 फजलुर रहमान हासमी 1940–2011
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



গঙ্গানাথ ঝা	প্রভাস কুমার চৌধরী 1941-1998	সাকেতানন্দ 1940-
 গংগেশ গুঞ্জন 1942-	 প্রেমশংকর সিংহ 1942-	 মার্কণ্ডেয় প্রবাসী 1942-2010
 দেবেন্দ্র ঝা ১৯৪৩-	 ডॉ. ভীমনাথ ঝা 1945-	 মহেন্দ্র মলংগিয়া 1946-
 ডॉ রাম দযাল রাকেশ, সর্লাহী, নেপাল 1942-	 উপেন্দ্র দোষী 1943-2001	 উদযচন্দ্র ঝা "বিনোদ" 1943-



বেরতী বমণ নান, জনক প্বব 1943–



মংত্রেশ্বৰ ঝা 1944–



বল্লেশ্বৰ মিশ্র 1945–



জগদীশ প্রসাদ মংডন



বাজ



মহাবাজাধিবাজ নক্ষ্মীশ্বৰ সিংহ 1858–1898



মহাবাজাধিবাজ বমেশ্বৰ সিংহ 1860–1929



মহাবাজাধিবাজ কামেশ্বৰ সিংহ 1907–1962



সব হবগোবিন্দ মিশ্র, খ নীগঢ় ঝা কামেশ্বৰ সিংহ







विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



রিনোদানন্দ ঝা 1895–1971	ললিত নাবাযণ মিশ্র 1922–1975	ডॉ. বামরঁবন যাদর, নেপান বাষ্ট্রপতি
 স্বর্গীয় রিন্ধ্যেশ্বৰী প্রসাদ মংডন, বাজনেতা 1919–1982	 ভুপেন্দ্র নাবাযণ মন্ডন	 কর্পূবী ঠাকুব 1921–1988
 বামরিনাস পাসরান ১৯৪৬ –	 বাম নষণ বাম "বমণ"	 ভোগেন্দ্র ঝা
 চন্দ্রবানন মিশ্র	 বমাকাংত মিশ্র	 বমানাথ মিশ্র "মিহিব"

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



 গজেন্দ্র নাৰাযণ চৌধৰী, পত্ৰকাৰ 1929-2008	 মোহন ভাৰদ্বাজ 1943-	 যোগানন্দ ঝা 1955-
 জীবানন্দ ঝা "শাস্ত্রী" ,পত্ৰকাৰ	 দীনানাথ ঝা, পত্ৰকাৰ	 নৰেন্দ্র ঝা, অৰ্থশাস্ত্র-পত্ৰকাৰ
 প্রেমশংকৰ ঝা, পত্ৰকাৰ	 শৰদিন্দু চৌধৰী, পত্ৰকাৰ	 ৰাজেশ্বৰ ঝা (১৯২৩-১৯৭৭)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





এস.এন.সহার্থী



রাধাকৃষ্ণ চৌধরী, ইতিহাসকার 1921−1985



প্রা. রামশরণ শর্মা ১৯২০ −২০১১



ব্রিজযকান্ত মিশ্র ইতিহাস কার 1927−1994



দ্বিজেন্দ্র নারাযণ ঝা, ইতিহাস কার



সুরেশ্বর ঝা, রাজনীতি বিজ্ঞান



ভাগীরথ লাল দাস



লক্ষ্মীকান্ত ঝা রিজর্ব বৈঁক গবর্ন র 1913−1988



এন. এন. ঝা ডিপ্লোমেট







विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



কামেন্দ্রনাথ ঝা "খমন" 1938–	ভাগ্যনারায়ণ ঝা 1941–	রমাকান্ত রায় "রমা" 1947
 প্রোফেসর মহেন্দ্র 1947 –	 মহেন্দ্র 1944–2009	 সুভাষচন্দ্র যাদব 1948 –
 সুভদ্র ঝা 1909–2000	 রামাবতার যাদব, মৈথিলী ভাষিকী, নেপাল 1942–	 যোগেন্দ্র প্রসাদ যাদব, ভাষিকী,সিরহা, নেপাল 1946–
 রমানন্দ ঝা 'রমণ' 1949–	 রামলোচন ঠাকুর 1949–	 গংগা প্রসাদ মংডল "খকে না", নেপাল 1944–

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





মহেন্দ্রনাবাযণ নিধি, ধনুষা, নেপাল



পবমেশ্বব কাপড়ি, ধনুষা, নেপাল



জযনাবাযণ ঝা "জিজ্ঞাসু", নেপাল



স্ববেশ ঝা, নেপাল 1920–1995



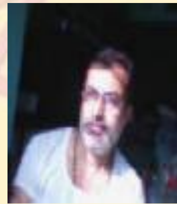
বোহিণী বমণ ঝা 1950–



ডॉ. কমলাকান্ত ভণ্ডাবী 1952–



বিনোদ বিহাবী লাল 1953–



অববিন্দ ঠাকুব 1954–



শ্যাম দবিহবে 1954–







विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



দিনেশ কুমাৰ ঝা	অশোক কুমাৰ ঠাকুৰ	প্ৰতাপনাৰায়ণ ঝা, নেপাল
		
শীতল ঝা, নেপাল	উগ্ৰনাৰায়ণ মিশ্ৰ "কনক"	ডॉ. শম্ভুনাথ চৌধৰী 1920-2008
		
চন্দ্ৰকান্ত ঝা	পঁচানন মিশ্ৰ	প্ৰাফেসৰ গ্ৰবমৈতা
		
মহেন্দ্ৰ নাৰায়ণ সিংহ "মগন"	সূৰ্যকান্ত ঝা, জনকপুৰ	ৰমণ ঝা (1957-)

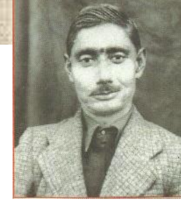
विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



 রিজযনাথ ঝা	 যোগানন্দ ঝীবা	 রাঁরাঁ রৈঁদ্যনাথ
 জগদীশ চন্দ্র ঋনিন ১৯৩০–	 রিদ্যানন্দ ঝা 1965–	 হরেশ্বঙ্ক ঝা 1950–
 উঁদয নাবাযণ সিংহ নচিকেতা 1951–	 ঋাশীষ ঋনচিন্হাব	 ঙ্কমাব পরন 1958
 কীর্তিনাথ ঝা 1955–	 মহেন্দ্র হজাবী	

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



		স্ব. চন্দ্রকান্ত মিশ্র, খাসী, দরভংগা
 স্ব. মহেন্দ্র নারাযণ ঝা, রৈনৌঁজা, মধুবনী	 স্ব.রাজকুমার মল্লিক, সোহরায (পোখরিভীড় া), মধুবনী	 লক্ষ্মীপতি সিংহ
 ফূলচন্দ্র মিশ্র রমণ	 কিশোরনাথ ঝা	 সূর্যনারাযণ ঝা "সরস"
 কলানন্দ ভট্ট	 দযানাথ ঝা	 ডা. সুধাকর চৌধরী ১৯৪৩-



স্ব. চুনচুন মিশ্র, বহিকা, মধুবনী।



সত্যনারায়ণ লাল কর্ণ



লে. কর্নল মায়ানাথ ঝা 1945–



শ্যাম কিশোর সিংহ



সচিন্দ্রনাথ ঝা



কালীনাথ ঠাকুর



রাজেন্দ্র বিমল, জনকপুর, নেপাল 1949–



নরেশ কুমার বিকল 1950–



জনক কিশোর লাল দাস



গুঞ্জচন্দ্র ঝা "ময়ংক"





রঘুবীর মোচী

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



	লক্ষ্মণ ঝা "সাগর" 1953–	
 শিবদানন্দ দাস "পরিমল"	 শশিবোধ মিশ্র "শশি" 1946–	 সুরেন্দ্রনাথ
 ঋষবনাথ	 রঁচা ঠাকুর	 রঁঙ্কিনাথ মিশ্র
 রাজারাম সিংহ রাঠৌর, ধনুষা	 বৈদ্যনাথ বিমল 1955–	 ডॉ রাম্বকীনাথ ঝা 1940–

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





জিতেন্দ্র মিশ্র "জীৱন"



ৱীৱেন্দ্র নাৰাযণ ঝা



ৱীৱেন্দ্র ঝা 1956-



ৱৈকুণ্ঠ ঝা 1954-



ৱৈকুণ্ঠ ঝা



ৱিত্যানন্দ ঝা 'পঞ্জীকাৰ' 1957-



মহেন্দ্র নাৰাযণ কর্ণ



ডॉ. ৱিশ্বেশ্বৰ মিশ্র



অর্জুন নাৰাযণ চৌধৰী



নৰেন্দ্র



মহেন্দ্র মিশ্র, নেপান



কমন কাঁত ঝা 1943-

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





মহাপ্রকাশ 1946–



ছত্রানন্দ সিংহ ঝা 1946–



অযোধ্যানাথ চৌধরী, ধন্ব ষা, নেপাল 1947–



বিদ্যানাথ ঝা 'বিদিত'



সিযাবাম ঝা "সবস" 1948–



অগ্নিপুষ্প 1948–



মধুকাংত ঝা 1949–



বীনূ ভাগ



সদানন্দ পাঠক



যোগীবাজ



কুণাল 1951–



विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



		রাম ভরোস কাপড়ি ভ্রমর, ধনুষা, নেপাল 1951 –
 ধীরেন্দ্রনাথ মিশ্র	 শিরেন্দ্রলাল কর্ণ, ধনুষা, নেপাল 1951–	 ব্রহ্মদেব লাল দাস
 চন্দ্রেশ্বর খান	 দয়াকান্ত ঝা	 গজেন্দ্র নারায়ণ সিংহ, নেপাল
 পদ্মশ্রী শ্রী গজেন্দ্র নারায়ণ সিংহ	 হরিকান্ত ঝা	 চন্দ্রনারায়ণ ঝা

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

 प्रवासी साहित्यानंकार	 सीताराम सिंह	 उग्रानन्द मिश्र
 शैलेन्द्र कुमार झा 1952–	 शिवशंकर श्रीनिवास 1953–	 अशोक 1953–
 विभूति आनन्द 1953–	 केदार कानन 1959–	 डॉ. शशिनाथ झा 1954–
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY

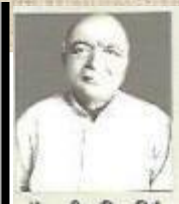


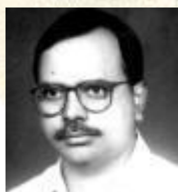
मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

धनवीर झा	शिवकान्त पाठक	डॉ. योगेन्द्र पाठक "वियोगी" , वैज्ञानिक
 राजनन्द झा	 आद्यानाथ झा "नवीन"	 अमलदास 1956-
 यंत्रनाथ मिश्र	 दिगम्बर ठाकुर	 गणेश झा 1950-
 कन्दर्पनारायण लाल कर्ण	 शैलेन्द्र आनन्द 1955-	 कमलाकांत झा
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



नन्नन प्रसाद ठाकुर 1951-1995	डॉ. कमलानन्द झा	लोकनाथ मिश्र
 डॉ. रवीन्द्र कुमार चौधरी 1966-	 अशोक अविचल	 डॉ. श्रीपति सिंह १९४४-
 डॉ. उमाकान्त	 स्वर्गीय 1942-	 श्रीदेव
 सुकांत सोम 1950-	 डॉ. देवकांत मिश्र 1952-	 डॉ. नित्यानन्द लाल दास

 বাজনাথ মিশ্র 1950–	 পশুপতিনাথ ঝা, মহোত্তবী, নেপান 1954–	 খনিনচন্দ্র ঠাকুব 1954–2009
 রুঁষেশ চন্দ্র নান	 নাবাযণজী 1956–	 ডা. শ্রী শ্রীশংকব ঝা 1952–
 জগদীপনাবাযণ "দীপক"	 বাজদেব মংডন	 শিবপ্রসাদ যাদব
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

হীরেন্দ্র কুমার ঝা 1958–	মানেশ্বর মনুজ 1958–	নরৌনাথ ঝা
 মহেন্দ্র নারায়ণ রাম 1958–	 তারানন্দ বিয়োগী 1966–	 ভানচন্দ্র ঝা
 মনমোহন ঝা	 কুমার শৈলেন্দ্র	 রমেশ 1961–
 মেঘন প্রসাদ 1961–	 প্রদীপ বিহারী 1963–	 চন্দ্রমোহন ঝা পর্বা

 डॉ. सुरेन्द्र लाभ, नेपाल	 रोशन जनकपुरी, नेपाल	 डॉ. अरविन्द अक्कू 1957–
 फूलचन्द्र झा "प्रवीण" 1961–	 देवशंकर नवीन 1962–	 कुमार मनीष अरविन्द 1964–
 रेवती नारायण वर्मा	 राजेन्द्र किशोर, नेपाल	 श्याम सुन्दर शशि, नेपाल
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY

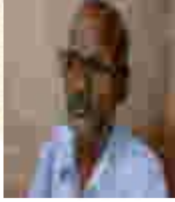


হিমাংশু চৌধবী, নেপাল	সত্যনাবায়ণ মেহতা	ভুবনেশ্বব পাথেয
 বাজেন্দ্র ঝা, ধনুষা	 অশোক কুমাব মেহতা	 ধর্মেন্দ্র বিহ্বল, সিবহা, নেপাল 1967–
 ধীবেন্দ্র কুমাব ঝা	 নিমিষ ঝা, নেপাল	 অননকান্ত
 আনন্দ কুমাব ঝা 1977 –	 রনদেরীপুত্র ভরনাথ, নাটককাব	 চন্দ্রশে

 বাম সেরক সিংহ	 শহীদ দুর্গানন্দ ঝা, নেপাল	 উঁদযনাথ ঝা "অশোক"
 কপিলেশ্বর বাউঁত	 কপিলেশ্বর সাহু	 ডॉ. শম্ভু কুমার সিংহ
 গুঞ্জচন্দ্র যাদর, নেপাল	 শিরকান্ত ঠাকুর	 শোভাকান্ত ঝা
 উঁমাকান্ত ঝা আ প্রিযংকা, মৈথিলী বংগমংচ	 শ্যামানন্দ ঠাকুর	 হবিকাংত লাল দাস, নেপাল

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



 শীশিনাথ ঠাক্বব, নেপান	 দ্গানিন্দ মঁডন	 শির ক্মাব ঝা 1973-
 বাম রিনাস সাহ্ব	 মহাকান্ত ঠাক্বব	 রঁচেশ্বব ঝা, নির্মনী
 ধীবেন্দ্র ক্মাব, নির্মনী	 চন্দ্রশেখব কামতি 1959-	 নন্দ রিনাস বায
 রিনয ভূষণ	 স্বধাকব ঝা, মহোত্তবী , নেপান	 সদবে আনম "গৌহব"

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





ডॉ. ভুবন কিশোব মিশ্র "ভুবনেশ"



দিনকব কুমাব



ডॉ. বিনয বিশ্ববন্ধু



বামদেব প্রসাদ মন্ডল ঝা রুদাব,



উঁমেশ পাসবান



ওমপ্রকাশ ঝা



জগদানন্দ ঝা মনু



খুষ্ঠলাল শাস্ত্রী



ডॉ খমোন বায







विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

নন্দ ক্নমাব মিশ্র নন্দ	ডॉ. নন্দ ক্নমাব মিশ্র	শিব ক্নমাব প্রসাদ
 দিনীপ ক্নমাব ঝা	 ডॉ তাবাকান্ত ঝা	 ঋমবকান্ত, নেপান
 ক্নবনীধব ঝা	 কমনধব দাস	 শ্রীকান্ত মন্ডন, মৌথিনী বংগমংচ
 রেঁচন ঠাক্নব	 গংগা ঝা	 নরোঁনাবাযণ মিশ্র 1955 –

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



 কমলেশ কুমার দাস, রংগ মংচ কলাকার	 কিশোর কেশব, মৈথিলী রংগমংচ	 কুমার গগন, মৈথিলী রংগ মংচ
 অশোক দত্ত, জনকপুর	 মদন ঠাকুর	 অভয় কুমার যাদব, মৈথিলী রংগমংচ
 আশুতোষ যাদব অভিজ্ঞ	 শুঞ্জ কুমার কশ্যপ 1949-	 ললিত কুমুদ
	 প্রবীণ কুমার ঠাকুর	

রঁৌহী ঝা, মিথিলা চিত্রকলা		নালা পংডিত, মিথিলা মূর্তিকলা
 বাজেন্দ্র পংডিত, মিথিলা মূর্তিকলা	 গিবীশ চন্দ্র লাল	 দিনেশ কুমাব মিশ্র
 নরেন্দ্ কুমাব ঝা, পত্রকাব	 চন্দ্র কিশোব লাল, পত্রকাব, নেপাল	 উপেন্দ্র ভগত নাগবংশী, নেপাল
 বমেশ বংজন, পবরাহা, নেপাল 1966-	 বিনীত ঠাকুব	 স্বজীত কুমাব ঝা, নেপাল

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





সবোজ খিনাড় ী



দেরাংশ্ব রসে



সংতোষ মিশ্র, নেপান



স্বনীন ক্মাব মল্লিক, গায ক, জনকপ্বব, নেপান 1968-



ধীবেন্দ্র প্রেমর্ষি, সিবহা, নেপান 1967-



বরীন্দ্র নাবাযণ মিশ্র



ক্মাব ভাস্কব



ঋমবেন্দ্র যাদব, নেপান



বঘ্নাথ ম্খিযা

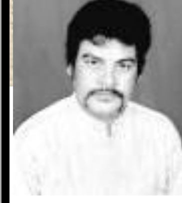






विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



प्रदीप पुष्प	संदीप कुमार साफी	उमेश मंडल
 चन्द्रमणि	 स्व. हेमकान्त झा, गायक	 कुवनीधर, मैथिली फिल्म निर्देशक
 कुंज बिहारी, मैथिली गायक	 रामबाबू झा, गायक	 बि.पि.उदासी
 जितेन्द्र सहयोगी	 उदितनारायण फिल्म गायक	 प्रकाश झा, फिल्म निर्देशक

 কীর্তি আজাদ ক্রিকেট	 শ্রীরাম ঝা শতরংজ	 অভিষেক ঝা গোল্ফ
 অশোক কুমার 1981–	 রাজেশ রংজন, মৈথিলী ফেডোরা প্রোজেক্ট	 সংজয ঝা
 বিন্দেশ্বর পাঠক	 বিনোদ মিশ্র	 রাজকমল ঝা, অংগ্রেজী লেখক, পত্রকার
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



মানস বিহাবী বর্মা, বৈজ্ঞানিক	ফণীশ্বব নাথ 'বেণু' মিথিলা বনে 1921-1977	বামধাবী সিংহ 'দিনকব' মিথিলা বনে 1908-1974
 বামবৃক্ষ বেনীপুবী 1899-1967	 ডা. হবিবংশ তকণ 1927-2009	 হবিশংকব শ্রীবাস্তব "শলভ" 1934-
 স্ব. জনার্দন প্রসাদ ঝা 'দ্বিজ'	 ওমপ্রকাশ ভাবতী 1968-	 বামেশ্বব প্রেম
 ডা. নবন কিশোব দাস "নবন"	 মোহনানন্দ ঝা 1955-	 বামাজ্ঞা শশিধব

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





গণেশি চংচন ১৯৩০–২০১১



ডॉ. খমবেন্দ্র



গোবেনান মনীষী



ফন্দন খমিতাভ



শিংত্ত খগেমী



পোদ্দাব বামারতাব খরুণ ১৯২৩–১৯৯৯



মজহব গমাম ১৯৩০–২০১২



খরুণ প্রকাশি ১৯৪+–২০১২



খংশ্বমন পাল্ডয







विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

রৈদেহী সীতা	যাক্তরন্ক্য পনৌ মৈত্রেযী	মোতীদাগ
		
রিহ্না	গাংগো দেরী	বেশীমা, ক্সম্বমা, হ্ন্না
		
মোবংগক মোতীসাযব	রিন্ধ্যরাসিনী দেরী মৌথিনী নোক গীত 1920−2006	কামেশ্বৰী দেরী 1922−
		
ক্সম্বমনতা কর্ণ	খশিমা সিংহ 1924−	নিনী বে 1933−
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



চিত্রলেখা দেৱী 1935-	মোহিনী ঝা 1937-	ডॉ. সাবিত্রী ঝা
		
কবিতা দেৱী 1942-	প্রমিলা ঝা	শান্তি সুমন 1942-
		
প্রভাবতী ঝা 1945-1999	স্ব. গনাবানী সিংহ 1945-1993	উঁষাকিবণ খান 1945-
		
নীবজা বেণু 1945-	বীণা ঠাকুব 1954-	জ্ঞানসুধা মিশ্র
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



जस्टिस मृदुला मिश्र	वीणा कर्ण 1946-	शेफालिका वर्मा 1943-
 नीता झा 1953-	 आशा मिश्र 1950-	 डॉ. स्वनीति झा
 प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' 1948-	 डॉ. इन्दिरा झा 1957	 मेनका मल्लिक 1966-
 शारदा सिन्हा मैथिली लोकगीत 1953-	 नानपरी देवी	 शकुंतला चौधरी

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY





গোদারবী দত্তা, মিথিনা চিত্রকনা



উঁষা রর্মা 1948–



কমনা চৌধরী 1953–



সীতা দেরী, মিথিনা চিত্র কনা



সরস্বতী চৌধরী, জনকপ্পর



ডॉ. শ্বকণা চৌধরী



রিভা বানী 1959–



জ্যাসেনা চন্দ্রম 1963–



স্বস্মিতা পাঠক 1962–

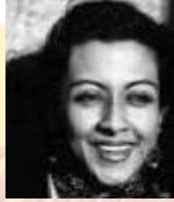




যম্না দেরী, মিথিনা চিত্রকনা



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

উর্মিলা দেবী, মিথিলা চিত্রকলা		যশোদা দেবী, মিথিলা চিত্রকলা
 রমা ঝা, সম্পাদক মিথিলা দর্পণ	 পন্না ঝা	 সুধা কর্ণ
 নূতন দাস	 রাধিকা ঝা, অংগ্রেজী লেখিকা	 স্বয়ংপ্রভা ঝা 1970-
 রূপা ধীরু 1973-	 রঞ্জনা ঝা, বিদ্যাপতি সংগীত গায়িকা	 রশ্মি দত্ত, গায়িকা, জনকপুর



কামিনী কামাযনী



স্নন্নী ঝা হরা বচনাকাব



কামিনী 1978– হরা ক রিযিত্রী



রুক্সানা সিদ্দীকী



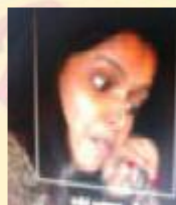
কল্পনা মিশ্র, মৈথিলী বংগমঁচ



জ্যাতি ঝা, , মৈথিলী বংগমঁচ



কিবণ ঝা, মৈথিলী বংগমঁচ



প্রিযংকা ঝা, মৈথিলী বংগমঁচ



ঋতু কর্ণ, মৈথিলী বংগমঁচ







विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



জ্যাতি রসে, বংগমংচ	নেহা রমা, বংগমংচ	সরিতা
 ঋন্নপ্রিযা	 মৃদ্না প্রধান	 অকণ মিশ্র, মহিলা রঁা ক্লিংগ
 বাখী দাস, মিথিলা চিত্রক লা	 রঁনাবসী পঁডিত,মিথিলা চিত্রকলা, ধনুষা, নেপাল	 দেরকলা দেরী কর্ণ,মিথিলা চিত্রকলা, নেপাল
 মদনকলা কর্ণ,মিথিলা চি ত্রকলা, নেপাল	 মহাস্বন্দবী দেরী,মিথিলা চিত্রকলা	 নির্জলা ঝা, মিথিলা চিত্র কলা, নেপাল



ফুলো সাহু, মিথিলা চিত্র কলা, মহোত্তরী, নেপাল



রজনী পল্লবী



সংগীতা কুমারী, মৈথিলী ফেডোরা প্রাজেক্ট



বিন্ধ্যেশ্বরী দাস



গৌরী সেন



সীমা ঝা



রাণী মিশ্র, কবিয়িত্রী ১৯৩.২–১৯৯৬



মৌসমী ব্যানর্জী, কবিয়িত্রী



শৈল ঝা



শান্তি দেবী



শশিবালা



ফুন্নী কামত



 প্রেরণা ঝা	 অংশুমালা	 শ্বেতা ঝা চৌধরী, চিত্রকার
 শ্বেতা ঝা	 বানী ঝা	 মোতী কর্ণ
 কল্পনা মিশ্র	 নিক্কী প্রিয়দর্শিনী	 প্রজ্ঞা ঝা
 ডॉ. ননিনী চৌধরী	 নীলম চৌধরী, কথক নৃত্যাংগনা	 গবা মল্লিক

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

 गुंजन कर्ण	 पूनम मंडल	 प्रियंका झा
 स्तुति नारायण	 डॉ. ललिता झा १९३१	 आरती कुमारी १९६७-
 मीना झा	 अनुपमा प्रियदर्शिनी	 आराधना मल्लिक
 शिखा	 प्रीति ठाकुर	 अनुपमा झा

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



 রিনীতা মল্লিক	 রেরতী মিশ্র	 অনামিকা রাজ
 আভা ঝা	 প্রিয়ংরদা তারা ঝা	 ডॉ অপর্ণা
 শান্তি লক্ষ্মী চৌধরী	 অনুপম রৈনা	 ডॉ চিত্রলেখা

মিথিলা রত্ন/ মিথিলা চিত্রকলা/ মিথিলাক পারৈনি তিহার (কথা) আ মিথিলাক সংগীত


মৌথিনীক আদিকরি রিদ্যাপতি (রিদ্যাপতিক চিত্র: রিদেহ চিত্রকনা সম্মানসঁ প্ববস্কৃত পনকনান মল্ডন দ্বাবা)

করীশ্বব জ্যাতিবীশ্বব(নগভগ ১২৭৫-১৩৫০)সঁ পূর্ব (কাবণ জ্যাতিবীশ্ববক গ্রন্থমে হিনক চর্চ অছি), মৌথিনীক আদি করি। সংস্কৃত আ অরহট্টক রিদ্যাপতি ঠক্কুবঃসঁ ভিন্ন। সম্ভরতঃ রিস্ফী গামক রাঁর্বব কাস্থক শ্রী মহেশ ঠাকুবক প্বত্র। সমানান্তব পবম্পবাক রিঁদাপত নাচমে রিদ্যাপতি পদারনীক (জ্যাতিবীশ্ববসঁ পূর্বসঁ) নৃত্য-অভিনয হোগত অছি। জ্যাতিবীশ্বব



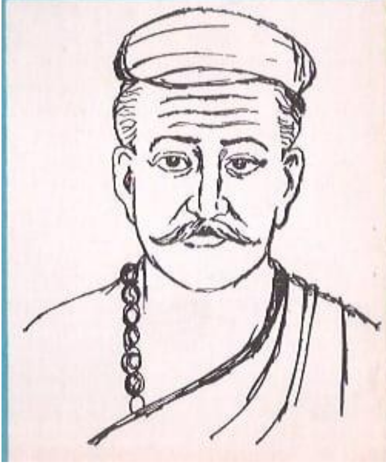
পূর্ব রিদ্যাপতি:- কশ্মীবক খভিনর গুপ্ত (দশম শেতাব্দীক খন্ত খা এগাবহম শেতাব্দীক প্রাবম্ভ)- গ্রন্থ "ঙাশ্বিব প্রত্যাভিজ্ঞা- রিভর্ষিণী" মে রিদ্যাপতিক উল্লেখ কবৈ ছথি। শ্রীধব দাসক সদ্যুক্তিকর্ণামৃত, (বচনা ১১ ফবরৱবী ১২০৬, মধ্যকালীন মিথিলা, রি.ক্ষ. ঠাক্কব)- শ্রীধব দাস রিদ্যাপতিক পাঁচ টা পদ উদ্ধৃত কেনে ছথি জে রিদ্যাপতিক পদারলীক ভাষা ছী।

"জার ন মানতো কব পবগাস
তারে ন তাহি মধ্কব রিনাস।" খা
"হ্মন্দনা হ্মফন কতয মকবন্দ"
জ্যাতিবীশ্বিব (১২৭৫-১৩৫০) **ষষ্ঠঃ কল্লান-** ॥ খথ রিদ্যারন্ত বর্ণনা ॥ ..... রিদাতপ্রেত খাস্থান ভীতব ভউ. তকা পষ্টা তেনঙ্গী. মবহঠী. রি। দওতিনী দ্গ চিত্রকগ গাঙ্গ জউন নিহানি খগসনি দেম্রখহ. চউখাঝবি চীবি একহোঙ্ক পবিহনে ....সে কগসন দেম্র. জগসে প্রযাগক্ষেত্র সবস্বতীকেঁ গঙ্গাজহ্মনাক সম্বাহি। কা হো তগসে তা রিদাপ্রেতকে দ্খও সম্বাহিকা হো ভউখহ . দশেঞ্হ্মী বাজা খরধান কবাউ. রিদাপ্রেত খাস্থান রগস্ব. (রিদাপ্রেত (প্বকুখ) ভীতব ভেন, তকব পাষ্টাঁ তেনঙ্গী, মবহঠী। রিদওতনী (স্ত্রী) দূটা বংগক গঙ্গা যহ্মনামে নহাযনি এহন দেখাগএ। চাবি-চাবি খাঁচবরৱনা চীব একহকটা পহিবনে। সে কেহন দেখূ. জেনা প্রযাগক্ষেত্র সবস্বতীকেঁ গঙ্গাজহ্মনাক সংগরৱে তেহনে ওগ রিদাপ্রেতকেঁ দ্নূ সম্বাহিকা। দশেঞ্হ্মী বাজাকেঁ খরধান কবেনক, রিদাপ্রেত স্থানপব রৈঁসনা।
খষ্ঠমঃ কল্লানঃ - ॥ খথ বাজ্য বর্ণনা ॥ ...রিদাপ্রেত ত। ন্হিক গীত. নৃত্য. রাদ্য. তান. ঘাঘব পবিঠবগতেঁ খাহ...
রিদাপ্রেত নোকনিক গীত, নৃত্য, রাদ্য, তান, ঘাঘব পহীবি কঽ ভেন।





मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA


মহাকবি বিদ্যাপতি ঠাকুর 1350 -1435

বিদ্যাপতি ঠক্কুরঃ 1350-1435 বিষএবার বিস্ফী-কাশ্যপ (রাজা শিবসিংহক দরবারী) আ সংস্কৃত আ অবহট্ঠ লেখক। কীর্তিলতা, কীর্তিপতাকা, পুরুষ পরীক্ষা, গোরক্ষবিজয়, লিখনাবলী আদি গ্রংথ সমেত বিপুল সংখ্যামে কালজয়ী রচনা। ঈ মৈথিলীক আদিকবি বিদ্যাপতি (জ্যোতিরীশ্বর পূর্ব)সঁ ভিন্ন ছথি।

(চিত্রক আধার মিথিলা সাংস্কৃতিক পরিষদ, কোলকাতা দ্বারা কোনো কলাকারসঁ বনবাওল , কলাকারক নাম ৬০-৭০ সালসঁ অজ্ঞাত কারণসঁ গুপ্ত রাখল গেল অছি।)



বামনোচন শৰ্মা 1889–1971, সীতামঢ়ীমে জন্ম আ দবভংগামে মৃত্। "মৈথিনী বামচবিত মানস" সহিত তুনসীদাসক সমস্ত বচনাক মৈথিনীমে নেখন। মিথিনাক্ষবমে মৈথিনীক প্রকাশনক প্রাবম্ভ কেনিহাব। প্রকাশন–সংস্থা "প্বস্তক ভণ্ডাব", নহেবিযাসবায, পটনাক সংথাপক।

স্ব. শ্রী হবিমোহন ঝা (১৯০৮–১৯৮৪)

জন্ম ১৮ সিতম্বব ১৯০৮ ঙা. গ্রাম+পো.– রুমব রাঁজিতপ্বব , জিনা– রৈশানী, রিহাব, ভাবত। পিতা– স্বৰ্গীয প. জনাৰ্দন ঝা "জনসীদন" মৈথিনীক খতিবিঞ্জ হিন্দীক নর্ষ্বপ্রতিষ্ঠ দ্বিরেদীযগীন করি–সাহিত্যকাব। শিক্ষা– দৰ্শনশাস্ত্রমে এম.এ.– ১৯৩২, রিহাব–উড়ীসামে সর্বোচ্চ স্থান নেন স্বৰ্ণপদক প্রাপ্ত। সন্ ১৯৩৩ সঁ রী.এন.কানেজ পটনামে র্যাখ্যাতা, পটনা কানেজমে ১৯৪৮ ঙা.সঁ প্রাধ্যাপক, সন্ ১৯৫৩ সঁ পটনা রিশ্বরিদ্যানযমে প্রাফেসব তথা রিভাগাধ্যক্ষ আ সন্ ১৯৭০ সঁ ১৯৭৫ ধবি যূ.জী.সী. বিসর্চ প্রাফেসব বহনাহ। হিনকব মৈথিনী কৃতি ১৯৩৩ মে "কন্যাদান" (উপন্যাস), ১৯৪৩ মে "দ্বিবাগমন"(উপন্যাস), ১৯৪৫ মে "প্রণম্য দেরতা" (কথা–সংগ্রহ), ১৯৪৯ মে "বংগশানা"(কথা–সংগ্রহ), ১৯৬০ মে "চৰ্চবী"(কথা–সংগ্রহ) আ ১৯৪৮ ঙা. মে "খট্টব ককাক তবংগ" (র্যংগ্য) খছি। "একাদশী" (কথা–সংগ্রহ)ক দোসব সংস্কবণ ১৯৮৭ এ. মে আযন জাহিমে গ্রেজুখষ্ট প্বতোহক র্দনানে "দ্বাদশী নিদান" সম্মিনিত কএন গেন জে পহিনে "মিথিনা মিহিব"মে ছপন ছন মুদা পহিন্বকা কোনো সংগ্রহমে নহি আএন ছন। শ্রী বমানথ ঝাক খন্বরোধপব নিখন গেন "রাঁরাঁক সংস্কাব" সেহো এহি সংগ্রহমে খছি। আ হুনকব "খট্টব কাকা" হিন্দীমে সেহো ১৯৭১ ঙা. মে প্বস্তকাকাব আএন। একব খতিবিঞ্জ হিনকক স্ফুট প্রকাশিত–নিখিত পদ্যক সংগ্রক "হবিমোহন ঝা বচনারনী খণ্ড ৪ (করিতা)" এহি নামসঁ ১৯৯৯ ঙা.মে ছপন আ হিনকব আমেচবিত "জীরন–যাত্রা" ১৯৮৪ ঙা.মে ছপন। হবিমোহন রাঁরূক "জীরন যাত্রা" একমাত্র পোথী ছন জে মৈথিনী খকাদমী দ্বাবা প্রকাশিত ভেন ছন আ এহি গ্রংথপব হিনকা সাহিত্য খকাদমী প্ববস্কাব ১৯৮৫ ঙা. মে মৃত্যুপবান্ত দেন গেনন্হি। সাহিত্য খকাদমীসঁ ১৯৯৯ ঙা. মে "রীছন কথা" নামসঁ শ্রী বাজমোহন ঝা আ শ্রী স্বভাষ চন্দ্র যাদর দ্বাবা চযনিত হিনকব কথা সভক সংগ্রহ প্রকাশিত কএন গেন, এহি সংগ্রহমে কিছু কথা এহনো খছি জে হিনকব এখন ধবিক কোনো প্ববান সংগ্রহমে সম্মিনিত নহি ছন। হিনকব খনেক বচনা হিন্দী, গ্বজবাতী, মবাঠী, কন্নড়, তেন্বগ্ব আদি ভাষামে খন্বরাদিত ভেন। হিন্দীমে "ন্যায দৰ্শন", "রৈশেষিক দৰ্শন", "তৰ্কশাস্ত্র"(নিগমন), দত্ত–চট্টৰ্জীক "ভাবতীয দৰ্শনক" খংগ্রেজীসঁ হিন্দী খন্বরাদক সংগ হিনকব সম্পাদিত "দাৰ্শনিক রিরেচনাএঁ" আদি গ্রন্থ প্রকাশিত খছি। খংগ্রেজীমে হিনকব



শোধ গ্রংথ অছি– "ট্রেন্ড্স অ্ফ লিংগ্বিস্টিক এনেলিসিস অন অাঁডিযন ফিলোসোফী"।
প্রাচীন যুগমে বিদ্যাপতি মৈথিলী কাব্যকেঁ উৎকর্ষক জাহি উচ্চ শিখরপর আসীন কএলনি, হরিমোহন ঝা আধুনিক মৈথিলী গদ্যকেঁ তাহি স্থানপর পহুঁচা দেলনি। হাস্য ব্যংগ্যপূর্ণশৈলীমে সামাজিক-ধার্মিক রূঢ়ি, অংধবিশ্বাস আ পাখন্ডপর চোট হিনকর লেখনক অন্যতম বৈশিষ্ট্য রহলনি। মৈথিলীমে আগযো সর্বাধিক লীলন আ পঢ়ল জায়বলা পোথী সভ হিনকহি ছনি।
হরিমোহন ঝা সমগ্র

হরিমোহন ঝা জীক সমগ্র রচনাক এক বের সিংহাবলোকন কএল জাএ।
কথা-একাংকী
১. ১.অযাচী মিশ্র (একাংকী) ২. মংডন মিশ্র (একাংকী) ৩. মহারাজ বিজয (একাংকী)৪. বৌআক দাম (একাংকী)৫.বেলক ঝগড়া (একাংকী) ৬. সংগঠনক সমস্যা- পত্র শৈলী ৭. "বসমতী"ক গ্রাহক – পত্র-শৈলী ৮.পাঁচ পত্র –পত্র-শৈলী ৯. দলানপরক গপ্প১০.ঘূরপরক গপ্প১১.পোখড়ি পবক গপ্প ১২. চৌপাড়ি পবক গপ্প ১৩.ধর্মশাস্ত্রাচার্য ১৪.জ্যোতিষাচার্য ১৫.পংডিতজী
১৬.কবিজী ১৭.পবিবর্তন ১৮.যুগক ধর্ম ১৯.মহাবানীক বহস্য ২০.সাত বংগক দেবী ২১.লৌলাথক গপ্প ২২.বংগশালা ২৩.খাঁচাবক পাতিল ২৪.চিকিৎসাক চক্র ২৫.বেশমী দোলাগ ২৬.ধোখা ২৭.প্রেমক লীলা ২৮.দেবীজীক সংস্কাব ২৯.এহি বাটে অবৈ ছথি স্ববসবি ধাব ৩০. কন্যাক জীবন ৩১. বেলক অনুভব ৩২. গ্রামসেবিকা ৩৩. মর্যাদাক ভংগ ৩৪. তিবহুতাম ৩৫.টেটৈমা ৩৬.তীর্থযাত্রা ৩৭.অলংকাব-শিক্ষা ৩৮.বাবাক সংস্কাব ৩৯.দ্বাদশ নিদান ৪০.গ্রেজুএট পুতোহু ৪১.ব্রহ্মাক শাপ ৪২.আদর্শ ভোজন ৪৩.সাস্ববক চিন্হ ৪৪.কালীবাড়ী কি চোব ৪৫.কালাজাবক উপচাব৪৬.বিনিময ৪৭.দবোগাজীক মোঁছ ৪৮.শাস্ত্রার্থ ৪৯.বিকট পাহুন ৫০.আদর্শ কুটুম্ব ৫১.সাবী আশ্রম ৫২.ঘবজমায৫৩.ভদেশক নমূনা ৫৪.বীমাক এজেন্ট ৫৫.অংগবেজিযা বাবূ
পদ্য
১.সনাতনী বাবা ও কলিযুগী স্বধাবক ২.কন্যাক লীলামী ডাক ৩.মিথিলাক মিহিব সঁ ৪.ঢালা ঝা
৫.টী. পার্টী ৬.বুচকুন ঝা ৭.পংডিত লোকনি সঁ ৮.নিবসন মামা ৯.আগি ১০.অংগবেজিযা লড়কীক সমদাউনি
১১.গবীবলীক বাবহমাসা ১২.শ্রী যাত্রীজীক প্রতি : মৈথিলীক উক্তি ১৩.সৌবাঠ ১৪.অলগী ১৫.অশোক-বাটিকামে
১৬.পটলা-স্তোত্র ১৭.শ্রদ্ধেয অমবনাথ ঝাক প্রতি শ্রদ্ধাংজলি



१८.हिन्दी ओ मैथिली १९.बुच्चन बाबाक चिट्ठी
२०.जगमग-जगमग दीप जराउ २१.कलकत्ता गेला उत्तर
२२.अकाल २३.कलकत्ता हमरा बड़ पसन्द २४.सलगमक खल्ड २५.बुढ़ नाथ २६.नरकी पीठ सँ २७.पंडित ओ मेम
२८.पंडित-विलाप २९.गंगाक घाटपर ३०.समयक चक्र
३१.महगी-माहात्म्य ३२.बस-निमन्त्रण ३३.अकविताक प्रति : कविताक उक्ति ३४.हम पाहुन छी ३५.अनागत प्रेयसीसँ
३६.मत्स्य-तीर्थ ३७.मिष्ठान्न ३८.हे राजकमल ३९.घटैक सौं ४०.पंडितजी सौं ४१.कनियाँक समस्या ४२.स्लोक
४३.गजल ४४.मातृभूमि ४५.नारी-वन्दना ४६.हे दुलही के माय ४७.मातृभूमि वन्दना
४८.चन्द्रमाक मूड़ ४९.मिथिला वन्दना ५०.कवि हे ! आबँ कोदारि धरू ५१.महगी ५२.नव परातो ५३.चालिस आ चौहत्तरि
५४.प्रयोगवादी कविता ५५.स्व. ललित नारायण मिश्रक स्मृतिमे ५६.उद्गार ५७.अन्तिम सत्य
५८.मधुर भाषा मैथिली छी ५९.छुग्रन्ता ६०.विद्यापति पर्व महान हमर
६१.आठ संकल्प ६२.घुटर काका ६३.रनगाम-महिषी स्मृति
६४.मैथिली-वन्दना ६५.हे मातृभूमि केर माटि
६६.कह्य की ओ बाबू ६७.कश्मीर हमर थीक ६८.मंगल प्रभात ६९.बुच्चन बाबाक स्वप्न
७०.जय विद्यापति
७१.शुभाशिसा ७२.पारिचारिका स्तोत्र ७३.मलचल बाबा
७४.एहि वेरक फगुआ ७५.परताक जुनि ७६.हे मजूर ! कण्ठ नथि अहाँक (कविजी: प्रणम्य देवता) ७७.हे हे मजूर ! (कविजी: प्रणम्य देवता) ७८.अवि ! अनन्त कोमल करुणे ! (कविजी: प्रणम्य देवता) ७९.हे वीर ! हलाधर धर खड्ग(कविजी: प्रणम्य देवता) ८०.अयि ! प्रचंड चंडिके ! (कविजी: प्रणम्य देवता) ८१.झाँसीक रानी(कविजी: प्रणम्य देवता)
८२.हे प्रगतिशील महिला समाज(कविजी: प्रणम्य देवता)
८३.प्रिये ! हम जागल छी ओहि पार(कविजी: प्रणम्य देवता)
८४.धन्य-धन्य मातृभूमि (अयाची मिश्र : चर्चरी)
८५.धन्य ओ मिथिलेशक दरबार(अयाची मिश्र : चर्चरी)
८६.हे डीह ! अमर कीर्तिक निधान ! (अयाची मिश्र : चर्चरी)
८७.हरिहर जन्म किएक लेल (माण्डक महत्व : खट्टर ककाक तरंग)
८८.केहन भेल अन्हेर(खट्टर ककाक टैटैका गप्प : खट्टर ककाक तरंग)
खट्टर ककाक तरंग (कथा-व्यंग्य)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



কন্যাদান (উপন্যাস)
দ্বিরাগমন (উপন্যাস)
জীরনযাত্রা (আমেকথা)
কন্যাদানক সমর্পণ- জে সমাজ কন্যা কেঁ জড় পদার্থরত্ দান কয় দেরাঁ মে কুণ্ঠিত নহি হোগত ছথি, জাহি সমাজক সূত্রধার লোকনি রাঁনক কেঁ পঢ়ৈরাঁক পাছাঁ হজারক হজার পানি মে রাঁহরৈত ছথি ওর কন্যাক হেতু চারি কৈথ্যাক সিলেটৈ কীনরাঁ আরশ্যক নহি বুঝৈত ছথি, জাহি সমাজমে রী.এ. পাস পতিক জীরন-সংগিনী এ রী পর্যন্ত নহি জনৈত ছথিন্হ, জাহি সমাজ কেঁ দাম্পত্য-জীরনক গাড়ী মে সবকসিয়া ঘোড়াক সংগ নিরীহ রাঁছী কেঁ জোতৈত কনেকো মমতা নহি লগৈত ছন্হি, তাহী সমাজক মহারথী লোকনিক কর-কমলি মে ঙা পুস্তক সরিনয়, সান্ত্বরোধ ও সভয় সমর্পিত।
প্রাতঃস্মরণীয় দেরতাক সমর্পণ- আগ সঁ সাত রর্ষ পূর্র জে কার্তিকী পূর্ণিমাক করার পর হমরা সঁ পৈঁচ লঽ গেলাহ ওর তহিয়াসঁ পুনঃ কহিয়ো দর্শন দেরাঁক কৃপা নহি কৈলন্হি, জনিক চির-স্মরণীয় কীর্তি-কলাপ প্রথমে কথা মে রিশদ রূপ সঁ রর্ণিত ছৈন্হ, জে "প্রাতঃস্মরণীয় দেরতা" ক মধ্য সর্রশ্রেষ্ঠ আসন পর অধিকার জমা সকৈত ছথি, জনিক রন্দনীয় রাঁষ্ঠরস্থা ঙা পুস্তক দেখি রিম্ব মঙনহি অপন স্বত্ব স্থাপিত কয় লঽ সকৈত ছথি, তেহন প্রমুখ চরিত-নায়ক, রিকট পাহুন ভীমেন্দ্রনাথ ক স্বর্গীয় রিশাল মূর্তিমে ঙা রিচিত্র-চরিত্র-পূর্ণ পোথী রিরশতাপূর্রক অর্পিত ছৈন্হ!
অগ্রজ ককাক চরণক সমর্পণ- জে ভংগক তরংগমে কার্য-শাস্ত্র-রিনোদক ধারা রাঁহা দৈত ছথি; জনিক প্ররাহমে থোড়েক কালক হেতু রেদ-পুরাণ, ধর্মশাস্ত্র, সভটা ভসিয়া জাগত অছি; জে রাঁত-রাঁতমে অদ্ভুত রস ও চমৎকারক চাশনী ঘোরি দৈত ছথি; জে মর্মস্পর্শী ব্যংগ্য দ্বারা লোকক অন্তস্তল মে পহুঁচি গুদগুদী লগা দৈত ছথি; তেহন চির আনন্দমূর্তি, পরিহাস-প্রিয় অগ্রজ ককা কেঁ- ত্বদীয়ং রস্তু পিতৃব্য! তুভ্যমের সমর্পিতম্।
রংগশালাক সমর্পণ- জে অক্ষয়যৌরনা নটী এহি অনাদি অনন্ত রংগশালাক প্ররর্তিকা থিকীহ, জে মনোহর রীণা-রাদিনী সম্পূর্ণ চরাচর রিশ্বকেঁ অপনা আঁগুরক অগ্রভাগ পর নচা রহল ছথি, জে রহস্যময়ী অপন মোহিনী লীলাক ঝলক দেখায় ককরো স্পর্শ নহি করয় দৈত ছথিন্হ, জে কল্পনাক রংগীন পাঁখি পর আরি কলাকারক কলামে রসক সংচার করৈত ছথিন্হ, তেহন আশ্চর্যকারিণী চিরসুন্দরী ত্রৈলোক্য-রিজয়িনী মায়া দেরী কেঁ।

২.স্ব. শ্রী রৈদ্যনাথ মিশ্র "যাত্রী" (১৯১১-১৯৯৮)
স্ব. শ্রী রৈদ্যনাথ মিশ্র "যাত্রী" কের জন্ম ১৯১১ ঙা. মে অপন মামাগাম সতলখামে ভেলন্হি, জে হুনকর গাম তরৌনীক সমীপহিমে অছি। যাত্রী জী অপন গামক সংস্কৃত পাঠশালামে পঢ়এ লগলাহ, ফের ওঽ পঢ়রাঁক লেল রারাণসী আঽ কলকত্তা সেহো গেলাহ আঽ



সংস্কৃতমে "সাহিত্য আচার্য" কের উপাধি প্রাপ্ত কএলন্হি। তকর বাদ ওহ কোলম্বো নগ কললিআ স্থান গেলাহ পালী আ বুদ্ধ ধর্মক অধ্যয়নক লেল। ওতএ ওহ বুদ্ধধর্মমে দীক্ষিত ভএ গেলাহ আ হুনকর নাম পড়লন্হি নাগার্জুন। যাত্রীজী মার্ক্সরাদসঁ প্রভারিত ছলাহ। ১৯২৯ ঈ. ক অন্তিম মাসমেমে মৈথিলী ভাষামে পদ্য লিখবা শুরূ কএলন্হি যাত্রী জী। ১৯৩৬ ঈ.সঁ হিন্দীমে সেহো লিখএ লগলাহ। স্বামী সহজানন্দ সরস্বতী আ রাহুল সাংকৃত্যায়নক সংগ ওহ কিসান আন্দোলনমে সংলগ্ন রহলাহ আ ১৯৩৯ সঁ ১৯৪১ ধরি এহি ক্রমমে বিভিন্ন জেলক যাত্রা কএলন্হি। হুনকর রচিত বাস রচনা জে মহাত্মা গাঁধীক মৃত্যুক বাদ লিখল গেল ছল, প্রতিবন্ধিত কএ দেল গেল। ভারত-চীন যুদ্ধমে কম্যুনিস্ট পার্টী দ্বারা চীনকেঁ দেল সমর্থনক বাদ যাত্রীজীক মতভেদ কম্যুনিস্ট পার্টীসঁ ভএ গেলন্হি। জে.পী. আন্দোলনমে ভাগ লেবাক কারণ আপাকালমে হিনকা জেলমে ঠূসি দেল গেল। যাত্রীজী হিন্দীমে বাল সাহিত্য সেহো লিখলন্হি। হিন্দী আ মৈথিলীক অতিরিক্ত বাংলা আ সংস্কৃতমে সেহো হিনকর লেখন আএল। মৈথিলীক দোসর সাহিত্য অকাদমী পুরস্কার ১৯৬৯ ঈ. মে যাত্রীজীকেঁ হুনকর কবিতা সংগ্রহ "পত্রহীন নগ্ন গাছ"পর ভেটলন্হি। ১৯৯৪ ঈ.মে হিনকা সাহিত্য অকাদমীক ফেলো নিযুক্ত কএল গেল। যাত্রীজী জখন ২০ বর্ষক ছলাহ তখন ১২ বর্ষক কান্যাসঁ হিনকর বিবাহ ভেল। হিনকর পিতা গোকুল মিশ্র অপন সমাজমে অশিক্ষিতক গিনতীমে ছলাহ, মুদা চরিত্রহীন ছলাহ। যাত্রীজীক বাচাক স্মৃতি ছন্হি, জে হুনকর পিতা কোনা হুনকর অস্বস্থ আ ওছাওন ধেলে মাযপর ঝবহড়ি নএ মাববাক লেল উঠল ছলাহ, জখন ওহ বেচাবী হুনকাসঁ অপন চরিত্রহীনতা ছোড়বাক গুহাবি কএ বহল ছলীহ। যাত্রীজী মাত্র ছ বর্ষক ছলাহ জখন হুনকর মাএ হুনকা ছোড়ি প্রয়াণ কএ গেলীহ। যাত্রীজীকেঁ অপন পিতাক ওহ চিত্র সেহো বহি-বহি সতবৈত বহলন্হি জাহিমে হুনকাসঁ মাতৃরত প্রেম করএবালী হুনকর বিধবা কাকীক, হুনকর পিতাক অবৈধ সন্তানক গর্ভপাতমে, নগভগ মৃত্যু ভএ গেল ছলন্হি। কে এহন পাঠক হোএত জে যাত্রীজীক হিন্দীমে লিখল "বতিনাথ কী চাচী" পঢ়বাক কাল বেব-বেব নহি কানল হোএতাহ। পিতা-পুত্রক ঈ ঘমাসান এহন বঢ়ল জে পুত্র অপন বাল-পনীকেঁ পিতা নগ ছোড়ি রাবাণসী প্রয়াণ কএ গেলাহ।

কর্মক ফল ভোগথু বূঢ় বাপ
হম টা সংততি, সে হুনক পাপ
ঈ জানি হ্রৈন্হি জন্ব মনস্তাপ
অনকো রিসবক থিক হমব নাম

মাঁ মিথিলে, ঈ অতিম প্রণাম! (কাশী/ নববৈর ১৯৩৬) কাশীসঁ শ্রীলংকা প্রয়াণ

"কর্মক ফল ভোগথু বূঢ় বাপ" ঈ কহি যাত্রীজী অপন পিতাক প্রতি সভ উদ্গাব বাহব কএ দৈত ছথি।



১৯৪১ ঈ. মে যাত্রীজী পত্নী, অপরাজিতা, লগ আবি গেলথি। ১৯৪১ ঈ. মে যাত্রীজী দূ টা মৈথিলী কবিতা লিখলন্হি– "বূঢ় বর" আ বিলাপ আ একরা পাম্ফলেট রূপমে ছপবাএ ট্রেনক যাত্রী লোকনিকেঁ বেচলন্হি। জীবিকাক তাকিমে সৌঁসে ভাবত দন্ু প্রাণী ঘুমলাহ। পত্নীক জোব দেলাপব বীচ–বীচমে তবৌনী সেহো ঘুমি কএ আবৈথি। আ ফেব অএল ১৯৪৯ ঈ. অপনা সংগ লেলে যাত্রীজীক পহিল মৈথিলী কবিতা–সংগ্রহ "চিত্রা"। ১৯৩২ ঈ. ধবি পত্নী সংগমে ঘুমৈত বহলথিন্হ, ফেব তবৌনীমে বহএ লগলীহ। যাত্রীজী বীচ– বীচমে আবৈথি। অপরাজিতাসঁ যাত্রীজীকেঁ ছহ টা সন্তান ভেলন্হি, আ সভক সভ ভাব ওহ অপনা কান্হপব লেলে বহলীহ। যাত্রীজী দমাসঁ পবেশান বহৈত ছলথি।
হম জখন দবভংগামে পঢ়ৈত বহী তঁ যাত্রীজী আজা সবাযমে বহৈত ছলাহ। হমবা মোন অছি জে মৈথিলীক কোনো কার্যক্রমমে যাত্রীজী আএল ছলাহ আ কম্যুনিস্ট পার্টীবলা সভ এজেন্ডা ছীনি লেলে ছল। অগিলে দিন যাত্রীজী অপনাকেঁ ওহি ধোধা–ধোখীমে গেল সভাক কার্যবাহীসঁ হটা লেলন্হি। এমর্জেন্সীমে জেল গেলাহ তঁ আব.এস.এস. কেব কার্যকর্তা লোকনিসঁ জেলমে ভেঁট ভেলন্হি। আ জে.পী.ক সম্পূর্ণ ক্রান্তিক বিরুদ্ধ সেহো জেলসঁ বাহব অএলাক বাদ লিখলন্হি যাত্রীজী। যাত্রীজী মৈথিলীমে বৈদ্যনাথ মিশ্র "যাত্রী" আ হিন্দীমে নাগার্জুন কেব নামসঁ বচনা লিখলন্হি।
"পৃথ্বী তে পাত্রং" ১৯৩৪ ঈ. মে "বৈদেহী"মে প্রকাশিত ভেল ছল, হমবা সভক মৈট্রিকক সিলেবসমে ছল। যাত্রীজী লিখৈত ছথি–
"আন পাবনি তিহাব তঁ জে সে। ক্ষুদা নবান নির্ভূমি পবিবাবকেঁ দেখাব কএ দৈত ছৈক। সে কাতিক অবৈত দেবী অপরাজিতা দেবীক ঘোঘ নটকি জাওন্হি। কচোটেঁ পপনিযো নহি উঠা হোওন্হ ককবো দিশ! বৈসাহল অন্নসঁ কতউ নবান ভেলওএ" ?

আ অন্তমে যাত্রীজীক সংস্কৃত পদ্য:–
বাসন্তী কনকপ্রভা প্রগুণিতা
পীতার্কণৈঃ পল্লবৈঃ
হেমাম্রাজবিনাসবিভ্রমবতা
দূবে দ্বিবেফাঃ স্তা
যৈশৈসল্ডনকেলিকানন কথা
বিস্মবিতা ভূতলে
ছাযাবিভ্রমতাবতম্যতবনাঃ
তেহমী "চিনাব" দ্রুমাঃ ॥
বসংতক স্বর্ণিম আভা দ্বিগুণিত ভহ গেল অছি পীযব–লাল কোপডসঁ। স্বর্ণকাল ভ্রমমে ভৌবা সভ একবাসঁ দূব–দূব বহৈত অছি। নন্দনবনক বিহাব জে পৃথ্বীপব বিসাবি দৈত



छथि, छाह झिलमिल घटैत-बढ़ैत जिनक डोलबैं अछि चंचल आ तरल। ओही चिनावकें हम देखने छी अडिग भेल ठाढ़।

३.श्री आरसी प्रसाद सिंह (१९११-१९९६), एरौत, समस्तीपुर। मैथिली आ हिन्दीक गीतकार। मैथिलीमे माटिक दीप, पूजाक फूल, सूर्यमुखी प्रकाशित। सूर्यमुखीपर १९८४क साहित्य अकादमी पुरस्कार।

४.रामाश्रय झा "रामरंग" (१९२८-२००९) विद्वान, वागयकार, शिक्षक आ मंच सम्पादक छथि।
भारतीय शास्त्रीय संगीतक समर्पित आ विलक्षण ओ विख्यात संगीतज्ञ पं रामाश्रय झा 'रामरंग' केर जन्म ११ अगस्त १९२८ ई. तदनुसार भाद्र शुक्लपक्ष एकादशी तिथिकेँ मधुबनी जिलान्तर्गत खजुरा नामक गाममे भेलन्हि। हिनकर पिताक नाम पं सुखदेव झा आ काकाक नाम पं मधुसूदन झा छन्हि। रामाश्रयजीक संगीत शिक्षा हिनका दुनू गोटेसँ हारमोनियम आ गायनक रूपमे मात्र ६ वर्षक आयुमे शुरू भए गेलन्हि। तकरा बाद श्री अवध पाठकजीसँ गायनक शिक्षा भेटलन्हि।
१६ वर्ष धरि बनारसक एकटा प्रसिद्ध नाटक कम्पनीमे रामाश्रय झा जी कम्पोजरक रूपमे कार्य कएलन्हि। पं भोलानाथ भट्ट जी सँ २६ वर्ष धरि ध्रुपद, धमार, खयाल, ठुमरी, दादरा, टप्पा शैली सभक विधिवत शिक्षा लेलन्हि।
पं भट्ट जीक अतिरिक्त रामाश्रय झा जी पं बी.एन. ठकार (प्रयाग), उस्ताद हमीद खाँ (किराना), पं बी.एस. पाठक (प्रयाग) सँ सेहो संगीतक शिक्षा प्राप्त कएलन्हि।
पं झा १९३४ सँ प्रयागमे स्थायी रूपसँ रहि रहल छथि। १९६६ ई.मे हिनकर नियुक्ति लूकरगंज संगीत विद्यालयमे संगीत अध्यापक रूपमे भेलन्हि। १९६० ई.मे हिनकर नियुक्ति प्रयाग संगीत समितिमे भेलन्हि, जतए १९७० धरि प्रभाकर आ संगीत प्रवीण कक्षाक शिक्षक रहलाह। १९७०मे इलाहाबाद विश्वविद्यालयक संगीत विभागाध्यक्ष श्री प्रा. उदयशंकर कोचकजी पं झाक संगीत क्षेत्रक सेवासँ प्रभावित भए विश्वविद्यालयमे हिनकर नियुक्ति कएलन्हि। पं झा उत्कृष्ठ शिक्षक, गायक आ आकाशवाणीक प्रथम श्रेणीक कलाकार छथि। हिनकर अनेक शिष्य-शिष्या आकाशवाणीक प्रथम श्रेणीक कलाकार आ उत्तम शिक्षक छथि, जेना-
डॉ. गीता बनर्जी, श्रीमति कमला बोस, श्रीमति शुभा मुद्गल, श्रीकान्त बैश्य,श्री शान्ता राम कशालकर, श्री शान्ता राम कशालकर, श्री कामता खन्ना, श्रीमति सरला दास, डॉ. रूपाली रानी झा, डॉ गला मालवीय, श्री अनिल कुमार शर्मा, श्री रामशंकर सिंह, श्रीमति संगीता सक्सेना, श्री राजन पर्रिकर, श्रीमति रचना उपाध्याय, श्री नरसिंह भट्ट, श्री भूपेन्द्र



शुक्ला, श्री जगरॅन्धु इत्यादि।
पं ঝা संगीत शास्त्र केर श्रेष्ठ लेखक छथि आर हिनकर लिखल अभिनव गीतांजलि केर पाँच भाग प्रकाशित भए चुकल अछि, जाहिमे २००सँ ऊपर वागक व्याख्या अछि आर दू हजारक आसपास वँदिश अछि।
मिथिलावासी श्री वामवंग वाग तीवभुक्तित, वाग वैदेही भैवर, आर वाग विद्यापति कल्याण केर वचना सेहो कएने छथि आर मैथिली भाषामे हिनकर खयाल 'वंजयति गति वागः' केर अनुरूप अछि।

अभिनव गीतांजलि, हुनकर उँचकोटिक शास्त्र वचना अछि, जे पाँच भागमे अछि। अपन साहित्यिक वाणी, शाब्दिक रूप जे होएत अछि कोनो संगीत वचनाक, आर धातु जे अछि स्ववक लयक वचना आर एहि सभ गुणसँ युक्त छथि "वामवंग"। वामवंगक वँदिश वा वचनामे अहाँकेँ भेटैत स्वव, शब्द आर मात्राक लयबन्ध वँधल। प्रवाल ध्रुपद जेकाँ पद्य आर स्ववकेँ ओह तेनाकेँ वाँन्हि दैत छथि, जे दुनू एक दोसवमे मिलि जाएत अछि। हुनकर वचना हुनकर उँचावणसँ मिलि कए मौलिक तात्विक स्थायी भवण, सभ दिनैत दिन एकटा नव आमेलिवीक्षण एकटा नव स्थायी।
वामवंगमे संगीतक लाक्षणिक तत्त्व प्रखव होएत छन्हि। संगीतक व्याकवणक सम्पूर्ण पकड़ छन्हि, जाहिसँ उँचित शब्दक प्रयोगक निर्णय ओह कए पवैत छथि। छन्द शास्त्रक, कोषक, अलंकावक, भावक आर वसक वृहत् ज्ञान छन्हि वामवंगकेँ। संगहि स्थानीय संस्कृतिक, विभिन्न भाषाक आर ललित कलाक सिद्धान्तक सेहो गहन अध्ययन छन्हि वामाश्रय ঝा जीकेँ। वादन, गाय आर नृत्यक, साधन-कण्ठ, लय-तान-कान, देशी वाग, दोसवाक मनसमे जाह कए वुँझलिहाव, नव लय आर अभिव्यक्तित, प्रवॅन्धक समस्त ज्ञान, कम समयमे गीत वचना, विभिन्न मौखिक संवचना निर्माण, आलापक प्रदर्शन आर गमक एहि सभटामे पावंगत छथि वामवंग।
१९७२ मे उत्तव प्रदेश संगीत नाटक अकादेमी प्रवस्कावक संगे 'वले सदस्यता' सेहो देल गेलन्हि। संगीत लेखलक हेतु काका हाथवसी प्रवस्काव, आर भावतक सर्वोच्च संगीत संस्था आग.टी.सी. केर सम्मान सेहो हिनक भेटि चुकल छन्हि। २०० ३. मे स्वव साधना वले अवार्ड, २००३. मे संगीत नाटक अकादेमीक वाष्ट्रीय प्रवस्काव, भावत संगीत वले, वाग ঋषि, संत तुलसीदास सम्मान, प्रायाग गौवव एवं सोपवी अकादेमीक 'सा म प वितस्ता' इत्यादि सम्मान श्री ঝাকেँ प्राप्त छन्हि। श्री वामवंग जी प्रयागमे 'वाविन दास संगीत पविषद' केर स्थापना कए अलेकालेक संगीत समावोहक आयोजन सेहो कएने छथि। 'इलाहाबाद विश्वविद्यालय संगीत सम्मेलन' ३० वर्षसँ वन्द पड़ल छल जकवा वार्षिक रूपसँ १९७० मे पुनः श्री ঝা आवम्भ कववओलन्हि। किएक तँ श्री ঝা लग कोनो



ঔপচারিক ডিগ্রী নহি ছলন্হি, ইলাহাবাদ বিশ্ববিদ্যালয় অপন নিয়মমে পরিবর্ত্তন কএলক আ' হিনকা ওতএ সংগীত বিভাগাধ্যক্ষ বনাওল গেলন্হি, জতএসঁ ওহ ১৯৮৯ ঈ. মে সেবানিবৃত্ত ভেলাহ। তুলসীক মানসক আধার পর শ্রী ঝা সাত কাণ্ডক সংগীত রামায়ণক সেহো রচনা কএলন্হি। ঐ ঝা মুখ্য রূপসঁ খয়াল, ঠুমরী, দাদরা, টপ্পা আ' সংগহি ধ্রুবপদ, ধমার, তরানা, তিরবট, চতুরংগ, রাগমালা, রাগসাগর, রাগতাল সাগর, ভজন আ' লোকগীত গায়নমে সিদ্ধ ছথি।
অখন ৮০ বর্ষক আয়ুমে প্রয়াগমে শ্রী ঝা সংগীত সাধনামে রত ছথি।

৫.স্ব. রাজকমল (মণীন্দ্র নারায়ণ চৌধরী) (১৯২৯-১৯৬৭), মহিষী, সহরসা। রচনা:- আদি কথা, আন্দোলন, পাথর ফুল (উপন্যাস), স্বরগন্ধা (কবিতা সংগ্রহ), ললকা পাগ (কথা সংগ্রহ), কথা পরাগ (কথা সংগ্রহ সম্পাদন)। হিন্দীমে অনেক উপন্যাস, কবিতাক রচনা, চৌরঙ্গী (বঙলা উপন্যাসক হিন্দী রূপান্তর) অত্যন্ত প্রসিদ্ধ। মিথিলাঞ্চলক মধ্য বর্গক আর্থিক এবং সামাজিক সংঘর্ষমে বাঁধল সভ তরহক সংস্কার পর প্রহার করব হিনক বৈশিষ্ট্য রহলন্হি অছি। কথা, কবিতা, উপন্যাস সভ বিধামে ও নবীন বিচার ধারাক ছাপ ছোড়ি গেল ছথি।

৬.স্ব. শ্রী গোপালজী ঝা "গোপেশ" ক জন্ম মধুবনী জিলাক মেহথ গামমে ১৯৩১ ঈ.মে ভেলন্হি। গোপেশজী বিহার সরকারক রাজভাষা বিভাগসঁ সেবানিবৃত্ত ভেল ছলাহ। গোপেশজী কবিতা, একাঙ্কী আ' লঘুকথা লিখবামে অভিরুচি ছলন্হি। ও বিভিন্ন বিধামে রচন কএ মৈথিলীক সেবা কএলন্হি। হিনকর রচিত চারি গোট কবিতা সংগ্রহ "সোন দাগক চিট্ঠী", "প্রেম ভেল ঠাঢ় ছী", "এলবম" আ' "আব কহু মন কেহন লগৈএ" প্রকাশিত ভেল জাহিমে সোনদাগক চিট্ঠী বেশ লোকপ্রিয় ভেল। বস্তুস্থিতিক যথারত্ বর্ণন করব হিনক কাব্য-রচনাক বিশেষতা ছন্হি। শ্রী মায়ানন্দ মিশ্রজীসঁ দূরভাষপর গপক ক্রমমে ও গপ পতা চলল জে গোপেশজী নহি রহলাহ, ফের দেবশংকর নবীন জী সেহো কহলন্হি। হমর পিতাক ১৯৯৫ ঈ.মে মৃত্যুক উপরান্ত হমহুঁ ঠাঢ় বাস আন্হী-বিহাড়ি দেখৈত এক-শহরসঁ দোসর শহর বৌএলহুঁ, বীচমে একাধ বের গোপেশজী সঁ গপ্পা ভেল, ওহ ঈএহ কহথি জে পিতাক সিদ্ধান্তকেঁ পকড়লে রহব। ফের পটনা নগর ছোড়লহুঁ আ' আগ গোপেশজীকেঁ শ্রদ্ধাঞ্জলিক রূপমে স্মরণ কএ রহল ছিয়ন্হি। স্মরণ: হমরা সভক ডেরাপর ভাগলপুরমে গোপেশজী আ' হরিমোহন ঝা এক বের আয়ল ছলাহ। গোপেশজী সনেস ঘুরৈত কাল মধুর লেলন্হি আ' হরিমোহনঝা জী রুখথী! হুনকর কবিতামে সেহো বস্তুস্থিতিক এহি তরহক যথারত বর্ণনক আগ্রহ অছি জে হুনকা চরিত্রমে বহৈত ছথি। হরিমোহন ঝাজীক অন্তিম সময়মে প্রায়ঃ গোপেশজীকেঁ অখরাব



পঠা কেঁ স্বনরৈত দেখৈত ছনিযন্হি। হবিমোহনঝাক ১৯+৪ ঙা.মেমৃত্যুক কিছ দিন্বকা বাঁদহিসঁ ওঽ শনৈঃ শনৈঃ মৈথিলী সাহিত্যক হনচনসঁ দূব হোমএ নগনাহ। এহি বীচ একটা সাক্ষাকোবমে শবদিন্দ্ চৌধবী সেহো হুনকাসঁ এহি রিষযপব প্তছবাঁক কোশিশ কএনে ছনাহ হ্মদা গোপেশজী কহিযো নে কন্ট্রোরসীমে বহনাহ, সে ওঽ ঙা প্রশ্ন টানি গেন ছনাহ।

৭.মাযানন্দ মিশ্রক হিনক জন্ম ১৭ ঋগস্ত ১৯৩৪ ঙা. কেঁ স্বপৌন জিনাক বনৈনিযাঁ গামমে ভেননি। তকোনীন বনৈনিযাঁ কোসীক প্রকোপসঁ উজড়া গেন। ফনতঃ হিনক ঋাবম্ভিক শিক্ষা ঋপন মামা স্ব. বামগুঞ্জ ঝা "কিস্বন" ক সান্নিধ্যমে স্বপৌনসঁ ভেননি। উচ্চ শিক্ষাক হেত্তু ঙা দবভংগা চনি গেনাহ ঋাঽ ওতএসঁ বী.এ. কএন। পশ্চাত্ রিহাব রিশ্বরিদ্যানয হ্মজফ্ফবপ্তবসঁ হিন্দী এরং মৈথিলীমে এম.এ. কএননি। ১৯৬৬ ঙা. মে ঋাকাশরাণী পটনামে মৈথিলী কার্যক্রমক নেন নিযুক্ত ভেনাহ। এহি ঋরধিমে মাযানন্দ বাবূ ১০ গোট বেডিযো নাটক নিখননি জে ঋত্যন্ত প্রশংসনীয বহন। ১৯৬১ ঙা.মে ওঽ ব্যাখ্যাতা, মৈথিলী রিভাগ, সহবসা কানেজ সহবসা, পদপব নিযুক্ত কএন গেনাহ, জতএ ঙা রিশ্বরিদ্যানয ঋাচার্য এরং মৈথিলী রিভাগাধ্যক্ষক পদকেঁ স্বশোভিত কএন তথা এক সফন শিক্ষকক রূপমে ঋগস্ত ১৯৯৪ মে এহী রিভাগসঁ ঋরকাশ গ্রহণ কএননি।

ছাত্রজীরনসঁ হিনক স্বকোমন গেয গীতক বচনা–
"নভ ঋাঁগনমে পরনক বথপব কাবী কাবী বাঁদবি ঋাযন।
দেখিতহি ধবণীক রিষম পিযাস, সজন–সজন ভএ গেন ঋাকাশ
রিজুবী কেব কোমন কোবামে ডুরৈগত স্বকজ কিবণ ঋনসাযন।
ঝিহবি–ঝিহবি স্বনি গগনক গান, ধবণি ঋধব পব মৃদ্ হ্মস্বকান
ঋাকুন কোমন দূবৈবি দূভিক মনমে নর–নর ঋাশা উমড়ান।"

মৈথিলী কাব্য মঁচক শ্রোতাক হৃদযকেঁ জীতি চুকন ছন। ঋাচার্য বমানাথ ঝাক "করিতা কুস্বম" মে ঙা করিতা স্থান পারি রিশ্বরিদ্যানযক পাঠ্যক্রমমে ঋধ্যযন–ঋধ্যাপনক হেত্তু স্বীকৃত ভেন। হিনক উদ্ঘোষণ–কনা ঋাঽ মঁচ–সঁচানন কৌশনসঁ মৈথিলীক কোন মঁচ নহি নাভান্বিত ভেন হোএত। তেঁ হিনকা মৈথিলী মঁচক সম্রাট কহন জাগত ছন। ১৯৬০ ঙা.সঁ ২০০০ ঙা. ধবি সফনতম মঁচ সঁচানন ঋাঽ ঋপন চুম্বকীয রাণীসঁ মৈথিলী জনমানসকেঁ ঋপনা দিস ঋাকৃষ্ট কএননি। ভাষা ঋান্দাননক সূত্রধাবক রূপমে হিনক সহযোগকেঁ মিথিনা ঋাঽ মৈথিলী সেহো সভদিন স্মবণ বাখত।

পহিনে মাযানন্দ জী করিতা নিখনন্হি,পছাতি জা কয হিনক প্রতিভা ঋানোচনামেক নিবঁধ, উপন্যাস ঋা' কথামে সেহো প্রকট ভেনন্হি। ভাঙ্ক নোটা, ঋাগি মোম ঋা' পাথব ঋাওব চন্দ্র–রিন্দ্– হিনকব কথা সংগ্রহ সভ ছন্হি। রিহাড়া পাত পাথব , মঁত্র–প্তত্র ,খোতা



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

আ' চিঠৈ আ' সূর্যাস্ত হিনকর উপন্যাস সভ অছি॥ দিশান্তর হিনকর কবিতা সংগ্রহ অছি। একর অতিরিক্ত সোনে কী নৈয়া মাটী কে লোগ, প্রথম শৈল পুত্রী চ,মংত্রপুত্র, পুরোহিত আ' স্ত্রী-ধন হিনকর হিন্দীক কৃতি অছি। মংত্রপুত্র হিন্দী আ' মৈথিলী দুনূ ভাষামে প্রকাশিত ভেল আ' একর মৈথিলী সংস্করণক হেতু হিনকা সাহিত্য অকাদমী পুরস্কারসঁ সম্মানিত কএল গেলন্হি। শ্রী মায়ানন্দ মিশ্র প্রবোধ সম্মানসঁ সেহো পুরস্কৃত ছথি। পহিনে মায়ানন্দ জী কোমল পদাবলীক রচনা করৈত ছলাহ , পাছাঁ জা' কয প্রয়োগবাদী কবিতা সভ সেহো রচলন্হি।
শ্রী মায়ানান্দ মিশ্রক জন্ম সহরসা জিলাক বনৈনিয়া গামমে 17 অগস্ত 1934 ঈ.কেঁ ভেলন্হি। মৈথিলীমে এম.এ. কএলাক বাদ কিছু দিন ও আকাশবাণী পটনাক চৌপাল সঁ সংবদ্ধ রহলাহ । তকরা বাদ সহরসা কॉলেজমে মৈথিলীক ব্যাখ্যাতা আ' বিভাগাধ্যক্ষ রহলাহ। পহিনে মায়ানন্দ জী কবিতা লিখলন্হি,পছাতি জা কয হিনক প্রতিভা আলোচনাত্মক নিবংধ, উপন্যাস আ' কথামে সেহো প্রকট ভেলন্হি। ভাঙ্গ লোটা, আগি মোম আ' পাথর আওর চন্দ্র-বিন্দু- হিনকর কথা সংগ্রহ সভ ছন্হি। বিহাড়ি পাত পাথর , মংত্র-পুত্র ,খোতা আ' চিঠৈ আ' সূর্যাস্ত হিনকর উপন্যাস সভ অছি॥ দিশান্তর হিনকর কবিতা সংগ্রহ অছি। একর অতিরিক্ত সোনে কী নৈয়া মাটী কে লোগ, প্রথম শৈল পুত্রী চ,মংত্রপুত্র, পুরোহিত আ' স্ত্রী-ধন হিনকর হিন্দীক কৃতি অছি। মংত্রপুত্র হিন্দী আ' মৈথিলী দুনূ ভাষামে প্রকাশিত ভেল আ' একর মৈথিলী সংস্করণক হেতু হিনকা সাহিত্য অকাদমী পুরস্কারসঁ সম্মানিত কএল গেলন্হি। শ্রী মায়ানন্দ মিশ্র প্রবোধ সম্মানসঁ সেহো পুরস্কৃত ছথি। পহিনে মায়ানন্দ জী কোমল পদাবলীক রচনা করৈত ছলাহ , পাছাঁ জা' কয প্রয়োগবাদী কবিতা সভ সেহো রচলন্হি।
(প্রবোধ সাহিত্য-সম্মান ২০০৭ক পাস্ফলেটসঁ)- প্রা. মায়ানন্দ মিশ্র
আধুনিক মৈথিলী সাহিত্য-সাধনমে প্র. মায়ানন্দ মিশ্রকেঁ শ্রেষ্ঠ রচনাকারক শ্রেণীমে পরিগণিত কএল জাগত ছনি। প্রতিভা, পাণ্ডিত্য আও রচনাত্মকতা, নিত-নবীন শোধ তথা স্থায়ী সাহিত্যক সৃজন, হিনক মাতৃভাষাক প্রতি অগাধ সমর্পণক দ্যোতক থিক। মৈথিলী কথা সাহিত্যক ক্ষেত্রমে হিনক রচনা যথার্থবাদক ঠোস ভূমিক দর্শন করবৈত অছি। কথ্য, ভাব-ভাষা, শিল্প-শৈলী আদি পক্ষমে ও মৈথিলী কথাকেঁ কলাত্মকতাক উঁচ গরিমা প্রদান কএলনি। উপন্যাসকারক রূপমে মনোবৈজ্ঞানিক এবং যথার্থবাদী দৃষ্টিকোণ হিনক রচনামে সমান রূপেঁ প্রাপ্ত হোগত ছন্হি। হিনক রচনা সভ উত্তরোত্তর বঢ়দৈত কথা-শিল্পক আস্বাদন করবৈত অছি। হিনকা ঐতিহাসিক উপন্যাস "মংত্রপুত্রপর" ১৯++ ঈ. মে সাহিত্য অকাদমী পুরস্কারসঁ সম্মানিত কএল গেলনি।
হিনক জন্ম ১৭ অগস্ত ১৯৩৪ ঈ. কেঁ স্বপৌল জিলাক বনৈনিয়াঁ গামমে ভেলনি। তকোলীন বনৈনিয়াঁ কোসীক প্রকোপসঁ উজড়ি গেল। ফলতঃ হিনক আরম্ভিক শিক্ষা অপন মামা



স্থ. রামগঞ্জ ঝা "কিস্বন" ক সান্নিধ্যমে স্বপৌনসঁ ভেলনি। উঁচ শিক্ষাক হেতু ও দরভঙ্গা চলি গেলাহ আ ওতএসঁ বী.এ. কএল। পশ্চাত্ বিহার বিশ্ববিদ্যালয মুজফ্ফরপুরসঁ হিন্দী এবং মৈথিলীমে এম.এ. কএলনি। ১৯৫৬ ঈ. মে আকাশবাণী পটনামে মৈথিলী কার্যক্রমক লেল নিযুক্ত ভেলাহ। এহি অবধিমে মায়ানন্দ বাবূ ১০ গোট রেডিযো নাটক লিখলনি জে অত্যন্ত প্রশংসনীয রহল। ১৯৬১ ঈ.মে ওহ ব্যাখ্যাতা, মৈথিলী বিভাগ, সহরসা কॉলেজ সহরসা, পদপর নিযুক্ত কএল গেলাহ, জতএ ও বিশ্ববিদ্যালয আচার্য এবং মৈথিলী বিভাগাধ্যক্ষক পদকেঁ স্বশোভিত কএল তথা এক সফল শিক্ষকক রূপমে অগস্ত ১৯৯৪ মে এহী বিভাগসঁ অবকাশ গ্রহণ কএলনি।

ছাত্রজীবনসঁ হিনক স্বকোমল গেয গীতক রচনা "নভ আঁগনমে পরলক রথপর কারী কারী বাদরি" মৈথিলী কাব্য মংচক শ্রোতাক হৃদযকেঁ জীতি চুকল ছল। আচার্য রমানাথ ঝাক "কবিতা কুসুম" মে ও কবিতা স্থান পাবি বিশ্ববিদ্যালযক পাঠ্যক্রমমে অধ্যযন-অধ্যাপনক হেতু স্বীকৃত ভেল। হিনক উদ্ঘোষণ-কলা আ মংচ-সংচালন কৌশলসঁ মৈথিলীক কোন মংচ নহি লাভান্বিত ভেল হোএত। তেঁ হিনকা মৈথিলী মংচক সম্রাট কহল জাগত ছল। ১৯৬০ ঈ.সঁ ২০০০ ঈ. ধরি সফলতম মংচ সংচালন আ অপন চুম্বকীয বাণীসঁ মৈথিলী জনমানসকেঁ অপনা দিস আকৃষ্ঠ কএলনি। ভাষা আন্দোলনক সূত্রধারক রূপমে হিনক সহযোগকেঁ মিথিলা আ মৈথিলী সেহো সভদিন স্মরণ রাখত।

মাযা বাবূক পহিল রচনা ১৯৫১ মে প্রকাশিত "ভাঁগক লোটা" ব্যংগ্যামেক কথাসংগ্রহ ছলনি জে মৈথিলী পাঠক রসজ্ঞকেঁ একত্রিত কএলক আ হিনকা খ্যাতি দেলক। আধুনিক মৈথিলী সাহিত্যমে আলোচনামেক যথার্থবাদ হিনক রচনামে পাওল জাগত অছি। "আগি মোম আ পাথর" (১৯৬০) এবং "চন্দ্রবিন্দু" (১৯++৩) এহি শৃংখলাক মহত্বপূর্ণ উপলব্ধি থিক। মৈথিলী সাহিত্যমে হিনক প্রাদুর্ভাব কবিক রূপমে ভেল ছলনি জকর পরিণতি "দিশান্তর" (১৯৬০) ও "অবান্তর" (১৯++) এহি দু কাব্যসংগ্রহমে ভেল। প্রযোগবাদী কবিক রূপমে সেহো হিনকা রেখাঁকিত কএল জাগত অছি। মাযানন্দ বাবৌক পহিল উপন্যাস "বিহাড়ি পাত আ পাথর" (১৯৬০) বৈবাহিক সমস্যাপর লিখল গেল। ওতহি "খোতা আ চিড়ै" মে সমাজক দলিত-পীড়িত, উপেক্ষিত রসজ্ঞমে স্বলগৈত চেতনাকেঁ রেখাঁকিত কএল গেল অছি। "মংত্রপুত্র" (১৯+৬) মে হিনক ঐতিহসিক চিন্তন তথা যুগ-সত্ক মৌলিক উপস্থাপন ঝলকৈত অছি। "সূর্যাস্ত" (২০০৪) হিনক মানবীয জীবনক অগাধ অনুভবক প্রতিফলন অছি। গম্ভীর নিবন্ধ সংগ্রহক রূপমে "অকথ কথা" (২০০৪) এবং "ভারতীয পরম্পরাক ভূমিকা" (২০০৫) হিনক সাহিত্ কৃতিক বিবিধতাকেঁ প্রদর্শিত করৈত ছনি।

"মাটী কে লোগ সোনে কী নৈযা"(১৯৬৭) হিন্দীমে হিনক পহিল উপন্যাস অছি জে কোসীক মল্লাহক জীবন সংঘর্ষকেঁ উজাগর করৈত অছি। একর অতিরিক্ত হিন্দীমে মাযাবাবূক



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ঐতিহাসিক উঁপন্যাসক শৃঁখনা মহত্বপূর্ণ খছি– "প্রথমং শৈনপত্রী চ" (১৯৯০), মংত্রপুত্র (১৯৯০), পুরোহিত (১৯৯৯) খাহ "স্ত্রীধন" (২০০৭) প্রাচীন ভাবতীয় সভ্যতাক গাথা থিক। মাযা বাঁবুঁকেঁ তীন পুত্র ছনি খাহ ওহ ধর্মপনৌ শ্রীমতি মণি দেরীক সংগ রিদ্যাপতি নগব, সহবসামে বঁসন ছথি।

সাহিহ খকাদমী, দিল্লী খাহ চেতনা সমিতি, পটনা কেব ৩০ জনাঙা ২০০৬ কেব "মীট দ ঞাঁথব" পাম্ফনেটসঁ খংগ্রেজীসঁ মৌথিনীমে খনুদিত

মাযানন্দ্র মিশ্র– প্রাফেসব মাযানন্দ মিশ্র মৌথিনী সাহিত্যক একটা পৈঘ নাম ছথি। ওহ রিখ্যাত করি, গীতকাব, নঘু–কথা নেখক, উঁপন্যাসকাব, নাটককাব, নিরঁন্ধ–নেখক, সম্পাদক খাহ মংত্রদ্রষ্ট কববাঁ নেন রিখ্যাত রঙ্গা ছথি। জীরনক বৃহত খনুভর খাহ মানর খন্তর্মনমে পৈসবাঁক খামেচেতনা নএ মাযা বাঁবুঁ উঁপন্যাসমে প্রযোগ কবৈত বহনাহ। এহি খদ্ভূত কনাক কাবণ হুনকব উঁপন্যাস–নেখন নূতনতাসঁ ভবন খছি। হুনকব গদ্যমে পঠনীযতা খাহ প্ররাহ খছি। হুনকব জীরন–দর্শন রৈজ্ঞানিক, খাধুনিক খাহ রস্তুনিষ্ঠ খছি।

মাযানন্দ মিশ্রক জন্ম ১৭ খগস্ত ১৯৩৪ ঙা. কেঁ স্বপৌন জিনাক রঁনৈনিযাঁ গামমে ভেনন্হি। হুনকব প্রাবম্ভিক শিক্ষা স্বপৌনমে ভেনন্হি। কোশীক বাঁঢ়ি সঁ রঁনৈনিযাঁ খাহ স্বপৌন দুনূ ঠাম ভাবী রিপদা খাএন খাহ জীরনক খপাব ক্ষতি ভেন। খপন খাবম্ভিক জীরন কানহিসঁ কোশী ক্ষেত্রক জীরনসঁ হিনকব পবিচয ছন। খাগাঁক শিক্ষাক নেন ঙা দবভংগা গেনাহ খাহ ওতএসঁ স্নাতক ভেনাহ। ফেব রিহাব রিশ্বরিদ্যানযসঁ হিন্দী খাহ মৌথিনীমে এম.এ. কএনন্হি।

ওহ ১৯৩৬ মে খাকাশরাণী পটনামে খএনাহ জতএ ওহ রঁহুত নোকপ্রিয ছনাহ। খপম স্পষ্ঠ, খল্প–রযসূ, হৃষ্ট কবএ রঁনা কংঠ খাহ খাকর্ষক প্রস্তুতিসঁ ওহ চৌপান কার্যক্রমকেঁ সম্পূর্ণ রিহাবমে প্রশংসনীয রঁনা দেনন্হি। রিহাবক সভ ভাষা–রোনীক নোক সভ দিন চৌপান স্বনবাঁক হিস্সক নগা নেনন্হি। খাকাশরাণী পটনামে খপন খল্পকানক উঁপস্থিতিমে ওহ ১০ টা বেডিযো নাটক নিখনন্হি, জে র্যাপক–স্তবপব চর্চিত বহন খাহ প্রশংসা পওনক।

হুনকা পহিন কথা–সংগ্রহ "ভাঁগক নোটাসঁ" পর্যাপ্ত খ্যাতি ভেটনন্হি। ঙা রিশ্বাস কএন গেন জে র্যাংগ্য–সম্রাট হবিমোহন ঝাক প্রভার এহি সংগ্রহপব পর্যাপ্ত পড়ন ছন। হৃদা ওহ এহিসঁ শীঘ্রহি বাঁহব খএনাহ খাহ সমানোচনামেক যথার্থরাদ দিসি হৃখ কএনন্হি। "খাগি মোম খাহ পাথব" খাহ "চন্দ্র–রিন্দু" ঙা দুনূ টা কথা–সংগ্রহমে এহি তবহক যথার্থরাদ সোন্মাঁ খাএন। হুনকব কথা নেখনক তেসব চবণ ছন বাজনীতিপব



সমালোচনামেক ৱ্যংগ্য, বাজনীতিক ঋপবাধীকবণ ঋাঽ সামাজিক বিদ্রূতি। ভাষা, ভাৱনা, দৃশ্য ঋাঽ কনামেক নিবপেক্ষতা জে মাযানন্দ মিশ্রক কথামে ছন্হি, সে ৱ্যংগ্যক একটা একটা ঋদ্ভুত প্রতিমান ৱনেনক। হুনকব ঔপন্যাসিক চেতনতা এতেক নোকগব, তীব্র, তীক্ষ্ণ ঋাঽ সূক্ষ্ম ছনন্হি জে কথা স্ববণীয ৱনি জাগত ছন। নোকক ঋার্থিক, সামাজিক ঋাঽ বাজনৈতিক সংঘর্ষ নেখকক প্রদ্ধুখ ঋভিৰুচি ছন্হি ঋাঽ হুনকব কথামে ৱা সভ তত্ত্ব সন্দাযন ভেটৈত। ঋাধুনিক মৈথিলীমে বাজনীতিপব পহিন ৱেব কথা নিখৱাঁক শ্রেয হুনকে জাগত ছন্হি। তহিনা উঁপন্যাস ৱিগাড়ি পাত পাথব, খোঁতা ঋাঽ চিড়ৈ, মংত্রপুত্র ঋাঽ সূর্যাস্ত উঁপন্যাসক ক্ষেত্রমে নর পথ তকনক ঋছি। সূর্যাস্ত ছোড়ি, হুনকব ঋান উঁপন্যাস নিম্ন মধ্য–বগ্গকেঁ ৱর্ণিত করৈত ঋছি, সূর্যাস্ত ভাবতমে ৱ্রিটিশ সাম্রাজ্যক পতনক প্রভাৱী ৰূপসঁ ৱর্ণন করৈত ঋছি।
মৈথিলী সাহিত্যমে মাযানন্দ মিশ্রক যোগদান ৱহুঋাযমী ছন্হি। জতএ হুনকব দিশান্তব ঋাঽ ঋবান্তব নর পদ্যক ক্ষিতিজকেঁ উঁচসঁ ছৱৈত ঋছি, হুনকব গীত ঋাঽ গীতন মানৱীয কোমন ভাৱনাকেঁ ৰুকব ৰূপেঁ ছৱৈত ঋছি। তাহি দ্বাৰে ওঽ শৃংগাবিক করিক ৰূপমে সেহো ৱিখ্যাত ছথি।
ওঽ ৱিভিন্ন মহত্ত্বপূর্ণ সাহিত্যিক নিৱন্ধ ঋাঽ সমালোচনামেক নিৱন্ধ সভ সেহো নিখনে ছথি, জে মৈথিলী সাহিত্যক ঋমূল্য ধবোহড়ি ঋছি। ঋপন তার্কিক চিন্তন–ৱিধিসঁ ওঽ ৱিভিন্ন ৱিষযপব ঋপন মৌনিক চিন্তনকেঁ নিৱন্ধমে সোঝাঁ ঋনৈত ছথি। নিৱন্ধমে সেহো হুনকব শৈভা ঋাঽ প্রৱাহ ঋাশ্চর্যজনক ৰূপমে ৱনন বহৈত ছন্হি। ওঽ কিছু ঐতিহাসিক নিৱন্ধ সেহো নিখনন্হি জে হুনকব ইতিহাস ৱিষযমে ৱিস্তৃত ঋধ্যযনকেঁ দর্শিত করৈত ঋছি। হুনকব ঐতিহাসিক নিৱন্ধ সংগ্রহ “ভাবতীয পবম্পবাক ভূমিকা” প্রেসমে ঋছি।
ওঽ ঋপন যোগদান মৈথিলী পত্রকাবিতামে মৈথিলী পত্রিকা “ঋভিৱ্যঞ্জনা” নিকানি ঋাঽ সম্পাদিত কএ দেনন্হি। ৱা ঋপন সমযক একটা মহত্ত্বপূর্ণ পত্রিকা ছন জে ঋপন সমযক ৱিশ্বক শ্রেষ্ঠ উঁপন্যাসক চর্চা ঋাঽ মূল্যাংকন করৈত ছন। ৱা পত্রিকা ঋপন সমযক ৱিভিন্ন ৱিৱাদক সমাধান তকৱাঁক প্রযাস কএনক। ৱা সভ হুনকব পবিপক্ক সম্পাদকীয ক্ষমতাক পবিণাম ছন।
মাযানন্দ মিশ্র মৈথিলী ঋাঽ মিথিনাকেঁ একটা নর প্লেটফার্ম দেনন্হি। মৈথিলী সাহিত্যিক প্লেটফার্মক ওঽ একমাত্র বাজকুমাব ছথি ঋাঽ হুনকব ৱিকল্প ক্যা নহি ঋছি। হুনকা “মৈথিলী মংচক বাজকুমাব” ঋাঽ মৈথিলী মংচক সম্রাট”ক উঁপাধি প্রাপ্ত ছন্হি। ওঽ ঋাকাশৱাণীক জীৱন্ত পবম্পবাক জনক ছথি। ওঽ মৈথিলী ভাষা ঋান্দোলনক পথ প্রদর্শক ছথি। ওঽ মৈথিলী ভাষাক সাংবৈধানিক মান্যতাক নেন একটা উঁসোমী ঋাঽ ঋাক্রোকাবী যোদ্ধাক ৰূপমে সংঘর্ষ কএনন্হি। হুনকব মৈথিলী ঋান্দোলনপব নিখন পোথী “ঋকথ কথা” প্রকাশিত ভএ বহন ঋছি।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



মাযানন্দ জী একাটা সফন, নোকপ্রিয আ২ নিষ্কপট শিক্ষক বহন ছথি। রিদ্যার্থী সভ হ্নকব শিক্ষকক উঁচ গ্ণক প্রেমী বহনাহ। রিশ্বরিদ্যানয প্রাফেসব আ২ রিভাগাধ্যক্ষ পদসঁ সেরারকাশিক বাঁদ ও২ সম্পূর্ণ রূপসঁ নিখবাঁমে অপনাকেঁ সমর্পিত কএ নেনন্হি। ও২ হিন্দীমে উঁপন্যাস আ২ কথা সেহো নিখনন্হি। "মাটী কে নোগ সোনে কী নৈয়্যা" মে ও২ কোসী ক্ষেত্রক নারিকক জীরন-সংঘর্ষকেঁ চিত্রিত করৈত ছথি। ও২ প্রাচীন ভাবতপব উঁপন্যাসক শৃঁখনা নিখনে ছথি। ওহি শ্রেণীমে প্রথম অছি "প্রথমং শৈনপুত্রী চ" জে ২০০০০ ঙা.পূ.সঁ ১৮০০ ঙা.পূ. ক সভ্যতাক সামাজিক, আর্থিক আ২ সাংস্কৃতিক স্বরূপ দেখবৈত অছি। এহি উঁপন্যাসমে ও২ ভাবতীয সংস্কৃতিক প্বাতন সামূহিক সমাজসঁ দ্ররিড় উঁপোদক সমাজক উঁথোন আ২ পতন বর্ণিত করৈত ছথি। মংত্রপুত্র এহি শ্রৃঁখনাক দোসব উঁপন্যাস অছি জে ১৩০০ ঙা.পূ.সঁ ১২০০ ঙা.পূ.ক ঋগরৈদিক সমাজপব আধাবিত অছি। ঙা আর্য আ২ অনার্য সভ্যতাক মিননক একটা রিশ্বসনীয চিত্র সোঝাঁ বখৈত অছি। ঙা উঁপন্যাস তাকোনিক সামাজিক-সাংস্কৃতিক সংঘর্ষক আ২ প্রাবম্ভিক ভাবতীয সমাজমে বঞ-মিননক আ২ ভাবতীয সংস্কৃতিক একীভূত-ভিন্নতাক বর্ণন করৈত অছি। উঁপন্যাসকাব এহি ক্ষেত্রমে কএন গেন অধ্যযন আ২ শোধক অধ্যযন কএনে ছথি। শ্রৃঁখনাক তেসব উঁপন্যাস প্বোহিত ঋগরেদকানক বাঁদক সমাজক সামাজিক, আর্থিক, বাজনীতিক আ২ সাংস্কৃতিক সংঘর্ষক রিস্তৃত রিরবণ অছি। ঙা কথা অছি সমাজ আ২ জীরনক চতুষ্কাটি হিন্দূ রর্গীকবণ- রর্ণাশ্রিমক উঁদযক জে কর্মকান্ড আ২ জ্ঞানকান্ডক ১০০০ ঙা.পূ. কেব সৈদ্ধাংতিক সংঘর্ষক বাঁদ উঁদিত ভেন। শ্রৃঁখনাক চাবিম উঁপন্যাস স্ত্রীধন ৩০০ ঙা.পূ.ক সূত্রকানক রিরেচন করৈত অছি, ঋদ্রণ অরস্থামে অছি। ঙা মহিনাপব একটা অদ্বিতীয রিতর্ক অছি। আবঁ ও২ একটা উঁপন্যাস নিখি বহন ছথি কর্মকান্ড। অপন সভ ঐতিহাসিক উঁপন্যাসমে ও২ আধুনিক ভাবতীয সমাজক প্রাসংগিকতা তকবাঁক প্রযাস কএনে ছথি। হ্নকব গহন শোধক বাঁদ নিখন কিছু ঐতিহাসিক নিবন্ধ "প্রাচীন ভাবত মেঁ প্বুওত্তব" ভাবতীয ওতিহাস পবিষদ, নঙা দিল্লী দ্বাবা প্রকাশিত কএন জা২ বহন অছি। প্রাফেসব মাযানন্দ মিশ্র এখনো মৈথিনী সাহিত্যকেঁ সমৃদ্ধ কববাঁমে জুটৈন ছথি আ২ একব চতুর্দিক রিকাসক হেতু সমর্পিত ছথি।

৮.ডॉ প্রফুল্ল কুমাব সিংহ 'মৌন' (১৯৩৮-)- গ্রাম+পোস্ট- হসনপুব, জিনা-সমস্তীপুব। পিতা স্ব. রীবেন্দ্র নাবাযণ সিঁহ, মাতা স্ব. বামকনী দেরী। জন্মতিথি- ২০ জনরবী ১৯৩৮. এম.এ., ডিপ.এড., রিদ্যা-রাবিধি(ডি.নিট)। সেরাক্রম: নেপান আ২ ভাবতমে প্রাধ্যাপন। ১.ম.মো.কॉনেজ, রিবাটনগব, নেপান, ১৯৬৩-৭৩ ঙা.। ২. প্রধানাচার্য, বা.প্র. সিংহ কॉনেজ, মহনাব (রৈশানী), ১৯৭৩-৯১ ঙা.। ৩. মহারিদ্যানয নিবীক্ষক, রী.আব. অম্বেডকব রিহাব রিশ্বরিদ্যানয, মুজফ্ফবপুব, ১৯৯১-৯৮.



মৈথিনীক অতিরিক্ত নেপানী অংগ্রেজী আর হিন্দীক জ্ঞাতা।
মৈথিনীমে ১.নেপানক মৈথিনী সাহিত্যক ইতিহাস(রিবাটনগব,১৯৭২ই.), ২.ব্রহ্মগ্রাম(বিপোর্তাজ দবভংগা ১৯৭২ ই.), ३.'মৈথিনী' ত্রৈমাসিকক সম্পাদন (রিবাটনগব,নেপান ১৯৭০-৭३ই.), ৪.মৈথিনীক নেনাগীত (পটনা, ১৯++ ই.), ঙ.নেপানক আধুনিক মৈথিনী সাহিত্য (পটনা, ১৯৯+ ই.), ৬. প্রেমচন্দ চযনিত কথা, ভাগ- ১ আর ২ (অনুরাদ), ৭. রাল্মীকিক দেশমে (মহনাব, ২০০ঙ ই.)।
প্রকাশনাধীন: "রিদাপত" (নোকধর্মী নাট্য) এরং "মিথিনাক নোকসংস্কৃতি"।
ভূমিকা নেখন: ১. নেপানক শিনোকীর্ণ মৈথিনী গীত (ডॉ বামদের ঝা), ২.ধর্মবাজ যুধিষ্ঠিব (মহাকাব্য প্রা. নক্ষ্মণ শাস্ত্রী), ३.অনংগ কুসুমা (মহাকাব্য ডॉ মণিপদ্ম), ৪.জট-জটিন/ সামা-চকেরা/ অনিন পতংগ), ঙ.জট-জটিন (বামভবোস কাপডি ভ্রমব)।
অকাদমিক অরদান: পবামর্শী, সাহিত্য অকাদমী, দিল্লী। কার্যকাবিণী সদস্য, ভাবতীয নৃত্য কনা মন্দিব, পটনা। সদস্য, ভাবতীয ভাষা সংস্থান, মৈসূব। ভাবতীয জ্ঞানপীঠ, দিল্লী। কার্যকাবিণী সদস্য, জনকপুব ননিত কনা প্রতিষ্ঠান, জনকপুবধাম, নেপান।
সম্মান: মৌন জীকেঁ সাহিত্য অকাদমী অনুরাদ পুবস্কাব, ২০০৪ ই., মিথিনা রিভূতি সম্মান, দবভংগা, রেণু সম্মান, রিবাটনগব, নেপান, মৈথিনী ইতিহাস সম্মান, রীবগংজ, নেপান, নোক-সংস্কৃতি সম্মান, জনকপুবধাম,নেপান, সননেস শিখব সম্মান, সিবহা নেপান, পূর্রোত্তব মৈথিন সম্মান, গৌহাটী, সবহপাদ শিখব সম্মান, বানী, রৈগূসবায আর চেতনা সমিতি, পটনাক সম্মান ভেটন ছন্হি।
বাষ্ট্রীয-অংতবষ্ট্রীয সংগোষ্ঠীমে সহভাগিতা- ইম্ফান (মণিপুব), গোহাটী (অসম), কোনকাতা (প. রংগান), ভোপান (মধ্যপ্রদেশ), আগবা (উ.প্র.), ভাগনপুব, হজাবীরাগ, (ঝাবখণ্ড), সহবসা, মধুরনী, দবভংগা, মুজফ্ফবপুব, রৈশানী, পটনা, কাঠমাণ্ডূ (নেপান), জনকপুব (নেপান)।
মীডিযা: ভাবত এরং নেপানক প্রতিষ্ঠিত পত্র-পত্রিকা সভমে সহস্রাধিক বচনা প্রকাশিত। আকাশরাণী এরং দূবদর্শনসঁ প্রায়ঃ সাঠ-সত্তব রার্তাদি প্রসাবিত।
অপ্রকাশিত কৃতি সভ: ১. মিথিনাক নোকসংস্কৃতি, ২. রিহবৈত রনজাবা মন (বিপোর্তাজ), ३.মৈথিনীক গাথা-নাযক, ৪.কথা-নঘু-কথা, ঙ.শোধ-রোধ (অনুসন্ধান পবক আনেখ)।
ব্যক্তিত্ব-কৃতিত্ব মূন্যাংকন: প্রা. প্রফুল্ল কুমাব সিংহ মৌন: সাধনা ওব সাহিত্য, সম্পাদক ডॉ.বামপ্ররেশ সিংহ, ডॉ. শেখব শংকব (মুজফ্ফবপুব, ১৯৯+ই.)।
চর্চিত হিন্দী পুস্তক সভ: থারু নোকগীত (১৯৬+ ই.), স্বনসবী (বিপোর্তাজ, ১৯৭৭), রিহাব কে রৌদ্ধ সংদর্ভ (১৯৯২), হমাবে নোক দেরী-দেরতা (১৯৯৯ ই.), রিহাব কী জৈন সংস্কৃতি (২০০৪ ই.), মেবে বেডিযো নাটক (১৯৯১ ই.), সম্পাদিত- রুদ্ধ, রিদেহ ওব মিথিনা (১৯+ঙ), রুদ্ধ ওব রিহাব (১৯+৪ ই.), রুদ্ধ ওব অম্রপানী (১৯+৭ ই.), বাজা



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

সন্দেশ: সাহিত্য ও৺ সংস্কৃতি (২০০২ ঈ.), মিথিলা কী লোক সংস্কৃতি (২০০৩ ঈ.)। বর্তমানমে মৌনজী অপন গামমে সাহিত্য শোধ আ' রচনামে লীন ছথি।

৯.ডॉ. প্রেমশংকর সিংহ (১৯৪২-) গ্রাম+পোস্ট- জোগিয়ারা, থানা- জালে, জিলা- দরভংগা। মৈথিলীক ৰরিষ্ঠ সৃজনশীল, মননশীল আ' অধ্যয়নশীল প্রতিভাক ধনী সাহিত্য-চিন্তক, দিশা-বোধক, সমালোচক, নাটক ও রংগমংচক নিষ্ণাত গৱেষক, মৈথিলী গদ্যকেঁ নৱ-স্বরূপ দেনিহার, কুশল অনুরাদক, প্রৱীণ সম্পাদক, মৈথিলী, হিন্দী, সংস্কৃত সাহিত্যক প্রখর রিদ্বান্ তথা বাঁংলা এরং অংগ্রেজী সাহিত্যক অধ্যয়ন-অন্বেষণমে নিরত প্রাফেসর ডॉ. প্রেমশংকর সিংহ (২০ জনররী ১৯৪২)ক রিলক্ষণ লেখনীসঁ একপর এক অক্ষয় কৃতি ভেল অছি নিঃসৃত। হিনক ৰহুমূল্য গৱেষণাত্মক, মৌলিক, অনূদিত আ' সম্পাদিত কৃতি রহল অছি অরিরল চর্চিত-অর্চিত। ওঽ অদম্য উৎসাহ, ধৈর্য, লগন আ' সংঘর্ষ কঽ তন্ময়তাক সংগ মৈথিলীক ৰহুমূল্য ধরোবাদিক অন্বেষণ কঽ দেলনি পুস্তকাকার রূপ। হিনক অন্বেষণ পূর্ণ গ্রন্থ আ' প্রৰন্ধকার আলেখাদি ব্যাপক, চিন্তন, মনন, মৈথিল সংস্কৃতিক আ' পরম্পরাক থিক ধরোহর। হিনক সৃজনশীলতাসঁ অনুপ্রাণিত ভঽ চেতনা সমিতি, পটনা মিথিলা রিভূতি সম্মান (তাম্র-পত্র) এরং মিথিলা-দর্পণ, মুম্বঈ ৰরিষ্ঠ লেখক সম্মানসঁ কয়লক অছি অলংকৃত। সম্প্রতি চারি দশক ধরি ভাগলপুর রিশ্বরিদ্যালয়ক প্রাফেসর এরং মৈথিলী রিভাগাধ্যক্ষক গরিমাপূর্ণ পদসঁ অরকাশোপরান্ত অনররত মৈথিলী রিভাগাধ্যক্ষক গরিমাপূর্ণ পদসঁ অরকাশোপরান্ত অনররত মৈথিলী সাহিত্যক ভণ্ডারকেঁ অভিরৰ্দ্ধিত করৰাক দিশামে সংলগ্ন ছথি, স্বতন্ত্র সারস্বত-সাধনামে।

কৃতি-

নিৰ্ন্ধ-প্রৰন্ধ-সমালোচনা-১. অংকীয়ানাট, মনোজ প্রকাশন, ভাগলপুর, ১৯৬৭।

সম্পাদন- ১. গদ্যরল্লরী, মহেশ প্রকাশন, ভাগলপুর, ১৯৬৬, ২. নৱ একাংকী, মহেশ প্রকাশন, ভাগলপুর, ১৯৬৭, ३.পত্র-পুষ্প, মহেশ প্রকাশন, ভাগলপুর, ১৯৭০, ৪.পদলতিকা, মহেশ প্রকাশন, ভাগলপুর, ১৯৮৭, ৫. অনমিল আখর, কর্ণগোষ্ঠী, কোলকাতা, ২০০০ ৬.মণিকণ, কর্ণগোষ্ঠী, কোলকাতা ২০০३, ৭.হুনকাসঁ ভেঁট ভেল ছল, কর্ণগোষ্ঠী, কোলকাতা ২০০৪, ৮. মৈথিলী লোকগাথাক ইতিহাস, কর্ণগোষ্ঠী, কোলকাতা ২০০३, ৯. ভারতীক রিলাড়ি , কর্ণগোষ্ঠী, কোলকাতা ২০০३, ১০.চিত্রা-রিচিত্রা, কর্ণগোষ্ঠী, কোলকাতা ২০০३, ১১. সাহিত্যকারক দিন, মিথিলা সাংস্কৃতিক পরিষদ, কোলকাতা, ২০০৭. ১২. ৰ্‌আড়ি ভক্তিতরঙ্গিণী, ঋচা প্রকাশন, ভাগলপুর ২০০৮, ১३.মৈথিলী লোকোক্তি কোশ, ভারতীয় ভাষা সংস্থান, মৈসূর, ২০০৮, ১৪.রূপা সোনা হীরা, কর্ণগোষ্ঠী, কোলকাতা, ২০০৮।

পত্রিকা সম্পাদন- ভূমিজা ২০০২

মৌলিক মৈথিলী: ১.মৈথিলী নাটক ও রংগমংচ,মৈথিলী অকাদমী, পটনা, ১৯৭৮ ২.মৈথিলী



नाटक परिचय, मैथिली अकादमी, पटना, १९८१ ३.पुरुषार्थ ओ विद्यापति, ऋचा प्रकाशन, भागलपुर, १९८६ ४.मिथिलाक विभूति जीवन झा, मैथिली अकादमी, पटना, १९८७ ५.नाट्यान्वाचय, शेखर प्रकाशन, पटना २००२ ६.आधुनिक मैथिली साहित्यमे हास्य-व्यंग्य, मैथिली अकादमी, पटना, २००४ ७.प्रपाणिका, कर्णगोष्ठी, कोलकाता २००५, ८.ज्योत्स्ना, ऋचा प्रकाशन भागलपुर २००८ ९.युगसंधिक प्रतिमान, ऋचा प्रकाशन, भागलपुर २००८ १०.चेतना समिति ओ नाट्यमंच, चेतना समिति, पटना २००८
मौलिक हिन्दी: १.विद्यापति अनुशीलन एवं मूल्यांकन, प्रथमखण्ड, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना १९७१ २.विद्यापति अनुशीलन एवं मूल्यांकन, द्वितीय खण्ड, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना १९७२, ३.हिन्दी नाटक कोश, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली १९७६.
अनुवाद: हिन्दी एवं मैथिली- १.श्रीपादकृष्ण कोल्हटकर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली १९८८, २.अरण्य फसिल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली २००१ ३.पागल दुनिया, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली २००१, ४.गोविन्ददास, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली २००७ ५.रक्तानल, ऋचा प्रकाशन, भागलपुर २००८.

११.श्री विलट पासवान "विहंगम" जीक जन्म मधुबनी जिलाक एकहरो ग्राममे १९४० ई. मे भेलन्हि। छात्रावस्थासँ राजनीति एवं साहित्य दुनूमे अभिरुचि रहलन्हि अछि। किछु अवधिक हेतु ई बिहार राज्यक उपमंत्री पदकेँ सेहो सुशोभित कएलन्हि आ बिहार विधान सभाक सदस्य रहलाह। गाम घरक चित्रण एवं दलित वर्गक वर्णन हिनक रचनामे सर्वत्र भेटैत।

१२.श्री डॉ. गंगेश गुंजन(१९४२-)। जन्म स्थान- पिलखबाड़, मधुबनी। एम.ए. (हिन्दी), रेडियो नाटक पर पी.एच.डी.। कवि, कथाकार, नाटककार आ' उपन्यासकार। १९६४-६५ मे पाँच गोटे कवि-लेखक "काल पुरुष"(कालपुरुष अर्थात् आब स्वर्गीय प्रभास कुमार चौधरी, श्री गंगेश गुन्जन, श्री साकेतानन्द, आब स्वर्गीय श्री बालेश्वर तथा गौरीकान्त चौधरीकान्त, आब स्वर्गीय) नामसँ सम्पादित करैत मैथिलीक प्रथम नवलेखनक अनियमितकालीन पत्रिका "अनामा"-जकर ई नाम साकेतानन्दजी द्वारा देल गेल छल आ बाँकी चारू गोटे द्वारा अभिहित भेल छल- छपल छल। ओहि समयमे ई प्रयास ताहि समयक यथास्थितिवादी मैथिलीमे पैघ दुस्साहस मानल गेलैक। फणीश्वरनाथ "रेणु" जी अनामाक लोकार्पण करैत काल कहलन्हि, " किछु छिनार छौड़ा सभक ई साहित्यिक प्रयास अनामा भावी मैथिली लेखनमे युगचेतनाक जरूरी अनुभवक बाट खोलत आ आधुनिक बनाओत"। "किछु छिनार छौड़ा सभक" रेणुजीक अपन अन्दाज छलन्हि बजबाक, जे हुनकर सन्सर्गमे रहल आ स्वनले अछि, तकरा एकर व्यञ्जना आ रस बूझल हेतैक। ओना "अनामा"क कालपुरुष लोकनि कोनो रूपमे साहित्यिक मान्य मर्यादाक प्रति अवहेलना



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

রা তিবস্কাব নহি কএনে বহথি। একাধ টিপ্পণীমে মৈথিনীক প্রবানপংথী কাব্যকচিক প্রতি কতিপয় ক্ষখব খারিস্কাবক স্বব খরশ্য বহৈক, জে সভ যুগমে নর-পীঠ ৗক স্বাভারিক ব্যরহাব হোগছ। খাওব জে প্রবান পীঠ ৗক নেখককেঁ প্রিয নহি নগৈত ছনি খাং সেহো স্বভারিকে। ক্ষদা খনামা কেব তীন খংক মাত্র নিকনি সকনৈক। সৈহ খনাম্না রাঁদমে "কথাদিশা"ক নামসঁ স্ব.শ্রী প্রভাস কুমাব চৌধবী খাং শ্রী গংগেশ গুঞ্জন দূ গোটেক সম্পাদনমে -তকনীকী-ব্যরহারিক কাবণসঁ-ছপৈত বহন। কথা-দিশাক ঐতিহাসিক কথা রিশেষাংক নোকক মানসমে এখনো ওহিনা ছন্হি। শ্রী গংগেশ গুঞ্জন মৈথিনীক প্রথম চৌরঁটিযা নাটক রুঁধিরঁধিযাক নেখক ছথি খাং হিনকা উঁচিতরক্তা (কথা সংগ্রহ) ক নেন সাহিত্য খকাদমী প্রবস্কাব ভেটৈন ছন্হি। একব খতিবিক্ত মৈথিনীমে হম একটা মিথ্যা পবিচয, নোক স্বনূ (করিতা সংগ্রহ), খন্হাব- গজোত (কথা সংগ্রহ), পহিন নোক (উঁপন্যাস), খাগ ভোব (নাটক)প্রকাশিত। হিন্দীমে মিথিনাংচন কী নোক কথাএঁ, মণিপদ্মক নৈকা- রঁনিজাবাক মৈথিনীসঁ হিন্দী খন্বরাদ খাং শব্দ তৈযাব হৈ (করিতা সংগ্রহ)।

১২.স্বভাষ চন্দ্র যাদর, কথাকাব, সমীক্ষক এরং খন্বরাদক, জন্ম ০৩. মার্চ ১৯৪৮, মাতৃক দীরানগংজ, স্বপৌনমে। পৈতৃক স্থান: রঁনরাঁ-মেনাহী, স্বপৌন- মধ্রঁনী। খাবম্ভিক শিক্ষা দীরানগংজ এরং স্বপৌনমে। পটনা কনেজ, পটনাসঁ রাঁ.এ.। জরাহবনান নেহক রিশ্বরিদ্যানয, নঙা দিল্লীসঁ হিন্দীমে এম.এ. তথা পী.এহ.ডী.। ১৯৮২ সঁ খধ্যাপন। সম্প্রতি: খধ্যক্ষ, স্নাতকোত্তব হিন্দী রিভাগ, ভূপেন্দ্র নাবাযণ মংডন রিশ্বরিদ্যানয, পশ্চিমী পবিসব, সহবসা, রিহাব। মৈথিনী, হিন্দী, রঁগনা, সংস্কৃত, উর্দূ, খংগ্রেজী, স্পানিশ এরং ফ্রেঁচ ভাষাক জ্ঞান।
প্রকাশিন: ঘবদেখিযা (মৈথিনী কথা-সংগ্রহ), মৈথিনী খকাদমী, পটনা, ১৯৮৩, হানী (খংগ্রেজীসঁ মৈথিনী খন্বরাদ), সাহিত্য খকাদমী, নঙা দিল্লী, ১৯৮৮, রাঁছন কথা (হবিমোহন ঝাক কথাক চযন এরং ভূমিকা), সাহিত্য খকাদমী, নঙা দিল্লী, ১৯৯৯, রিহাড়ি খাঁউ (রঁগনা সঁ মৈথিনী খন্বরাদ), কিস্বন সংকল্প নোক, স্বপৌন, ১৯৯৩, ভাবত-রিভাজন ওব হিন্দী উঁপন্যাস (হিন্দী খানোচনা), রিহাব বাষ্ট্রভাষা পবিষদ, পটনা, ২০০১, বাজকমন চৌধবী কা সফব (হিন্দী জীরনী) সাবাংশ প্রকাশিন, নঙা দিল্লী, ২০০১, মৈথিনীমে কবীরঁ সত্তবি টা কথা, তীস টা সমীক্ষা খা হিন্দী, রঁগনা তথা খংগ্রেজী মে খনেক খন্বরাদ প্রকাশিত।
ভূতপূর্ব সদস্য: সাহিত্য খকাদমী পবামর্শ মংডন, মৈথিনী খকাদমী কার্য-সমিতি, রিহাব সবকাবক সাংস্কৃতিক নীতি-নির্ধাবণ সমিতি।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

১৩.প্রাফেসর উদয় নারায়ণ সিংহ 'নচিকেতা' জন্ম-১৯৩১ ঈ. কলকত্তামে।
শিক্ষা- বী. এ. (সম্মান) ভাষাবিজ্ঞান (প্রথম শ্রেণীমে প্রথম স্থান) কলকত্তা বিশ্ববিদ্যালয়, কলকত্তা
এম.এ. ভাষাবিজ্ঞান, পী-এচডী. ভাষাবিজ্ঞান, দিল্লী বিশ্ববিদ্যালয়, দিল্লী
রচনা সংসার- মৈথিলী সাহিত্য মধ্য ছদ্ম নাম 'নচিতকেতা'ক নামে, মৈথিলী আ বাংগলা সাহিত্যক কবি আ নাটককারক রূপমে প্রখ্যাত শ্রী সিংহ এখন ধরি চারি কবিতা সংগ্রহ, এগারহ গোট নাটক (মৈথিলীমে), ছও সাহিত্যিক নিবন্ধ আ দূ টা কবিতা সংগ্রহ (বাংগ্লামে), একর অতিরিক্ত এহি দূনূ ভাষামে আ অংগ্রেজীমে কতোক পুস্তকক অনুবাদ ক' চুকল ছথি। ১৯৫৩ মে ১৩ বর্ষক উম্রমে পহিল কাব্য সংগ্রহ 'কবযো বদন্তি'। ১৯৭১ 'অমৃতস্য পুত্রাঃ' (কবিতা সংকলন) আর 'নায়কক নাম জীবন' (নাটক) ১৯৭৪ মে 'এক ছল রাজা'/ 'নাটকক লেল' (নাটক)। ১৯৭৬-৭৭ 'প্রত্যাবর্তন'/ 'রামলীলা'(নাটক)। ১৯৭৮মে জনক আর অন্য একাংকী। ১৯৮১ 'অনুত্তরণ'(কবিতা-সংকলন)। ১৯৮৮ 'প্রিয়ংবদা' (নাটিকা)। ১৯৯৭-'রবীন্দ্রনাথক বাল-সাহিত্য'(অনুবাদ)। ১৯৯৮ 'অনুকৃতি'- আধুনিক মৈথিলী কবিতাক বাংগলামে অনুবাদ, সংগহি বাংগলামে দূটা কবিতা সংকলন। ১৯৯৯ 'অশ্রু ও পরিহাস'। ২০০২ 'খাম খেয়ালী'। ২০০৬মে 'মধ্যমপুরুষ একবচন'(কবিতা সংগ্রহ। ২০০৮ ঈ. মে নাটক "নো এন্ট্রী: মা প্রবিশ" সম্পূর্ণ রূপেঁ "বিদেহ" ঈ- পত্রিকামে ধাবারাহিক রূপেঁ ঈ-প্রকাশিত ভএ একটা কীর্তিমান বনেলক। ভাষা-বিজ্ঞানক ক্ষেত্রমে দসটা পোথী আর দূ সয়সঁ বেশী শোধ-পত্র প্রকাশিত। ১৪ টা পী.এচ.ডী. আর ২৯ টা এম.ফিল. শোধ-কর্মক দিশা নির্দেশ।
আন সাহিত্যিক গতিবিধি- প্রা. সিংহ বাংগলাদেশ, কংবরিয়ন আয়র্লেন্ড, ফ্রাংস, জর্মনী, ইটলী, নেপাল, পাকিস্তান, রূস, সিংগাপুর, স্বীডন, থায়লৈংড আর অমেরিকামে বিবিধ বিষয় পর অপন ব্যাখ্যান দেলে ছথি।
ইংডো-ইটৈলিয়ন কলচরল এক্সচেংজ ফংার ফ্রিএস্টির রাষ্ট্রীয়ক সদস্য(1999), ত্রিনিদাদ আর টংাবেগো মে কার্যনির্বাহী প্রতিনিধিক সদস্য (2002), আ মংারীশস (2005), ফ্রেংকফর্ট পুস্তক মেলামে আমংত্রিত কবি, জতয় 'ইংডিয়া গেস্ট অঁফ অঁনর' সঁ সম্মানিত ভেলাহ (2006), হালহিমে চীন মে সংপন্ন এগারহ লেখকক সাংস্কৃতিক প্রতিনিধিক প্রমুখক রূপমে ভাগ লেলে ছলাহ।
কার্যক্ষেত্র- মহারাজা সিয়াজী রার বিশ্ববিদ্যালয়,বড়ৌদা,(1979-81), দক্ষিণী গুজরাত বিশ্ববিদ্যালয় (1981-85), দিল্লী বিশ্ববিদ্যালয়,দিল্লী (1985-87), হৈদরাবাদ বিশ্ববিদ্যালয়, হৈদরাবাদ,(1987-2000) মে ভাষাবিজ্ঞানক প্রাফেসর, ও অতিথি প্রাফেসরক রূপমে ইংডিয়ন ইন্স্টীচ্যূট অঁফ এডবাংস স্টডী, শিমলা (1989) মে কাজ করৈত বর্তমানমে কেন্দ্রীয় ভারতীয় ভাষা সংস্থান, মৈসূর মে নির্দেশকক পদ পর আসীন ছথি।



१४.श्री रामभरोस कापड़ि "भ्रमर" (१९३१-) जन्म-रँघचौरा, जिला धनुषा (नेपाल)। सम्प्रति-जनकपुरधाम, नेपाल। त्रिभुवन विश्वविद्यालयसँ एम.ए., पी.एच.डी. (मानद)।

सम्मान: प्रधान सम्पादक: गामघर साप्ताहिक, जनकपुर एक्सप्रेस दैनिक, आँजुर मासिक, आँगन अर्द्धवार्षिक (प्रकाशक नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान, कमलादी)।

मौलिक कृति: रँग्नकोठरी: उनाहत धुँआ (कविता संग्रह), नहि, आब नहि (दीर्घ कविता), तोरा संगे जएबौ रे कजरा (कथा संग्रह, मैथिली अकादमी पटना, १९+४), मोमक पघलैत अधर (गीत, गजल संग्रह, १९+३), अप्पन अनचिन्हार (कविता संग्रह, १९९० ई.), रानी चन्द्रावती (नाटक), एकटा आओर वसन्त (नाटक), महिषासुर मुर्दाबाद एवं अन्य नाटक (नाटक संग्रह), अन्ततः (कथा-संग्रह), मैथिली संस्कृति बीच रमाउँदा (सांस्कृतिक निबन्ध सभक संग्रह), विसवर-विसवर सन (कविता-संग्रह), जनकपुर लोक चित्र (मिथिला पेंटिंग्स), लोक नाट्य: जट-जटिन (अनुसन्धान)।

नेपाली कृति: आजको धनुषा, जनकपुरधाम र यस क्षेत्रका सांस्कृतिक सम्पदाहरू (आलेख-संग्रह), भ्रमरका उत्कृष्ठ नाटकहरू (अनुवाद)।

सम्पादन: मैथिली पद्य संग्रह (नेपाल राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान), नारीक धाह (कविता संग्रह), माथुरजीक "त्रिशूली" खण्डकाव्य (कवि स्व. मथुरानन्द चौधरी "माथुर"), नेपालमे मैथिली पत्रकारिता, मैथिली लोक नृत्य: भाव, भंगिमा एवं स्वरूप (आलेख संग्रह)। गामघर साप्ताहिकक २६ वर्षसँ सम्पादन-प्रकाशन, "अर्चना" साहित्यिक संग्रहक १३ वर्ष धरि सम्पादन-प्रकाशन। "आँजुर" मैथिली मासिकक सम्पादन प्रकाशन, "अंजुली" नेपाली मासिक/ पाक्षिकक सम्पादन प्रकाशन।

अनुवाद: भयो, अब भयो ("नहि आब नहि"क मनु ब्राजाकीद्वारा कयल नेपाली अनुवाद)

सम्मान: नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान द्वारा पहिल बेर १९९३ ई.मे घोषित ३.० हजार टाकाक मायादेवी प्रज्ञा पुरस्कारक पहिल प्राप्तकर्ता। प्रधानमंत्रीद्वारा प्रशस्तिपत्र एवं पुरस्कार प्रदान। विद्यापति सेवा संस्थान दरिभङ्गाद्वारा सम्मानित, मैथिली साहित्य परिषद, वीरगंजद्वारा सम्मानित, "आकृति" जनकपुर द्वारा सम्मानित, दीर्घ पत्रकारिता सेवाक लेल नेपाल पत्रकार महासंघ धनुषाद्वारा सम्मानित, जिल्ला विकास समिति धनुषा द्वारा दीर्घ पत्रकारिता सेवाक लेल पुरस्कृत एवं सम्मानित, नेपाली मैथिली साहित्य परिषद द्वारा २०३९ सालक अन्तर्राष्ट्रिय मैथिली सम्मेलन कमेटी द्वारा "मिथिला रत्न" द्वारा सम्मानित, शेखर प्रकाशन "पटना" द्वारा "शेखर सम्मान", मधुरिमा नेपाल (काठमाण्डौ) द्वारा २०६२



सानक मधुविमा सम्मान प्राप्त। काठमाण्डूमे आयोजित सार्कस्तरीय कवि गोष्ठीमे मैथिली भाषाक प्रतिनिधित्व।

सामाजिक सेवा : अध्यक्ष-तराइ जनजाति अध्ययन प्रतिष्ठान, जनकपुर, अध्यक्ष-जनकपुर ललित कला प्रतिष्ठान, जनकपुर, उपाध्यक्ष- मैथिली प्रज्ञा प्रतिष्ठान, जनकपुर, उपकुलपति- मैथिली अकादमी, नेपाल, उपाध्यक्ष- नेपाल मैथिली नाट्य सांस्कृतिक परिषद, सचिव- दीनानाथ भगवती समाज कल्याण गुठी, जनकपुर, सदस्य- जिल्ला बाल कल्याण समिति, धनुषा, सदस्य- मैथिली विकास कोष, धनुषा, राष्ट्रीय पार्षद- नेपाल पत्रकार महासंघ, धनुषा।

१३.डॉ महेन्द्र नारायण राम (१९३.+-), मैथिलीमे एम.ए. आर पी.एच.डी., लीलकमल नाट्य कला परिषद, अप्चौलाक संस्थापक, दीपायतनक मास्टर ट्रेनर, सम्पादन-"नव ज्योति" पत्रिका, "लोकशक्ति" सामाजिक लेख-पत्रक। लोकवृत्त ताहूमे लोकगाथाक अध्येता। ओर अध्यक्ष मैथिली अकादमी, बिहारक संग अनेक संस्थामे विभिन्न पदकेँ सुशोभित कएलनि। हिनका बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना, राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, लोक साहित्यिक मंच, पटना, साहित्यकार संसद, समस्तीपुर लोकभाषा साहित्य पुरस्कार सहित विभिन्न संस्थासँ कतिपय साहित्यिक सामाजिक सम्मान प्राप्त छनि। हिनकर प्रकाशनमे मैथिली लोकमहागाथा: कारिख पजियार, कारिख-गीतावली, कारिख लोकगाथा, जागि गेल छी, गहवर, सहलेस लोकगाथा, दीना भद्री लोकगाथा, रमणजी: ग्रामसभा से विधानसभा तक(हिन्दी) प्रमुख अछि।

१६.भानचन्द्र झा, ए.टी.डी., बी.ए., (अर्थशास्त्र), ह्यूमैनसँ थिएटर कलामे डिप्लोमा। मैथिलीक अतिरिक्त हिन्दी, मराठी, अंग्रेजी आर गुजरातीमे निष्णात। १९७४ ई.सँ मराठी आर हिन्दी थिएटरमे निदेशक। महाराष्ट्र राज्य उपाधि १९+६ आर १९९९ मे। थिएटर वर्कशॉप पर अतिथीय भाषण आर नामी संस्थानक नाटक प्रतियोगिताक हेतु न्यायाधीश। आइ.एन.टी. केर लेल नाटक "सीता" केर निर्देशन। "राष्ट्रदेव संगति" आइ.एन.टी.क लोक कलाक शोध आर प्रदर्शनसँ जुड़ल छवि आर नाट्यशालासँ जुड़ल छवि विकसित कैल लेल थिएटरसँ। निम्न टी.वी. मीडियामे रचनात्मक निदेशक रूपेँ कार्य- आभलमया (मराठी दैनिक धारावाहिक ६० एपीसोड), आकाश (हिन्दी, जी.टी.वी.), जीवन संध्या (मराठी), सफलता (राजस्थानी), पोलिसनामा (महाराष्ट्र शासनक लेल), झल्ली उदाली आकाशी (मराठी), जय गणेश (मराठी), कच्ची-सौख्यी (हिन्दी डी.डी.), यात्रा (मराठी), धनाजी नाना चौधरी (महाराष्ट्र शासनक लेल), श्री पी.के अन्ना पाटिल (मराठी), स्वयम्वर (मराठी), फिर नहीं कभी नहीं(नशा-स्वधारपर), आहटे (एड्सपर), बैंगन राजा



(बँचाक लेल कठपुतली शो), मेरा देश महान (बँचाक लेल कठपुतली शो), मनुष्ठा पानतू(बँचाक लेल कठपुतली शो),

टी.वी. नाटक- बन्दी (लेखक- वाजीव जोशी), शितकरनी (लेखक- स्व. उपेन दत्त), चित्रकाठी (लेखक- स्व. मनोहव वाकोडे), ह्रदयची गोस्टा (लेखक- वाजीव जोशी), हन्दापाव (लेखक- एह.एम.मवाठे), रानन (लेखक- थक्कात)।

लेखन-

रीछन वेंवायन मवाठी एकांकी, सिंहावलोकन (मवाठी साहित्य १३.० वर्ष), आकाशि (जी.टी.वी.क धावावाहिकक ३० एपीसोड), जीरन सन्ध्या(मवाठी साप्ताहिक, डी.डी, मम्बँञा), धनाजी नाना चौधवी (मवाठी), स्वयम्वँव (मवाठी), फिव नहीं कभी नहीं(हिन्दी), आहटे (हिन्दी), यात्रा (मवाठी सीवयन), मयूवपन्ख (मवाठी बाँल-धावावाहिक), हेल्थकेयव ञल २०० ए.डी.) (डी.डी.)।

थिएटव वर्कशॉप- कला विभाग, महावाष्ट्र सवकाव, अखिल भावतीय मवाठी नाट्य पविषद, दक्षिण-मध्य क्षेत्र कला केन्द्र, नागपुव, स्व. गजानन जहागीवदावक प्राध्यापकत्वमे चन्द्राक फिल्मक लेल अभिनय स्कूल, उस्ताद अमजद अली खानक दू टा संगीत प्रदर्शन।

श्री भानचन्द्र झा एखन फ्री-लान्स लेखक-निर्देशकक रूपमे कार्यवत छथि।

१७.डॉ. देवशंकव नवीन (१९६२-), ओ ना मा सी (गद्य-पद्य मिश्रित हिन्दी-मैथिलीक प्राविम्भक सर्जना), चानन-काजव (मैथिली कविता संग्रह), आधुनिक (मैथिली) साहित्यक पविदृश्य, गीतिकाव्य के रूप में विद्यापति पदावली, वाजकमल चौधवी का वचनाकर्म (आलोचना), जमाना बदल गया, सोना बाबू का याव, पहचान (हिन्दी कहानी), अभिधा (हिन्दी कविता-संग्रह), हाथी चलए बजाव (कथा-संग्रह)।
सम्पादन: प्रतिनिधि कहानियाँ: वाजकमल चौधवी, अग्निस्नान एवं अन्य उपन्यास (वाजकमल चौधवी), पथेव के नीचे दबे हुए हाथ (वाजकमल की कहानियाँ), विचित्रा (वाजकमल चौधवी की अप्रकाशित कविताएँ), साँझक गाछ (वाजकमल चौधवी की मैथिली कहानियाँ), वाजकमल चौधवी की चुनी हुई कहानियाँ, बन्द कमवे में कब्रगाह (वाजकमल की कहानियाँ), शिवयात्रा के बाद देहवक्षि, ऑडिट विपोर्ट (वाजकमल चौधवी की कविताएँ), बर्फ औव सफेद कब्र पव एक फूल, उत्तव आधुनिकता कुछ विचाव, सद्भाव मिशन

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



(পত্রিকা)ক কিছু খংকক সম্পাদন, উদাহবণ (মৈথিলী কথা সংগ্রহ সংপাদন)। সম্প্রতি নেশনল বুক ট্রস্টমে সম্পাদক।

১৮.তাবানন্দ বিযোগী (১৯৬৬-), মহিষী, সহবসামে জন্ম। মৈথিলীক সমর্থ কবি, কথাকাব আ সমালোচক। পিতা শ্রী বুদ্রী মহতো, মাতা শ্রীমতি বুদামী দেবী। সংস্কৃত সাহিত্যমে আচার্য, এম.এ., পী.এচ.ডী. আদি কযলাক বাদ কেন্দ্রীয রিদ্যালযমে খধ্যাপক ভেলাহ। সম্প্রতি বিহাব প্রাশাসনিক সেরামে ছথি। ১৯৭৯ ঈ.মে পহিল বচনা "মিথিলা মিহিব"মে প্রকাশিত ভেলন্হি। তাহিসঁ পহিনে সংগী লোকনি হিনকব একটা কবিতা সংগ্রহ ছাপি চুকল ছলাহ। পহিল পোথী খপন যুদ্ধক সাক্ষ্য (গজল সংগ্রহ) ১৯৯১ মে প্রকাশিত। খন্য পুস্তক হস্তক্ষেপ (কবিতা-সংগ্রহ), খতিক্রমণ (কথা-সংগ্রহ), শিলালেখ(লঘুকথা সংগ্রহ), কর্মধাবয। বমেশক সংগ বাজকমল চৌধবীক কথাকৃতি একটা চংপাকলী একটা বিষধব কএ সংপাদন কযলনি। স্বাতন্ত্র্যোত্তব মৈথিলী কথা সংগ্রহ দেসিল বুযনাক সংপাদন। কহিযো কাল হিন্দীমে লিখৈত ছথি। খপন হিন্দী কবিতাক লেল বর্ষ ১৯৯৩ মে "যুক্তিবোধ প্রবস্কাব"সঁ সম্মানিত। মৈথিলীক শ্রেষ্ঠ সাহিত্যকেঁ বাষ্ট্রীয ধবাতলপব খনূদিত-প্রসাবিত কববামে বিশেষ রুচি। পং. গোবিন্দ ঝাক মহত্ত্বপূর্ণ উপন্যাস ভলহি বিদ্যাপতি তথা মৈথিলী কী প্রতিনিধি কহানিযাঁ খনূদিত-সংপাদিত। এক সংপাদিত কৃতি বাজকমল চৌধবী: সৃজন কে আযাম। সময-সময়পব মৈথিলী হিন্দীমে কৈক গোটে পত্রিকা/ সংকলনক সংপাদন কযলনি। কিছু বচনা বুংগলা, তেলুগু, খংগ্রেজীমে খনূদিত ভেলনি খছি।

১৯.ডা৹ কৈলাস কুমাব মিশ্র (৮ ফবববী ১৯৬৭-) দিল্লী বিশ্ববিদ্যালযসঁ এম.এস.সী., এম.ফিল., "মৈথিলী ফা৹কলোব স্ট্রক্চব এন্ড ক৹গ্নিশন অ৹ফ দ ফা৹কসাংগস অ৹ফ মিথিলা: এন এনেলিটিকল স্টডী অ৹ফ এন্থ্রোপোলোজী অ৹ফ ম্যুজিক" পব পী.এচ.ডী.। মানর খধিকাব মে স্নাতকোত্তব, ৪০০ সঁ বেশী প্রবন্ধ -খংগ্রেজী-হিন্দী আ মৈথিলী ভাষামে- ফা৹কলোব, এন্থ্রোপোলোজী, কলা-ইতিহাস, যাত্রাবৃত্তাংত আ সাহিত্য বিষযপব জর্নল, পত্রিকা, সমাচাবপত্র আ সম্পাদিত-গ্রন্থ সভমে প্রকাশিত। ভাবতক লগভগ সভ সাংস্কৃতিক ক্ষেত্রমে ভ্রমণ, এখন উত্তব-পূর্বমে মৌখিক আ লোক সংস্কৃতিক সর্বাংগীন পক্ষপব গহন রূপসঁ কার্যবত। যূনিবর্সিটী অ৹ফ নেব্রাস্কা, যূ.এস.এ. কেব "ফা৹কলোব অ৹ফ ইন্ডিযা" বিষযক বেফ৹বী। কেন্দ্রীয হিন্দী নিদেশালযক প্রবস্কাবক বেফবী সেহো। সয সঁ উপব সেমীনাব আ রর্কশা৹পক সংচালন, বহু-বিষযক বাষ্ট্রীয আ খন্তর্বাষ্ট্রীয সংগোষ্ঠীমে সহভাগিতা। এম.ফিল. আ পী. এচ.ডী. ছাত্রকেঁ দিশা-নির্দেশক সংগ কৈলাশজী বিজিটিংগ ফৈকল্টীক রূপমে বিশ্ববিদ্যালয আ উচ-প্রশিস্তি প্রাপ্ত সংস্থানমে



अध्यापन सेहो करैत छथि। मैथिलीक लोक गीत, मैथिलीक डहकन, विद्यापति-गीत, मधुपजीक गीत सभक अंग्रेजीमे अनुवाद।

२०.चन्दा झा (१+३१-१९०७), मूलनाम चन्द्रनाथ झा, ग्राम- पिण्डारुछ, दरभंगा। कवीश्वर, कविचन्द्र नामसँ विभूषित। ग्रिअर्सनकेँ मैथिलीक प्रसंगमे मुख्य सहायता केलिहाव। कृति- मिथिला भाषा रामायण, गीति-सुधा, महेशवाणी संग्रह, चन्द्र पदावली, लक्ष्मीश्वर विलास, अहिल्याचरित आ२ विद्यापति रचित संस्कृत पुरुष-परीक्षाक गद्य-पद्यमय अनुवाद।

२१.सर्वतंत्र स्वतंत्र श्री धर्मदत्त झा(बच्चा झा) (1860 ई.-1918 ई.)

मिथिला आ' संस्कृत स्तंभमे एहि अंकमे सर्वतंत्र स्वतंत्र श्री धर्मदत्त झा जिनकर प्रसिद्धि बच्चा झाक नामसँ बेशी छन्हि, केर जीवनी द' रहल छी।
मधुबनी जिलांतर्गत नवाणी(नवानी) गाममे हिनकर जन्म भेलन्हि। वाराणसीमे श्री विशुद्धानन्द सरस्वती आ' बालशास्त्रीसँ शिक्षा ग्रहण करबाक बाद गाम आबि गेलाह आ' शारदा भवन विद्यापीठक स्थापना गाममे कएलन्हि। गुरुकुल पद्धति सँ एतय संन्यासी आ' गृहस्थ शिक्षा ग्रहण करैत छलाह। विद्यार्थीगणक खर्चा गुरुजी उठबैत रहलाह। द्वारकाक शंकराचार्य हिनका आमंत्रित कए नव्यन्यायक अध्ययन कएलन्हि। आस्तिक आ' नास्तिक आ' नव्यन्यायक विद्वत्तक दृष्टियें हिनका सर्वतंत्र स्वतंत्रक उपाधि देल गेलन्हि। हिनका बच्चामे लोक बच्चा झा कहैत छलन्हि, आ' एएह नाम धर्मदत्त झाक अपेक्षा बेशी प्रचलित रहल। हिनक कृति सभ अछि। 1. सुलोचन-माधव चम्पू काव्य, 2.न्यायवार्त्तिक तात्पर्य व्याख्यान, 3.गूढ़ ार्थ तत्त्वलोक(श्री मदभागवतगीता व्याख्याभूत मधुसूदनी टीका पर) 4.व्याप्तिपंचक टीका 5.अवच्छेदकत्व निरुक्ति विवेचन 6.सव्यभिचार टिप्पण 7.सतप्रतिपक्ष टिप्पण 8.व्याप्त्यनुगम विवेचन 9.सिद्धांत लक्षण विवेक 10.व्युत्पत्तिवाद गूढार्थ तत्त्वालोक 11.शक्तिवाद टिप्पण 12.खण्डन-ख ्ड खाद्य टिप्पण 13. अद्वैत सिद्धि चन्द्रिका टिप्पण 14.कुसुमांजलि प्रकाश टिप्पण.
महाराज लक्ष्मीश्वर सिंहक सिंहासनारोहणक बहुत दिन बाद धरि धौत परीक्षा लहि भेल छल। ई परीक्षा दरभंगा राजक संस्थापक श्री महेश ठाकुर द्वारा प्रारम्भ कएल गेल छल आ' एहिमे मौखिक परीक्षा द्वारा श्रेष्ठ पंडितक चयन कएल जाइत छल।
महाराज रमेश्वर सिंह एकर आयोजन करबओलन्हि आ' श्री गंगानाथ झाकेँ एकर दायित्व देल गेल। श्री गंगानाथ झा परीक्षार्थीक रूपमे सेहो आवेदन कएने छलाह। महाराज परेक्षाक हेतु लिखित पद्धतिक आदेश देने छलाह। प्रश्निक नियुक्त भेलाह श्री बच्चा झा आ' श्री शिव कुमार मिश्र। ई दुनू गोटे विलष्ठ प्राश्निक आ' कृपण परीक्षक मानल



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

জাগৃত ছলাহ। ম্দা তাহি পর শ্রী গংগানাথ ঝাকেঁ 200 মে 197 অংক ভেটলন্হি। মহারাজ প্রবান পরম্পরাক অনুসার হিনকা ধোতী তঁ দেলখিন্হ, ম্দা নবীন পদ্ধতিক অনুসার দ্শালা নহি দেলখিন্হ, কারণ সংস্কৃতক বিদ্বান্ হোযতহুঁ শ্রী গংগানাথ ঝাক ঝ্কার অংগ্রেজী দিশি ছল। শ্রী বঁচা ঝা প্রকান্ড পন্ডিত ছলাহ। মহারাষ্ট্র আ' কাশীক পন্ডিতক প্রসংগমে ও' কহৈত ছলাহ জে শব্দ খন্ডক প্রসংগমে ও' সভ কিছু নহি জনৈত ছলাহ। ওহি সমযমে মহামহোপাধ্যায দামোদর শাস্ত্রী কাশীক একটা প্রসিদ্ধ বৈযাকরণ ছলাহ। বিদ্বান লোকনিক স্বাগার পর দরভংগা মহারাজ গ্রকধামমে একটা পঁডিত সভাক আযোজন কএলন্হি। এহিমে হথ্আ মহারাজ বিশিষ্ঠ অতিথি ছলাহ। কাশীক সভ প্রমুখ বিদ্বান এহিমে উঁপস্থিত ছলাহ। প্রতিযোগী ছলাহ পং.বঁচা ঝা আ' ম.ম. দামোদর শাস্ত্রী ভরদ্বাজ। নির্ণাযিক ছলাহ পং.কৈলাশ শিরোমণি ভট্টাচার্য আ' ম.ম.পং শিব কুমার মিশ্র। একটা সরল সমস্যাসঁ শাস্ত্রার্থ প্রারম্ভ ভেল। একর নৈয্যাযিক পক্ষ লেলন্হি বঁচা ঝা আ' ব্যাকরণ পক্ষ পংদামোদর শাস্ত্রী।

দামোদর শাস্ত্রী অপন জরারেঁ অংত সরল শব্দমে বৈযাকরণিক আধার পর দ' দেলন্হি। আরেঁ বঁচা ঝাক বের আযল। বঁচা ঝা গহন পরিষ্কার প্রারম্ভ কএলন্হি। বিদ্বান লোকনিমে বিরাদ ভেলন্হি জে হুনকর প্রশ্ন প্রাসংগিক ছন্হি রা নহি। নির্ণাযিক লোকনি একরা প্রাসংগিক মানলন্হি। জৌঁ-জৌঁ বঁচা ঝা আগূ বঢ়ৈত গেলাহ হুনকর উঁত্তর দামোদর শাস্ত্রী আ' নির্ণাযিক লোকনিক হেতু অবোধগম্য হোগত গেলন্হি। মধ্য রাত্রি তক ই চলল। অন্ততঃ অনির্ণীত রাখি কএ সভা বিসর্জিত ভেল।

পং. রনেপালি ঝাক পুত্র কেঁ বঁচা ঝাকেঁ অপর গঙ্গেশ উঁপাধ্যায সেহো কহল জাগৃত অছি। হিনকর প্রারম্ভিক অধ্যযন গামে পর ভেলন্হি। তকরা বাদ ও' বিশ্বনাথ ঝাসঁ অধ্যযনক হেতু 'ঠাঢী' গাম চলি গেলাহ। ফের বৈদ্যনাথ ঝা আ' ঋদ্ধি ঝাসঁ ন্যাযদর্শনক বিধিরত অধ্যযন কএলন্হি। ফের ধর্মদত্ত ঝা প্রসিদ্ধ বঁচা ঝা কাশী গেলাহ। ওতয স্বামী বিশুদ্ধানন্দ সরস্বতীসঁ মীমাংসা, বেদান্তক অধ্যযন কএলন্হি।

সন্ 1886 ঈ. কের গপ ছী। একটা পুষ্করিণীক উঁদ্ঘাটনক উঁসেরমে দামোদর শাস্ত্রী জী কাশীসঁ মিথিলাক বাঘোপুর গ্রামমে নিমংত্রিত ভেল ছলাহ। ওতয হুনকর শাস্ত্রার্থ পরম্পরানুসার বঁচা ঝাক বিদ্যাগুরু ঋদ্ধি ঝাসঁ ভেল ছলন্হি। এহিমে ঋদ্ধি ঝা পরাস্ত ভেল ছলাহ। গুরুক পরাজযক প্রতিশোধ লেবাক হেতু সন্ 1889 মে বঁচা ঝা কাশী গেলাহ। বঁচা ঝাক উঁম্র ওহি সমযমে 29 বর্ষ মাত্র ছলন্হি। ও' প্রাযঃ দামোদর শাস্ত্রীকেঁ লক্ষ্য করৈত ছলাহ, জে কাশীক বৈয্যাকরণিক পন্ডিত লোকনিকেঁ শব্দ-খন্ডক কোনো জ্ঞান নহি ছন্হি। বঁচা ঝা সমস্ত কাশীক বিদ্বান্ লোকনিকেঁ শাস্ত্রার্থক হেতু ললকারা দেলন্হি। দামোদর শাস্ত্রীসঁ ভেল শাস্ত্রার্থক বর্ণন পছিলা অংকমে কএল জা' চুকল অছি। শাস্ত্রার্থ তীন দিন ধরি চলল। ই শাস্ত্রার্থ সন্ধ্যাসঁ শুরু হোগত ছল,



आ' मध्य रात्रि धरि चलैत छल। शास्त्रार्थक तेसर दिन दामोदर शास्त्री तर्क कएनाइ बन्न कए देलन्हि, आ' श्रोताक रूपमे बच्चा झाक तर्क सुनैत रहलाह। पं शिवकुमार शास्त्री आ' कैलाशचन्द्र शिरोमणि दू टा निर्णायक छलाह। शिरोमणिजीक दृष्टिमे वादी श्री बच्चा झाक पक्ष न्यायशास्त्रक दृष्टिसँ सम्रुचित छल। शिवकुमारजीक सम्मतिमे प्रतिवादी श्री दामोदरशास्त्रीक पक्ष व्याकरणक मतव्यान्वसार औचित्यसम्पन्न छलन्हि। दुनू पण्डितक शास्त्रार्थ कलाक संस्तुति कएल गेल आ' दुनू गोटेकेँ अपन सिद्धान्तक उत्कृष्ठ व्यवस्थापनक लेल विजयी मानल गेल।

बच्चा झा गाममे रहि कए अध्यापन करैत छलाह। तदा महाराजाधिराज दरभंगा नरेश श्री रमेश्वरसिंहक अकाट्य आग्रहक कारणसँ मुजफ्फरपुरक धर्म समाज संस्कृत कॉलेजक प्रधानाचार्यक पद स्वीकार कएलन्हि।

तदा एकर एकहि वर्षमे ओ' शरीर त्याग कए देलन्हि। बच्चा झाजीकेँ समालोचकगण किछु उद्दण्ड आ' अभिमानी मनुक्खक गनती करैत रहलाह अछि। तदा एकटा उदाहरण हमरा लगमे एहन अछि, जाहिसँ ई गलत सिद्ध होइत अछि।

ई घटना एहन सन अछि। मुजफ्फरपुर धर्मसमाज संस्कृत विद्यालयमे बच्चा झा प्रधानाचार्य/अध्यक्ष पद पर छलाह, आ' हुनकर शिष्य पं बालगोविन्द मिश्र ओतय प्राध्यापक छलाह। ओहि समय काशीक पण्डित-पत्रमे गंगाधर शास्त्रीक एकटा श्लोकक विषयमे बच्चा झा कहलन्हि, जे एहि श्लोकमे एकहि पदर्थ वारिधर एक बेर

मृदंग बजबय बला चेतन व्यक्तिक रूपमे आ' दोसर बेर रहि अम्बुद- जवनिकारूपी अचेतन रूपमे वर्णित अछि। एतय पदार्थशुद्धि अछि।

एहि पर हुनकर शिष्य बालगोविन्द टोकलथिन्ह- गुरुजी! एहिमे कोनो दोष नहि अछि। किएक तँ वारिकेँ धारण करए बला मेघ(वारिधर) केर स्थिति आकाशमे ऊपर होइत अछि, आ' अम्बु(जल) केँ देबय बला मेघ (अम्बुद) केर स्थिति नीचाँ होइत अछि। अतः दुनूमे स्थानक भिन्नता अछि। वारिधर आ' वारिद एहि दुनू शब्दसँ दू भिन्न अर्थ ज्ञात होइत अछि। ताहि हेतु एतय पदार्थक अशुद्धि नहि अछि।

ई श्लोक निम्न प्रकारे छल:-

मृदुमृदङ्गनिनादमनोहरे, ध्वनित वारिधरे चपला नटी।

वियति नृत्यति वङ्ग गराम्बुदे, जवनिकामनुकुर्वति सम्प्रति॥

२२. म.म. शंकर मिश्र

पन्द्रहम शताब्दीमे भवनाथ मिश्रक घरमे मधुबनी जिलाक सरिसब ग्राममे शंकर मिश्रक जन्म भेल। भवनाथ मिश्र बहुत पैघ नैय्यायिक छलाह आर कहियो ककरोसँ कोनो वस्तुक याचना नहि कएलन्हि, ताहि लेल सभ हुनका अयाची मिश्र कहए लगलन्हि। शंकर



মিশ্র পিতাসঁ অধ্যযন প্রাপ্ত কএলন্হি আ২ পৈঘ ভাএ জীরনাথ মিশ্রসসঁ রিদ্যাক অধিগ্রহণ কএলন্হি।
জখন শঁকব মিশ্র পাঁচ রর্ষক ছলাহ তঁ মহাবাজ শির সিংহক সৱাবী জা২ বহল ছল। বাজা ওহি প্রতিভাশালী ৱালককেঁ দেখলন্হি আ২ হুনকাসঁ পবিচয পুছলন্হি। তখন উত্তব ভেটৈলন্হি-
ৱালোঽহং জগদানন্দ ন মে ৱালা সবস্বতী।
অপূর্ণে পংচমে রর্ষে রর্ণযামি জগত্রযম্ ॥

ফেব বাজাক আগ্রহ পব ও২ দোসব শ্লোক পঢ়লন্হি-
চলিতশ্চকিতচ্ছন্নঃ প্রযাণে তর ভূপতে।
সহস্রশীর্ষা পুরুষঃ সহস্রাক্ষঃ সহস্রপাত্ ॥

বাজা প্রসন্ন ভএ দ্রব্য দেলথিন্হ জাহিসঁ, শঁকবক মাএ পোখবি খুনরৈলন্হি, ও২ পোখবি এখলো সবিসরঁমে অছি।
শঁকব মিশ্র মহাবাজ ভৈবর সিংহক কনিষ্ঠ পুত্র বাজা পুরুষোত্তমদেরক আশ্রিত ছলাহ। একব রর্ণন বসার্ণর গ্রংথমে ভেটৈত অছি।
শঁকব মিশ্র করি, নাটককাব, ধর্মশাস্ত্রী আ২ ন্যায-রৈশেষিক কেব ব্যাক্যাকাব বহথি।
শঁকব মিশ্র গ্রংথারলী-
১. ১.গৌবী দিগম্বব প্রহসন
২. ২.কৃষ্ণ রিনোদ নাটক
৩. ৩.মনোভরপবাভর নাটক
৪. ৪.বসার্ণর
৫. ৫.দুর্গা-টীকা
৬. ৬.রাদিরিনোদ
৭. ৭.রৈশেষিক সূত্র পব উপস্কাব
৮. ৮.কন্স্বমাঁজলি পব আমোদ
৯. ৯.খন্ডনখন্ড-খাদ্য টীকা
১০.১০.ছন্দাগান্হিকোদ্ধাব
১১.শ্রাদ্ধ প্রদীপ
১২.প্রাযশ্চিত প্রদীপ।
অংতিম তীনূ টা গ্রন্থ ধর্মশাস্ত্র পব লিখল গেল আ২ ক্রমসঁ সামরেদক অনুসাবে দৈনিক ধার্মিক কৃত্যক নিযমারলী, শ্রাদ্ধ কর্ম আ২ প্রাযশ্চিতিক অনুষ্ঠানসঁ সংরঁধিত অছি। শঁকব মিশ্রসঁ সংরঁধিত ৱহুত বাস জনশ্রুতি প্রসিদ্ধ অছি। অযাচী বৃদ্ধ ভএ গেল ছলাহ, পবন্তু



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

প্বত্ররিহীন বহথি। পনী ভরানী দ্ঃখসঁ কাঁঠ ভএ গেন ছনীহ। তখন খযাচী মিশ্রি ৰাঁৰা রৈদ্যনাথসঁ প্বত্রক যাচনা কএনন্হি খাঽ হ্নকব মনোকামনা পূর্ণ ভেনন্হি–স্বয়ং শঁকব ভগরান খরতবিত ভেনাহ খাঽ তাহি দ্বাবে ৰাঁনকক নাম শঁকব পড়ন। জন্ম পব গামক খাযা কিঁরা চমৌন গনাম মঁগনখিন্হ, হ্মদা পবিরাবক নগমে কিছু নহি ছন খাঽ তাহি হেত্ত ভরানী রচন দেনখিন্হ জে ৰাঁনকক প্রথম কমাগ খহাঁকেঁ দএ দের। সে জখন এক রেঁব বাজা শির সিঁহ খ্শী ভএ ৰাঁনককেঁ কহনখিন্হ জে খহাঁ জতেক সোনা–চাঁদী নএ জা সকী নএ জাঙু। ৰাঁনক মাত্র ধবিযা পহিবনে ছনাহ তেঁ মাত্র কিছু সোনাক ছড় নএ জাঽ সকনাহ, খাঽ সেহো ভরানী খপন রচনক খন্বরূপে খাযা–চমৌনকেঁ দএ দেনখিন্হ। চমৌন ওহি পাগসঁ একটা পোখবি সবিসরমে খ্নরএনন্হি, জে চমনিযাঁ পোখ্রিক নামসঁ এখনো রিদ্যমান খছি।

২৩. রিদ্যাপতি(১৩৬০–১৪৬০)রিদ্যাপতিক জন্ম ১৩৭০ ঙা.ক নগাতিমে রিস্ফী গামমে ভেনন্হি। হিনকব পবরতী সন্ত খাগ–কান্হি সৌবাঠ গামমে বহৈত ছথি। একব প্রমাণ নিম্ন গপ সন্তসঁ নগৈত খছি। ১৩৯৪–৯৬ ক রীচ কএন পদক সমর্পণ গিযাসৌদ্দীন খাজমশাহ খা নসবত শাহকেঁ কএন গেন খছি। দের সিঁহক খাদেশ সঁ ১৪০০ ঙা.ক নগাতিমে ঙা "ভূ–পবিক্রমা নিখনন্হি। ১৪০২–০৪ ক রীচ কীর্তিনতাক বচনা কীর্তি সিঁহক বাজ্যকানমে কএনন্হি। ১৪০৯–১৪১৬ ঙা.ক রীচ কীর্তিপতাকাক বচনা। পূর্বার্ধ ১৪০৯ ক নগাতিমে মে – হবি কেনি খর্জ্ন সিঁহক কীর্তিগাথাসঁ সম্বন্ধিত খছি খা উত্তবার্ধ ১৪১৬ ক নগাতিমে শিরসিঁহক যদ্ধ খা তিবোধানসঁ সম্বন্ধ খছি। রিদ্যাপতি জীক খাদেশসঁ ১৪১০ ঙা. মে "কার্য প্রকাশ রিরেক"ক প্রতিনিপি ৰনাওন গেন। ১৪১০ ঙা.মে শিরসিঁহক বাজ্যাবোহণ ভেন খা এহি উপক্ষ্যমে রিদ্যাপতিকেঁ রিসপীক দানপত্র প্রদান কএন গেন। শিরসিঁহক বাজ্যকান ১৪১০–১৪ ঙা. ধবি বহন খা এহি খরধিমে গোবক্ষ রিজয নাটক খা প্বরুষ–পবীক্ষা খধিকাংশ ভাগক বচনা ভেন। ১৪১৬ ঙা. ক নগাতি প্ববাদিত্যক খাদেশসঁ নিখনারনীক নির্মাণ ভেন। ১৪২+ ঙা. মে ভাগরত প্ববাণক রিদ্যাপতি নিখিত প্রতিনিপি পূর্ণ ভেন। ১৪২৭–১৪৩৯ ঙা. মে পদ্ম সিঁহক মহাবানী রিশ্বাস দেরী ক খাদেশসঁ শৈর সর্বস্বসাব, শৈর সর্বস্বসাব প্রমাণ ভূত সংগ্রহ খা গংগা রাক্যারনীক বচনা, ১৪৬৩–৬০ ঙা.ক নগাতি বাজা নবসিঁহ দর্পনাবাযণ খা বানী ধীবিমতিক সমযমে রিভাগসাব, র্যাডিভক্তি তবংগিণী খা দানরাক্যারনীক বচনা ভেন। ১৪৬৬ ঙা. ক নগাতি ভৈবর সিঁহক খন্বত্তোসঁ "দ্র্গাভক্তি তবংগিণী"ক বচনা ভেন খা ১৪৬১ ঙা. মে শ্রী রূপধব হিনকাসঁ ছাত্র রূপমে খধ্যযন কএনন্হি। ১৪৬৬ ঙা.ক খাসপাস হিনকব মৃত্য ভেন হোএতন্হি, জনশ্রুতি খছি জে ঙা দীর্ঘাযু ভেন ছনাহ খা সএ রবখক খাযু প্রাপ্ত কএনে ছনাহ। হিনকব বচনামে এক রেঁব জগজ্জননী সীতাক চবচা এহি রূপমে খাএন খছি–



I .
इन्द्रस्येव शची समुज्ज्वलगुणा गौरीव गौरीपतेः कामस्येव रतिः स्वभावमधुरा सीतेव रामस्य या। विष्णोः श्रीरिव पद्मसिंहनृपतेरेषा परा प्रेयसी विश्वख्यातनया द्विजेन्द्रतनया जागर्ति भूमण्डले ॥ १ ॥

उपर्युक्त पद्य विद्यापतिकृत शैवसर्वस्वसारक प्रारम्भक तेरम श्लोक छी। एकर अर्थ अछि- उत्कृष्ठ गुणवती, मधुर स्वभाववाली, ब्राह्मण-वंशजा, नीति-कौशलमे विश्वविख्यातओ' महारानी विश्वासदेवी सम्प्रति संसारमे सुशोभित छथि, जे पृथ्वी-पति पद्मसिंहकेँ तहिना प्रिय छलीह जहिना इन्द्रकेँ शची, शिवकेँ गौरी, कामकेँ रति , रामकेँ सीता ओ' विष्णुकेँ लक्ष्मी ॥ १ ॥

२४.श्रीकर

श्रीकर प्रथम मैथिल निबन्धकार छलाह। विज्ञानेश्वर, हरिनाथ, जीमूतवाहन चण्डेश्वर ठाकुर आ सभ श्रीकरक विचारक उल्लेख कएने छथि। श्रीकर एहि हिसाबेँ सातम शताब्दीक बुझना जाइत छथि।
श्रीकर याज्ञवल्क्य आ लक्ष्मीधरक बीचक सूत्र छथि। ओ६ कल्पतरु लिखलन्हि, जाहिमे १४ भाग छल, मुदा हुनकर कोनो कार्य एखन उपलब्ध नहि अछि।
श्रीकरक अनुसार आध्यात्मिक लाभ उत्तराधिकारक लेल आवश्यक अछि। चण्डेश्वर ठाकुर अपन राजनीतिरत्नाकरमे श्रीकरक सिद्धांत आ सिद्धांत रखने छथि, जे गबीबेँक अधिकार राजा आ राज्यक सम्पत्तिमे छैक।

२५.लक्ष्मीधर

कृत्यकल्पतरुक लेखक लक्ष्मीधर भट्ट हृदयधरक पुत्र छलाह। हुनकर पिता राजा गोविन्दचन्द्रक दरबारमे शान्ति आ युद्धक मंत्री छलाह। लक्ष्मीधर मीमांसक छलाह। चण्डेश्वर, वाचस्पति आ रुद्रधर अपन-अपन रचनामे लक्ष्मीधरक उद्धरण प्रचुर मात्रामे देने छथि। लक्ष्मीधर एगारहम शताब्दीक दोसर भाग आ बारहम शताब्दीक पहिल भागमे अवतरित भेल छलाह।
लक्ष्मीधरक कृत्यकल्पतरु महाभारतक एक तिहाइ आकारक अछि आ जीवन जीबाक कला आ नियमक वर्णन करैत अछि। मैथिल-स्मृतिशास्त्रक आ श्रेष्ठतम योगदान अछि। चण्डेश्वरक विवाद रत्नाकर पूर्ण रूपसँ कृत्यकल्पतरुपर आधारित अछि, विद्यापतिक विभागसार सेहो कल्पतरुक विषयसूचीक प्रयोग करैत अछि।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



लक्ष्मीधरक विचार- राजाक कार्य कानून आ॰ न्याय प्रदान केनाइ छैक। व्यवहार तार्किक रूपसँ राजधर्मक रूपमे बुझल जा॰ सकैत अछि। राज्यक सात टा पारम्परिक तत्वक सेहो चरचा भेटैत अछि। राजाक कर्तव्यक छह प्रकारक षडगुण्यम केर सेहो चर्च अछि। राजशाहीकेँ ओ॰ सबकारक एकमात्र विकल्प कहैत छथि। मुदा लक्ष्मीधर राजाक दैविक उत्पत्तिमे विश्वास नहि करैत छथि। राजा जनताक श्रेष्ठी अछि, न्यायी अछि आ॰ धर्मक अनुसार कार्य करैत अछि। मुदा राजाकेँ धार्मिक-कानून बदलबाक कोनो अधिकार नहि छल। सर्वभौमिकताक अभिषेकक बाद राजाक शिक्षा-दीक्षा आ॰ जनताक प्रति आदरपर ओ॰ बहुत जोड़ देलन्हि। लक्ष्मीधर राजकर्मचारीक आचार-संहितापर बड़ जोर दैत छथि। दण्डक विवरण ओ॰ राजमहल आ॰ किलाक रूपमे करैत छथि।

२६.हरिनाथ (१३००-१४०० ई.)

हरिनाथ गंगौर मूलक मैथिल ब्राह्मणक छलाह आ॰ हुनकर पौत्र शिवनाथक विवाह पाली मूलक ज्योतिरीश्वर ठाकुरक पुत्रीसँ भेल छलन्हि। हिनकर विवाह गलतीसँ अपन परिवारक वंशजसँ भ॰ गेलन्हि, ताहि द्वारे हरसिंहदेव पञ्जी व्यवस्थाक प्रारम्भ केलन्हि।
हरिनाथ स्मृतिसार लिखलन्हि, जे धर्मशास्त्रक विभिन्न अध्यायपर आधारित छल। हरिनाथ संस्कारक + भेद करैत छथि। आचार खण्डमे संस्कारक अतिरिक्त आह्निका- द्विजक नित्यकर्म, श्राद्ध आ॰ प्रायश्चितक विवरण अछि।
विवाद, व्यवहार आ॰ उत्तराधिकारपर सेहो हरिनाथ लिखने छथि। ज्येष्ठ पुत्रकेँ जेठांश, स्त्रीधन, पुत्रक विभिन्न प्रकार, विभिन्न प्रकारक दण्ड इत्यादिक वर्णन हरिनाथ कएने छथि। विधिमे कोना कम्प्लेन फाइल करी, ओकर उत्तर, न्याय आ॰ न्यायक आधार आ॰ न्यायक पुनरीक्षण, एहि सभक चरचा अछि। विवादक १+ टा प्रकार आ॰ सिविल आ॰ आपराधिक विधि जे न्यायालयमे अपनाओल जाइत अछि, तकर विवरण हरिनाथ देने छथि।

२७.चाणक्य...कौटिल्य

चाणक्य भारतकेँ एकटा स्वदृढ़ आ॰ केन्द्रीकृत शासन प्रदान कएलन्हि, जकर अनुभव भारतवासीकेँ पूर्वमे नहि छलन्हि।
चाणक्यक जीवन आ॰ वंश विषयक सूचना अप्रामाणिक अछि। चाणक्यक आन नाम सभ सेहो अछि। जेना कौटिल्य, विष्णुगुप्त, वात्स्यायन, मालांग, द्रामिल, पाक्षिल, स्वामी आ॰ आंगुल। विष्णुगुप्त नाम कामंदक केर नीतिसार, विशाखादत्तक मुद्राराक्षस आ॰ दंडीक दशकुमारचरितमे भेटैत अछि। अर्थशास्त्रक समापनमे सेहो ई चर्च अछि जे नन्द



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

রাজাসঁ ভূমিকেঁ উদ্ধার কেলনিহার বিষ্ণুগুপ্ত দ্বারা অর্থশাস্ত্রক রচনা ভেল। অর্থশাস্ত্রক সভটা অধ্যায়ক সমাপনমে একর রচয়িতাক রূপমে কৌটিল্যক বর্ণন অছি। জৈন ভিক্ষু হেমচন্দ্র হিনকা চণকক পুত্র কহৈত ছথি। অর্থশাস্ত্রমে উল্লিখিত অছি জে কৌটিল্য কুটাল গোত্রমে উৎপন্ন ভেলাহ।
পন্দ্রহম অধিকরণমে কৌটিল্য অপনাকেঁ ব্রাহ্মণ কহৈত ছথি। কৌটিল্য গোত্রক নাম, বিষ্ণুগুপ্ত ব্যক্তিগত নাম আর চাণক্য বংশগত নাম বুঝনা জাগত অছি।
ধর্ম আর বিধিক ক্ষেত্রমে কৌটিল্যক অর্থশাস্ত্র আর যাজ্ঞবল্ক্য স্মৃতিমে বড্ড সমানতা অছি জে চাণক্যক মিথিলাবাসী হোয়বাঁক প্রমাণ অছি।
অর্থশাস্ত্রমে(১.৬ বিনযাধিকারিকে প্রথমাধিকরণে ষডোঽধ্যায: ইন্দ্রিযজযে অরিষড্রর্গত্যাগ:) করাল জনক কের পতনক সেহো চর্চা অছি।
তদ্বিরুদ্ধবৃত্তিরবশ্যেন্দ্রিযশ্চাতুরন্তোঽপি রাজা সদ্যা বিনশ্যতি- যথা

দাণ্ডক্যা নাম ভোজ: কামাদ্ ব্রাহ্মণ কন্যামভিমন্যমান: সবন্ধুরাষ্ট্রো বিননাশ করালশ্চ বৈদেহ: ,.... ।

অর্থশাস্ত্রমে ১৫ টা অধিকরণ অছি। সভ অধিকরণ কের বিভাজন প্রকরণমে ভেল অছি।
কৌটিল্যক রাজ্য সংবন্ধী বিচার সপ্তাংগ সিদ্ধান্তমে অছি। স্বামী, অমাত্য, রাষ্ট্র, দুর্গ, কোষ, দংড আর মিত্র কের রূপমে রাজ্যক সাতটা অংগ অছি। কউতিল্যক সংপ্রভুতা সিদ্ধান্তমে রাজ্যক প্রাশসনিক বিভা রা তীর্থক চর্চ অছি- ই ১৮ টা অছি।
১.মংত্রী২.পুরোহিত৩.সেনাপতি৪.যুবরাজ৫.দৌবারিক৬.অংতর্বংশিক৭.প্রশাস্ত্র৮.সংহর্তা৯.সন্নিধাত্রা১০.প্রদেষ্টা১১.নায়ক১২.পৌর ব্যাবহারিক১৩.কর্মাংতিক১৪.মংত্রিপরিষদাধ্যক্ষ১৫.দংডপাল১৬.দুর্গপাল১৭.অংতপাল১৮.আটবিক।
বিধিক চরিটা স্রোত অছি- ধর্ম, ব্যবহার, চরিত্র আর রাজশাসন।
কৌটিল্যক অতররাজ্য সংবংধ কের সিদ্ধাংত মংডল সিদ্ধাংত কের নামসঁ প্রতিপাদিত অছি। বিজিগীষু রাজা- বিজয কের ইচ্ছা রখনা রাজা- কের চারু কাত অরিপ্রকৃতি রাজা আর অরিপ্রকৃতি রাজাক সীমা পর মিত্র প্রকৃতি রাজা রহৈত ছথি। বিজ্গীষু রাজাক সোঝাঁ মিত্র, অরিমিত্র, মিত্র-মিত্র আর অরিমিত্র-মিত্র রহৈত ছথি আর পাছাঁ পার্ষ্ণিগ্রাহ৯পীঠক শত্রু), আক্রংদ (পীঠক মিত্র), পার্ষ্ণিগ্রাহাসার (পার্ষ্ণিগ্রাহক মিত্র) আর আক্রংদসার (আক্রংদক মিত্র) রহৈত ছথি।
বিজিগীষুক ষাড্গুণ্য সিদ্ধাংত অছি, সংধি, বিগ্রহ, যান, আসন, সংশ্রয আর দ্বৈধীভার।
কউটিল্যক অর্থশাস্ত্রক প্রথম অধিকরণক পন্দ্রহম অধ্যাযমে দূত আর গুপ্তচর ব্যবস্থাক বর্ণন অছি।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



ভাবতীয শিলালেখসঁ পতা চলৈত অছি জে চন্দ্রগুপ্ত মৌর্য ৩২১ ঈ.পূ. মে আ২ অশোকবর্দ্ধন ২৯৬ ঈ.পূ. মে বাজা বননাহ। তদনুসাব অর্থশাস্ত্রক বচনা ৩২১ ঈ.পূ আ২ ২৯৬ ঈ.পূ. কেব বীচ ভেল সিদ্ধ হোগত অছি।

২৮.যাজ্ঞবল্ক্য

যাজ্ঞবল্ক্য মিথিলাক দার্শনিক বাজা প্রতি জনকক দববাবমে ছলাহ। হুনকব মাতাক বা পিতাক নাম সম্ভরতঃ রাজসনী ছলন্হি। ওনা হুনকব পিতা দেরবাতকেঁ মানল জাগত ছন্হি। হুনকব মাতা ঋষি বৈশম্পাযনক বহিন ছলীহ। বৈশম্পাযন যাজ্ঞবল্ক্যক মামা ছলাহ সংগহি হুনকব গুরু সেহো। হুনকব পিতা খেলাগ প্রবস্কাবক রূপমে রঁহৈত বহথি আ২ তেঁ হুনকব নাম রাজসনি সেহো ছন্হি। র্যাসক চাব প্রত্রসঁ ও২ চাব বেদক শিক্ষা পওলন্হি। যজুর্বেদ ও২ বৈশম্পাযনসঁ সেহো সিখলন্হি, বেদান্ত উদ্দালক আরুণিসঁ আ২ যোগক শিক্ষা হিরণ্যনাভসঁ লেলন্হি।
যাজ্ঞবল্ক্যক দু টা পত্নী ছলথিন্হ, ১. কাত্যাযনী আ২ দোসব মৈত্রেযী। মত্রেযী ব্রহ্মরাদিনী ছলীহ। কাত্যাযনীসঁ হুনকা তীনটা প্রত্র ছলন্হি- চন্দ্রকান্তা, মহামেঘ আ২ রিজয।

যাজ্ঞবল্ক্য ১. শুক্ল যজুবরেদ, ২. শতপথ ব্রাহ্মণ, বৃহদাবণ্যক উপনিষদ আ২ যাজ্ঞবল্ক্য স্মৃতিক দৃষ্টা/লেখক ছথি। যাজ্ঞবল্ক্য স্মৃতিমে আচাব, ব্যরহাব, আ২ প্রাযশ্চিত অধ্যায অছি। বাজধর্ম, সিরিল আ২ ক্রিমিনল ল' এহিমে অছি। কৌটিল্য জেকাঁ যাজ্ঞবল্ক্য সেহো মানৈত ছথি জে বাজা আ২ প্রবহিত দুনু দন্ডনীতিক জ্ঞান বাখথি। যাজ্ঞবল্ক্য বাজ্যক সপ্তাংগ সিদ্ধাংতক চবচা সেহো রিস্তাবমে কবৈত ছথি।

২৯.জনক

'বৈদেহ বাজা' ঋগরেদিক কালক নমী সপ্যাক নামসঁ ছলাহ, যজ্ঞ কবৈত সদেহ স্বর্গ গেলাহ। ঋগরেদমে বর্ণন অছি। ও২ ইন্দ্রক সংগ দেলন্হি অসুব নমুচীক রিরুদ্ধ আ২ তাহিমে ইন্দ্র হুনকা বঁচওলন্হি।
প্রবোহিত গৌতম বাহুগণ ঋগরেদক একটা মহত্বপূর্ণ ঋষি ছথি। শুক্ল যজুবরেদক লেখক রূপমে যাজ্ঞবল্ক্য প্রসিদ্ধ ছথি। শতপথ ব্রাহ্মণক মাথর রিদেহ আ২ প্রবাণক নিমি দুনু গোটেক প্রবোহিত গৌতম ছথি সে দুনু একে ছাথি আ২ এতএসঁ রিদেহ বাজ্যক প্রাবম্ভ দেখল জা২ সকৈত অছি। মাথরক প্রবহিত গৌতম মিত্ররিন্দ যজ্ঞক/বৈদিক প্রাবম্ভ কএলন্হি আ২ প্লনঃ একব প্লনঃস্থাপনা ভেল মহাজনক ২ কেব সমযমে যাজ্ঞবল্ক্য দ্বাবা। নিমি গৌতমক আশ্রমক লগ জযন্ত আ২ মিথি জিনকা মিথিলা নামসঁ সেহো সোব



কএন জাগত ছন্হি, মিথিনা নগবক নির্মাণ কএনন্হি।
'সীবধ্বজ জনক' সীতাক পিতা ছথি খাহ এতযসঁ মিথিনাক বাজাক স্বদৃঢ় পবম্পবা দেখরাঁমে খরৈঁত খছি। 'হ্রতি জনক' সীবধ্বজক রাঁদক 18ম প্বস্তমে ভেন ছনাহ। হ্রতি হিবণ্যনাভক প্বত্র ছনাহ, খাহ জনক রঁহ্নাশ্বিক প্বত্র ছনাহ। যাজ্ঞরনক্য হিবণ্যাভক শিষ্য ছনাহ, হ্নকাসঁ যোগক শিক্ষা নেনে ছনাহ। কবান জনক দ্বাবা একটা ব্রাহ্মণ যুরতীক শীন-খপহবণক প্রযাস ভেন খাহ জনক বাজরংশ সমাপ্ত ভএ গেন (খশ্বিঘোষ-র্বুদ্ধচবিত খাহ কৌটিন্য-খর্থশাস্ত্র)

মৌথিনীক প্বরোধা জযকান্ত মিশ্র (1922-2009) ক 3 ফবররী 2009 কেঁ সাত রঁজে সাঁঝমে নিধন ভ' গেনন্হি।

মৌথিনী সাহিহক একটা রঁড় পৌঘ রিদ্বান ডॉ. জযকাঁত মিশ্র 1982 ঞ. মে গনাহারাঁদ রিশ্বরিদ্যানযক খংগ্রেজী খা খাধ্নিক যূরোপিযন ভাষা রিভাগক প্রাফেসব খা হেড পদ সঁ সেরা নিরৃত্ত ভেন ছনাহ। তকবা রাঁদ ও চিত্রকূট গ্রামোদয রিশ্বরিদ্যানযমে ভাষা খা সমাজ রিজ্ঞানক ডীন রূপমে কার্য কএনন্হি।

স্ব. মিশ্র খখিন ভাবতীয মৌথিনী সাহিহ সমিতি, গনাহারাঁদক খধ্যক্ষ, গংগানাথ বিসর্চ গংস্টীট্যূট, গনাহারাঁদক খরৈতনিক সচির খা সম্পাদক, হিন্দী সাহিহ সম্মনন, প্রযাগক প্ররঁন্ধ রিভাগক সংযোজক খা সাহিহ খকাদমী, নঞা দিল্লীক মৌথিনী প্রতিনিধি খা ভাষা সম্পাদক বহন ছনাহ।

মৌথিনী সাহিহক গতিহাস, ফোক নিটেরেচব ऑফ মিথিনা, কীর্তনিযা ড্রামা সভক ক্রিটিকন এডীশন, নেকচর্স ऑন থॉমস হার্ডী, নেকচর্স ऑন ফোব পোএট্স খা দ কॉমপ্লক্স স্টাগন গন এংগনিশ পোএট্রী হিনক নিখিত কিছু গ্রংথ খছি।

হিনকব বৃহত মৌথিনী শব্দ কোষ মাত্র দূ খন্ড প্রকাশিত ভএ সকন, জাহিমে দেরনাগবীক সংগ মিথিনাক্ষব খা ফোনেটিক খংগ্রেজীমে সেহো মৌথিনী শব্দক নাম বহএ। ঞ দূনূ খন্ড মৌথিনী শব্দকোষ সংকনক নোকনিক নেন সর্বদা প্রেবণাস্পদ বহত।

রিদেহ ডাটারেঁস খাধাব পব সোনহ খন্ডমে গজেন্দ্র ঠাকুব, নাগেন্দ্র কুমাব ঝা খা পঞ্জীকাব রিদ্যানন্দ ঝাক মৌথিনী খংগ্রেজী শব্দকোষ জাহিমে মিথিনাক্ষব খা খংতবষ্ট্রীয ফোনেটিক বোমন খা দেরনাগবীমে শব্দ খা শব্দার্থ দেন গেন খছি প্রেসমে খছি খা এহি



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

মাসমে ওকব পহিল খন্ড প্রকাশিত ভএ জাএত। ঞ পোথী দীনবন্ধু ঝা, জযকাংত মিশ্র আ গোবিন্দ ঝাকেঁ সমর্পিত কএল জা বহল অছি।

স্ব. জযকাংত মিশ্রকেঁ মৈথিল আব মিথিলা পবিবাব দিসসঁ শ্রদ্ধাংজলি।

এহি ঘটনাপব মৈথিলী ভাষা-সাহিত্যক প্রসিদ্ধ সমীক্ষক প্রাফেসব ডা. প্রেমশংকব সিংহ জীক উদ্গাব-

" ডা. জযকাংত মিশ্রক মৃত্যু মৈথিলীক লেল একটা অপূবণীয ক্ষতি অছি। মৈথিলীক লেল হিনকব সেবাক কোনো জোড় নহি অছি, গ্রিযর্সনক বাদ ঞ একমাত্র এহন মৈথিলী প্রেমী বহথি জে মৈথিলীকেঁ বিশ্ব-স্তব তক অনলন্হি আ বিশ্বক সোঝাঁ অনলন্হি।"

এহি ঘটনাপব মৈথিলী ভাষা-সাহিত্যক প্রসিদ্ধ কবি-কথাকাব ডা. গংগেশ গুংজন জীক উদ্গাব-

"জযকাংত বাবূক নিধন বহুত সাংঘাতিক সূচনা। সমস্ত মৈথিল, মিথিলা আ মিথিলাংচল লেল। কিছু কহল সম্ভব নহি ভ' বহল অছি....।"

ডা বিজযকাংত মিশ্রা জিক জন্ম ১০ অগস্ত ১৯২৭

ডো. বিজযকাংত মিশ্রক জন্ম মংগবৌনী গাম – জে নব্য ন্যায আ তাংত্রিক সাধনাক জন্ম-স্থলী অছি- (জিলা মধুবনী) মে
ভেলন্হি।

ঞ 1948 মে প্রাচীন ভাবতীয ঞতিহাস আ সংস্কৃতি বিষযমে এলাহাবাদ বিশ্ববিদ্যালযসঁ স্নাতকোত্তব উপাধি কএলাক বাদ কতেক ববখ ধবি বিহাব সবকাব আ পটনা বিশ্বিদ্যালযসঁ সম্বদ্ধ বহলাহ আ 1957 ঞ. সঁ ভাবতীয পুবাতত্ত্ব বিভাগমে কাজ কএলন্হি আ ওকব শিশুপালগঢ়, কৌশাম্বী, বৈশালী, হস্তিনাপুব, কুম্হবাব, পাটলিপুত্র, কবিযন, সোনপুব, বিনাবলী, নালন্দা, বাজগীব, চন্দ্রবল্লী, আ হম্পী খুদাগমে বিভিন্ন ভূমিকামে ভাগ লেলন্হি।
হিনকব লিখল-সম্পাদিত পোথী সভমে অছি:
1.বৈশালী,1950
2.কুম্হবাব এক্সকেবেশংস: 1950-1957
3.পুবাতত্ত্ব কী দৃষ্টিমে বৈশালী



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

4.নাগেশ ভট্টাজ পারিভাষেন্দুশেখর
5.মিথিলা আর্ট এন্ড আর্কিটেক্চর (সম্পাদিত)
6.কলচরল হেরিটেজ অফ মিথিলা
7.শৃংগার ভজনাবলী- এক অধ্যযন
8.ক্ষেত্র পুরাতত্ত্বরিজ্ঞান –
9.পুরাতত্ত্ব শব্দাবলী

স্ব. অনিলচন্দ্র ঠাকুর জীক জন্ম 13 সিতম্বর 1954 ঈ.কেঁ কটিহার জিলাক সমেলী গামমে ভেলন্হি। 1982 ঈ.মে হিন্দী সাহিত্যমে স্নাতকোত্তর কেলাক বাদ নরম্বর '93 সঁ নরম্বর '94 ধরি "স্বরহ" হস্তলিখিত পত্রিকাক সম্পাদন-প্রকাশন কএলন্হি আ কোশী ক্ষেত্রীয গ্রামীণ বৈংকমে অধিকারী বহথি। মৈথিলী, অংগিকা, হিন্দী আ অংগ্রেজীমে সমানরূপেঁ লেখন। মৃত্যুক পূর্ব ব্রেন ট্যুমরসঁ বীমার চলি বহল ছলাহ।
প্রকাশিত কৃতি:
আবঁ মালি জাঙ(মৈথিলী উপন্যাস)- পহিলে ভারতী-মংডন পত্রিকামে প্রকাশিত ভেল, ফের মৈলোবংগ দ্বারা পুস্তকাকার প্রকাশিত ভেল।
কচ(অংগিকাক পহিল খন্ড কাব্য,1975)
এক ওর রাম (হিন্দী নাটক,1981)
এক ঘর সড়ক পর (হিন্দী উপন্যাস, 1982)
দ পপেট্স (অংগ্রেজী উপন্যাস, 1990)
অনত কহাঁ সুখ পারৈ (হিন্দী কহানী সংগ্রহ,2007)

আবঁ মালি জাঙ(মৈথিলী উপন্যাস)- এহি উপন্যাসমে এক এহন যুরতীক সংঘর্ষ-গাথা অংকিত অছি জে অপন নগনসঁ জীরন বঁদলৈত অছি। অসংখ্য গামক ঙ কথা, কুলীনতাক অধঃপতনক কথা, সংস্কারবিহীনতাক উদ্ঘাটন আ ভরিষ্যক পীঢ়ী কেঁ বঁচএবাক চেতৌনী ছী ঙ কথা।

অণিমা সিংহ

(১৯২৪-)—সমীক্ষিকা, অনুরাদিকা, সম্পাদিকা। প্রকাশন: মৈথিলী লোকগীত, রসরেশ্বর (অনু.) আদি। লেডী ব্রেবোর্ন কালেজ, কলকত্তামে পূর্ব প্রাধ্যাপিকা।

লিলী রে



জন্ম:২৬ জনরবী, ১৯৩৩,পিতা:ভীমনাথ মিশ্র,পতি:ড◌ॉ. এচ.এন্.রে, দ্গাগিংজ, মৌথিনীক রিশিষ্ঠ কথাকাব এরং উঁপন্যাসকাব । মবীচিকা উঁপন্যাসপব সাহিত্য খকাদেমীক ১৯৮২ ঙা. মে প্ববস্কাব। মৌথিনীমে নগভগ দূ সয কথা খা পাঁচ টা উঁপন্যাস প্রকাশিত। রিপ্বন রাঁন সাহিত্যক সৃজন। খনেক ভাবতীয ভাষামে কথাক খন্বরাদ-প্রকাশিত। প্ররোঁধ সম্মান প্রাপ্ত।

শাঁতি স্বমন

জন্ম 15 সিতম্ববব 1942, কাসিমপ্বব, সহবসা, রিহাব, প্রকাশিত হ্নতি, "ও প্রতীক্ষিত, পবছাঙা ঠুঁঠৌতী, স্বনগতে পসীনে, পসীনে কে বিশ্ত, মৌসম হ্খা করীব, সময চেতারনী নহী দেতা, তপ রেহে কচনাব, ভীতব-ভীতব খাগ, মেঘ গন্দ্রনীন (মৌথিনী গীত সংগ্রহ), শোধ প্ররঁধ: মধ্যরগীঁয চেতনা ওঁব হিন্দী কা খাধ্নিক কাব্য, উঁপন্যাস: জন ম্কা হিবন। সম্মান: সাহিত্য সেরা সম্মান, করি বনে সম্মান, মহাদেরী রর্মা সম্মান। খধ্যাপন কার্য।

শেফানিকা রর্মা

জন্ম:৯ খগস্ত, ১৯৪৩,জন্ম স্থান : রঁগানী টৌনা, ভাগনপ্বব । শিক্ষা:এম., পী-এচ.ডী. (পটনা রিশ্বরিদ্যানয),সম্প্রতি: এ. এন. কানেজ মে হিন্দীক প্রাধ্যাপিকা । প্রকাশিত বচনা:মহরৈত নোব, রিজ্কৈত ঠোব । নাবী মনক গ্রন্থিকেঁ খোনি:ককণ বসসঁ ভবন খধিকতব বচনা। প্রকাশিত হ্নতি :রিপ্রনব্ধা করিতা সংগ্রহ,স্মৃতি রেখা সংস্মবণ সংগ্রহ,একটা খাকাশি কথা সংগ্রহ, যাযারবী যাত্রারৃত্তান্ত, ভারাঞ্জনি কাব্যপ্রগীত । ঠহবে হ্এ পন হিন্দীসংগ্রহ ।

গনাবানী সিংহ

জন্ম 1 জ্নাঙা, 1945, নিধন : 13 জূন, 1993, পিতা: প্রা. প্ররোঁধ নাবাযণ সিংহ সম্পাদিকা : মিথিনা দর্শন, রিশেষ খধ্যযন: মৌথিনী, হিন্দী, রঁগনা, খংগ্রেজী, ভাষা রিজ্ঞান এরং নোক সাহিত্য। প্রকাশিত হ্নতি: সনোমা (খাস্কব রাগন্ডেক ফ্রেঁচ নাটকেক খন্বরাদ 1965), প্রেম এক করিতা (1968) রঁগনা নাটকেক খন্বরাদ, রিষরৃক্ষ (1968) রঁগনা নাটকেক খন্বরাদ, রিন্দংতী (1972), স্ববচিত: মৌথিনী করিতা সংগ্রহ (1973), হিন্দী সংগ্রহ।

নীবজা রেণ্ব

জন্ম: ১১ অক্টূবর ১৯৪৩,নাম: কামাখ্যা দেবী,উপনাম:নীরজা রেণু,জন্ম স্থান:নরহৈন,সরিসরপাহী । শিক্ষা: বী.এ. (আনর্স) এম.এ.,পী-এচ.ডী.,গৃহিণী । প্রকাশিত বচনা:ওসকণ (কবিতা মি.মি., ১৯৬০) লেখন পর পারিবারিক, সাঁস্কৃতিক পরিবেশক প্রভার। মৈথিলী কথা ধাবা সাহিত্য অকাদেমী নঙা দিল্লীসঁ স্বাতন্ত্র্যোত্তর মৈথিলী কথাক পন্দ্রহ টা প্রতিনিধি কথাক সম্পাদন । সৃজন ধাব পিয়াসল কথা সংগ্রহ,আগত ক্ষণ লে কবিতা সংগ্রহ, ঋতম্ভরা কথা সংগ্রহ,প্রতিছবি হিন্দী কথা সংগ্রহ,১৯৬০ সঁ আগধরি সএসঁ অধিক কথা, কবিতা, শোধনিবন্ধ, ললিতনিবন্ধ,আদি অনেক পত্র-পত্রিকা তথা অভিনন্দনগ্রন্থমে প্রকাশিত । মৈথিলীক অতিবিক্ত কিছু বচনা হিন্দী তথা অংগ্রেজীমে সেহো।

উষাকিরণ খান

জন্ম:১৪ অক্টূবর ১৯৪৩,কথা এবং উপন্যাস লেখনমে প্রখ্যাত। মৈথিলী তথা হিন্দী দূনূ ভাষাক চর্চিত লেখিকা। প্রকাশিত কৃতি:অনুত্তরিত প্রশ্ন, দূরক্ষিত, হসীনা মংজ ি ল (উপন্যাস), নাটক, উপন্যাস।

প্রেমলতা মিশ্র 'প্রেম'

জন্ম:১৯৪৮,জন্মস্থান:বহিকা,মাতা:শ্রীমতী বৃন্দা দেবী,পিতা:পং. দীনানাথ ঝা,শিক্ষা:এম.এ., বী.এড.,প্রসিদ্ধ অভিনেত্রী দূ সযসঁ বেশী নাটকমে ভাগ লেললি । ভংগিমা (নাট্যমংচ) ক ভূতপূর্ব উপাধ্যক্ষা, পত্রিকাক সম্পাদন, কথালেখন আদিমে ক্রশীল । 'অবিপন' আদি অনেক সংস্থা দ্বাবা পুবস্কৃত-সম্মানিত।

আশা মিশ্র

জন্ম:৬-৭-১৯৩০ ঙা.,প্রকাশিত কথা মে মৈথিকীক সংগ হিন্দী মে সেহো । সভসঁ পৈঘ বিজয মৈথিলী কথা সংগ্রহ।

নীতা ঝা

জন্ম : ২১-০১-১৯৩২,ব্যবসায:প্রাধ্যাপিকা । লেখন পব সমাজক পবম্পবা তথা আধুনিকতাক সংস্কাব সঁ হোগত বিসংগতিক প্রভার। প্রকাশিত কৃতি : হবিছ, কথা সংগ্রহ ১৯৮৪, কথালবলীত ১৯৯০,সামাজিক অসন্তোষ ও মৈথিলী সাহিত্য শোধ সমীক্ষা।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ज्योत्स्ना चन्द्रम

मूल नाम: कुमारी ज्योत्स्ना ,उपनाम : ज्योत्स्ना आनन्द ,जन्मतिथि: १७ दिसम्बर, १९६३,जन्मस्थान : मकुआबा, सिंधिया खुर्द, समस्तीपुर,पिता: श्री मार्कण्डेय प्रवासी,माता: श्रीमती स्वर्गीया झा,कार्यक्षेत्र : अध्ययनाध्यापन ।,रचना प्रकाशित : झिलमिलकोना (कथा-संग्रह), एसगर-एसगर (नाटक),गीतक संग संकलन एवं सम्पादन। एकर अतिरिक्त दर्जनाधिक कथा ओ कविता विभिन्न पत्र-पत्रिका मे प्रकाशित तथा आकाशवाणीक पटना, भागलपुर, दरभंगा केन्द्रसँ प्रसारित। शिक्षा : पटना विश्वविद्यालयसँ हिन्दी साहित्यमे एम.ए.।

स्वस्मिता पाठक

जन्म:२७ फरवरी, १९६२,स्वपौल, बिहार । परिचिति कविता संग्रह प्रकाशित । कथावाचक, कथासंग्रह प्रकाशनाधीन । राजनीति शास्त्रमे एम.ए.। संगीत, पेंटिंगमे रुचि । मैथिलीक पोथी पत्रिका पर अनेक रेखाचित्र प्रकाशित । समकालीन जीवन, समय, आ तकर स्पंदनक कवयित्री । अनेक भाषामे रचनाक अनुवाद प्रकाशित।

विभा रानी (१९५९-)लेखक- एक्टर- सामाजिक कार्यकर्ता-बहुआयामी प्रतिभाक धनी विभा रानी राष्ट्रीय स्तरक हिन्दी व मैथिलीक लेखिका, अनुवादक, थिएटर एक्टर, पत्रकार छथि, जिनक दर्जन भरि से बेसी किताब प्रकाशित छन्हि आ कएकटा रचना हिन्दी आ मैथिलीक कएकटा किताबमे संकलित छन्हि। मैथिली के 3 साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता लेखकक 4 गोटे किताब "कन्यादान" (हरिमोहन झा), "राजा पोखरे मे कितनी मछलियाँ" (प्रभास कुमार चौधरी), "बिल टेलर की डायरी" व "पटाक्षेप" (लिली रे) हिन्दीमे अनूदित छन्हि। समकालीन विषय, फ़िल्म, महिला व बाल विषय पर गंभीर लेखन हिनक प्रवृत्ति छन्हि। रेडियोक स्वीकृत आवाजक संग ओ फ़िल्म्स डिविजन लेल डॉक्यूमेंटरी फ़िल्म, टीवी चैनल्स लेल सीरियल्स लिखल व रेडियो ओरवक काज केलन्हि। मिथिलाक 'लोक' पर गहराइ स काज करैत 2 गोटे लोककथाक पुस्तक "मिथिला की लोक कथाएं" व "गोनू झा के किस्से" के प्रकाशनक संगहि संग मिथिलाक रीति-रिवाज, लोक गीत, खान-पान आदिक वृहत खजाना हिनका लग अछि। हिन्दीमे हिनक 2 गोटे कथा संग्रह "बन्द कमरे का कोरस" व "चल खुसरो घर आपने" तथा मैथिली मे एक गोटे कथा संग्रह "खोह स' निकसैत" छन्हि। हिनक लिखल नाटक 'दूसरा आदमी, दूसरी औरत' राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के अन्तर्राष्ट्रीय नाट्य समारोह भारंगममे प्रस्तुत कएल जा चुकल अछि। नाटक 'पीर पराई'क मंचन, 'विवेचना', जबलपुर द्वारा देश भरमे भ रहल अछि। अन्य नाटक 'ए प्रिये तेरे



নিএ' কে মংচন হ্মরঁঙা র 'নাগফ্ ্ গজ ন্ ্ট খ ড্রীম' কে মংচন ফ্ ্ নলৈঁডমে ভেলাক রাঁদ হ্মরঁঙা, বাযপ্ববমে কএল গেল খছি। 'খাও তনিক প্রেম করবঁ' কে 'মোহন বাকেশ সম্মান' সে সম্মানিত তথা মংচন শ্রীবাম সেঁটব, নঙা দিল্লীমে কএল গেল। "খগলে জনম মোহে রিঁটিযা না কীজো" সেহো 'মোহন বাকেশ সম্মান' সে সম্মানিত খছি। দুন্ব নাটক প্বস্তক রুপ মেঁ প্রকাশিত সেহো খছি। মৈথিলীমে লিখল নাটক "ভাগ রৌ" খা "মদদ করু সংতোষী মাতা" খছি। হিনক নর মৈথিলী নাটক প্রস্তুতি ছন্হি- রঁলচন্দা।

রিভা 'দ্লাবীরাঁঙা', 'সারধান প্বকবরা', 'পোস্টব', 'কসাঙারাঁড্ ্ া', সনক নাটক কে সংগ-সংগ ফ্ ্ ন্ম 'ধধক' র টৈলী -ফ্ ্ ন্ম 'চিট্ঠী'মে খভিনয কেলন্হি খছি। নাটক 'মি. জিন্না' র 'নাগফ্ ্ গজ ন্ ্ট খ ড্রীম' (একপাত্রীয নাটক) হিনক টৈকা প্রস্তুতি ছন্হি।

'এক রৈঁহতব রিশ্ ্ র- কল কে নিএ' কে পবিকল্পনাক সংগে রিভা 'খরিতোকো' নামক রাঁহ্উদ্দেশ্বীয সংস্থা সংগ জুড্ ্ ল ছথি, জিনক খট্টট রিশ্ ্ রাস 'থিএটব র খাব্ট- সভী কে নিএ' পব খছি। 'বংগ জীরন' কে দর্শনক সাথ কলা, বংগমংচ, সাহিত্য র সংস্কৃতি কে মাধ্যম সে সমাজ কে 'রিশেষ' রস্থ, যথা, জেল- রাঁন্দী, বৃদ্ধাশ্রম, খনাথালয, 'রিশেষ' রাঁচা সভকে রাঁলগৃহক সংগহি সংগ সমাজক হ্মখ্য ধাবান লোকক রাঁচ সার্থক হস্তক্ষেপ কবৈত ছথি। এতয হিনকব নিযমিত রুপ সে থিএটব র খার্ট রর্কশ্ ্ প চলতি ছন্হি। খহি সভক খতিবিক্ত ক্ ্ পোঁবেট জগত সহিত খাম জীরনক সভটা লোক খাওব লেল কলা র বংগমংচক মাধ্যম সে রিরিধ রিকাসামেক প্রশিক্ষণ কার্যক্রম সেহো খাযোজিত কবৈত ছথি।

শ্রীমতি রিভাবানী সম্প্রতি হ্মম্বঁঙমে বহৈত ছথি।

রুপা ধীরু- জন্মস্থান-মযনাকডেবী, সপ্তুবী, শ্রীমতী পূনম ঝা খা শ্রী খরুণক্মাব ঝাক প্বত্রী। স্থাযী পতা- খঞ্চল- সগবমাথা, জিন্না- সিবহা। প্রথম প্রকাশিত বচনা-কোগলী কালএ, মাটিসঁ সিনেহ (করিতা),ভগতা রৈঁঙক দেশ-ভ্রমণ (কনক দীক্ষিতক প্বস্তকক ধীবেন্দ্র প্রেমর্ষিসঁগ মৈথিলীমে সহখন্বরাদ,সঙ্গীতসম্বঁন্ধী দ্বতি- বাষ্ট্রিযগান, ভোব, লেহক রএল, চেতনা, প্রিযতম হমব কমৌখা (পহিল মৈথিলী সীডী), প্রেম ভেল তবঘ্স্কীমে, স্ববক্ষিত মাতৃত্ব গীতমালা, স্বখক সলেস। সম্পাদন-পল্লব, মৈথিলী সাহিত্যিক মাসিক পত্রিকা, সম্পাদন-সহযোগ,হমব মৈথিলী পোথী (কক্ষা ১, ২, ৩, ৪ খা ৫ খা কক্ষা 9-10 ক ঐচ্ছিক মৈথিলী রিষয পাঠ্যপ্বস্তকক ভাষা সম্পাদন), পল্লবমিথিলা, প্রথম মৈথিলী ইন্টবনেট পত্রিকা,রি.সং. ২০৬৯ মাঘ (সাহিত্যিক), সম্পাদন-সহযোগ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मैत्रेयी – याज्ञवल्क्यक दू टा पत्नी छलथिन्ह, १. कात्यायनी आ २ दोसर मैत्रेयी। मैत्रेयी ब्रह्मवादिनी छलीह। कात्यायनीसँ हुनका तीनटा पुत्र छलन्हि- चन्द्रकान्ता, महामेघ आ विजय।

डा. रमानन्द झा 'रमण'

जन्म: 02 जनवरी,1949, शिक्षा-एम.ए., पीएच.डी., आजीविका-भारतीय रिजर्व बैंक, पटना (सेवा निवृत्त)।

प्रकाशन: मौलिक- समीक्षा 1. नवीन मैथिली कविता,1982, 2. मैथिली नवर कविता,1993, 3. मैथिली साहित्य ओ राजनीति, 1994, 4. अखियासल, 1995, 5. बैसाहल,2003, 6. भजारल, 2005., 7. नियति कैसे शुरू करें ? हिन्दी- रिजर्व बैंक, पटनाक प्रकाशन सम्पादित 8. मैथिलीक आरम्भिक कथा, 1978 समीक्षा, 9. श्यामानन्द रचनावली, 1981, 10. जनार्दनझा' जनसीदनकृत निर्दयीसास्य (1914) आ पुनर्विवाह (1926), 1984, 11. चेतनाथझाकृत श्रीजगन्नाथपुरी यात्रा (1910), 1994, 12. तेजनाथ झाकृत स्ववराजविजय नाटक (1919), 1994, 13. रासविहारीलाल दासकृत स्वमति (1918), 1996, 14. जीवछ मिश्रकृत रामेश्वर (1916), 1996, 15. भेटघाँट (भेटवार्ता), 1998, 16. कहय तँ सह ने तँ फुसि, 1998, 17. पुण्यानन्द झाकृत मिथिला दर्पण (1925), 2003, 18. यदुवर रचनावली (1888-1934) 2003, 19. श्रीवल्लभ झा (1905-1940) कृत विद्यापति विवरण, 2005, 20. मैथिली उपन्यासमे चित्रित समाज, 2003, 21. पण्डित गोविन्द झाः अर्चा ओ चर्चा, 1997 प्रबन्ध सम्पादक, 22. कवीश्वर चेतना, 2008, चेतना समिति, पटना अनुवाद 23. मौलियवक दू नाटक, 1991, साहित्य अकादमी, 24. छओ विगहा आठ कट्ठा, 1999, साहित्य अकादमी, 25. मानवाधिकार घोषणा

२००७(यूनेसको), 26. बाजू आ' टाकाक गाछ, 2008 रिजर्व बैंक -वित्तीय शिक्षा योजना के अन्तर्गत पत्रिका सम्पादन-सह-सम्पादन 1. प्रयोजन, 1993 (मासिक), 2. कोषाक्षर (हिन्दी) 1982, 3. घर बाहर, त्रैमासिक, चेतना समिति, पटना कार्यशाला 1. National Workshop on Literary Translation,- Dec 20.1991 to January 12,02,1992, Sahitya Akademi, New Delhi 2.Bonds Beyond the Borders (India-Nepal civil society interaction on Cross Border issues) -Consulate General of India, Birgunj, Nepal and B.P. Koirala India-Nepal Foundation-May 27-28, 20062.Preparation of Intensive Course in Maithili -

, जूरी

, - , पुरस्कार- सम्मान



1. জার্জ গ্রিযর্সন প্ৰবস্কাব, 1994-95, বাজভাষা রিভাগ,রিহাব সবকাব, মৈথিলী নৰব করিতা পুস্তক পব, 2. ভাষা ভাবতী সম্মান, 2004-05 ছও রিগহা খাঠ কঠৌঠা, (খনুরাদ) , মৈসূব।

বাজেন্দ্র রিমন (1949-)।

চামকোবিক লেখন-প্রতিভাক স্বামী বাজেন্দ্র রিমন নেপালক মৈথিলী সাহিত্যক এক স্তম্ভ ছথি। মৈথিলী, নেপালী খা হিন্দী ভাষাক প্রাজ্ঞ রিমন শিক্ষাক হকমে রিদ্যারাবিধি (পী.এচ.ডী.)ক উপাধি প্রাপ্ত কএনে ছথি। স্বনলিত শৈলী চযন এরং ভাষামে প্রাঞ্জলতা ডা. রিমনক লেখনক রিশেষতা বহনলি খছি। খপন সিদ্ধহস্ত লেখনসঁ ঞা কোনহ্ পাঠকক হৃদযমে স্থান রঁনা লৈত ছথি। কথা খা সমালোচনাক সঙ্গহি মর্মভেদী গীত গজল লিখরাঁমে প্ৰরীণ ডা. রিমনক নিরন্ধ, খনুরাদ খাদি সেহো রিলক্ষণ হোগত ছলি। কম্মা লিখিকহ যথেষ্ঠ যশ খরজলিহাব ডা. রিমনক লেখনীক প্রশংসা মৈথিলীক সঙ্গসঙ্গ নেপালী খা হিন্দী সাহিত্যমে সেহো হোগত বহনলি খছি। খাস কহ মানরীয সংরেদনাক খভিরয়্যক্তিমে হিনক কলম রেঁজোড় দেখল জাগত খছি। ত্রিভুরন রিশ্বরিদ্যালযখন্তস্থত বা.বা.রঁ. কৈম্পস, জনকপুবধামমে প্রাধ্যাপন কএনিহাব ডা. রিমনক পূর্ণ নাম বাজেন্দ্র লাভ ছিযলি। হিনক জন্ম ২৬ জুলাঞা ১৯৪৯ ঞা. কহ ভেল খছি। সাহিত্যকাবক নব পীঢ় কেঁ নিবন্তব উত্প্রেবিত কবরাঁক কাবণে ঞা ডা.ধীবেন্দ্রক রাঁদ জনকপুব-পবিসবক সাহিত্যিক গুরুক রূপমে স্থাপিত ভহ গেল ছথি। জনকপুবধামক দেরী চৌক স্থিত হিনক ঘব সদতি সাহিত্যক জিজ্ঞাসুবসভকখখাড় াজকাঁরঁনলবহৈতখছি।

প্রকাশ ঝা

সুপবিচিত বংগকর্মী। বাষ্ট্রীয স্তবক সাংস্কৃতিক সংস্থা সভক সংগ কার্যক খনুভর। শোধ খালেখ (লোকনাট্য এরং বংগমংচ) খা

কথা লেখন। বাষ্ট্রীয জুনিযব ফেলোশিপ, ভাবত সবকাব প্রাপ্ত। বাজধানী দিল্লীমে মৈথিলী লোক বংগ মহোৎসরক শুরুখাত। মৈথিলী লোককলা খা সংস্কৃতিক প্রলেখন খা রিশ্ব ফলকপব রিস্তাবক লেল প্রতিরদ্ধ। খপন কর্মঠ সংগীক সংগ মৈলোবংগক সংস্থাপক, নির্দেশক। মৈলোবংগ পত্রিকাক সম্পাদন। সংপ্রতি বাষ্ট্রীয নাট্য রিদ্যালয, নঞা দিল্লীক বংগমংচীয শোধ পত্রিকা বংগ-প্রসংগক সহযোগী সংপাদকক রূপমে কার্যবত।

ডা মিত্রনাথ ঝা (১৯৩৬-)

পিতা স্বনামধন্য মিথিলা চিত্রকাব স্ব. লক্ষ্মীনাথ ঝা প্রসিদ্ধ খোখা রাঁরু, গ্রাম-সবিসরঁ, পোস্ট সবিসরঁ-পাহী, ভাযা- মনীগাছী, জিলা-মধুরঁনী (ভাবত), সম্প্রতি মিথিলা শোধ সংস্থান, দবিভঙ্গামে পাণ্ডুলিপি রিভাগাধ্যক্ষ ও এম.এ. (সংস্কৃত) কক্ষাক শিক্ষার্থীকেঁ এম.এ. পাঠ্যক্রমক সভ পত্রক খধ্যাপন। লেখন, উচস্তবীয শোধ ও সমাজ-সেরামে রুচি। সংস্কৃত, মৈথিলী, হিন্দী, খংগ্রেজী, ভোজপুবী ও উর্দূ ভাষামে গদ্য-পদ্য লেখন। বাষ্ট্রীয



ও অন্তর্রাষ্ট্রীয স্তরপর স্বপ্রতিষ্ঠিত অনেকানেক পত্র-পত্রিকা, অভিনন্দন-গ্রন্থ ও স্মৃতি-গ্রন্থাদিমে অনেক রচনা প্রকাশিত। রাষ্ট্রীয ও অন্তর্রাষ্ট্রীয স্তরপর আযোজিত অনেক সেমিনার, কॉনফেরেন্স, বর্কশॉপ আদিমে সক্রিয সহভাগিতা।—

কাশীকান্ত মিশ্র "মধুপ" (1906-1987)
'রাধাবিরহ' (মহাকাব্য) পর সাহিত্য অকাদেমী পুরস্কার প্রাপ্ত মৈথিলীক প্রশস্ত কবি আ মৈথিলীক প্রচার-প্রসারক সমর্পিত কার্যকর্তা 'ঝংকার' কবিতাসঁ ক্রান্তি গীতক আহ্বান কএলনি। প্রকৃতি প্রেমক বিলক্ষণ কবি। 'ঘসল অঠন্নী কবিতাক লেল কথ্য আ শিল্প-সংবেদনা—দুহু স্তর পর চরম লোকপ্রিযতা ভেটলনি।
মহেন্দ্র মলংগিযা
মৈথিলীক সুপরিচিত নাটককার, রংগ নির্দেশক এবং মৈলোরংগক সংস্থাপক অধ্যক্ষ। লোক সাহিত্য পর গংভীর শোধ আলেখ। মৈথিলীমে 13টা নাটক, 19টা একাংকী, 14টা নুক্কড় আ 10টা রেডিযো নাটক প্রকাশিত আ আকাশবাণী সঁ প্রসারিত। সীনিযর ফেলোশিপ (ভারত সরকার), ওঁটরনেশনল থিএটর ওঁস্টিচ্যূট (নেপাল), প্রবোধ সাহিত্য সম্মান আদি সঁ সম্মানিত। সংপ্রতি জ্যোতিরীশ্বর লিখিত মৈথিলীক প্রথম পুস্তক বর্ণরত্নাকর পর শোধ কার্য। শ্রী মহেন্দ্র মলংগিযাক জন্ম ২০ জনরবী ১৯৪৬ মে মধুবনী জিলাক মলংগিযা গামমে ভেলন্হি। মলংগিযাজী মৈথিলী হিন্দী, অংগ্রেজী আ নেপালী ভাষাক জানকার আ থিযেটর শিক্ষণ, পটকথা লেখন আ তৎসম্বন্ধী শোধক ফ্রীলান্স শিক্ষক ছথি। সম্মান, উপাধি আ পুরস্কার: ২০০৬(সীনিযর ফॅলো, মানব সসাধন বিকাস বিভাগ, ভারত সরকার), ২০০৩. ঙ. মে মৈথিলী ভাষাক সর্বাধিক প্রতিষ্ঠিত প্রবোধ সম্মান, উনাপ সম্মান, পররাহা (উরা নাট্য পরিষদ, পররাহা), ভানু কলা পুরস্কার (কলা জানকী সংস্থান, জনকপুর), ২০০৪- পাটলিপুত্র পুরস্কার (প্রাংগন থিএটর, পটনা), গপ্টা পুরস্কার (কটিহার গপ্টা, কটিহার), ২০০৩- গোপীনাথ অর্যল পুরস্কার (ওন্টরনেশনল থিএটর ওন্স্টীট্যূট, নেপাল), যাত্রী চেতনা পুরস্কার (চেতনা সমিতি, পটনা), বৈদ্যনাথ সিযাদেবী পুরস্কার (বী.এস.ডী.পী. কাঠমান্ডূ), ২০০০- চেতনা সমিতি সম্মান (চেতনা সমিতি, পটনা), জিলা বিকাস ধনুষা সাহিত্য পুরস্কার (জিলা বিকাস সমিতি, জনকপুর), ১৯৯৯- বিদ্যাপতি সেবা সংস্থান সম্মান (বিদ্যাপতি সেবা সংস্থান সম্মান, দরভংগা), ১৯৯+- রংগ রত্ন উপাধি (অন্তর্রাষ্ট্রীয মৈথিলী সাহিত্য পরিষদ, রাঁচী), ১৯৯৭- সর্বোত্তম নির্দেশক পুরস্কার (সাংস্কৃতিক সংস্থান, কাঠমান্ডূ), ১৯৯১- ভানু কলা পুরস্কার, বিরাটনগর (ভানু কলা পরিষদ, বিরাটনগর), ১৯৯০- সরনাম পুরস্কার (সরনাম সমিতি, কাঠমান্ডূ), ১৯+৬- আরোহণ সম্মান, কাঠমান্ডূ, ১৯+৩- বৈদেহী পুরস্কার (বিদ্যাপতি স্মারক সমিতি, রাঁচী),



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

शोध कार्य: सलहेस: एकटा ऐतिहासिक अध्ययन, बिहुला: मिथिलाक एकटा लोकरूप, सामा चकेबा: लोकनाट्यक एक अवलोकन, सलहेसक काल निर्धारण, विद्यापतिक उगना, शिवक गण, मधुबनी एकटा नगर अछि, हम जनकपुर छी, ई जनकपुर अछि।
हिनकर दू टा पोथी "ओकरा आँगनक बारहमासा" आ "काठक लोक" ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगाक मैथिली पाठ्यक्रममे अछि। हिनकर दू टा पोथी त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डु केर एम.ए. पाठ्यक्रममे अछि। हिनकर कैकटा आलेख आ कितारा सेकेण्डरी आ हायर सेकेण्डरी पाठ्यक्रममे अछि।
प्रकाशित पोथी: नाटक: ओकरा आँगनक बारहमासा, जुआयल कंकनी, गाम नञि सुतय, काठक लोक, ओरिजनल काम, बाजा सलहेस, कमला कातक राम, लक्ष्मण आ सीता, लक्ष्मण रेखा खण्डित, एक कमल नोरमे, पूष जाड़ कि माघ जाड़, खिचड़ि, छुतहा घैल, ओ खाली मुँह देखै छै। ई सभटा कैक बेर आ कैक ठाम खेलाएल गेल अछि। एकांकी: ठूठ गाछक एकटा ओर, लेरवाह आन्हरमे एकटा गजोत, गोनूक गबाह, हमरो जे साम्ब छैया, "बिबजू, बिलट्ठ आओर बाबू", मामा सावधान, देहपर कोठी खसा दिअ, नसबन्दी, आनुक बौरी, भूतहा घर, प्रेत चाहे अशौच, फोनक करामात, एकटा बताहि आयल छलय, मानिक सभ चल गेलाह, भाषणक दोकान, रुग्ण आयोजन आ भाषण, भूत, एक टुकड़ा पाप, म्हेक कात, प्राण बचाबह सीता राम, ओ खाली घैल फोड़य छै। ई सभटा मंचित भऽ चुकल अछि। २७ टा चौबटिया नाटक: चक्रव्यूह, लटर पटर अहाँ बन्द करू, बाँट फेर उतय, एक घर कानल एक घर गीत, सेर पर सरा सेर, ई गुर खेने कान छेदेने, आबँ कहू मन केहेन लगैए, नव घर, हमर बौआ स्कूल जेतए, बैचना गेलए बीतमोहना गबैए गीत, मोड़ पर, ककर लाल आदि। ई सभटा चौबटिया बीथीपर खेलायल गेल अछि। ११ टा रेडियो नाटक: आनुक बौरी, ई जनम हम व्यर्थ गमाओल, नाकक पूरा, फटफटिया काका आदि। ई सभटा टा पटना, दरभंगा आ नेपालक रेडियो स्टेशनसँ प्रसारित भेल अछि। सम्पादन: मैथिली एकांकी (साहित्य अकादमी, नई दिल्ली), विदेहक नगरीसँ (कविता संग्रह), मैथिली भाषा पुस्तक (सेकेण्डरी स्कूल पोथी), लोकवेद (मैथिली पत्रिका)। कथा: प्रह्लाद जड़ि गेल, धार, एक दिनक जिनगी, बनैया स्वगा, बानूक भीत, बुनबुन्ना आदि। लघुकथा: डपोरशंख, म्हचिड़ा आदि। सदस्यता: अध्यक्ष, मैथिली लोक रंग, सदस्य कार्यकारी बोर्ड, मिनाप, जनकपुर, यात्री मधुबनी, मिथिला सांस्कृतिक मंच, मधुबनी। राष्ट्रीय आ अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार सभमे सहभागिता।
मैथिलीपुत्र प्रदीप
१. श्री मैथिली पुत्र प्रदीप (१९३६-)। ग्राम- कथराव, दरभंगा। प्रशिक्षित एम.ए., साहित्य रत्न, नवीन शास्त्री, पंचाग्नि साधक। हिनकर रचित "जगदम्ब अहीं अवलम्ब हमर'



আ 'সভক স্বধি অহাঁ নএ ছী হে অপ্পন হমরা কিএ বিসরৈ ছী যৌ" মিথিলামে লেজেংড ভএ গেলথিছ।

অযোধ্যানাথ চৌধরী

ধনুষা, নেপাল 1947–

মূলত: কবিক রূপমে পরিচিত ছথি। নেপালক আধুনিক কবিতাক ক্ষেত্রমে হিনক নাম উল্লেখনীয় অছি। শ্রী চৌধরীক লেখনমে মানবীয় সংবেদনাক প্রতিবিম্ব পাওল জাগত অছি। কবিতাক সংগ কথা আ নিবন্ধমে সেহো ও কলম চলবৈত ছথি। ফড়ি ছাএল লেখন হিনক বিশেষতা থিকনি। ধনুষা জিলাক দুহবী গামক বহলিহাব শ্রী চৌধরীক জন্ম ৬অক্টুবর ১৯৪৭কহ ভেল ছনি। হিনক ক্ষিতিজক ওহিপার নামসঁ এক কবিতা-সংগ্রহ প্রকাশিত ছনি। –

বী.কে কর্ণ (1963–)

পিতা শ্রী নির্ভয নাবাযণ দাস গাম– বৌলৌব, ভাযা– মলীগাছী, জিলা–দবভংগা।

পৈকেজিংগ টেক্লোলোজীমে স্নাতকোত্তর আ যূ.এন.ডী.পী. জর্মনী আ গগ্লল্ডক কার্যক্রমক ফেলোশিপ, ২২ বর্ষক পেশেবব অনুভব আ ২৭ টা পত্র প্রকাশিত। ডাযগনোস্টিক মিথিলা পেংটিংগ আ মিথিলাক সামাজিক–আর্থিক সমস্যাপব চিন্তন। সম্প্রতি গন্ডিযন গন্স্টীট্যূট অাফ পৈকেজিংগ, হৈদবাবাদমে উপনিদেশক (ক্ষেত্রীয প্রমুখ)।—

বৃষেশ চন্দ্র লাল

জন্ম 29 মার্চ 1955 ঙ. কেঁ ভেলন্হি। পিতাঃ স্ব. উদিতনাবাযণ লাল,মাতাঃ শ্রীমতী ভুবনেশ্ববী দেব। হিনকব ছঠিহাবক নাম বিশ্বেশ্বব ছন্হি। মূলতঃ বাজনীতিককর্মী। নেপালমে লোকতন্ত্রলেল নিবন্তব সংঘর্ষক ক্রমমে ১৭ বেব গিবফতাব। লগভগ + বর্ষ জেল। সম্প্রতি তবাঙ–মধেশ লোকতান্ত্রিক পার্টীক বাষ্ট্রীয উপাধ্যক্ষ। মৈথিলীমে কিছু কথা বিভিন্ন পত্রপত্রিকামে প্রকাশিত। আন্দালন কবিতা সংগ্রহ আ বী.পী কোগবালাক প্রসিদ্ধ লঘু উপন্যাস মোদিআগলক মৈথিলী রূপান্তবণ তথা নেপালীমে সংঘীয শাসনতিব নামক পুস্তক প্রকাশিত। ও বিশ্বেশ্বব প্রসাদ কোগবালাক প্রতিবদ্ধ বাজনীতি অনুযাযী আ নেপালক প্রজাতাংত্রিক আন্দালনক সক্রিয যোদ্ধা ছথি। নেপালী বাজনীতিপব ববোববি লিখৈত বহৈত ছথি।

ধর্মেন্দ্র বিহ্বলজন্ম বিক্রম সম্বত ২০২৩–১২–০৪, বস্তীপুব সিবহা,শিক্ষা: এম এ (মৈথিলী/বাজনীতিশাস্ত্র), ডিপ্লোমা ঙল ডেভলপমেন্ট জর্নালিজম, প্রকাশিত কৃতি : এক সমযক বাত (বি স ২০৬১ মৈথিলী হাঙকু সংগ্রহ), বস্তা তকৈত জিনগী (বি স ২০৬০/ কবিতা সংগ্রহ),এক সৃষ্টি এক কবিতা (২০৬৭/দীর্ঘ কবিতা),হমব মৈথিলী পোথী (কক্ষা 1 সঁ ৩ ধবিক পাঠ্য পুস্তক),সম্প্রতি: সভাপতি, নেপাল পত্রকাব মহাসংঘ—

ধীবেন্দ্র প্রেমর্ষি (১৯৬৭–)

মৈথিলী ভাষা, সাহিত্য, কলা, সংস্কৃতি আদি বিভিন্ন ক্ষেত্রক কাজমে সমান রূপেঁ নিরন্তর সক্রিয় ব্যক্তিক রূপমে চিন্হল জাগত ছথি ধীরেন্দ্র প্রেমর্ষি। বি.সং.২০২৪ সাল ভাদবঁ ১৮ গতে সিরহা জিলাক গোবিন্দপুর-১, বঁস্তীপুর গামমে জন্ম লেনিহার প্রেমর্ষিক পূর্ণ নাম ধীরেন্দ্র ঝা ছিযনি। সরল আ স্বস্পষ্ট ভাষা-শৈলীমে লিখনিহার প্রেমর্ষি কথা, করিতাক অতিরিক্ত লেখ, নিবন্ধ, অনুবাদ আ পত্রকারিতাক মাধ্যমসঁ মৈথিলী আ নেপালী দূনূ ভাষাক ক্ষেত্রমে সুপরিচিত ছথি। নেপালক স্কূলী কক্ষা ১,২,৩,৪,৯ আ ১০ক ঐচ্ছিক মৈথিলী তথা ১০ কক্ষাক ঐচ্ছিক হিন্দী বিষযক পাঠ্যপুস্তকক লেখন সেহো কএলে ছথি। সাহিত্যিক গ্রন্থমে হিনক এক সম্পাদিত আ এক অনূদিত কৃতি প্রকাশিত ছনি। প্রেমর্ষি লেখনক অতিরিক্ত সঙ্গীত, অভিনয আ সমাচার-বাচন ক্ষেত্রসঁ সেহো সম্বদ্ধ ছথি। নেপালক পহিল মৈথিলী টেলিফিল্ম মিথিলাক ব্যথা আ ঐতিহাসিক মৈথিলী টেলিশ্রৃঙ্খলা মহাকবি বিদ্যাপতি সহিত অনেক নাটকমে অভিনয আ নির্দেশন কঽ চুকল প্রেমর্ষিকেঁ নেপালসঁ পহিলবেঁর মৈথিলী গীতক কৈসেট কলিযুগী দুনিযা নিকালবাঁক শ্রেয সেহো জাগত ছনি। হিনক স্বর সঙ্গীতমে আধা দর্জনসঁ অধিক কৈসেট এলবঁম বাঁহর ভঽ চুকল অছি। কান্তিপুরসঁ হেল্লো মিথিলা কার্যক্রম প্রস্তুত কর্তা জোড়ী রূপা-ধীরেন্দ্রক ধীরেন্দ্রক অবাঁজ গামক বঁচা-বঁচা চিন্হৈত অছি। "পল্লর" মৈথিলী সাহিত্যিক পত্রিকা আ "সমাজ" মৈথিলী সামাজিক পত্রিকাক—সম্পাবদক

জ্যাতি প্রকাশ লাল

গ্রাম-জগতপুর, স্বপৌল, (ভারত)। জ্যাতিপ্রকাশ লাল রিপ্রা টেক্নোলোজী, হৈদবাবাঁদমে স ়ফ্টরেঁযর অভিযন্তা ছথি, স্পেন আ যূ.এস.এ.মে পহিনে কাজ কএ চুকল ছথি। এপ্লিকেশন আ বেবঁ আধাবিত স ়ফ্টরেঁযবক নির্মাণমে সংলগ্ন। মাগএ্রাস ়ফ্ট ক ়বপোবেশন, রাশিংগটনমে রিন্ডোজ আঁপেরেটিংগ সিস্টমপর শোধ আ রিকাসমে যোগদান। স্কূল, কম্প্য ুটৱ ওংস্টীচ্যূট আ সবকারী পোলীটেকনিকমে শিক্ষ ়ক পূর্ব অনুভর। বর্তমানমে সাক্ষাতকাব আ ব্যক্তিত্ব রিকাসপর পোথী লিখরাঁমে ব্যস্ত। শ্রী লালমে সংগঠনাত্মক শক্তি ছন্হি আ ওঽ রিভিন্ন গ্রুপ আ ফোবমসঁ জুড় ়ল ছথি। কিছু আর অনুভরী সহযোগীক সংগ ওঽ http://www.jyoticonsultant.com দ্বারা ক্ষেত্রত কৈবিঅর স্বমার দএ বহল ছথি। –

কেদাবনাথ চৌধবী

জন্ম 3 জনরবী 1936 ঞ নেহবা, জিলা দবভঙ্গামে। 1958 ঞ.মে অর্থশাস্ত্রমে স্নাতকোত্তর, 1959 ঞ.মে ল ়। 1969 ঞ.মে কৈলিফোর্নিযা বি.বি.সঁ অর্থস্থাস্ত্র মে স্নাতকোত্তর, 1971 ঞ.মে সানফ্রাংসিস্কা বি.বি.সঁ এম.বী.এ., 1978মে ভারত আগমন। 1981-86ক বীচ তেহবান আ প্রঁকফুর্তমে। ফের বঁম্বঁঞ পুনে হোগত 2000সঁ লহেরিযাসবাযমে নিরাস। মৈথিলী ফিল্ম মমতা গারঁয গীতক মদনমোহন দাস আ



उदयभानु सिंहक संग सह निर्माता। तीन टा उपन्यास 2004मे चमेली रानी, 2006मे करार, 2008 मे माहुर।

कृपानन्द झा (1970–),

जन्म– समौल, मधुबनी, मिथिला। गणितमे स्नातकोत्तर (एल.एन.एम.यू, दरभंगा), बी.लिब. (जामिया मिलिया इस्लामिया) आ सोफ्टवेयर विज्ञानमे एसोसिएटशिप, आइ.एन.एस.डी.ओ.सी., नइ दिल्ली। कृपानन्द जी मीरा बाइ पोलीटेकनिक, महारानी बाग, नइ दिल्लीमे व्याख्याता छथि। कृपानन्दजी यूथ ऑफ मिथिलाक अध्यक्ष छलाह आ एखन अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली परिषदक जेनरल सेक्रेटरी छथि। हिनकर ६ टा शोध पेपर सूचना प्रौद्योगिकक क्षेत्रमे प्रकाशित छन्हि, संगहि हिन्दी आ अंग्रेजीमे एक–एकटा कविता सेहो प्रकाशित छन्हि।

कृष्णमोहन झा (1968–)

जन्म मधेपुरा जिलाक जीतपुर गाममे। "विजयदेव नारायण साही की काव्यानुभूति की बनावट" विषयपर जे.एन.यू. सँ एम.फिल आ ओतहिसँ "निर्मल वर्मा के कथा साहित्य में प्रेम की परिकल्पना" विषयपर पी.एच.डी.। हिन्दीमे एकटा कविता सँग्रह "समय को चीरकर" आ मैथिलीमे "एकटा हेरायल दुनिया" प्रकाशित। हिन्दी कविता लेल "कन्हैया स्मृति सम्मान"(1998) आ "हेमंत स्मृति कविता पुरस्कार" (2003)। असम विश्वविद्यालय, सिलचरक हिन्दी विभागमे अध्यापन।

कुमार मनोज कश्यप

जन्म : १९६९ ई० मे मधुबनी जिलांतर्गत सलेमपुर गाम मे। स्कूली शिक्षा गाममे आ उच्च शिक्षा मधुबनी मे। बाल्य काले सँ लेखनमे अभिरुचि। कैक गोट रचना आकाशवाणी सँ प्रसारित आ विभिन्न पत्र–पत्रिका मे प्रकाशित। सम्प्रति केंद्रिय सचिवालयमे अनुभाग अधिकारी पद पर पदस्थापित।—

हिमांशु चौधरी

पिता : स्वर्गीय कामेश्वर चौधरी,माता: श्रीमती चन्द्रावती चौधरी,जन्म: वि स २०२०/६/३ लहान, सिरहा,शिक्षा: स्नातकोत्तर(नेपाली),पेशा: पत्रकारिता (सम्प्रति : राष्ट्रिय समाचार समिति),कृति : की भाव साँठू ? (मैथिली कविता संग्रह), विगत दू दशकसँ नेपाली आ मैथिली लेखन तथा अभियानमे निरन्तर क्रियाशील आ विभिन्न संघ संस्थासँ आबद्ध।

ज्योति

:// . . सँ संपादकक चॉयस अवार्ड (अंग्रेजी पद्यक हेतु) ज्योतिकेँ भेटल छन्हि। हुनकर अंग्रेजी पद्य किछु दिन धरि http://www.poetrysoup.com केर मुख्य पृष्ठ पर सेहो रहल अछि।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



জ্যাতি মিথিনা চিত্রকনামে সেহো পাবংগত ছথি আ২ হিনকব মিথিনা চিত্রকনাক প্রদর্শনী ওনিংগ আর্ট গ্রুপ কেব অংতস্নাত ওনিংগ ব্রৌডরে, নংডনমে প্রদর্শিত কএন গেন অছি। মিথিনা পেংটিংগক শিক্ষা স্বশ্রী শ্বেতা ঝাসঁ বঁসেবা ওংস্টীট্যূট, জমশেদপ্বব আ২ ননিতকনা তূনিকা, সাকচী, জমশেদপ্ববসঁ। নেশনন এশোসিএশন ফ্াব বঁনাওন্ড, জমশেদপ্ববমে অবৈতনিক ৰূপেঁ পূর্বমে অধ্যাপন।

জ্যাতি ঝা চৌধবী, জন্ম তিথি -৩০ দিসম্বঁব ১৯৭৮; জন্ম স্থান -বেঁন্হবাব, মধ্বঁনী ; শিক্ষা- স্বামী বিবেকানন্দ মিডিন স্কূন্টিস্কা সাকচী গর্ল্স হাও স্কূন্, মিসেজ কে এম পী এম ওন্টব কানেজ্, ওন্দিবা গান্ধী ওপন যূনিবর্সিটী, আও সী ডবঁন্যূ এ আও (ক্াস্ট একাউন্টেন্সী); নিবাস স্থান- নন্দন, যূ.কে.; পিতা- শ্রী শ্বভংকব ঝা, জ্মশেদপ্বব; মাতা- শ্রীমতী স্বধা ঝা, শিবীপঞ্জী।

শ্রী আদ্যাচবণ ঝা (১৯২০-)।

মংগবৌনী। সংস্কৃতক মহান বিদ্বান। মৈথিনীমে মিহিব, বঁঞ্ক, বৈদেহীমে বচনা প্রকাশিত।

দবভংগা সংস্কৃত বি.বি. কেব প্রতিকুনপতি। বাষ্ট্রপতিসঁ সম্মান প্রাপ্ত।

শ্রী বামনোচন ঠাকুব

জন্ম ১৮ মার্চ ১৯৪৯ ঙ.পনিমোহন, মধ্বঁনীমে। ববিষ্ঠ কবি, বংগকর্মী, সম্পাদক, সমীক্ষক। ভাষাও আন্দাননমে সক্রিয ভাগীদাবী। প্রকাশিত কৃতি- ওতিহাসহন্তা, মাটিপানিক গীত, দেশক নাম ছন সোন চিড্ৈযা, অপূর্বা (কবিতা সংগ্রহ), বেঁতান কথা (ব্যংগ্য), মৈথিনী নোক কথা (নোককথা), প্রতিধ্বনি (অনূদিত কবিতা), জা সকৈ ছী, কিন্তু কিএ জাউ(অনূদিত কবিতা), নাথ প্রশ্ন অনুত্তবিত (কবিতা), জাদূগব (অনুবাদ), স্মৃতিক ধোখবন বংগ (সংস্মবণাত্মক নিবন্ধ), আঁখি ফূননে: আঁখি খোননে (নিবন্ধ)। –

প্রাফেসব বত্নেশ্বব মিশ্র (১৯৪৩-)

পূর্ব অধ্যক্ষ, ওতিহাস বিভাগ, ন.না.মিথিনা বিশ্ববিদ্যানয, দবভংগা। অনুবাদক, নিবন্ধকাব। প্রকাশন: তমিন সাহিত্যক ওতিহাস, ভবভূতি (দূনূ অনুবাদ)।

ৰূপা ধীৰূ

জন্মস্থান-মযনাকডেবী, সপ্তবী, শ্রীমতী পূনম ঝা আ শ্রী অৰুণকুমাব ঝাক পুত্রী। স্থাযী পতা- অঞ্চন- সগবমাথা, জিন্না- সিবহা। প্রথম প্রকাশিত বচনা-কোওনী কানএ, মাটিসঁ সিনেহ (কবিতা), ভগতা বেঁঙক দেশ-ভ্রমণ (কনক দীক্ষিতক পুস্তকক ধীবেন্দ্র প্রেমর্ষিসঁগ মৈথিনীমে সহঅনুবাদ, সঙ্গীতসম্বন্ধী কৃতি-বাষ্ট্রিযগান, ভোব, নেহক বএন, চেতনা, প্রিযতম হমব কমৌআ (পহিন মৈথিনী সীডী), প্রেম ভেন তবঘুস্কীমে, স্ববক্ষিত মাহত্ব গীতমানা, স্বখক সনেস। সম্পাদন-পন্নব, মৈথিনী সাহিত্যিক মাসিক পত্রিকা, সম্পাদন- সহযোগ, হমব মৈথিনী পোথী (কক্ষা ১, ২, ३, ৪ আ ৬ আ কক্ষা 9-10 ক ঐচ্ছিক



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

मैथिली विषय पाठ्यपुस्तकक भाषा सम्पादन), पल्लवमिथिला, प्रथम मैथिली ग्लोबनेट पत्रिका, वि.सं. २०३.९ माघ (साहित्यिक), सम्पादन-सहयोग। —

डॉ शंभु कुमार सिंह

जन्म: 18 अप्रील 1965 सहरसा जिलाक महिषी प्रखंडक लहुआर गाममे। आरंभिक शिक्षा, गामहिसँ, आइ.ए., बी.ए. (मैथिली सम्मान) एम.ए. मैथिली (स्वर्णपदक प्राप्त) तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार सँ। [बिहार पात्रता परीक्षा (क समतुल्य) व्याख्याता हेतु उत्तीर्ण, 1995] "मैथिली नाटकक सामाजिक विवर्त्तन" विषय पर पी-एच.डी. वर्ष 2008, तिलका माँ. भा.विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार सँ। मैथिलीक कतोक प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिका सभमे कविता, कथा, निबंध आदि समय-समय पर प्रकाशित। वर्तमानमे शैक्षिक सलाहकार (मैथिली) राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर-6 मे कार्यरत।

श्याम सुन्दर शशि

जनकपुरधाम, नेपाल। पेशा-पत्रकारिता। शिक्षा: त्रिभुवन विश्वविद्यालयसँ, एम.ए. मैथिली, प्रथम श्रेणीमे प्रथम स्थान। मैथिलीक प्रायः सभ विधामे रचनारत। बहुत रास रचना विभिन्न पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित। हिन्दी, नेपाली आ अंग्रेजी भाषामे सेहो रचनारत आ बहुतरास रचना प्रकाशित। सम्प्रति- कान्तिपुर प्रकाशक अवर ब्यूरोमे कार्यरत। –

श्री वैकुण्ठ झा

पिता-स्वर्गीय रामचन्द्र झा, जन्म-२४-०७-१९३४ (ग्राम-भवराड ा, जिला-दरभंगा), शिक्षा-स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र),पेशा- शिक्षक। मैथिली, हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा मे लगभग २०० गीत कऽ रचना। गोनू झा पर आधारित नाटक "हास्यशिरोमणि गोनू झा तथा अन्य कहानी कऽ लेखन। अहि के अलावा हिन्दी मे लगभग १३ उपन्यास तथा कहानीक लेखन।

श्री विद्यानन्द झा

पञ्जीकार प्रसिद्ध मोहनजी

जन्म-09.04.1957, पण्डुआ, ततैल, ककरौड (मधुबनी), रहीका य (पूर्णिया), शिवनगर (अररिया) आ' सम्प्रति पूर्णिया। पिता नन्द धौत पञ्जीशास्त्र मार्त्तण्ड पञ्जीकार मोदानन्द झा, शिवनगर, अररिया, पूर्णिया|पितामह-स्व. श्री भिखिया झा। पञ्जीशास्त्रक दस वर्ष धरि 1970 ई.सँ 1979 ई. धरि अध्ययन,32 वर्षक वयससँ पञ्जी-प्रबंधक संवर्द्धन आ संरक्षणमे संलग्न। –

विनीत उत्पल (१९७८-)।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



আনংদপুবা, মধেপুবা। প্রাবংভিক শিক্ষাসঁ গঁটৈব ধবি মুংগেব জিলা অংতস্থাত বণগাঁব আ তাবাপুবমে। তিনকামাঁঝী ভাগলপুব, বিশ্ববিদ্যালযসঁ গণিতমে বীএসসী (আনর্স)। গুরু জম্ভেশ্বব বিশ্ববিদ্যালযসঁ জনসংচাবমে মাস্টব ডিগ্রী। ভাবতীয বিদ্যা ভবন, নঙা দিল্লীসঁ অংগবেজী পত্রকাবিতামে স্নাতকোত্তব ডিপ্লামা। জামিযা মিল্লিযা ওস্লামিযা, নঙা দিল্লীসঁ জনসংচাব আঃ বচনামেক লেখনমে স্নাতকোত্তব ডিপ্লামা। নেল্সন মংডেলা সেংটৈব ফ াব পীস এংড কনফ্লিক্ট বিজোল্যুশেন, জামিযা মিলিযা ওস্লামিযাক পহিল বৈচক ছাত্র ভ সর্টিফিকেট প্রাপ্ত। ভাবতীয বিদ্যা ভবনক ফ্রেংচ কোর্সক ছাত্র।
আকাশবাণী ভাগলপুবসঁ কবিতা পাঠ, পবিচর্চা আদি প্রসাবিত। দেশক প্রতিষ্ঠিত পত্র-পত্রিকা সভমে বিভিন্ন বিষযপব স্বতংত্র লেখন। পত্রকাবিতা কৈবিযব- দৈনিক ভাস্কব, ওংদৌব, বাযপুব, দিল্লী প্রেস, দৈনিক হিংদুস্তান, নঙা দিল্লী, ফবীদাবাঁদ, অকিংচন ভাবত, আগবা, দেশবঁধু, দিল্লী মে। এখন বাষ্ট্রীয সহাবা, নোএডা মে ববিষ্ঠ উপসংপাদক।—দেবাংশু বসে
মৈথিলী চিত্র-শ্রৃংখলা (ক ামিক্স)
জন্ম- ভুলাপট্টী, স্বপৌল। মাস কম্যুনিকেশনমে এম.এ। হিন্দী, অংগ্রেজী আ মৈথিলীক বিভিন্ন পত্র-পত্রিকামে কথা, লঘুকথা, বিজ্ঞান-কথা, চিত্র-কথা, কার্টুন, চিত্র-প্রহেলিকা ওত্যাদিক প্রকাশন। বিশেষ: গুজবাত বাজ্য শালা পাঠ্য-পুস্তক মংডল দ্বাবা আঠম কক্ষাক লেল বিজ্ঞান কথা "জংগ" প্রকাশিত (2004 ঙ.)-
জীবকান্ত- পূর্ণ নাম- জীবকান্ত ঝা
পিতা-গুণানন্দ ঝা, মাতা-মহেশ্বেবী দেবী, জন্ম তিথি-২ঙ.০৭.১৯৩৬ স্থান অন্তুআঠ , জিলা-স্বপৌল
শিক্ষা-মৈট্রিক (১৯ঙঙ উ.বি.ডেবঠ), আও.এস.সী. (১৯ঙ৭ আব.কে.ক ালেজ, মধুবঁনী), বী.এ. (১৯৬৪ বিহাব বি.বি.স্বতংত্র ছাত্র), ডিপ.ওন.এড.(১৯৬৯ মিথিলা বি.বি.)
লৌকবী-উঁচ বিদ্যালযমে সহাযক শিক্ষক। বিজ্ঞান শিক্ষক (উ.বি.খজৌলী ১৯ঙ৭-+১), হিন্দী শিক্ষক (উ.বি.ডেওঠ এবং উ.বি.পোখবাম ১৯+১-৯+)
পহিল বচনা-ওজোড় যা আ টিটৈহী (কবিতা, জলরবী ১৯৬ঙ মিথিলা মিহিব)
পহিল ছপল পোথী- দূ ফ্লহেসক বাঁট (উপন্যাস ১৯৬+)
নবীনতম পোথী-খিখিবক বীঅবি (২০০৭ বাঁল পদ্য কথা), অঠল্লী খসলগ বলমে (পদ্য-কথা সংগ্রহ) আ পংজবি প্রেম প্রকাসিযা (জীবন-বৃত্তক অংশ) প্রেসমে
পুবস্কাব-সাহিত্য অকাদেমী (দিল্লী ১৯৯+), কিবণ সম্মান (১৯৯+), বৈদেহী সম্মান (১৯+ঙ)
প্রকাশিত পোথী-
কবিতা সংগ্রহ:
নাচূ হে পৃথ্বী (৭১), ধাব নহি হোওছ ঝঔ (৯১), তকৈত অছি চিড ৈ (৯ঙ), খাঁড় া



(১৯৯৬), পানিমে জোগনে অছি বস্তী (৯৮), হৃনগী নীনাকাশমে (২০০০), গাছ ন্নূন-ন্নূন (২০০৪), ছাহ সোহাওন (২০০৬), খিখিবিক রীখবি (২০০৭)

কথা-সংগ্রহ:

একসবি ঠাঠ া কদম তব বে (৭২), সূর্য গনি বহন অছি (৭ ঌ), বস্তু (৮৩), কবমী ন্নীন (৯৮)

উঁপন্যাস:

দূ হৃহেসক বাঁট(৬৮), পনিপত(৭৭), নহি, কতহ্ নহি (৭৬), পীযব গ্বনাৱ ছন (৭১), অগিনবাঁন (৮১)

হিন্দী অনুবাদ- নিশান্ত কী চিড় া যা (হিন্দী অনুবাদ-তকৈত অছি চিড় ৈ, সাহিত্য অকাদমী, দিল্লী ২০০৩)

জীরকাঁত 1936-

জন্ম স্থান ড্যাঠ, ঘোঘবডীহা, মধুবনী, বিহাব । বিশিষ্ট কথাকাব, কবি, উঁপন্যাসকাব । 'তকৈত অছি চিড় ৈ' (কবিতা) হেতু সাহিত্য অকাদেমী প্রবস্কাবসঁ সম্মানিত । প্রকাশিত কৃতি: একসবি ঠাঠ া কদম তব বে, সূর্য গনি বহন আছি, বস্তু, কবমী ন্নীন (কথা সংগ্রহ), দূ হৃহেসক বাঁট, পীযব গ্বনাৱ ছন, নহি কতহ্ নহি পনিপত, অগিনবাঁন (উঁপন্যাস), নাচু হে পৃথ্বী, তকৈত অছি চিড় ৈ, খাঁড় । (কবিতাসংগ্রহ)।

মহাকবি নানদাস 1856-1921

হিনক জন্ম খড় ৌআ গ্রামমে ১৮ঌ৬ ঙ. মে তথা মৃত্যু ১৯২১ ঙ. মে ভেনন্হি । হিনক অনেক বচনা উঁপনব্ধ হোগত অছি, যথা—বমেশ্বব চবিত বামাযাণ,' স্ত্রী শিক্ষা,' 'সাবিত্রী-সত্যবান,' 'চন্ডী চবিত,' 'বিকদাবনী,' 'দ্বর্গা সপ্তশতী,' তন্ত্রাঙ মিথিনা মাহাম্যে' আদি । মৈথিনীক অতিবিক্ত ঙ সংস্কৃত, হিন্দী তথা হৃাবসীক জ্ঞাতা ছনাহ । কবিতাক অতিবিক্ত গদ্যমে সেহো ঙ বচনা কএন । বমেশ্বব চবিত বামাযণ হিনক সভসঁ বিশিষ্ট গ্রন্থ অছি । বাম-কথাক উঁল্লেখমে সীতাক মহিমাক মহত্ত্ব দএ মিথিনা তথা মৈথিনীক প্রতি ঙ অপন শ্রদ্ধা তথা ভক্তিকেঁ ব্যক্ত কএন অছি ।

ম. ম. পবমেশ্বব ন্না 1856-1924

জন্ম 1856 ঙ. মে তবৌনী গ্রাম (দবভঁগা) জিনামে ভেন ছনন্হি তথা নিধন 1924 ঙ. মে । সংস্কৃত ব্যাকবণক ঙ দিগ্গজ বিদ্বান্ ছনাহ তথা 'বৈযাকবণ কেশবী' ক উঁপাধিসঁ



विभूषित छलाह । मैथिली साहित्यमे अपन कृति 'मिथिलातत्त्व विमर्श' तथा 'सीमंतिनी आख्यायिका'क कारणे महत्त्वपूर्ण स्थान रखैत छथि । ई महाराज रमेश्वर सिंहक दरबारमे राज–पंडितक पदपर अनेको वर्ष धरि सुप्रतिष्ठित छलाह ।

मुकुन्द झा "बख्शी" 1869–1936

जन्म हरिपुर बख्शी टोल ग्राम (मधुबनी जिला) मे 1869 ई. मे भेल तथा हिनक निधन काशीमे 1937 ई. मे भेलन्हि । हिनक लिखल संस्कृत मे अनेक ग्रंथ अछि । मैथिलीमे हिनक महत्त्वपूर्ण कृति अछि 'मिथिला भाषामय इतिहास' । एकर अतिरिक्त मैथिलीमे हिनक स्फुट निबन्ध सभ सेहो प्रकाशित भेल । मिथिलाक ऐतिहासिक वर्णन सभसँ पहिले हिनके प्रकाशित भेल । एहि इतिहासमे मिथिलाक सर्वतोमुखी परिचय प्रस्तुत कएल गेल अछि ।

डॉ. सर गंगानाथ झा 1871–1941

जन्म मधुबनी जिलाक सरिसब–पाही ग्राममे 1871 ई. मे भेल तथा निधन प्रयागमे 1941 ई. मे । ई अपना समयक संस्कृतक प्रकाण्ड विद्वान म. म. चित्रधर मिश्र, म. म. जयदेव मिश्र तथा म. म. शिवकुमार शास्त्रीसँ मीमांसा एवं दर्शनिक अध्ययन कएलन्हि तथा दर्शनिक विभिन्न दुरुह ग्रंथक अंग्रेजीमे अनुवाद कए पाश्चात्य संसारक ध्यान आकृष्ठ कएलन्हि । ई गवर्नमेन्ट संस्कृत कॉलेज बनारसमे 1917 सँ 1923 धरि प्रिंसिपल छलाह तथा एलाहाबाद विश्वविद्यालयक 1923 सँ 1932 पर्यन्त कुलपति रहलाह । मैथिलीमे हिनक सम्पादित चन्दा झाक 'महेशवाणी संग्रह' तथा 'गणनाथ–विन्ध्यनाथ पदावली' प्रकाशित अछि । मैथिली साहित्य परिषद् द्वारा प्रकाशित हिनक 'वेदान्त दीपक' (दर्शन) विषयक अपूर्व ग्रंथ अछि । एहिसँ भिन्न हिनक निबंध सभ सामयिक मैथिली पत्र–पत्रिकामे प्रकाशित अछि ।

बलदेव मिश्र 1890–1975

हिनक जन्म सहरसा जिलाक बनगाँव ग्राममे 1890 ई. मे एवं निधन फरवरी, 1975मे भेलन्हि । प्रारम्भमे पं. लेखनाल चौधरीसँ ज्योतिष पढ़ि ई काशीमे पं. सुधाकर द्विवेदीजीक शिष्य भेलाह । बहुत वर्ष धरि सरस्वती भवन (वाराणसी) मे हस्तलिखित विभागमे कार्य कएल । पश्चात् पटनाक काशीप्रसाद जयसवाल रिसर्च संस्थानमे अनेक प्राचीन तिब्बती हस्तलिपिकेँ देवनागरीमे लिप्यन्तरित कएल। 'मिथिलामोद' प्रकाशन एवं



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

म.म. मुरलीधर झाक प्रोत्साहनसँ ज्यौतिषीजी १९१० ई.सँ 'मोद'मे लिखए लगलाह। हिनक प्रकाशित रचना अछि—'रामायण शिक्षा', 'चन्दा झा', 'संस्कृति', 'भारत शिक्षा', 'गप्प-सप्प विवेक', 'समाज' आदि । पण्डितजी जारत् धरि पटना रहलाह बराबरि 'मिहिर'मे लिखैत रहलाह ।

सीताराम झा 1891-1975

जन्म चौगामा ग्राममे १८९१ ई.मे तथा निधन १९७५ ई. मे भेलन्हि । संस्कृतमे ज्योतिष शास्त्रक अनेक रचनाक .अतिरिक्त मैथिलीमे हिनक 'अम्ब चरित' (महाकाव्य), 'सूक्ति सुधा,' लोक लक्षण,' 'पठ्◌् आचरित,' 'पूर्वापर व्यवहार,' उनटा बँसात,' 'अलंकार दर्पण', 'भूकम्प वर्णन', 'काव्य षष्ठ-रस', 'मैथिली काव्यापरन', आदि ग्रन्थ उपलब्ध अछि । हिनक गीताक मैथिली अनुवाद सेहो उपलब्ध अछि । मिथिला मोदक सम्पादन १९२० ई.सँ १९२७ ई. धरि ई कएल ।

बद्रीनाथ झा 1893-1973

जन्म मधुबनी जिलाक सरिसब ग्राममे १८९३ ई. मे भेलन्हि तथा १९१४ ई. मे ई काशी लाभ कएलन्हि । बहुत दिन धरि ई मुजफ्फरपुरक धर्म्म समाज संस्कृत कॉलेजमे साहित्यक अध्यापक छलाह । मैथिलीक विख्यात कवि लोकनि यथा सुमनजी, मधुपजी, मोहनजी आदि हिनक शिष्य छथिन्ह । संस्कृत साहित्यमे हिनक अनेक रचना अछि । जाहिमे राधा परिणय' (महाकाव्य) क स्थान विशिष्ट अछि । मैथिलीमे हिनक 'एकावली परिणय' (महाकाव्य) एक नवीन कीर्तिमान स्थापित कएलक। कोनो अलंकारक दृष्टान्त तकबाक हेतु 'एकावली परिणय' पर्याप्त अछि ।

उमेश मिश्र 1895-1967

जन्म मधुबनी जिलाक गजहरा ग्राममे 1895 ई. मे भेल छलन्हि । ई बहत्तरि वर्षक आयुमे १९६७ ई. मे प्रयागमे स्वर्गवासी भेलाह । ई अपन स्वनाम-धन्य पिता म. म. जयदेव मिश्र तथा म. म. डा. गंगानाथ झाक सान्निध्यमे विद्यार्जन कएल। १९२३ सँ १९५९ धरि मिश्रजी इलाहाबाद विश्वविद्यालयमे संस्कृतक प्राध्यापक छलाह । दरभंगा 'मिथिला शोध संस्थान'क निदेशक पदपर किछु समय कार्य कए १९६२ सँ ६५ धरि कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालयक कुलपति रहलाह । म. म. मुरलीधर झासँ प्रभावित भए 'मिथिलामोद'मे ई लिखब प्रारम्भ कएलन्हि तथा अपन विविध प्रकारक रचनासँ



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

মৈথিলীক গদ্যকেঁ সমৃদ্ধ কএলন্হি । মৈথিলীমে হিনক প্রসিদ্ধ গ্রন্থ অছি—'কমলা' (শেক্সপীয়রক 'টেম্পেস্ট'ক ভাবানুবাদ), 'নলোপাখ্যান', 'মৈথিলী-সংস্কৃতি' তথা অনেক বর্ণনাত্মক এবং আলোচনাত্মক নিবন্ধ; মনবোধক গ্রন্থজন্মক সম্পাদন, বিদ্যাপতিক কীর্তিলতা, কীর্তিপতাকা, গোরক্ষ বিজয় আদিক অনুবাদ-সম্পাদন সেহো কএল।

অমরনাথ ঝা 1897-1955

সরিসব পাহীটোল গ্রামমে ১৮৯৭ ই. মে ভেল । হিনক নিধন পটনামে জখন ই বিহার লোক সেবা আযোগক অধ্যক্ষ ছলাহ, ১৯৫৫ মে ভেলন্হি । ই এলাহাবাদ বিশ্ববিদ্যালয়ক নও বর্ষ ধরি কুলপতি রহি পশ্চাত্ হিন্দূ বিশ্ববিদ্যালয়ক সেহো কুলপতিক পদকেঁ সুশোভিত কএলন্হি । ই অংগরেজীক প্রকান্ড বিদ্বান্ ছলাহ, তাহি সংগ হিন্দী, উর্দূ, ফারসী, সংস্কৃত, বঁগলা এবং মৈথিলীক সেহো অদ্ভুত বিদ্বান্ ছলাহ ।মৈথিলীমে হিনকা দ্বারা সম্পাদিত 'হর্ষনাথ কাব্য গ্রন্থাবলী' তথা 'গোবিন্দদাসক শৃংগারভজন' মহত্ত্বপূর্ণ অছি । এহিসঁ ভিন্ন হিনক মৈথিলী সাহিত্য পরিষদক অধ্যক্ষীয় ভাষণ তথা অন্য লেখ প্রকাশিত অছি ।

ভোলালাল দাস 1897-1977

হিনক জন্ম দরভংগা জিলাক কসরৌর মে ভেলন্হি । সাহিত্য সর্জনাক অতিরিক্ত অপন সংগঠন ক্ষমতা তথা মৈথিলী সাহিত্যক সর্বতোন্মুখী বিকাসক হেতু সতত তৎপর রহবাক কারণেঁ ভোলা বাবূ মৈথিলী সংসারক এক স্তম্ভক রূপমে রহলাহ । হিনক নিধন 1977 ই. মে ভেল ।

মৈথিলীক প্রচার-প্রসারমে ই অপন জীবন সমর্পিত কএলে ছলাহ। পাঠ্যক্রমমে মৈথিলীকেঁ স্থান হো তাহি হেতু ই বীড় া উঠওলন্হি । বিদ্যালয় স্তরক অনেক পোথীক নির্মাণ কএল । মৈথিলী সাহিত্য পরিষদক ই সংস্থাপক মন্ডলক সদস্য ছলাহ । 1931 সঁ 1940 ই. পর্যন্ত ওকর প্রধান মন্ত্রী রহলাহ । হিনক মন্ত্রিত্বকালমে 'ভারতী' নামক মাসিক পত্রক প্রকাশন ভেল । এহিসঁ পূর্ব (১৯২৯-৩১) কুশেশ্বর কুমরজীক সংগ সংযুক্ত সম্পাদনমে 'মিথিলা' নামক পত্র চলাওল ।

ই নবীন এবং প্রগতিশীল বিচারক লোক ছলাহ । নবর লেখককেঁ প্রাসোহিত করব, শৈলীমে একরূপতা আনব, নব প্রকাশনসঁ মৈথিলীক সাহিত্য ভংডারক পূর্তি করব হিনক কর্ত্তব্য বনি গেল ছল ।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

हिनक लिखल 'मैथिली व्याकरण' तथा हिनकहि द्वारा सम्पादित 'गद्यकुसुमांजलि बहुत दिन धरि विद्यालयमे पठाओल जाइत रहल । हिनक लिखल अनेक निबन्ध समालोचना, कविता, संस्मरण, जीवनी-साहित्य मैथिलीक पत्र-पत्रिकामे छिड़ाएल अछि ।

कुमार गंगानन्द सिंह 1898-1971

जन्म—बनैली राजपरिवारमे 24-9-1898, मृत्यु:-श्रीनगर पूर्णिआ 17-1-1970 । भूतपूर्व शिक्षामंत्री, बिहार एवं कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय ।रचना—अगिलही (उपन्यास) तथा अनेक कथा एवं एकांकी । साहित्यकारक रूपमे अगिलही लएकेँ विशेष ख्याति । युगक अनुरूप सामाजिक कुरीति आदिकेँ आधार बनाए सुधारवादी दृष्टिएँ कथा सभहिक रचना।

रमानाथ झा 1906-1971

जन्म दरभंगा जिलाक उजान (धर्मपुर) ग्राममे 1906 ई. मे एवं हिनक निधन दरभंगामे १९७१ ई. मे भेलन्हि । 1930 ई. मे अंग्रेजीमे एम. ए. कएलाक बाद ई कतोक वर्ष धरि मधेपुर उच्च विद्यालयक प्रधानाध्यापक छलाह, तकरा बाद दरभङ्गा-राज-लाइब्रेरीक पुस्तकालयाध्यक्षक रूपमे 1936 सँ अन्तिम समय धरि रहलाह । 1952 सँ 62 चन्द्रधारी मिथिला कॉलेजमे प्रा. झा अंग्रेजीक प्राध्यापक रूपेँ काज पश्चात् ओही कॉलेजमे मैथिली विभागाध्यक्ष बनाओल गेलाह । 1965 मे रमानाथ बाबू साहित्य अकादमीक मैथिलीक प्रतिनिधि निर्वाचित भेलाह जाहि पद पर ओ जीवनक अन्त समय तक रहलाह ।

हिनक रचनाक क्षेत्र बहुत व्यापक छल । हिनक अनुसंधानात्मक निबंध दू गोटे संग्रह 'निबन्धमाला' तथा 'प्रबंध संग्रह' प्रकाशित अछि । संकलित सम्पादित पुस्तक सभमे 'मैथिली पद्य-संग्रह', 'मैथिली गद्य-संग्रह', 'प्राचीन गीत', 'कथा काव्य', 'नवीन गीत', 'कविता कुसुम', 'कथा संग्रह' आदि अछि । 'कथासरित्सागर'क आधार पर प्राञ्जल गद्य शैलीमे हिनक 'उदयन-कथा' तथा 'बररुचि-कथा' बेश ख्याति पओलक । व्याकरणक 'मिथिला भाषा प्रकाश', 'अलंकारप्रवेश' आदि अनेक ग्रन्थ प्रकाशित अछि । 'मैथिली साहित्य पत्र' त्रैमासिक पत्रिकाक संपादक।

कासीकान्त मिश्र "मधुप" 1906-1987



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

'बाधाबिवह' (महाकाव्य) पव साहित्य अकादेमी पुवस्काव प्राप्त मैथिलीक प्रशस्त कवि आ मैथिलीक प्रचाव-प्रसावक समर्पित कार्यकर्ता 'झंकाव' कवितासँ क्रान्ति गीतक आह्वान कएलनि । प्रकृति प्रेमक विलक्षण कवि । 'घसल अठन्नी कविताक लेल कथ्य आ शिल्प-संवेदना—दृष्टि स्तव पव चवम लोकप्रियता भेटैलनि ।

काँञ्चीनाथ झा "किवण" 1906-1988

जन्म स्थान-धर्मपुव,लोहना वोड, दवभंगा बिहाव । मैथिली भाषा आंदोलनमे महत्वपूर्ण भूमिका। 'पवाशिव' महाकाव्य लेल साहित्य अकादमी ओ 'कथा किवण' लेल वैदेही पुवस्कावसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: चंद्रग्रहण (उपन्यास), वीव-प्रसून (बालकथा), जय जन्मभूमि (एकांकी), विजेता विद्यापति (नाटक), कथा-किवण (कथा-संग्रह), किवण-कवितावली, कतेक दिनक बाद (कविता-संग्रह), पवाशिव (महाकाव्य) ओ किवण-निबंधावली (निबंध-संग्रह) आदि ।

ईशनाथ झा 1907-1965

बहुमुखी प्रतिभाक कवि । प्राचीन आ नवीन पद्धतिक काव्य-वचनाक विलक्षण संयोग हिनकव कवितामे भेटैत अछि । दलित वर्ग, शोषणक समस्या, स्वदेश प्रेमक यथार्थवादी वचनाक संग संग व्यक्तिनिष्ठ कल्पनाक अनेक विशिष्ट कविता मैथिलीमे लिखलनि ।

भुवनेश्वव सिंह 'भुवन' 1907-1944

अपन आठ ाक बहुमुखी प्रतिभाक कवि । प्राचीन आ नवीन वीतिक कविताक वचना विपुल संख्यामे कएलनि । 'भुवन भावती' कविता संकलन प्रकाशनसँ मैथिली ओज आ नव चेतनाक शंख फूकलनि।

तंत्रनाथ झा 1909-1984

जन्म १९०९ ई मे दवभंगा जिलाक धर्मपुव ग्राममे भेलन्हि मृत्यु ४-३.-'+४,चन्द्रधावी मिथिला क ालेजमे अर्थशास्त्रक प्राध्यापक छलाह । अवकाश ग्रहण क काव्य साधनामे लागल वहलाह । महाकाव्य, मुक्तक, एकांकी सभ विधामे ई सिद्ध हस्त छलाह । हिनक 'कीचक वध' महाकाव्य अंग्रेजीक 'ब्लैंक भर्स' (अमित्राक्षव छन्द) म लिखल अछि । मैथिलीमे 'सौनेट' एवं ब्लैंक भर्स'क ई प्रथम प्रयोक्ता थिकाह । संस्कृत पवम्पवामे



काव्य रचना कवितहुँ पाश्चात्य शैलीक नवीनता हिनका रचनामे भेल । हिनक 'कीचक वध' ओ 'गुंजन चरित' महाकाव्य—'मङ्गल-पञ्चाशिका' एवं 'नमस्या' मैथिली साहित्यमे अपन विशिष्ठ स्थान रखैछ । तकर अतिरिक्त ह्नकक काव्यमे विषय वस्तुक व्यापकता एवं शिल्प शैलिक प्रचुरता अछैत अछि । एक दिशि यदि प्राचीन ढंगक ईश्वर वन्दनाक रचना कएलन्हि तँ दोसर दिस 'सौनेट' (चतुर्दशपदी) 'बैलेड' आदि लिखबामे पूर्ण सफलता प्राप्त कएलन्हि । 'गुंजन चरित' महाकाव्य पर हिनका 1979 ई क साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटलन्हि । 1980 ई. मे हिनका अभिनन्दन ग्रन्थसमर्पित कएल गेलन्हि ।

सुरेन्द्र झा 'सुमन' 1910-2002

जन्म: ग्राम : बल्लीपुर, जिला-समस्तीपुर । प्रकाशित कृति: प्रतिपदा, अर्चना,साओन-भादर,अंकारली, अन्तर्नाद, पयस्विनी, उत्तरा आदि तीससँ अधिक मौलिक कविता-पुस्तक;पुरुष-परीक्षा, अनुगीतांजलि, ऋतु श्रृंगार तथा वर्णरत्नाकर, पारिजात-हरण, कृष्णजन्म, आनन्द-विजय आदि कतिपय ग्रन्थक अनुवाद-संपादन; 'मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव' नामक समीक्षा-ग्रंथ। 'पयस्विनी' लेल १९७१ मे साहित्य अकादेमी पुरस्कार तथा 'उत्तरा' पर १९९० मे मैथिली अकादेमीक विद्यापति पुरस्कार प्राप्त । मैथिलीक प्रथम दैनिक पत्र 'स्वदेश'क लब्धप्रतिष्ठ सम्पादक।

उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' 1913-1980

जन्म १९१३ ई. मे दरभंगा जिलाक चतरिया ग्राममे भेलन्हि । मृत्यु २४-३-१९८० । संस्कृत शिक्षामे साहित्याचार्य ओ बङ्ग विद्या बाजक विद्वत्-परीक्षासँ 'साहित्य-रत्न'क उपाधिसँ विभूषित भेलाह । दैनिक आर्यावर्तमे आदिअहिसँ, पश्चात् १९६० सँ मिथिला मिहिरक उप-सम्पादक एवं सह-सम्पादक रूपेँ कार्य करैत १९७७ मे सेरा निवृत भेलाह । मोहनजी करीब पचास वर्ष साहित्य साधनामे लागल रहलाह । विजयानन्द, कुंजरंजन, सुदर्शन, पुण्डरीक, शास्त्री, वामन आदि छद्म नामसँ पत्र-पत्रिकामे विविध विषयपर हिनक लेख सभ प्रकाशित भेल अछि । मोहन जीक 'बाजि उठल मुरली'मे १०१ गोटे कविताक संकलन अछि जाहिमे हिनक सुदीर्घ काव्य-आराधनाक विभिन्न विचारधाराक ओ विभिन्न अनुभूतिक सामग्री उपलब्ध अछि । एहि पुस्तकपर मोहन'जीकेँ १९७८ मे साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटलन्हि। एहिसँ बहुत पूर्व हिनक 'फुलडाली' नामक कविता संग्रह सेहो प्रकाशित भेल छल।

पञ्जीकार मोदानन्द झा 1914-1998



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

নব্য ধৌত পঞ্জীশাস্ত্র মার্ত্তণ্ড পঞ্জীকাৰ মোদানন্দ ঝা, শিৱনগৰ, অৰৰিয়া, পূর্ণিয়া। পিতা-স্ব. শ্রী ভিখিয়া ঝা। গুরু- পঞ্জীকাৰ ভিখিয়া ঝা। শাস্ত্রার্থ পৰীক্ষা- দৰভংগা মহাৰাজ কুমাৰ জীৱেশ্বৰ সিংহক যজ্ঞোপরীত সংস্কাৰক অৱসৰ পৰ মহাৰাজাধিৰাজ(দৰভংগা) কামেশ্বৰ সিংহ দ্বাৰা আয়োজিত পৰীক্ষা-1937 ঈ. জাহিমে মৌখিক পৰীক্ষাক মুখ্য পৰীক্ষক ম.ম. ডॉ. সৰ গংগানাথ ঝা ছলাহ।

উপেন্দ্র নাথ ঝা 'ব্যাস' 1917-2002

জন্ম স্থান-হৰিপুৰ বকশীটোল, মধুৱনী, বিহাৰ । 'দু-পত্র' লেল সাহিত্য অকাদেমী পুৰস্কাৰসঁ সম্মানিত । সাহিত্য অকাদেমীক অনুৱাদ পুৰস্কাৰ প্রাপ্ত । প্রকাশিত কৃতি: কুমাৰ, দু পত্র (উপন্যাস), বিউৱনা, ভজনা ভজলে (কথা-সংগ্রহ), পতন সংন্যাসী, প্রতীক (কাব্য), মহাভাৰত (পহিল দু পর্ব) আদি।

ব্রজকিশোৰ বর্মা 'মণিপদ্ম' 1918-1986

জন্ম স্থান-বৱেহড়া, দৰভংগা বিহাৰ । নৈকা বনিজাৰ (উপন্যাস) লেল সাহিত্য অকাদেমী পুৰস্কাৰসঁ সম্মানিত । উপন্যাসকাৰ, কথাকাৰ ও কবি । প্রকাশিত কৃতি: কোব্রাগর্ল, কনকী, অর্দ্ধনাৰীশ্বৰ, লোৰিক বিজয়, নৈকা-বনিজাৰা, নৱহৰি-কুশহৰি, ৰায ৰণপাল, আদিম গুনাম আদি উপন্যাস ও কংঠহাৰ (নাটক) আদি।

বুদ্ধিধাৰী সিংহ ৰমাকৰ 1919-1991

জন্ম মধুৱনীমে 1919 ঈ. মে ভেল । অপন পিতা স্ব. ক্ষেমধাৰী সিংহসঁ বিভিন্ন বিষযক শিক্ষা গ্রহণ কএলন্হি । ঈ ৰামকৃষ্ণ কॉলেজ, মধুৱনীক মৈথিলী বিভাগাধ্যক্ষ ছলাহ । জতএসঁ অৱকাশ প্রাপ্ত কএলন্হি । বাল্য-ৱস্থহিসঁ ঈ কবিকার্যমে লাগল ৰহলাহ অছি । সংস্কৃত তথা মৈথিলী দুনূ ভাষামে হিনক ৰচনা প্রকাশিত অছি । যথা—মৈথিলীমে 'প্রযাস' (কথা-সংগ্রহ), 'মধুমতী', 'অমৰৱাপূ' (কবিতা-সংগ্রহ), 'শৰশয্যা' (খংড-কাব্য) 'স্মৃতি সাহত্রী' (মহাকাব্য) আদি ।

গোবিন্দ ঝা 1923-

জন্মস্থান-ঙসহপুৰ, সনকোর্থু সবিসৱ পাহী, মধুৱনী, বিহাৰ । প্রসিদ্ধকথাহাৰ,উপন্যাসকাৰ, নাটককাৰ, ভাষা বৈজ্ঞানিক ও অনুৱাদক। সাহিত্য অকাদেমী পুৰস্কাৰ, সাহিত্য অকাদেমী অনুৱাদ পুৰস্কাৰসঁ সম্মানিত। বিহাৰ সৰকাৰসঁ কামিল বুল্ক পুৰস্কাৰ, গ্রিযর্সন পুৰস্কাৰ



आदिसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: उपन्यास, नाटक, कथा, कविता, भाषा विज्ञान आदि विभिन्न विधामे अड़तीस टा पोथी प्रकाशित । प्रकाशन: सामाक पौती,नेपाली साहित्यक इतिहास (अनु) आदि । प्रबोध सम्मान 2006 सँ सम्मानित।

सुधांशु शेखर चौधरी 1922-1990

जन्म दरभंगाक मिश्रटोलामे 1922 ई. मे भेलन्हि तथा मृत्यु 1990 ई. मे भेलन्हि । किछु दिन विभिन्न जीविकामे रहि पश्चात् साहित्यकारक जीवन प्रारम्भ कएल । किछु दिन 'वैदेही'क सम्पादन श्री सुमनजी एवं श्री कृष्णकान्त मिश्रजीक संग कएल तत्पश्चात् 1060 ई. सँ 1982 ई. धरि पटनामे 'मिथिला मिहिर''क सफल सम्पादन कएल ।हिनक दू गोट नाट्यकृति-'भफाइत चाहक जिनगी', लेटाइत आँचर', तथा 'पहिल साँझ' हिनक नाटकक नीक व्यावहारिक अनुभवक परिचायक अछि ।छद्मनामसँ हिनक दू गोट उपन्यास मिहिर' मे प्रकाशित भेल अछि । हिनक उपन्यास ई बतहा संसार' जे मैथिली अकादमी द्वारा प्रकाशित भेल आ जाहि पर 1980 क साहित्य अकादमीक पुरस्कार देल गेल |

योगानन्द झा 1923-1986

हिनक जन्म मधुबनी जिलाक कोइलख ग्राममे 1923 ई. मे भेलन्हि । मृत्यु 1986 मे भेलनि । अंग्रेजीमे एम. ए. कएलाक पश्चात् ई किछु दिन चन्द्रधारी मिथिला कॉलेजमे प्राध्यापक रहलाह । बिहार प्रशासनिक सेवामे 1981 धरि विभिन्न पदपर कार्य कएल । तत्पश्चात् मैथिली अकादमीक निदेशक '84 धरि ।योगानन्द झाजी मैथिली साहित्यमे अपन उपन्यास 'भलमानुस' एवं 'पविलो'क हेतु ख्यात छथि । हिनक नाटक 'क्षणिक मतिभ्रम' एवं कथा संग्रह 'उड़ैत वंशी' यथेष्ठ प्रतिष्ठा प्राप्त कएने अछि । एकर अतिरिक्त ई महात्मा गान्धीक आत्मकथाक अनुवाद एवं 'आमक जनश्रुती' नामक एक कथा संग्रहक सम्पादन सेहो कएने छथि |

रामकृष्ण झा 'किसुन' 1923-1970

आधुनिक धाराक विशिष्ठ कवि, कथाकार, चिन्तक । प्रकाशित कृति: आमेलपद (कविता संग्रह), मैथिली नवकविता (सम्पादन)। मृत्युपरान्त 'किसुन रचनावली' तीन खण्डमे प्रकाशित ।

उमानाथ झा 1923-

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



জন্ম:-1-1-1923: মহরৈন, ভধ্রঁনী । ভূতপূর্র খঙরেজী রিভাগাধ্যক্ষ এরং প্রতি-স্কনপতি মিথিনা রিশ্বরিদ্যানয, দবভংগা । বচনা:-বেখাচিনে, খতীত (কথা সংগ্রহ); মৈথিনী নরীন সাহিত্য, গন্দ্র ধন্বষ, রিদ্যাপতি গীতশেতী (সম্পাদন)।

প্ররোধ নাবাযণ সিংহ 1924-2005

হিন্দী, সংস্কৃত, মৈথিনী, পানী এরং ফাবসীক রিদ্বান্। মিথিনা, মৈথিন এরং মৈথিনীক ঙা খনন্য ভক্ত ছথি । কনকত্তা বহি মিথিনা দর্শন', মৈথিনী করিতা', মৈথিনী বংগমংচ' খাদি পনিকোক প্রকাশনক মাধ্যমসঁ শ্রী প্ররোধজী মৈথিনীক জে সেরা কএন খছি তকব র্ণনি থোড়়মে সম্ভর নহি । খনেক রঁগুনা ঙ্কতিক ঙা খন্নরাদ সেহো কএন খছি । হিন্দীমে সেহো হিনক 'করিতা সংগ্রহ' প্রকাশিত খছি । কনকত্তা রিশ্বরিদ্যানযমে হিন্দীক পূর্র খধ্যক্ষ।

চন্দ্রনাথ মিশ্র খমব 1925-

জন্ম: খোজপ্পব, মধ্রঁনী । ররিষ্ঠ করি, কথাকাব-উপন্যাসকাব । হাস্য-র্যংগ্যক করিতামে রেঁজোড় । মৈথিনীক নেন সমর্পিত র্যক্তিত্ব । পাঁচ দর্জনসং রেঁসী কথা খা রিদাগবী, রীবকন্যা (উপন্যাস) জন সমাধি (কথা সংগ্রহ) প্রকাশিত । 'পত্রকাবিতাক গতিহাস' নেন সাহিত্য খকাদমীসং সম্মানিত। এম. এন. একেডমী, নহেবিবিযাসবাযসং শিক্ষকক রূপমে খরকাশ প্রাপ্ত। খাশা দিশা, গ্বদগ্বদী, যুগচক্র, উনটা পান খাদি করিতা সংগ্রহ প্রকাশিত।

জযধাবী সিংহ 1929-2007

সমীক্ষক, করি । প্রকাশন: রৌদ্ধগানমে তাঁত্রিক সিদ্ধাংত, সমীক্ষা শাস্ত্রা খদি । বামগ্ঞ্জ ক়ানেজ, মধ্রঁনীমে মৈথিনী রিভাগক পূর্র খধ্যক্ষ

গোপানজী ঝা 'গোপেশ' 1931-2008

জন্ম মধ্রঁনী জিনাক মেহথ গামমে ১৯৩১ ঙা.মে ভেনন্হি। হিনকব বচিত "সোন দাগক চিট্ঠী", "গ্বম ভেন ঠাঠ় ছী", "এনরঁম" "খারঁ কহু মন কেহন নগৈএ", "মখানক পাত" প্রকাশিত ভেন জাহিমে সোনদাগক চিট্ঠী রেঁশ নোকপ্রিয ভেন

ননিত 1932-1983



जन्म स्थान बॅसैठ चानपुरा मधुबॅनी, बिहार । प्रसिद्ध कथाकार ओ उपन्यासकार । प्रकाशित कृति: प्रतिनिधि, (कथा संग्रह), पृथ्वी-पुत्र (उपन्यास) आदि।

धूमकेतु 1932-2000

जन्म स्थान कोइलख, मधुबॅनी, बिहार । प्रसिद्ध कथाकार, उपन्यासकार ओ कवि । प्रकाशित कृति : दू टा कथा संग्रह ओ एक टा उपन्यास ।

राजमोहन झा 1934-

जन्म स्थान कुमरबॅाजितपुर, वैशाली, बिहार । प्रख्यात कथाकार ओ संपादक । आइ काल्हि परसू (कथा-संग्रह) लेल साहित्य अकादेमीसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति : एक आदि एकांत, झूठ साँच, एकटा तेसर, अन्वेषक, आइ काल्हि परसू (कथा संग्रह), गलतीनामा, भनहि विद्यापति, टिप्पणीत्यादि (आलोचना)। 'आरम्भ' पत्रिकाक संपादन। प्रबोध सम्मान 2009 सँ सम्मानित।

डॉ. धीरेन्द्र 1934-2004

जन्म स्थान लोहना, सविसबॅ पाली, मधुबॅनी, बिहार । प्रसिद्ध कथाकार,उपन्यासकार ओ कवि । प्रकाशित कृति: कुहेस आ किरण, पराजित युवक आगि, शतरूपा ओ मन्न अपन मन्दिर (कथासंग्रह) ढहैत देवाल टूटैत कोटि, काल्हि ओ आइ (कविता संग्रह) सहित कैक विधामे विभिन्न पोथी।

सोमदेव 1934-

उपन्यासकार ओ कवि । साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: चानोदाइ, होटल अनारकली (उपन्यास), काल ध्वनि (कविता संग्रह), चरैवेति (गीति नाट्य) सोम सतसइ (दोहा)।

रमानन्द रेणु 1934-

जन्म स्थान उसमामठ, दरभंगा, बिहार । वरिष्ठ कवि, कथाकार ओ उपन्यासकार। साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: कचोट, त्रिकोण, अंतहीन आकाश (कथा-संग्रह), दूधफूल (उपन्यास), अंतत:, ओकरे नाम (कविता-संग्रह)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



रामभद्र, धनुषा, नेपाल 1935-

साहित्य तथा अन्यान्य क्षेत्रक कतोक सफल व्यक्तिसभ अपन प्रेरणास्रोत आ पथ-प्रदर्शक मानैत छथि । मैथिली साहित्य-क्षेत्रमे हिनक परिचयक मादे एतबाए कहब पर्याप्त होएत जे मैथिलीक मूर्द्धन्य साहित्यकार डा. धीरेन्द्र हिनका मैथिली साहित्यक सर्वश्रेष्ठ कथाकार मानैत छथि ।हिनक कथामे प्रतीकात्मकताक अद्भुत प्रयोगहिटा नहि, अपितु एकटा आदर्श कथाक समस्त वैशिष्ठ्यसभविद्यमान रहैत अछि । कथाकारक अतिरिक्त ओ उत्कृष्ठ समालोचक, नाटककार आ कवि सेहो छथि । नेपालमे मैथिलीक पहिल मोनोड्रामा लिखबाक श्रेय सेहो हिनका जाइत छनि ।सामाजिक कुरीतिसभकेँ कुशलतासँ चित्रण करबामे, चिन्तनीय बनएबामे आ मन-मस्तिष्कपर अमिट छाप छोड़बामे रामभद्र सिद्धहस्त छथि । धनुषा जिलाक कुर्था गाममे जनमल रामभद्रक पूर्ण नाम रामभद्र कर्ण छनि । अंग्रेजी विषयक अवकाशप्राप्त शिक्षक रामभद्र व्याकरण, पाठ्यपुस्तक आ सहायक पुस्तकसभ लिखबाक काजमे निरन्तर सक्रिय छथि।

केदारनाथ चौधरी 1936-

जन्म 3 जनवरी 1936 ओ नेहरा, जिला दरभंगामे। 1958 ई.मे अर्थशास्त्रमे स्नातकोत्तर, 1959 ई.मे ला। 1969 ई.मे कैलिफोर्निया वि.वि.सँ अर्थस्थास्त्र मे स्नातकोत्तर, 1971 ई.मे सानफ्रांसिस्को वि.वि.सँ एम.बी.ए., 1978मे भारत आगमन। 1981-86क बीच तेहरान आ प्रैंकफुर्तमे। फेर बम्बई, पुणे होइत 2000 सँ लहेरियासरायमे निवास। मैथिली फिल्म 'ममता गाबय गीत'क मदनमोहन दास आ उदयभानु सिंहक संग सह निर्माता। तीन टा उपन्यास 2004 मे चमेली रानी, 2006 मे करार, 2008 मे माहुर।

डॉ अमरेश पाठक 1936-

हिनक जन्म सीतामढ़ी जिलाक अन्तर्गत सामारि ग्राममे १९३६ मे भेलन्हि । १९५७ मे पटना विश्वविद्यालयसँ मैथिलीक एम. ए. परीक्षामे प्रथम श्रेणीमे प्रथमस्थान पाओल । १९५७ सँ १९६० धरि रामकृष्ण महाविद्यालय, मधुबनीमे व्याख्याता रूपेँ तकरा बाद पटना विश्वविद्यालयमे व्याख्याता रूपमे कार्य करए लगलाह । पटना विश्वविद्यालयमे मैथिली विभागाध्यक्ष रूपेँ । मैथिलि उपन्यासक आलोचनात्मक अध्ययन' शोध प्रबन्धपर हिनका बिहार विश्व-विद्यालय द्वारा डि. लिट्क उपाधि भेटलन्हि । ओ शोध प्रबन्ध पुस्तकाकार रूपेँ सेहो प्रकाशित भेल अछि बिहार राष्ट्रभाषा परिषदक विद्यापति ग्रन्थावलीक



सम्पादक मण्डलक सदस्य । हिनक अन्य प्रकाशित रचना अछि 'निबन्ध संकलन' । एकरा छोड़ि विभिन्न पत्र-पत्रिकामे हिनक कतेको निबन्ध प्रकाशित छन्हि । मैथिली अकादमी द्वारा प्रकाशित कथा-संग्रहक गहो एक सम्पादक छथि । ई अधिकतर उच्च स्तरीय आलोचनात्मक निबन्ध लिखैत छथि ।

बलराम 1936-2008

जन्म स्थान पचही, मधुबनी, बिहार । विशिष्ठ कथाकार । प्रकाशित कृति : दकचल देबाल (कथा-संग्रह)।

रामदेव झा 1936-

कथाकर, समीक्षक, अनुवादक, ग्रंथ सम्पादक । साहित्य अकादेमीक मूल एवं अनुवाद पुरस्कार प्राप्त कर्त्ता ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगाक मैथिली विभागक पूर्व प्राचार्य । प्रकाशन: पसिझैत पाथर, (अनु.) आदि ।

रवीन्द्र नाथ ठाकुर 1936-

जन्म पूर्णिआ जिलाक धमदाहा ग्राममे 1936 ई. मे भेलन्हि । नेने अवस्थासँ गीत गएबामे एवं कविता लिखबामे विशेष रुचि । कोनो मंच पर ठाढ़ भेला पर ई सहजहि श्रोताकेँ आह्लादित करैत छथि । हिनक सात गोट मैथिलीक गीत संग्रह, एक मिनी महाकाव्य, एक प्रयोगधर्मी काव्य, एक उपन्यास, एक नाटक 'एक बाति' एवं एक हिन्दी नाटक, प्रकाशित भेल छन्हि ।

कीर्तिनारायण मिश्र 1937-

जन्म १७ जनुआरी १९३७ ई. केँ ग्राम शोकहारा (बरौनी), जिला बेगूसरायमे भेलन्हि। हुनकर प्रकाशित कृति अछि सीमान्त, हम स्तरन नहि लिखब (कविता संग्रह)। आखर पत्रिकाक नवप्रतिष्ठा सम्पादक।

कुलानन्द मिश्र 1939-

कुलानन्द मिश्र (१९४०-२०००), जन्म पकड़ी कोठी, सीतामढ़ी, बिहार। सुविख्यात कवि,, संपादक, समालोचक। प्रकाशित कृति- तारत एतबे, भोरक प्रतीक्षामे (कविता



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

संग्रह), भारतक भाषा सर्वेक्षण, पारो, राजकमल चौधरी की ग्यारह कहानियाँ (अनुवाद)।

विनय पासवान 'विहंगम' 1940-

जन्म मधुबनी जिलाक एकहथो ग्राममे १९४० ई. मे भेलन्हि।

प्रभास कुमार चौधरी 1941-1998

गाम- पिंडारूछ, जिला- दरभंगा ।प्रख्यात कथाकार ओ उपन्यासकार । प्रभासक कथा (कथा-संग्रह) लेल साहित्य अकादमी पुरस्कारसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति : कथा-प्रभास, प्रभासक कथा, नव घर उठय पुरान घर खसय, दिनदशा (कथासंग्रह), अभिशप्त, युगपुरुष, हमरा लग रहब, नवारम्भ, राजा पोखरिमे कतेक मछरी (उपन्यास) । विभिन्न महत्वपूर्ण पत्रिकाक सम्पादन । त्रैमासिक कथा गोष्ठी 'सगर राति दीप जरय' केर प्रारम्भ

साकेतानन्द 1941-

वरिष्ठ कथाकार, गणनायक (कथा-संग्रह) लेल साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित। प्रकाशित कृति: गणनायक (कथासंग्रह), सर्वस्वांत (उपन्यास)।

मार्कण्डेय प्रवासी 1942-

जन्म ग्राम: गरुआर, जिला: समस्तीपुर । प्रकाशित कृति: अगस्त्यायिनी (महाकाव्य); एतदर्थ (कविता संग्रह), अक्षर चेतना (काव्य संग्रह)। अभियान, हम कालिदास (उपन्यास)। 'अगस्त्यायिनी' लेल । १९+१मे साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त।

मोहन भारद्वाज 1943-

गाम- नवानी, जिला- मधुबनी । मैथिलीक प्रखर समालोचक, प्रबोध सम्मान 2008 सँ सम्मानित

भीमनाथ झा 1945-



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

जन्म:कोइलख, मधुबनी, बिहार । प्रखर कवि, समालोचक, प्राध्यापक । 'विविधा'पुस्तक लेल सन् १९९२मे साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्मानित । प्रकाशित कृति: त्रिधारा, वीणा, की फूलेए की नहि, नाम तँ थिक ओएह (कविता संकलन), परिचायिका, सीताराम झा, कवि चूड़ामणिक काव्य साधना, विविधा (निबँध, आलोचना) आदि ।

डॉ रामदयाल राकेश, सर्लाही, नेपाल 1942-

मैथिली मातृभाषा, हिन्दीक प्राध्यापक आ नेपालीक लेखक ओ तीनू भाषा 'राकेश'क व्यक्तित्वमे एना ले मिझराएल छैक जे कोनहुसँ हिनका भिन्न नहि कएल जा सकैत अछि । ओ विशेषत: नेपालीमे लिखैत छथि, मुदा लेखनक विषय मूलत: मैथिलीए संस्कृति रहैत छनि । ओना मैथिली, हिन्दी आ अंग्रेजीमे सेहो ओ अनेक रचना कएने छथि । नेपालक राजकीय-प्रज्ञा-प्रतिष्ठानक सदस्य 'राकेश' दिल्ली विश्वविद्यालयसँ पीएचडी आ अमेरिकास्थित इण्डियाना युनिवर्सिटीसँ पोस्ट डाक्टरल रिसर्च कएने छथि । डा. 'राकेश'क जन्म २३ जुलाइ १९४२ ई. क' सर्लाही जिलाक सिसौटियामे भेल छनि । नेपाली, मैथिली, हिन्दी आ अंग्रेजीमे मौलिक, सम्पादित आ अनूदित क' करीब दू दर्जन पोथी प्रकाशित , दर्जनभरि देशक भ्रमण सेहो कएने छथि ।

उपेन्द्र दोषी 1943-2001

जन्म स्थान रामपुर-कोरिगामा, दरभंगा । कवि-कथाकार, गीत-गजलकार । प्रकाशित कृति: यंत्रणाक क्षणमे (कविता संग्रह)। हिन्दीमे अनेक पोथी प्रकाशित। ओड़िया सँ मैथिली अनुवाद हेतु मूलपरान्त साहित्य अकादेमीसँ पुरस्कृत।

उदयचन्द्र झा "विनोद" 1943-

गाम- रहिका, मधुबनी । जन्म-ग्राम- दुलहा, मधुबनी । प्रकाशित कृति: संक्रान्ति, मौसम अयना पर, एहना स्थितिमे, भरि देह गौवा (कविता-संग्रह), धूरी (सहयोगी कविता संग्रह); जाँत (कथा संग्रह) 'माटि पानि'क ररेण्य सम्पादक।

मंत्रेश्वर झा 1944-

जन्म ६ जनवरी १९४४ ई.ग्राम-लालगंज, जिला-मधुबनीमे। प्रकाशित कृति: आधि, अलिचनहार गाम, बॅहसल रातिक इजोत (कविता संग्रह); एक बटे दू (कथा संग्रह), ओझा लेखे गाम बताह (ललित निबन्ध)। मैथिली कथा संग्रहक हिन्दी अनुवाद "झंडली"



নামসঁ প্রকাশিত। দি ফ্লুম্স পৈবাডাগজ (অংগ্রেজীমে ননিত নিবন্ধ), কতেক ডাবি পব (আমেকথা)।

বন্নেশ্বব মিশ্র 1945–

অনুবাদক, নিবঁধকাব । প্রকাশিন: তমিন সাহিত্যক গতিহাস,ভবভূতি (দূনূ অনুবাদ)।

বীরেন্দ্র মল্লিক 1945–

করি, সম্পাদক, সমীক্ষক । আখব, অগনিপত্রক সম্পাদন

শৈনেন্দ্র আনন্দ 1955–

জন্ম স্থান শিরনগব মধুবঁনী, দূ টা সমীক্ষা, তীন টা কথা সংগ্রহ, দূ টা গীত–গজল সংগ্রহ ও চাবি টা কথা–সংগ্রহ প্রকাশিত।

পদ্ম নাবাযণ ঝা "রিবঁচি" 1941–

জন্ম– গাম খোজপুব, জিনা–মধুবঁনীমে । মিথিনা মিহিবক প্রশস্ত স্তংভকাব । 1977 কেব জনতা আন্দাননমে অগ্রণী ভূমিকা, পার্টীক মুখপত্র "জনতা"ক সম্পাদক। বাঁদমে নোক দন (বঁ) মে হেমরতীনন্দন বঁহুগুণাক বাজনীতিক সনাহকাব।

রিজযকান্ত মিশ্র গতিহাসকাব 1927–1994

ডॉ. রিজযকাঁত মিশ্রক জন্ম ১০ অগস্ত ১৯২৭ মংগবৌনী গাম – জে নব্য ন্যায আ তাঁত্রিক সাধনাক জন্ম–স্থনী অছি– (জিনা মধুবঁনী) মে ভেনন্হি। ও 1948 মে প্রাচীন ভাবতীয গতিহাস আ সংস্কৃতি রিষযমে এনাহাবাঁদ রিশ্বরিদ্যানযসঁ সনাতকোত্তব উপাধি কএনাক বাঁদ কতেক বঁবখ ধবি রিহাব সবকাব আ পটনা রিশ্বিদ্যানযসঁ সম্বদ্ধ বহনাহ আ 1957 ঙ. সঁ ভাবতীয পুবাতত্ত্ব রিভাগমে কাজ কএনন্হি আ ওকব শিশুপানগঢ়, কৌশাম্বী, বৈশানী, হস্তিনাপুব, কুম্হবাব, পাটনিপুত্র, কবিযন, সোনপুব, রিনারনী, নানন্দা, বাজগীব, চন্দ্রবল্লী, আ হম্পী খুদাগমে রিভিন্ন ভূমিকামে ভাগ নেনন্হি। হিনকব নিখন–সম্পাদিত পোথী সভমে অছি: 1.বৈশানী,1950 2.কুম্হবাব এক্সকেরেশংস: 1950–1957 3.পুবাতত্ত্ব কী দৃষ্টিমে বৈশানী 4.নাগেশ ভট্টাজ পাবিভাষেন্দুশেখব 5.মিথিনা আর্ট এন্ড আর্কিটেক্চব



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(সম্পাদিত) 6.কলচবল হেবিটেজ অফ মিথিলা 7.শৃংগাব ভজনাৱলী- এক অধ্যযন 8.ক্ষেত্র পুবাতত্ত্ববিজ্ঞান- 9.পুবাতত্ত্ব শব্দাৱলী

বিনোদ বিহাবী লাল 1953-

জন্ম স্থান পচহী, মধুবনী, বিহাব ।চর্চিত কথাকাব । সযসঁ ঙুপব কথা প্রকাশিত

শ্যাম দবিহবে 1954-

জন্ম স্থান বঁবহা, বেনীপট্টী মধুবনী, বিহাব । কবি, কথাকাব । প্রকাশিত কৃতি : সবিসোমে ভূত (কথা সংগ্রহ) অনূদিত কৃতি : কনিপ্রিযা (ধর্মবীব ভাবতী

প্রাফেসব মহেন্দ্র 1947-

জন্ম: ভেলাহী, স্বপৌল, বিহাব । প্রসিদ্ধ কবি, কথাকাব, আলোচক । বৃত্তি: ভূ.না. বিশ্ববিদ্যালযক স্নাতকোত্তব কেন্দ্র, সহবসামে মৈথিলী বিভাগাধ্যক্ষ। প্রকাশিত কৃতি সাহিত্য অকাদেমীসঁ প্রাকাশিত মোনোগ্রাফ শৈলেন্দ্র মোহন ঝা । সহযোগী সংকলন-সংকল্প । 'বাজকমল জযন্তী প্রসংগক সংপাদন

বৈকুণ্ঠ ঝা 1954-

শ্রী বৈকুণ্ঠ ঝা,পিতা-স্বর্গীয বামচন্দ্র ঝা, জন্ম-২৪ – ০৭ – ১৯৩৪ (গ্রাম-ভবরাড় া, জিলা-দবভংগা),শিক্ষা-স্নাকোত্তব (অর্থশাস্ত্র),পেশা- শিক্ষক। মৈথিলী, হিন্দী তথা অংগ্রেজী ভাষা মে লগভগ ২০০ গীত কএ বচনা। গোনূ ঝা পব আধাবিত নাটক "হাস্যশিবোমণি গোনূ ঝা তথা অন্য কহানী কএ লেখন। অহি কে অলাবা হিন্দী মে লগভগ ১৩ উপন্যাস তথা কহানী কে লেখন।

বিদ্যানন্দ ঝা 'পঞ্জীকাব' 1957-

জন্ম-09.04.1957,পড়ুআ, ততৈল, ককবৌড়(মধুবনী), বশীঠয(পূর্ণিযা), শিৱনগব (অববিযা) আ' সম্প্রতি পূর্ণিযা। পিতা লব্ধ ধৌত পঞ্জীশাস্ত্র মার্ত্তণ্ড পঞ্জীকাব মোদানন্দ ঝা, শিৱনগব, অববিযা, পূর্ণিযা|পিতামহ-স্ব. শ্রী ভিখিযা ঝা। পঞ্জীশাস্ত্রক দস বর্ষ ধবি 1970 ঙ.সঁ 1979 ঙ. ধবি অধ্যযন,32 বর্ষক বযসসঁ পঞ্জী-প্রবন্ধক সংবর্দ্ধন আ সংবক্ষণমে সংলগ্ন। কৃতি- পঞ্জী শাখা পুস্তকক লিপ্যাংতবণ আ সংবর্দ্ধন।



মহাপ্রকাশ 1946–

জন্ম: ৱঁনগাঁর, সহবসা, বিহাব । রবিষ্ঠ করি ও কথাকাব। প্রকাশিত কৃতি: করিতা সংভরা, সংগ সময কে (করিতা সংগ্রহ)।

খযোধ্যানাথ চৌধবী, ধনুষা, নেপান 1947–

মূনত: করিক রূপমে পবিচিত ছথি । নেপানক খাধুনিক করিতাক ক্ষেত্রমে হিনক নাম উল্লখনীয খছি । শ্রী চৌধবীক নেখনমে মানরীয সংরেদনাক প্রতিরিম্ব পাওন জাগত খছি । করিতাক সংগ কথা খা নিরঁন্ধমে সেহো ঙ কনম চনৱঁত ছথি । ফড়্ু ছাএন নেখন হিনক রিশেষতা থিকনি ।ধনুষা জিনাক দ্হবী গামক বহনিহাব শ্রী চৌধবীক জন্ম ৬খক্টুঁবব ১৯৪৭কঽ ভেন ছনি । হিনক ক্ষিতিজক ওহিপাব নামসঁ এক করিতা-সংগ্রহ প্রকাশিত ছনি

সিযাবাম ঝা “সবস” 1948–

জন্ম স্থান মেঁহথ, মধুবঁনী রিহাব । প্রসিদ্ধ গীতকাব, বাঁদমে কথা নেখন প্রাবম্ভ কেননি । প্রকাশিত কৃতি খাঁজুব ভবি সিংগবহাব, শোণিতাএন উগৈত সূর্যক ধম্মক (কথা সংগ্রহ)।

খগ্নিপুষ্প 1948–

জন্ম: তবৌনী, দবভংগা। মূননাম : মহেন্দ্র ঝা । মৈথিনীমে সহস্ত্রবাঁড় করিতা সংগ্রহ প্রকাশিত । ক্ষতি প্রসংগক খনুরাদ প্রকাশিত । রামপংথী খান্দাননমে সক্রিয। শিক্ষা, সম্বাদ খাদি পত্রিকাক সম্পাদন । রামপংথী রিচাবধাবাক সশক্ত করি।

বামনোচন ঠাকুব 1949–

শ্রী বামনচন ঠাকুব, জন্ম ১৮ মার্চ ১৯৪৯ ঙ.পনিমোহন, মধুবঁনীমে। রবিষ্ঠ করি, বংগকর্মী, সম্পাদক, সমীক্ষক। ভাষাঙ খান্দাননমে সক্রিয ভাগীদাবী। প্রকাশিত কৃতি- গতিহাসহন্তা, মাটিপানিক গীত, দেশক নাম ছন সোন চিড়ৈযা, খপূর্বা (করিতা সংগ্রহ), ৱঁতান কথা (ব্যংগ্য), মৈথিনী নোক কথা (নোককথা), প্রতিধ্বনি (খনুদিত করিতা), জা সকৈ ছী, কিন্তু কিএ জাউ(খনুদিত করিতা), নাখ প্রশ্ন খনুত্তবিত (করিতা), জাদূগব



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

(খনুবাদ), স্মৃতিক ধোখবন বংগ (সংস্মবণাত্মক নিবন্ধ), খাঁখি মূননে: খাঁখি খোননে (নিবন্ধ)।

বাজেন্দ্র রিমন, জনকপ্পব, নেপান 1949–

বাজেন্দ্র রিমন (1949–)। মৈথিলী, নেপানী খা হিন্দী ভাষাক প্রাক্ত রিমন শিক্ষাক হকমে রিদ্যাবাবিধি (পী.এচ.ডী.)ক উঁপাধি প্রাপ্ত কএনে ছথি। কম্মা নিখিকহ যথেষ্ঠ, যশ খবজনিহাব ডা. রিমনক নেখনীক প্রশংসা মৈথিনীক সঙ্গসঙ্গ নেপানী খা হিন্দী সাহিত্যমে সেহো হোগত বহননি খছি। ত্রিভুরন রিশ্বরিদ্যানযখন্তস্মাত বা.বা.রঁ. কৈম্পস, জনকপ্পবধামমে প্রাধ্যাপন কএনিহাব ডা. রিমনক পূর্ণ নাম বাজেন্দ্র নাভ ছিযনি। হিনক জন্ম ২৬ জুনাঙ ১৯৪৯ ঙ. কহ ভেন খছি। সাহিত্যকাবক নব পীঢ়ী হিকেঁ নিবন্তব উঁৎপ্রেবিত কববাঁক কাবণে ঙ ডা.ধীবেন্দ্রক বাঁদ জনকপ্পব-পবিসবক সাহিত্যিক গ্রুকক রূপমে স্থাপিত ভহ গেন ছথি।

হবেশ্নঞ্জ ঝা 1950–

জন্ম ১০ জুনাঙ ১৯৩০ ঙ. গাম- কোগনখমে। খভিযংত্রণক খধ্যযণ ছোড়ি মার্ক্সবাদী বাজনীতিমে সক্রিয। খনেক করিতা খা খানোচনাত্মক নিবন্ধ প্রকাশিত। খনুবাদ এবং রিকাস রিষযক শোধ কার্যমে রুচি। স্বতংত্র নেখন। প্রকৃতি এবং জীরনক তাদাম্যে বোঁধক খগ্রণী করি। "এনা ত' নহি জে" (করিতা সংগ্রহ)।

শিরেন্দ্রনান কর্ণ, ধনুষা, নেপান 1951–

নেখকসঁ খধিক শিক্ষকক রূপমে পবিচিত খা প্রতিষ্ঠিত ছথি। ত্রিভুরন রিশ্বরিদ্যানযখন্তস্মাতবা. বা. রঁ. কৈম্পস, জনকপ্পব-ধামক সহ-প্রাধ্যাপক শ্রী কর্ণক ঐতিহাসিক রিষয-রস্তুপব নিখন কতোক নেখ মৈথিনী, হিন্দী খা খংগ্রেজী ভাষামে প্রকাশিত খছি। স্বান্ত-স্বখায ঙ কহিযো কানকহ করিতা-কথা সেহো নিখি নৈত ছথি। হিনক নেখন জ্ঞানরর্দ্ধক, জানকাবীমূনক এবং সোনাবএন বহৈত খছি। দেখনাপব বুঁমনা জাগত খছি জে ঙ হিনক গম্ভীব খধ্যযনক পবিণতি থিক। সামাজিক তথা সাহিত্যিক সম্ব-সংস্থাসভমে সেহো সক্রিয প্রাধ্যাপক কর্ণক জন্ম ধনুষা জিনাক দেরডীহা গামমে ২ জনরবী ১৯৩১ ঙ. কহ ভেন ছনি।

শৈনেন্দ্র কুমাব ঝা 1952–



জন্ম স্থান হরিপুর, বকশী টোল, মধুবনী বিহার। প্রকাশিত কৃতি: আরোহ অবরোহ, দশম খৃষ্টী (কথা সংগ্রহ), একোনোমিক হিস্ট্রী ऑफ মিথিলা (অংগ্রেজী) ।

শিবশংকর শ্রীনিবাস 1953-

জন্ম স্থান লোহনা মধুবনী, বিহার । চর্চিত কথাকার ও আলোচক । গীত ও কবিতা সেহো কহিযো কাল লিখৈত ছথি । প্রকাশিত কৃতি : ত্রিকোণ, অদহন, গাছ-পাত, গামক লোক (কথা সংগ্রহ)।

অশোক 1953-

জন্ম স্থান লোহনা, মধুবনী, বিহার। চর্চিত কথাকার, কবি ও সম্পাদক । প্রকাশিত কৃতি : চক্রব্যূহ (কবিতা সংগ্রহ) ত্রিকোণ (সহযোগী কথা সংগ্রহ), ওহি রাতিক ভোর (কথা-সংগ্রহ), মাতবর (কথা সংগ্রহ)।

বিভূতি আনন্দ 1953-

জন্ম: শিবনগর, মধুবনী, বিহার। চর্চিত কবি, কথাকার, সংপাদক । প্রকাশিত কৃতি দুটা উপন্যাস দুটা সমীক্ষা, তীন টা কথ সংগ্রহ, দুটা গীত-গজল সংগ্রহ ও চারিটা কথা-সংগ্রহ প্রকাশিত।

ডॉ. শশিনাথ ঝা 1954-

গাম-দীপ, জিলা- মধুবনী। মৈথিলী, বাংগ্লা, নেবারী আ দেবনাগরী পাণ্ডুলিপিক বিশেষজ্ঞ।

ললন প্রসাদ ঠাকুর 1951-1995

জন্ম ৩. ফরবরী ১৯৩১ মুংগের মে শ্রীমতী সুভদ্রা দেবী আ শ্রী জীবানংদ ঠাকুরক দ্বিতীয় বালক । হিনক গ্রাম- সমৌল,জিলা-মধুবনী। সিবিল এংজীনিযর, টাটা স্টীলমে চাকরী। প্রকাশি ঝাক ফ ি ল্ম "কথা মাধোপুর কী" মে মুখ্য ভুমিকা। নাটককার আ মংচ অভিনেতা। হুনক লিখল কিছু প্রসিদ্ধ মৈথিলী নাটক ছন্হি :বড়কা সাহেব,মিস্টর লিলো কাকা, লোগিযা মিরচাই,বকলেল আদি রা অংত।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



স্বকাঁত সোম 1950-

জন্ম দরভংগা জিলাক তরৌনী গামমে 1950 ঙা. মে ভেলন্হি । বী. এ. পাস কএ ঙা পটনাক দৈনিক 'জনশক্তি'ক সহায়ক সম্পাদক ছলাহ । ফেব নর ভাবত টাইম্স, পটনামে। বান্যরস্থাসঁ অপন পৈতৃক (পিতা যানৌজী) গুণ কবিতা কবরাক তথা কথা নিখবামে সেহো যশ অর্জন কএনন্হি অছি । বর্তমান বাজনীতি সামাজিক বিষযসঁ সম্বন্ধ ব্যংগ্যামেক, সবন ভাষামে নিখন নর কবিতা হিনক বিশেষতা ছন্হি । গামঘবক পবিবেশ তদনুকূন শৈল্পী এবং বিম্ব বচনামে ক্রমহি সিদ্ধ ছথি ।

পশুপতিনাথ ঝা, মহোত্তবী, নেপান 1954-

হিনক নেখন বিববণামেক হোগত অছি আ সম্বন্ধ বিষযমে নীকজক◌া জানকাবী দৈত অছি । বিভিন্ন পত্র-পত্রিকামে হিনক নেখ-বচনা ববোববি দেখবামে অবৈত বহৈছ । বা.বা.ব. কৈম্পস, জনকপুবধামমে মৈথিনী বিষযক প্রাধ্যাপনমে সংনগ্ন শ্রী ঝা মৈথিনীসম্বন্ধী সংগঠনামেক গতিবিধিসঁ সেহো জুড◌ন ছথি । মৈথিনী ভাষাক নোপোন্মুখ অবস্থামে বহন অপন নিপি তিবহুতামে বিশেষজ্ঞতা বখনিহাব শ্রী ঝা একব সংবক্ষণ-সম্বর্ধনক দিশামে সেহো ক্রিযাশীন ছথি ।প্রধ্যাপক ঝা মৈথিনী মহাকাব্যমে বস নিরূপণ বিষযপব বিদ্যাবাবিধি কএনে ছথি আ শিক্ষা তথা কানূন বিষযমে সেহো স্নাতক ছথি । মহোত্তবী জিনাক একবহিযা বহনিহাব শ্রী ঝাক জন্ম ৪ দিসম্বব ১৯৩৪ কঽ ভেনছনি ।

বৃখেশ চন্দ্র নান, নেপান 1955-

জন্ম 29 মার্চ 1955 ঙা. কেঁ ভেনন্হি। পিতাঃ স্ব. উদিতনাবাযণ নান,মাতাঃ শ্রীমতী ভুবনেশ্বৰী দেব। হিনকব ছঠিহাবক নাম বিশ্বেশ্বব ছন্হি। মূনতঃ বাজনীতিককর্মী । নেপানমে নোকতন্ত্রনেন নিবন্তব সংঘর্ষক ক্রমমে ১৭ বেব গিবফতাব । নগভগ ৮ বর্ষ জেন ।সম্প্রতি তবাঙ-মধেশ নোকতান্ত্রিক পার্টীক বাষ্ট্রীয উপাধ্যক্ষ । মৈথিনীমে কিছু কথা বিভিন্ন পত্রপত্রিকামে প্রকাশিত । আন্দানন কবিতা সংগ্রহ আ বী.পী কোইবানাক প্রসিদ্ধ নঘু উপন্যাস মোদিআইনক মৈথিনী রূপান্তবণ তথা নেপানীমে সংঘীয শাসনতিব নামক পুস্তক প্রকাশিত । ও বিশ্বেশ্বব প্রসাদ কোইবানাক প্রতিবদ্ধ বাজনীতি অনুযাযী আ নেপানক প্রজাতান্ত্রিক আন্দাননক সক্রিয যোদ্ধা ছথি। নেপানী বাজনীতিপব ববোববি নিখৈত বহৈত ছথি।

নাবাযণজী 1956-



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

জন্ম: ঘোঘবড়ীহা (মধুবনী)। মৈথিলী ভাষা-সাহিত্যমে এম. এ., পী-এচ. ডী. কামেশ্বর লতা সংস্কৃত বিদ্যালয়, ঘোঘবড়ীহামে অধ্যাপন । প্রকাশিত কৃতি: 'ঘবি ঘুবি বহুল ছী' (কাব্য-সংগ্রহ)।

কেদার কানন 1959-

জন্ম স্থান স্বপৌল, বিহার। চর্চিত কবি, কথাকার ও সংপাদক। প্রকাশিত কৃতি : আকার লৈত শঙ্খ (কবিতা সংগ্রহ), অনূদিত কৃতি রাজা রাম মোহন রায, প্রায়শ্চিত। সম্পাদন সংকল্প, ভারতী মংডন (পত্রিকা)।

মানেশ্বর মনুজ 1958-

জন্ম গম্হরিযা (মানপৌর, মধুবনী)মে, 1978সঁ 1992 ধরি লৌসেনামে বিভিন্ন জহাজপর কার্যরত, ফের যাত্রী রেলমে। সম্বন্ধ (কথা সংগ্রহ) প্রকাশিত।

মহেন্দ্র নারাযণ রাম 1958-

সম্পাদন-"নব জ্যোতি" পত্রিকা, "লোকশক্তি" সামাজিক মুখ-পত্রক। লোকবৃত্ত তাহুমে লোকগাথাক অধ্যেতা।

তারানন্দ বিযোগী 1966-

মহিষী, সহরসামে জন্ম। পহিল পোথী অপন হাস্রুক সাক্ষ্য (গজল সংগ্রহ) ১৯৯১ মে প্রকাশিত। অন্য পুস্তক হস্তক্ষেপ (কবিতা-সংগ্রহ), অতিক্রমণ (কথা-সংগ্রহ), শিলালেখ(লঘুকথা সংগ্রহ), কর্মধারয। রাজকমল চৌধরীক কথাকৃতি একটা চংপাকলী একটা বিষধর সংকলন-সপাদন।

ভালচন্দ্র ঝা

মৈথিলীক অতিরিক্ত হিন্দী, মরাঠী, অংগ্রেজী আ গুজরাতীমে নিষ্ণাত। ১৯৭৪ ঈ.সঁ মরাঠী আ হিন্দী থিএটরমে নির্দেশক। রীডল রেবাযল মরাঠী একাংকীক মৈথিলী অনুবাদ।

বমেশ 1961-



জন্ম স্থান মেঁহথ, মধ্ৰঁনী, রিহাব। চর্চিত কথাকাব ও করি । প্রকাশিত গ্রতি: সমাংগ, সমানাংতব (কথা সংগ্রহ), নাগফেনী (গজন সংগ্রহ), সংগোব, সমরেত স্বরক আগূ, কোসী ধাবক সন্যতা, পাথব পব দূভি (কাব্য সংগ্রহ), প্রতিক্রিযা (আনোচনামেক নিরঁধ)।

প্রদীপ রিহাবী 1963-

জন্ম স্থান কন্হৌনী মন্নিক টৈন, খজৌনী, মধ্ৰঁনী, রিহাব। চর্চিত কথাকাব, উপন্যাসকাব ও বংগকর্মী । প্রকাশিত গ্রতি: গ্বমকী ও রিহাড়ি, রিসূরিযস (উপন্যাস), ওঁতীহ কমনা জযতীহ কমনা, খন্ড-খন্ড জিনগী, সরোকাব (কথা সংগ্রহ)।

ফূনচন্দ্র ঝা "প্ররীণ" 1961-

গাম তুমৌন দবভংগা, আযন নরন প্রভাত, পাংগন গাছক ছাহবি, হমবা মোনক খজন চিড়ৈযা, রঁসংতক রঁজনিঞা (করিতা সংগ্রহ), ভূত হোগত ভরিষ্য (কথা সংগ্রহ)।

রিদ্যানন্দ ঝা 1965-

রুঁদ্ধপূর্ণিমা, ১৯৬৩.কেঁ কৈথিনিযাঁ, ঝংঝাবপ্পব ক্ষধ্ৰঁনীমে জন্ম। পবাতী জকাঁ (করিতা সংগ্রহ) প্রকাশিত । মূনতঃ করি, থোড় কথা নিখননি, জে অপন মার্মিক অভিরয্ক্তিক কাবণ রঁস চর্চিত ভেন । রিডম্বনাপূর্ণ পবিস্থিতিক পাছু জিম্মাবাব সমাজার্থিক কাবণক খোজ হিনকব মূন সৃজন প্রেবণা থিক

বমেশ বঁজন, পবরাহা, নেপান 1966-

পবরাহা, নেপানমে জন্ম । নেপানীয কথা-জগতক নরীন ক্ষদা সম্মানিত নাম । জনপক্ষধব কথা-দৃষ্টি আ মোহক শিল্প । থোড় নিখননি, ক্ষদা রঁব-রঁব চর্চিত বহনাহ ।

ধীরেন্দ্র প্রেমর্ষি, সিবহা, নেপান 1967-

রি.সং.২০২৪ সান ভাদরঁ ১৮ গতে সিবহা জিনাক গোরিন্দপ্পব-১, রঁস্তীপ্পব গামমে জন্ম নেনিহাব প্রেমর্ষিক পূর্ণ নাম ধীরেন্দ্র ঝা ছিযনি। কান্তিপ্পবসঁ হেন্না মিথিনা কার্যক্রম প্রস্তুত কর্তা জোড়ী রূপা-ধীরেন্দ্রক ধীরেন্দ্রক অরাজ গামক রঁচা-রঁচা চিন্হত অছি। "পন্নর" মৈথিনী সাহিত্যিক পত্রিকা আ "সমাজ" মৈথিনী সামাজিক পত্রিকাক সম্পাদন।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



শ্যাম সুন্দব শশি, নেপান

শ্যাম সুন্দব শশি, জনকপুবধাম, নেপান। পেশা–পত্রকাবিতা। শিক্ষা: ত্রিভুৱন রিশ্বরিদ্যানযসঁ,এম.এ. মৌথিনী, প্রথম শ্রেণীমে প্রথম স্থান। মৌথিনীক প্রায়ঃ সভ রিধামে বচনাবত। রহুত বাস বচনা রিভিন্ন পত্র–পত্রিকামে প্রকাশিত। হিন্দী, নেপানী আঃ অংগ্রেজী ভাষামে সেহো বচনাবত আঃ রহুতবাস বচনা প্রকাশিত। সম্প্রতি– কান্তিপুব প্ররাসক খবর ব্যূবোমে কার্যবত।

হিমাংশু চৌধবী, নেপান

পিতা : স্বর্গীয় কামেশ্বরব চৌধবী,মাতাঃ শ্রীমতী চন্দ্রারতী চৌধবী,জন্মঃ রি স ২০২০/৬/৩. নহান, সিবহা,শিক্ষাঃ স্নাতকোত্তব(নেপানী),পেশাঃ পত্রকাবিতা (সম্প্রতি : বাষ্ট্রিয় সমাচাব সমিতি),কৃতি : কী ভাব সাঁঠূ ? (মৌথিনী করিতা সংগ্রহ),রিগত দূ দশকসং নেপানী আ মৌথিনী নেখন তথা অভিযানমে নিবন্তব ক্রিয়াশীন আ রিভিন্ন সংঘ সংস্থাসং আৱদ্ধ ।

কৃষ্ণ মোহন ঝা 1968–

জন্ম মধেপুবা জিনাক জীতপুব গামমে। "রিজযদেব নাবাযণ সাহী কী কাব্যানুভূতি কী রঁনাবট" রিষযপব জে.এন.যূ. সঁ এম.ফিন আ ওতহিসঁ "নির্মন বর্মা কে কথা সাহিত্য মেঁ প্রেম কী পবিকল্পনা" রিষযপব পী.এচ.ডী.। হিন্দীমে একটা করিতা সঁগ্রহ "সময কো চীবকব" আ মৌথিনীমে "একটা হেবাযন দুনিযা" প্রকাশিত। হিন্দী করিতা নেন "কন্হৈযা স্মৃতি সম্মান"(1998) আ "হেমংত স্মৃতি করিতা পুবস্কাব"(2003)। অসম রিশ্বরিদ্যানয, সিনচবক হিন্দী রিভাগমে অধ্যাপন।

সুনীন কুমাব মন্নিক, গাযক, জনকপুব, নেপান 1968–

মৌথিনীক গাযক–সঙ্গীতকাবক রূপমে প্রসিদ্ধ ছথি । মৌথিনী ভাষাক গীতসভমে মৌনিক তথা সার্থক সঙ্গীতক সৃজনমে হিনক সক্রিযতা প্রশংসনীয ছনি । সুনীনক গাযন তথা সঙ্গীতমে কৌসেট এনৱঁমসভ সেহো রাহব ভেন অছি ।নেখনদিস হিনক সক্রিযতা পবিমাণামেক রূপমে কম বহিতহুঁ গুণামেক দৃষ্টিএঁ হৃদযস্পর্শী মানন জাগত অছি ।পেশাসঁ রিজ্ঞান–শিক্ষক ছথি ।

নীবজ কর্ণ, ধনুষা, নেপান 1970–



समाजशास्त्रक छात्र आ गणित तथा विज्ञानक शिक्षक छथि, तदा मैथिली साहित्य आ संगठनक क्षेत्रमे सेहो निरन्तर सक्रिय छथि । भाषा, व्याकरण आदिक मैथिली पक्षसम्पर सेहो ओ पूर्ण अधिकार रखैत छथि । जन्म धनुषा जिलाक कर्था गाममे भेल छनि । विभिन्न पत्रपत्रिकामे हिनक कथा, कविता, लेख-रचनासभ मैथिली, नेपाली आ अंग्रेजी भाषामे प्रकाशित होइत रहैत छनि । अनुवादक क्षेत्रमे सेहो हिनक नीक अधिकार छनि ।

राजेश्वर झा (१९२३-१९७७)
जन्म- सहरसा जिलाक रसुआर गाम (आब सुपौल जिला)।
कृति- मिथिलाक्षरक उद्भव ओ विकास, अवहट्ठ: उद्भव ओ विकास, मैथिली साहित्यक आदिकाल, विद्यापतिक संगीतमे वर्णित नायक-नायिका भेद एवं राग-रागिनी वर्गीकरण। महाकवि विद्यापति नाटक, शास्त्रार्थ नाटक, कन्दर्पीघाट नाटक, एकादशी, विद्याधर-कथा, उर्वशी, धर्मव्याध- कथा, मेनका।

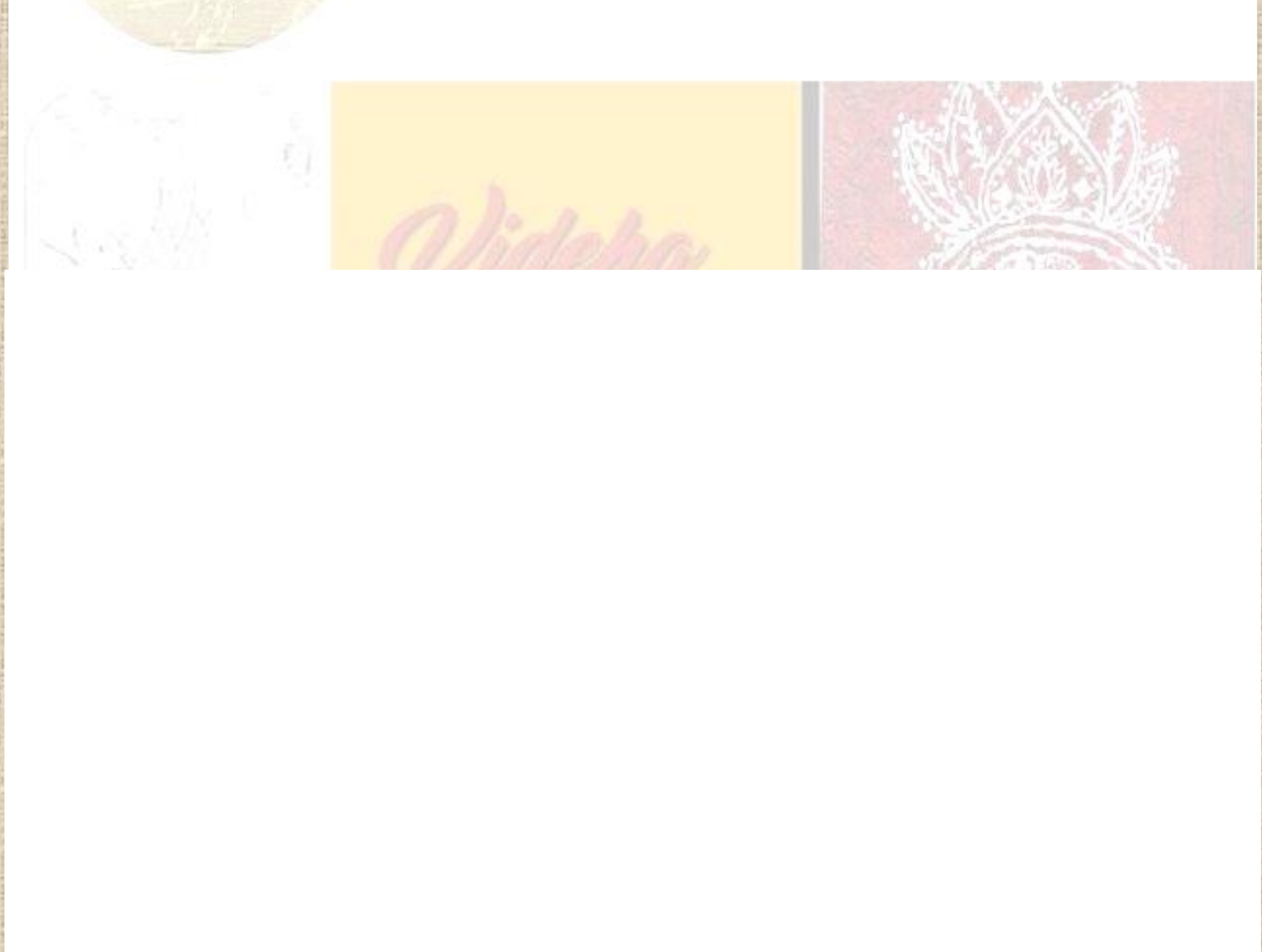
रवीन्द्र नारायण मिश्र, पिताक नाम : स्वर्गीय सूर्य नारायण मिश्र,
माताक नाम : स्वर्गीया दयाकाशी देवी, वयस : ६६ वर्ष,
पैतृक ग्राम : अड़ेर डीह, मातृक : सिम्घिआ ड्योढ़ी,
वृति : भारत सरकारक उप सचिव (सेवा निवृत्त)/
स्पेशल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, दिल्ली(सेवा निवृत्त),
शिक्षा : चन्द्रधारी मिथिला महाविद्यालयसँ
बी.एस-सी. भौतिक विज्ञानमे प्रतिष्ठा :
दिल्ली विश्वविद्यालयसँ विधि स्नातक
प्रकाशित कृति : मैथिलीमे:-
१. 'भोरसँ साँझ धरि' (आमे कथा), २. 'प्रसंगवश' (निबंध),
३. 'स्वप्न एतहि अछि' (यात्रा प्रसंग), ४. 'फसाद' (कथा संग्रह)
५. `नमस्तस्यै' (उपन्यास) ६. विविध प्रसंग (निबंध)
७.महराज(उपन्यास) ८.लजकोटर(उपन्यास)
९.सीमाक ओहि पार(उपन्यास)१०.समाधान(निबंध संग्रह)
११.मातृभूमि(उपन्यास)१२.स्वप्नलोक(उपन्यास)१३.शंखनाद(उपन्यास)



১৪.গএহ থিক জীৱন(সংস্মৰণ)

In English:-
1.The Lost House (Collection of short stories),
2.Life is an art
হিন্দী মেঁ –
১.ন্যায কী গুহাব(উপন্যাস)

মিথিলা চিত্রকলা





मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

মিথিনা কনা-চিত্রকনা
পৃথ্বী পূজা গৌবী পূজা খবিপন
পিঠাবসঁ ত্রিভুজ বঁনাউ। ত্রিভুজ পৃথবীক প্রতীক খছি। ত্রিভুজক উপব দূটৗ খাব ত্রিভুজ বঁনাউ। ওকব চাৰুকাত বিন্দু জে হিমকণক সমান হোয,বঁনাউ। মধ্যমে খনেক ত্রিকোণসঁ খাঽতীন টৗ বজ্র বিন্দু
যুক্ত গৌবী যংত্র বঁনাউ।

কোনো বর্খক মাঘ মাসক মকবসংক্রাঁতিসঁ খগিনামাঘ মাসক মকবসংক্রাঁতি ধবি বিবাহক বাঁদ স্ত্রীগণ গৌবীপূজন কবৈত ছথি।
সীতাজীক গৌবী পূজনক চর্চ বাঁল্মীকি বামাযণমে ছৈক। নীচাঁ হমব মাঁক বঁনাওন ঞ চিত্র খছি।

মৌহক কেব খবিপন
মহ্খক মিথিনামে বিবাহক বাঁদক বিধি ছৈক জে বব- বধূমে স্নেহক সৃজন কববাঁক হেতু খছি। বব বধূকেঁ দূ খাসন পব বৈঁসা খীব খা' দহী-চূড় াক পবসন জাগত খছি। দূনূ গোটে একবা সানি খা' কৌব বঁনা কয এক দোসব পব ফেকৈত ছথি। পহিনে ফেঁকয বঁনা বিজযী হোগত খছি। তীন দিন কোহবঁব ঘবমে খা' চতুর্থী দিন ক্ষনদেরতাক ঘবমে ঞ বিধি সংপাদিত হোগত খছি। নীচাঁ দেন খবিপন দূনূ থাবীক নীচাঁ বঁনাওন জাগত খছি।
চিত্র নির্মাণ- ছোট-পৈঘ চাবি বৃত্তাকাব বেখা, সভসঁ উপবকা গোনাপ চাৰু কাত বিন্দু। দূনূকেঁ কমন-নানসঁ জোড় ন জাগত খছি।
চাৰু খাশ্রমক শিক্ষা বব বধূকেঁ প্রেম সূত্রসঁ বাঁন্হিকেঁ সংতান সৃষ্ঠিক জ্ঞান কবা কয এহি খবিপন দ্বাবা কএন জাগত খছি।

ক্ষমবম মনে বিবাহ খা' উপনযনসঁ এক দিন পহিনে ক্রমশঃ কনিযাঁ খা' বঁৰুখাকেঁ খাঙ উঙাবন জাগত খছি মনে শ্রেষ্ঠ স্ত্রীগণ যব খা' খান পদার্থসঁ বঁনন উবঁটন নগবৈথ



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ছথি। এতয মংডপ পব সর্ববংগ পটিযা পব ষষ্ঠ পাগস অবিপনক সমক্ষ মংডপ পব ঞ কার্য সংপাদিত হোগত অছি। ঞ একটা বক্ষা করচ থিক।
রিধি- তীনটা আযত রঁনাঙ একক নীচাঁ এক। পাঁচ খড উর্ধ্বাধিব আ' তীন ক্ষৈতিজ খড কক। এহি 18 খডমে ফূল রঁনাঙ।

শ্রারন গুক্ল পংচমী (নাগ পংচমীসঁ) প্রাবম্ভ ভ' কয শ্রারন শুক্ল তৃতীযা পর্যন্ত নীচাঁক অবিপন পব রিভিন্ন নাগক পূজা কএন জাগত অছি, আ' বৃদ্ধা নোকনি এহি অরসব পব কথা সেহো কহৈত ছথি। নর রব-রধূকেঁ সংগ বৈঁসা কয পূজাক সমাপন হোগত অছি। ঞগ অবিপন দূটা মেনা-পাত আ' পূজা কবযরাঁনীক দ্নূ দিশি ভূমি পব রঁনাওন জাগত অছি। রাম পাত পব 101 সর্পিণী সিনূব আ' কাজবসঁ আ' দহিন কাতক পাত পব 101 সর্পিণী পিঠাবসঁ রঁনাওন জাগত অছি। রাম কাতক সর্পক ম্নখিযা ক্সস্বমারতী আ' দহিন কাতক রৌবস নাগক পূজা হোগত অছি। মেনা পাতমে সর্প রশীকবণ শক্তি হোগত অছি। সংগমে সূর্য চন্দ্র গৌব, সাঠি আ' নরগ্রহক চিত্র সেহো নিখন জাগত অছি।

মধ্শ্রারণী অবিপন

গতাংকমে একব চর্চা ছন জে মধ্শ্রারনীমে সংগমে সূর্য চন্দ্র গৌব, সাঠি আ' নরগ্রহক চিত্র সেহো নিখন জাগত অছি।
একব চিত্র এহি অংকমে প্রস্তুত অছি।

দশীপাত অবিপন
কন্যাক ম্নন্ডন,কান ছেদন আ' রিরাহক অরসব পব ক্সনদেরতাক ঘব আকি মন্ডপ পব রঁনাওন জাগত অছি।
রঁনেরাঁক- রিধি। একব রঁনেরাঁক রিধি সূক্ষ্ম অছি।
ঙঁপবমে তীন পাতক প্বম্প, ,ওকবনীচা পাঁচ-পাতক কমন-প্বম্প,ওকব নীচাঁ সাত-পাত যুক্ত কমন, রীচমে অণ্গ্দন কমন অছি। দশ পাত চাক দিশি অছি। নৌ টা মাঁছক চিত্র সেহো অছি।

দশীপাত অবিপন
পছিনা অংকমে স্ত্রীগণক দশিপাত অবিপন দেন গেন ছন। এহি বেঁব প্বরুষক দশিপাত অবিপন দেন গেন অছি।
একব নাম দসকর্মক রৌধ কবএরাঁক কাবণ দশীপাত অছি, আ' ঞ প্বরুষক সভ সংস্কাবক



अरसब पव निखन जाগত অছি।
ঙপবী ভাগমে দূ টা মযূব,কমনক ফূন,শ্বভ মৎস্য,ভীতবমে 12 টা মাঁছক চিত্র আ' দসটা ডাঠ া ক চিত্র দেন গেন অছি,আ', বীচমে অষ্ঠদন কমন।

এহিমে ৪১ টা স্বাস্তিক জোড় ন গেন অছি। স্বস্তি ভেন আশীর্বাদ। ঙ কার্তিক মাসক তুনসী-পূজা,শাবদীয দূর্গাপূজামে তুনসী-চৌড় া/ দূর্গা-মন্দিবমে অষ্ঠমী দিন পিঠাবসঁ বঁনাওন জাগত অছি। ঙ বৈদিক যজ্ঞক 'সর্বতোভদ্র' ছথি আ২ যজ্ঞক চৌড় া পব সেহো নিখন জাগত ছথি।

বঁনেবাঁক রিধি- ৪১ টা স্বাস্তিক আ২ ওকব বীচমে ৪১ টা সিন্দূবক ঠোপ। নীচাঁমে পাঁচটা শঁখ, চাক্ক কাত আঠ অস্ত্রক অঁকন, অর্ধ্বিমুখ-অধোমুখ ত্রিকোণ, ষট্কোণ, অষ্ঠকোণ, শ্রীযঁত্র বঁনাওন জাগত অছি।

কোজগবাক অবিপন
কোজগবা মিথিনামে আশ্বিন পূর্ণিমাক বাতিমে মনাওন জাগত অছি। সঁধ্যামে নক্ষ্মীক পূজা কএ মখানক ভোগ নগৈত অছি। বত্রি জগবণ কএ চন্দ্রমাক দেখবাঁক আনন্দ নেন জাগত অছি। নীচাঁক নঁর অবিপন পাব কএ দেরতা ঘবমে প্ররেশ করৈত ছথি। কমনক ফূন আ২ পদ চিন্হ এহি নিমিত্ত দেন গেন অছি।

ষডদন অবিপন
মিথিনামে ভগরতী পূজাক অরসব পব ঙ অবিপন পাড় ন জাগত অছি। এতয দেরী ভাগরত প্ৰবানক ষট্কোণ যঁত্র পাবন গেন অছি।
ছঃ টা কমন দন এহিমে অছি। আদিশৈক্তি ভুরনেশ্বৰীক পদ চিন্হ আ২ পঞ্চোপচাব পূজাক সামগ্রীসঁ হৃকত্ত ঙ অবিপন অছি।

নীচাঁক চিত্র অঁগনাক পশ্চিমমে বঁনন ক্ষন-দেরতাক ঘব জে 'গোসাঁউনি ঘব' কহবৈত অছি, ওতএ বঁনাওন জাগত অছি। পশ্চিম দেরাঁন পব কাবী ছোড় া দোসব বঁগসঁ ঙ চিত্র বঁনাওন জাগত অছি। একবে সবোরব কহুন জাগত ছৈক।

দেরোথোন একাদশী কার্তিক শুক্ন একাদশীকেঁ মনাওন জাগত অছি, এহি দিন ক্ষীবসাগবমে ভগরান নিন্নসঁ জাগন ছনাহ। গোসাঁউন ঘবমে আ২ তুনসী নগমে অবিপন হোগত অছি। অবিপন পিঠাবসঁ হোগত ছৈক, সিন্দূব সেহো নগাওন জাগত ছৈক। তুনসী নগমে মখান, নাবিকেব, মিশ্রীক প্রসাদ চঢ় ৈত অছি।



ভাদৰ মাসক একাদশীক দিন ভগৱান শঁখাসুৰ ৰাক্ষসকেঁ মাৰি কএ গাঢ় নিন্নমে সূতি গেলাহ, আ' কার্তিক শুক্ল একাদশীকেঁ উঠলাহ, দেৱোথোন ওএহ অর্থ অছি। তুলসী তৰক দেৱোথোন অৰিপন নীচাঁক ৰীতিএ বঁনাওল জাগত অছি।

চিত্রকাৰ- তূলিকা, গ্রাম-কদ্রপুৰ, ভায়া-আন্ধ্রা-ঠাঢ়ী, জিলা-মধুবঁনী।
এক বেঁৰ ক্ষবেঁৰ কোনহুনা লক্ষ্মীকেঁ পলীক ৰূপমে প্রাপ্ত কএ লেলন্হি আ' হুনকা লেল সম্মুদ্রমে একটা'কোৰৰ' ঘৰ বঁনেলে ৰহথি। কোৰঁৰ চিত্রমে পুৰৈনক পাত, পুষ্পিত বাঁস, মৎস্য,সাঁপ, কাছু, নৰগ্ৰহ, শঁখ আদিক প্রযোগ হোগত অছি। ধাৰাৱাহিক ৰূপে বিভিন্ন প্রকাৰক কোৰঁৰক চিত্র দেল জাযত। এহি অঁকমে কোৰঁৰ (পুৰৈন) দেল জা' ৰহল অছি।

এক বেঁৰ ক্ষবেঁৰ কোনহুনা লক্ষ্মীকেঁ পলীক ৰূপমে প্রাপ্ত কএ লেলন্হি আ' হুনকা লেল সম্মুদ্রমে একটা'কোৰৰ' ঘৰ বঁনেলে ৰহথি। কোৰঁৰ চিত্রমে পুৰৈনক পাত, পুষ্পিত বাঁস, মৎস্য,সাঁপ, কাছু, নৰগ্ৰহ, শঁখ আদিক প্রযোগ হোগত অছি। ধাৰাৱাহিক ৰূপে বিভিন্ন প্রকাৰক কোৰঁৰক চিত্র দেল জাযত। এহি অঁকমে কোৰঁৰ (পুৰৈন) দেল জা' ৰহল অছি।



মিথিলা পাৰঁনি-তিহাৰ (কথা)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



পারম্পরিক কথা

মধ্শ্রারণী–

শ্রারণ মাস শুক্ল–পক্ষক পঞ্চমীসঁ শুক্লপক্ষ তৃতিযা ধরি নাগ আ গৌরীশংকরক অভ্যর্থনা



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

কএন জাগত খছি।

মৌনা পঞ্চমী-শ্রারন মাস শুক্লপক্ষ পঞ্চমীকেঁ সাঁপক মাএ রিঁসহবাক রঁর্থডে মনাওন জাগত খছি। নররিরাহিতাক প্রথম রর্ষক মধ্শ্রারণীক ঙা প্রথম দিন থিক । ধ্বখ্বপব গোরঁবক নাগ-নাগিনপব সিন্দূব-পিঠাব নগাওন জাগত খছি খা২ পঞ্চমীক মাটিক থুম্হা ঘবমে সাঁপ কটৈনা উত্তব ঝাড় া-ফূকী নএ বাখি দেন জাগত খছি। গোসাউঁনিকেঁ খীব-ঘোবজাউঁড় ক পাতবি খা২ রিঁসহবাকেঁ নেরোঁ,মৌআ,নীমক পাতবি দেন জাগত খছি। গোসাউঁনিক, গৌবীক খা২ রিঁসহবাক গীত হোগত খছি, পূজা-পাঠক রাঁদ পাঁচ রাঁনী (ফকড় া-কবিত্ত) তীন-তীন রেঁব স্বননাক রাঁদ কথা স্বনন জাগত খছি, ঙা সভদিন কথাক রাঁদ দোহবাওন সেহো জাগত খছি।

প্রথম দিনক কথা-

একটা রূঁঢ় াকেঁ ধাবমে নহাএ কান প্বরৈনী পাত পব পাঁচটা জীর দেখাগ পড় ৈত ছন্হি খা২ ওহ হ্নকা মৌনা-পঞ্চমীক মোন পাড় ি গামমে নোকসভকেঁ পূজা কবরাঁক নেন কহৈত ছন্হি। কিছু গোটে গপ মানৈত ছথি, ক্ষদা কিছু গোটে ওকবা ফুসি-ফটৈক মানৈত ছথি। জে সভ পূজা নঞি কএনন্হি সে বাতিযেমে মবি গেনাহ। সভ দৌড় ি কএ পাঁচো রঁহিন রিঁসহবা নগ জাগ গেনাহ, খা২ হ্নকা কহনাসঁ রঁচন খীব-ঘোড় জাউঁড় মৃতকেঁ চটা দেনন্হি, ওহ সভ জীরি গেনাহ খা২ মবড় এ নাম পড় নন্হি।

পাঁচো রিঁসহবা মহাদের সন্তান ছনীহ। সাঁপক পোখাকেঁ দেখি একদিন তমসা কএ গৌবী হিনকাসভকেঁ থক্চি দেনখিন্হ।

সাঁঝমে সাঁঝক খা২ কোরঁবক গীত হোগত খছি।

দোসব দিনক-কথা

মনসা মহাদেরক প্বত্রী ছনীহ জে জনমিতহি যুরতী ভএ গেনীহ খা২ নাজক বক্ষাক হেতু সাঁপ হ্নকা দেহমে নপটাএ গেন। গৌবী তমসা গেনীহ সে হ্নকা কৈনাস ছোড় ি জাএ পড় নন্হি খা২ মৃত্নোকমে সভসঁ পৈঘ র‍্যাপাবী চন্নু-চন্দ্রধব হ্নকব পূজা কবন্হি সে ওহ গছা কএনন্হি, ক্ষদা ওহ ছন মহাদেরক ভক্ত সে ওহ রাম হাথে পূজা কবরাঁক গপ কহনন্হি। ওকব ছও রেঁটাকেঁ সাঁপ ডসি নেনক, মবি জাগ গেন। রৃ্ঠাবীমে চন্নুকেঁ রেঁটা ভেনন্হি ক্ষদা জ্যাতিষি কহনকন্হি জে হ্নকা রিরাহক দিন কোরঁবঘবমে সাঁপ ডসি নেতন্হি। ওহি রঁচাক নাম নক্ষ্মীধব-রাঁনা-নখন্দব বাখন গেন, ছহে-মাসমে ওকব রিরাহ



চিব-সোহাগনি যোগক কান্যাসঁ হোএবঁ নিশ্চিত ভেল। পহাড়পব কোঠামে বিজ্জী আ২ বিঠনীক পহবাক বীচ কান্যা বিহুনাসঁ বিবাহ ভেল। ক্ষদা কোহবঁবমে সাঁপ আযল আ২ হুনকা ডসি লেলক। বিহুনা পতিকসংগ কেবাক থম্হপব গংগাধাবমে চলি পড়লীহ আ২ প্রযাগ পহুঁচি গেলীহ। ওতএ একটা ধোবিনকেঁ ওকব বঁচা তংগ কএ বহল ছল, ও২ ওকবা মাবি ন্ব্থাসঁ ঝাঁপি দেলন্হি আ২ কপড়া খীচনাক বাঁদ ওকবা জিআ দেলন্হি। দোসব দিন জখন ও২ অএলীহ তখন বিহুনা হুনকাসঁ অপন ব্যথা স্বনওলন্হি। ফেব হুনকা সংগ ইন্দ্রক দববাঁব গেলীহ আ২ বিসহবাক পৈব পকড়ি কহলন্হি জে যদি হুনকব পতি আ২ ছবোঁ ভেঁস্বব জীবি জএতাহ তখন ও২ বিসহবা পূজা কববোঁ কবতীহ আ২ মৃত্যুলোকমে ওকব প্রচাব সেহো কবতীহ। সভ জীবি গেল আ২ বিসহবাক পূজা শ্বরু ভেল।

বিসহবা কথা-কশ্যপ ঋনিকেঁ কদ্রুসঁ এক হজাব সাঁপ ভেল আ২ কশ্যপ ঋনি বিষ ঝাববাঁক মন্ত্র বঁনওলন্হি, তপস্যা কএ মনসঁ বিসহবা বঁনওলন্হি সে ভেলীহ মনসা। ও২ কৈলাস আ২ পুষ্কব গেলীহ ফেব বূঁঢ় তপস্বীসঁ হুনকব বিবাহ ভেলন্হি, তাহিসঁ আস্তীক নামক প্ব্ত্র ভেলন্হি। বাজা জনমেজযক সর্প-যজ্ঞমে জড়ল সর্পসভকে আস্তীক বঁচা লেলন্হি। আষাঢ়ক সংক্রান্তিসঁ নাগ-পংচমী ধবি বিসহবাক পূজা পসীঝক ডাবিপব হোগত অছি।
মংগলা-গৌবী কথা- শ্রুতকীর্তি বাজাকেঁ বেঁটা নহি ছলন্হি, ভগবতীক উপাসনা কএল। ভগবতী কহলন্হি জে সর্বগ্বণী বেঁটা ১৬ বর্ষ আযুক হোএত আ২ মহামূর্খ বেঁটা দীর্ঘাযু হোএত, সে কেহন বব চাহী। বাজা সর্বগ্বণী বেঁটাক বব মঁগলন্হি।
মন্দিবক সোন্নাঁক আমক গাছসঁ আম তোড়ি ও২ অপন পত্নীকেঁ খ্বআ দেলন্হি আ২ প্ব্ত্র জে প্রাপ্ত ভেল ওকব নাম চিবাযু বাখল। ১৬ বর্ষ পূর্ণ ভেলাপব বানীক ভাএ সংগে বাজক্বমাব চিবাযু কাশী চলি গেলাহ। মাম ভাগিন জে কাশী লেল বিদা ভেলাহ তঁ বস্তামে আনন্দনগব বাজ্যমে বীবসেন বাজাক প্ব্ত্রী মংগলাগৌবীক বিবাহ হোমএ বঁলা ছল। ও২ সখী-বঁহিনপা সংগ ফূল লোঢ়এ লেল ফ্বলবাবীমে আযল ছলীহ তঁ গপে-গপমে একটা সখী হুনকা বাঁড়ী কহি দেলখিন্হ, তঁ ও২ কহলন্হি জে হম গৌবকেঁ তেনা গোঅহবলে ছী জে জাহি ববক মাথপব হমব হাথক অক্ষত পড়ত সে অল্পাযু বহবোঁ কবত তঁ দীর্ঘাযু ভএ জাএত। ওহি বাজক্বমাবেক বিবাহ বাঁন্নীক দেশক বাজা দৃঢ়বর্মাক বেঁটা স্বকেত্বসঁ হেবঁএ বঁলা বহএ। ওহী ফ্বলবাঁবীমে মাম-ভাগিন বহথি, আ২ সাঁঝমে বঁব-বঁবিযাতী সভ সেহো অএলাহ। বব মহামূর্খ আ২ বঁলীব ছল সে ও২ লোকনি বাতি ভবি লেল চিবাযুকেঁ বব বঁনবাঁক আগ্রহ কএলন্হি। চিবাযু গৌবী-শংকবক প্রতিমাক



সমক্ষ সিন্দূব-দান কএলন্হি। কোহববমে বব কনিআ অএলাহ তঁ ওহী বাতি চিবাহক ১৬ম বর্ষ প্রবি গেলন্হি আঃ তখনে গহ্মন সাঁপ ডসবাক লেল আবি গেল। বাজকুমাবী জগলে ছলীহ আঃ ওঃ গহ্মনক সোন্নাঁ দূধ বাখি দেলখিন্হ আঃ পতিকেঁ নহি মাববাক আগ্রহ কএলন্হি। গহ্মন দূধ পীবি প্রবহবমে পৈসি গেল, বাজকুমাবী আঁগীসঁ প্রবহবক মুঁহ বন্ন কএ দেলন্হি। বাজকুমাবক নিন্দ খুজলন্হি তঁ ওঃ কিছু খাএ লেল মঁগলন্হি। বাজকুমাবী হুনকা খীব-লড্ডু দেলন্হি, হাথ ধোৱাক কাল বাজকুমাবক হাথসঁ পথ্থবলে ওঁঠী খসি পড়লন্হি সে বাজকুমাবী উঠা লেলন্হি। বব পান-সুপাবী খাএ সুতলাহ আঃ প্রবহবিক সাঁপ বলেক হাব বনি গেল আঃ সে বাজকুমাবী গবামে পহিবি লেলন্হি। ভোবমে মাম ভাগিনকেঁ লএ গেলাহ মুদা সুকেত্তুকেঁ বাজকুমাবী কোহবমে নহি পৈসএ দেলখিন্হ। সাল ভবিক বাদ প্রায় বিন্ধ্যাচলসঁ জে মাম-ভাগিন ঘুবি বহল ছলাহ তঁ বাজকুমাবী কোঠাপসঁ হুনকা চীন্হি গেলীহ। ধূমধামসঁ সভ ঘব কনিআঁ লএ পহুঁচলাহ আঃ গৌবী আঃ নাগ পূজাক মহত্ত্ব জ্ঞাত ভেল।

তেসব দিনক কথা

পৃথ্বীক জন্ম- পাপসঁ পৃথ্বী পাতাল চলি গেলীহ, তখন ব্রহ্মা, বিষ্ণু প্রার্থনা কএ হুনকা উপব অনলন্হি, ফেব ওঃ ডগমগাগত ছলীহ, তখন বিষ্ণু কাছু বনি নীচাঁ চলি গেলাহ, অপন পীঠপব বাখি লেলন্হি, তৈযো ওঃ জল-পব ভঁসৈত ছলীহ, তখন আগস্ত্যক জাঁঘ তবসঁ মাটি আনল গেল, বিষ্ণু সেহো মাছ বনি মাটি অনলন্হি, তকব জোড়ন দএ পৃথ্বীকেঁ স্থিব কএল গেল, জে কমী ছল সে ভগবান ববাহ বনি উত্তব মাথসঁ পৃথ্বীকেঁ ঠোকি কএ ঠীক কএ দেলন্হি।

সমুদ্র-মন্থন- দেবতা-দানব সুমেকপব একত্র ভএ সমুদ্র-মন্থনক হেত্তু বাসুকীনাগকেঁ মন্দাব পর্বতমে লপটাএ সমুদ্রমে উতাবল। কূর্মবাজকেঁ আধাব বনাএ মুঁহ দিসনসঁ দানব আঃ পুছী দিসনসঁ দেবতা নাগকেঁ পকড় মন্দাবক মথনীসঁ মঁথন শুরু কএলন্হি। বগবসঁ পর্বতপব গাছ-বৃক্ষমে আগি নাগি গেল। ইন্দ্র বর্ষা কএলন্হি, সমুদ্রক নূনগব পানি দূধ-ঘী ভএ গেল, লক্ষ্মী, সুবা আঃ উচ্চৈঃশ্রবা ঘোড়া নিকলল সে চন্দ্রমা-লোকনি লএ লেলন্হি। অমৃত লেনে ধন্বন্তবি বহাব ভেলাহ, বিষ নিকলল সে মহাদেব কন্ঠমে লেলন্হি। গৌবী বিসহবা,সাঁপ,বিচ্ছী,চুট্টীক মদতিসঁ বিশ মহাদেবক দেহসঁ নিকাললন্হি। অমৃত লেল ঝগড়া বঢ়ল, বিষ্ণু মোহিনী বনি গেলাহ। দৈত্য মোহিত ভএ অমৃত-কলশ হুনকব হাথমে বাখি দেলন্হি আঃ দেবতাসঁ লড়এ লগলাহ। বিষ্ণু সভ দেবতাকেঁ অমৃত পিআ দেলন্হি। দৈত্য বাহু ভেষ বদলি অমৃত পীবএ চাহলক মুদা চন্দ্রমা সূর্য



হ্নকা চীন্হি গেনখিন্হ, খম্‌ত ফ্নঁসঁ কংঠ ধবি যারত জাগত তারত রিষ্ণু ওকব গর্দনে চক্রসঁ কাষ্টি দেনন্হি। ফ্নদা খমৃতক জে স্পর্শ ওকবা ভএ গেন ছন সে ওঽ মবন নহি, ফ্নন্ড ভাগ বাহ্ খাঽ শেষ ভাগ কেতু রঁনি গেন, এখনো কোনো খমারস্যামে সূর্যকেঁ তঁ কোনো পূর্ণিমামে চন্দ্রমাকেঁ গীড়ৈত খছি, ফ্নদা কষ্টন ফ্নন্ড-ধবক কাবণ দ্নূ গোষ্টে কিছু কানক রাঁদ রঁহাব ভএ জাগত ছথি। রঁচন খমৃত রিশ্বকর্মাক বখরাঁড়া মে গন্দ্রকেঁ দএ দেন গেন। রাঁস্বকী নাগকেঁ মাগক শ্রাপ নহি নগরাঁক খাঽ জনমেজযক যজ্ঞমে ভাগিন খাস্তীক দ্বাবা সপবিরাব প্রাণবক্ষা হোএরাঁক রব ভেষ্টৈনন্হি।

চাবিম দিনক কথা

সতীক কথা- ঙশ্বিবকেঁ রিশ্বক সৃষ্ঠি কবরাঁক ছনন্হি, সে ওঽ পহিনে রিষ্ণু, ফেব শিব খাঽ তখন ব্রহ্মাক কপমে খরতাব নেনন্হি। ওঽ তখন দেরতা-ঋষি-ফ্ননি, শতকপাস্ত্রী, স্বাযংভুর মন্ব, দহিনা খাঁখিসঁ খত্রি, কান্হসঁ মবীচি, দহিনা পাঁজবসঁ দক্ষ-প্রজাপতিক বচনা কএনন্হি। মবীচীসঁকশ্যপ, খত্রিসঁ চন্দ্রমা, মন্বক প্রিযব্রত এরং উত্তানপাদ রেঁটা খাঽ খাকুতি, দেরহুতি খাঽ প্রসূতি রেঁটী ভেনন্হি। প্রসূতিক রিরাহ দক্ষ প্রজাপতিসঁ খাঽ তাহিসঁ সাঠি কন্যা ভেন। সাঠিমে খাঠক রিরাহ ধর্ম, এগাবহক কশ্যপ, সত্তাগসক চন্দ্রমা খাঽ এক গোষ্ট জিনকব নাম সতী ছনন্হি হ্নকব রিরাহ মহাদেরসঁ ভেনন্হি। চন্দ্রমাকেঁ জে সত্তাগস টা পত্নী ভেনন্হি তাহিমেসঁ ওঽ বোহিণীকেঁ সভসঁ রেঁশী মানৈত ছনাহ, সে ২৬ টা রঁহিন খপন পিতা দক্ষকেঁ কহননি, ওঽ শাপ দেনকিন্হ খাঽ চন্দ্রমাক শবীব ঘষ্টএ নগনন্হি। তখন ওঽ মহাদের নগ গেনাহ তঁ ওঽ হ্নকা খপন কপাব পব চঢ়া নেনন্হি। এহিসঁ দক্ষ মহাদেরকেঁ রাঁবি দেনখিন্হ। ফেব দক্ষ একটা যজ্ঞ কএনন্হি খাঽ শিংকবকেঁ নোত নহি দেনন্হি। সতী নৈহব জএরাঁক নেন জিদ পকড়া নেনন্হি তঁ রীবভদ্রক সংগ শির হ্নকা পঠা দেনন্হি। সতী চনি তঁ গেনীহ ফ্নদা খপমান দেখি যজ্ঞকুন্ডমে কূদি পড়নীহ। রীবভদ্র ঙা দেখি দক্ষক গবদনি কাষ্টি নেনন্হি। মহাদেরকেঁ তমসাযন দেখি কএ দেরতা সভ প্রার্থনা কএনন্হি জে রিনা জিখওনে যজ্ঞ পূর্ণ নহি হোএত সে যজ্ঞক কাষ্টন ছাগবক মূবী দক্ষক ধবপব মহাদের নগা দেনন্হি, খাঽ ও জীরি কএ রোঁ-রোঁ কবএ নগনাহ, সে মাহাদের ঙা দেখি প্রসন্ন ভেনাহ। তহিযেসঁ মহাদেরক পূজাক খন্তমে রূঁ কহন জাএ নাগন। মহাদের সতীক মৃত শবীব নএ রঁতাহ ভেন ফিবথি সে দেখি রিষ্ণু চক্রসঁ সতীক টুকড়া কএ দেনন্হি খাঽ জতএ-জতএ ওঽ টুকড়া খসন সে সভটা সিদ্ধপীঠ ভএ গেন। মহাদের কৈনাশ ছোড়া জংগনমে তপস্যা কবএ নগনাহ।

পতিব্রতাক কথা- একটা বাজা ছানাহ। হ্নকা দূটারেঁটী ছনন্হি- ক্নমবব্রতা খাঽ পতিব্রতা। ক্নমবব্রতা নন্দনরনমে ক্নটীমে বহএ নগনীহ খাঽ পতিব্রতা রিরাহ কএ সাস্বব



চনি গেনীহ। এক দিন একটা যোগীক মাথপব কৌআ চঢ়ৈক কএ দেনকৈক তঁ ওহ শাপ দএ ওকবা ভসম কএ দেনক। নন্দনবনমে আগি নাগন বহএ। পতিব্রতা অপন ৰহিন ক্ষমবব্রতাক কুটী ৰঁচেৰাঁক নেন তুনসীক ৰেঁঠ দেনন্হি তাহিমে যোগীকেঁ ভীখ দেৰাঁমে দেবী ভএ গেনৈক। যোগী তমসাএন তঁ পতিব্রতা দেবীক কাবণ কহনন্হি। যোগী ৰৌনমে গেন তঁ দেখনক জে সৌঁসে ৰৌনমে আগি নাগন অছি মুদা ক্ষমবব্রতাক কুটী ৰঁচন অছি। ওহ ক্ষমবব্রতাকেঁ একব বহস্য ৰতেনক তঁ ওহো নির্ণয নেনন্হি জে হমহুঁ রিরাহ কএ পতিব্রতা ৰনৰ। ভোবমে একটা কুষ্ঠবোগীকেঁ ওহ দেখনন্হি তঁ হুনকেসঁ রিরাহ কএ নেনন্হি। পতি হুনকা কহনখিন্হ জে হমবা তীর্থ কবাএ দিঅ। ওহ হুনকা পথিযামে নএ ৰিদা ভেনীহ তঁ বস্তামে জখন পথিযা উঁতাবি বহন ছনীহ তঁ চোট নাগি কএ এক গোট সূনী পব নটকন ঋষিকেঁ চোট নাগি গেনৈক। ওহ ভোব হোগতে পতিক মৃত্যুক শাপ হুনকা দএ দেনন্হি। সে স্বনি ৰেঁচাবী সূর্যক উঁপাসনা কবএ নগনীহ সে পতি মৃত্যু পারি ফেব জীরি উঁঠনখিন্হ আ২ এহি ৰেঁব ৰিনা বোগ ব্যাধিক ঘ্বি অএনন্হি।
সতী,সারিত্রী, অনসূযা আ২ ৰিহুনা জেকাঁ সতীক অনেক উঁদাহবণ অছি।

পাঁচম দিনক কথা

দক্ষক পুনর্জন্ম ভেনন্হি হিমানযক রূপমে, আ২ এহি জন্মমে হুনকা উঁমা, পার্রতী, গংগা, গৌবী আ২ সন্ধ্যা ঙা পাঁচটা কন্যা ভেনন্হি। হিমানয আ২ মনাগনক ৰেঁটী উঁমা মহাদেরকেঁ প্রাপ্ত কবৰাঁক নেন তপস্যা কবএ চনি গেনীহ, মায উঁমা কএ বোকনন্হি, সে নাম উঁমা পড়ি গেনন্হি ওহ ববক রূপমে মহাদেরকেঁ প্রাপ্ত কএ নেনন্হি। দোসব পুত্রী পার্রতী একদিন কনকশিখবপব গেনীহ আ২ ৰঁসহাপব চঢ়ি হুনকা সংগ চনি গেনীহ। তেসব পুত্রী গংগা বহথি। এক দিন মহাদের ভিক্ষুক ভেষ ধএ অএনাহ আ২ গংগাকেঁ জটামে নুকাএ চনি গেনাহ।

ছঠম দিনক কথা

সগব বাজাক পত্নী বহথি শৈৰ্যা আ২ হুনকাসঁ অসমংজস নামক পুত্র ভেনন্হি। দোসব পত্নী ৰৈদর্ভীসঁ কোনো ৰঁচা নঞি ভেনন্হি। ৰৈদর্ভী মহাদেরক তপস্যা কেনন্হি তঁ সএ ৰবখক ৰাদ একটা নোথ জন্ম নেনকন্হি। মহাদের অএনাহ আ২ নোথকেঁ সাঠি হজাব খণ্ডমে কাটি ওতেক তৌনামে বাখি ঝাঁপি দেননি। ঙা সভটা কিছু দিনমে পুত্রক রূপ নএ নেনকন্হি। সগব বাজাক সএম অশ্বমেধ যজ্ঞক গন্দ্র ৰাধী ভেনাহ কাবণ তখন সগব শতক্রতু গন্দ্র ভএ জএতাহ। গন্দ্র যজ্ঞক ঘোড়াকেঁ নএ ভাগি গেনাহ আ২ কপিনক আশ্রমমে ৰাঁন্হি দেনখিন্হ। সাঠিযো হজাব পুত্র কপিনপব দৌগনাহ, ও তপস্যানীন ছনাহ আ২ অপন ক্রুদ্ধ আঁখি খোনি সভকেঁ জবা দেনন্হি। ৰৈকুণ্ঠসঁ গংগাকেঁ



অনরোঁক নেল অসমঞ্জস আ২ তকব রোঁদ হুনকব প্ত্র দিলীপ আ২ তকব রোঁদ তিনকব প্ত্র অংশুমান তপস্যা করৈত-করৈত মরি গেলাহ। অংশুমানক প্ত্র ভগীরথক তপস্যাসঁ রিষ্ণু প্রসন্ন ভেলা আ২ গংগাকেঁ মৃত্যুলোক ন২ জএবোঁক অনুমতি দএ দেলন্হি। মহাদের হিমালযপর জাএ স্বস্থসঁ উতরৈত গংগাকেঁ অপন জটামে বাধি সম্হারি লেলন্হি, ঋদা জে আগূ রঁঢ়ালীহ তঁ জহ্নু ঋষিক কুটী দহাএ লাগল। জহ্নু ঋষি গংগাকেঁ পীরি গেলাহ। ঋদা আগ্রহ কএলাপর ওহ গংগাকেঁ ছোড়ি দেলন্হি আ২ তহিযাসঁ গংগা হুনকব প্ত্রী জাহ্নরীক রূপমে রিখ্যাত ভেলীহ। আ২ ফেব অন্তমে সগবক প্ত্র লোকনি দ্বাবা, ঘোড়া ক খোজমে খুনল ওহি খাধিমে খসলীহ জে আরোঁ সাগব কহারৈএ লাগল আ২ এহি তবহেঁ সগবক প্ত্রসভকেঁ সদ্গতি ভেটলন্হি।

গৌবীক জন্ম- সতীক মৃত্যুক রোঁদ মহাদেরকেঁ রিবক্তি ভএ গেলন্হি। তখন তাড়কাসুব ব্রহ্মাকেঁ প্রসন্ন কএ মহাদেরক প্ত্রক অতিরিক্ত ককবো আনসঁ নহি মবরোঁক রব লএ লেলক, দেরতাকেঁ স্বস্থসঁ ভগা দেলকন্হি। তখন দেরতা লোকনি মহামাযা দুর্গাকি আবাধনা কএলন্হি আ২ ও হিমালযক ঘবমে জন্ম লেলন্হি। ওহ রঁড় গোব-নাব ছলীহ সে হুনকব নাম পড়ল গৌবী। নাবদ একদিন হিমালযক ওহিঠাম অএলাহ আ২ গৌবীক হাথ দেখি কহলখিন্হ জে হিনকব রিরাহ মহাদেরসঁ হোএতন্হি। হিমালয গৌবীকেঁ দুটা সখীক সংগ মহাদেরক সেরামে পঠা দেলখিন্হ। দেরতাগণ কামদেরকেঁ মিত্র রসন্ত আ২ স্ত্রী বতিক সংগ ওতএ পঠেলন্হি। গৌবী জখন পহুঁচলীহ তখন কামদের রাণ চলেলখিন্হ। মহাদের আঁখি খোলি গৌবীকেঁ দেখল। গৌবী পূজা কএলন্হি। মহাদের হুনকা দেখি উপমা দেলন্হি,
মুঁহ চন্দ্রসন, আঁখি কমলসন, ভৌঁহ কামদেরক ধনুষসন, ঠোব পাকল তিলকোবসন, নাক স্বগ্গাক লোলসন, রৌলী কোকলীসন।
ঋদা তখনে হুনকা হোশ অএলন্হি ওহ ঝাঁকিবমে কামদেরকেঁ দেখলন্হি তঁ তেসব নেত্র ক্রোধিত ভএ খোলি দেখল তঁ ওহ জবি গেলাহ। বতি মূর্চ্ছিত ভএ গেলীহ। বতিক রিলাপ দেখি দেরতাগণ অএলাহ আ২ কহলন্হি জে তাড়কাসুবক রধ লেল ঙ্ সভটা বচন গেল। মহাদের কহলন্হি জে বতি সমুদ্রমে শম্বব দৈত্য লগ জাথি। কৃষ্ণক প্ত্র প্রদ্যুম্নকেঁ ওহ দৈত্য উঠা কএ লএ জাযত। জখন প্রদ্যুম্ন পৈঘ হোএতাহ তখন ওহ শম্ববকেঁ মাবি বতিকেঁ রিযাহি দ্বাবকা লএ জএতাহ। রৈহ প্রদ্যুম্ন কামদের হোএতাহ।

সাতম দিনুকা কথা



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

গৌৰী কামদেৱক দহন দেখি ডৰাএ গেলীহ। নাৰদ গৌৰীকেঁ তপস্যা কৰএ লেল কহলখিন্হ। তপস্যাক লেল হিমালয় অপন পত্নী মৈনাসঁ পুছলন্হি। গৌৰী ফেৰ পটৈব খোলি দেলন্হি আহ মৃগছালাজিন আহ বঁল্কব পহিৰি সখী সংগ গৌৰীশিখৰ চোটীপৰ চলি গেলীহ। ঘোৰ তপস্যা দেখি ঋষি-মুনি সংগ নাৰদ মহাদেৱ লগ পহুঁচলাহ। মহাদেৱ গৌৰীক পৰীক্ষা লেল ভেষ বঁলাএ গৌৰীশিখৰ পহুঁচলাহ আহ মহাদেৱক ভেব-বাস নিন্দা কএলন্হি। গৌৰী তমসাএ গেলীহ তঁ ওহ সোঝাঁ আবি গেলাহ আহ বিৱাহক লেল তৈযাৰ ভএ গেলাহ।

আঠম দিনক কথা

কাশীমে সপ্তঋষি, বশিষ্ঠ আহ বশিষ্ঠাক স্ত্রী অৰুন্ধতী অএলীহ। মহাদেৱ হুনকা লোকনিকেঁ কথা লএ হিমালয়ক ঠাম পঠওলন্হি। হিমালয় আহ মৈনাক আঁখিসঁ খুশীসঁ লোৰ ঝড়এ লগলন্হি। কথা স্থিৰ ভএ গেল। নাৰদ দেৱতা লোকনিকেঁ হকাৰ দেলন্হি। চাৰিম দিন বঁৰিযাতী লগল। গন্ধৰ্বৰাজকেঁ দেখি মৈনাকেঁ নাৰদকেঁ পুছলন্হি তঁ ওহ কহলন্হি জে ঔ তঁ দেৱতাক গৱৈযা ছী। ফেৰ ধৰ্মৰাজ, ইন্দ্ৰ সভ অএলাহ। নাৰদ সভক পৰিচএ দেলন্হি। মৈনা সোচলন্হি জে ঔ সভ এতেক সুন্দৰ অছি তঁ মহাদেৱ কতেক সুন্দৰ হোএতাহ। মহাদেৱ মৈনাক মোনক গপ বুঝি কিছু তমাশা কএলন্হি। মহাদেৱ, হুনকৰ গণ, ভূত-পিশাচকেঁ দেখি মৈনা বেঁহোশি ভএ গেলীহ।

নৱম দিনক কথা

মৈনাকেঁ জখন হোশি অএলন্হি তঁ ওহ নাৰদ-গৌৰী সভকেঁ বঁহুত বাস বাঁত কহলন্হি আহ বিৱাহসঁ মনা কএ দেলন্হি। সভ মনবঁএ অএলন্হি তৈযো নহি মানলীহ। তখন মহাদেৱ অপন ভব্যৰূপ দেখেলন্হি, তঁ মৈনা দেখিতে বহি গেলীহ। বিৱাহক কাৰ্য শুৰু ভেল। পৰিছলি, অঠোংগৰ, গোত্ৰাধ্যাযক বঁদ কন্যাদান সম্পন্ন ভেল আহ তাড়কাসুৰকেঁ মাৰবাঁক বাঁট সোঝাঁ প্ৰতীত ভেল।

দশম দিন্বকা কথা

মহাদেৱ আহ গৌৰীক সংভোগসঁ জে বঁচা হোএত ওহ পৃথ্বীক নাশ কএ দেত, ব্ৰহ্মাক ঔ ৰচন সুনি দেৱতা লোকনি হল্লা মচা দেলন্হি আহ মহাদেৱক অংশ পৃথ্বীপৰ খসি পড়ল। গৌৰী দেৱতাকেঁ সৰাপলন্হি জে আগ দিনসঁ হুনকা লোকনিকেঁ সম্ভোগসঁ সন্তান নহি হোএতন্হি। পৃথ্বী অংশকেঁ আগিমে আহ আগি সৰপতৰনমে ভাৰ সহন নহি হোএবাঁক কাৰণ দএ দেলন্হি। ওতএ ছহ মুঁহবঁলা বঁচা ভেল, ওকৰা কৃত্তিকসভ পোসলন্হি তেঁ নাম কাৰ্তিকেয পড়ি গেলন্হি। গণেশক জন্মক বাঁদ মহাদেৱ হুনকা বঁজা লেলন্হি,



দেরতানোকনি হুনকর অভিষেক কএ অপন সেনাধ্যক্ষ রঁনা নেনন্হি। ওহ তাড়কাসুরকেঁ মারি ইন্দ্রকেঁ রাজ্য ঘুরা দেনন্হি আ' সাঠিসঁ রিরাহ কএনন্হি।
গণেশক জন্ম- মাঘসুদি ত্রযোদশী স্বপ্ষ্য রিষ্ণুব্রত এক মাসমে সমাপ্ত কএ কৈনাশমে গৌরী-মহাদের রমণ করএ নগনাহ। রিষ্ণু তপস্বীক ভেষ রঁনাএ অএনাহ আ' ভূখসঁ প্রাণ রক্ষাক গপ কহনন্হি। ওঙ্কাওনপর অঁশ খসি পড়ন আ' গণেশক জন্ম ভএ গেন। সমারোহমে সভ অএনাহ, শনিকেঁ গৌরী দেখএ নেন কহনন্হি, ঋদা হুনকা দেখনাসঁ গণেশক গরদনি কটি কএ খসি পড়ন। রিষ্ণু একটা হাথীক গরদনি কাটি নগা দেনন্হি আ' অমৃত ছীটি জিআ দেনন্হি। গণেশক রিরাহ দক্ষপ্রজাপতিক রেঁটী পুষ্ঠিসঁ ভেনন্হি।

গৌরীক নাগদন্ত কথা-হিমানযক আ' মনাওনক চারিম রেঁটী গৌরীক রিরাহ মহাদেরসঁ ভেন। মহাদের ভাভটে পসারি ফের হটা নেননি। রেঁটী-জমাএকেঁ পুষ্ঠ ভার সাঁঠি রিদা কএনন্হি, সে সঠরেঁ নহি করন্হি। ভড়কনি ছনাহি জখন ধ্রখুর সটি ঠাঠ ভেন, তখন সভটা ভার রিনাএন। একরেঁর গৌরী কহনন্হি জে সভক ননদি অরেঁত ছৈক, ভাগিন অরেঁত ছৈক। মহাদের রঁহিন অশারবীকেঁ রঁজেনন্হি। হুনকা রেঁমায ফাটৈন ছনন্হি, রেঁমাযমে গৌরীকেঁ নুকা নেনন্হি। গৌরী কানথি তঁ ক্যা স্বনরেঁ নহি করন্হি। মহাদের পুছাড় কএনন্হি তঁ ওহ পৈর ঝাড়নন্হি। গৌরী ভটসঁ খসনীহ। তহিনা ননদি নেন মাঁছ রান্হনন্হি। সভটা মাঁছ ননদি খা' গেনথিন্হ। গৌরী অকচ্ছ ভএ ননদিকেঁ রিদা কএনন্হি। গৌরী গংগা জন ভরএ গেনীহ তঁ পুররা আ' পছরা দুনূ ভাগিন জোরসঁ রঁহএ নাগন। গৌরী হাথ জোড় হঁসী রঁন্ন করএ নেন কহনন্হি।

গৌরী ছিনারি/চোরনী- গৌরী কহনন্হি জে ছিনারিকেঁ মাথপর সিংহ আ' চোরনীকেঁ নাঙরি দএ দিঔক। মহাদের তথাস্তু কহনন্হি। গৌরী মাছ আনএ গেনীহ তঁ ধারক কাতমে মহাদের ভেষ রঁদনি মাঁছ রেঁচরাঁক নেন ঠাঠ ভএ গেনাহ। গৌরীকেঁ মাঁছ রেঁচরাঁসঁ মনা কএ দেনন্হি, কহনন্হি জে হঁসী-ঠঠ্ঠা করর তখনে হম অহাঁকেঁ মাঁছ দের। গৌরীকেঁ মহাদের নেন মাঁছ নের জরুরী ছনন্হি সে ওহ হঁসী কএ মাছ আনি, রান্হি মহাদেরকেঁ খোআররএ রৈসনীহ তঁ মাথপর সিংঘ ভঁগি গেনন্হি। দোসর দিন মহাদের গৌরীকেঁ জন্দীসঁ খেনাগ রঁনাররএ নেন কহনন্হি, তখনে গৌরীকেঁ দীর্ঘশংকা নাগি গেনন্হি। ওহ জখন দীর্ঘশংকা কএ ওকরা পথিযাসঁ ঝাঁপি দেনথিন্হ। জখন মহাদের ওম্হর অএনাহ আ' পুছনথিন্হ তঁ ওহ নজা গেনীহ আ' গপ চোরা নেনন্হি। জখন মহাদেরকেঁ ঔ কহনন্হি তঁ হুনকা নাঙরি ভএ গেনন্হি। গৌরী ছিনারি আ' চোরনীক চেন্হ মেটএরাঁক অনুরোধ কএনন্হি। তহিযাসঁ ঔ চেন্হ মেটা গেন।
এগারহম দিনুকা কথা



গৌরীসঁ ছোট আর হিমানযক পাঁচম বেটী সংধ্যাসঁ বিবাহক লেল মহাদেব চোরা কএ চলি গেলাহ। গৌরীকঁ দেহো-বেহো লোর চুবএ লগলন্হি। ঘামে-পসীনে ভএ গেলীহ। দেহসঁ মৈল ছুটএ লগলন্হি তকরা ওঽ জমা কেলন্হি আর সাঁপ বনাএ পথপর ছোড়ি দেলন্হি। মহাদেব জখন সংধ্যাক সংগ বিবাহ কএ অএলাহ তখন ওহি সাঁপমে প্রাণ দএ দেলন্হি। গৌরীকেঁ কহলন্হি জে ঈ সাঁপ, নীলী, অহাঁক বেটী ছী আর একরাসঁ খেলএবাক লেল সংধ্যাকেঁ অনলে ছী। গৌরী ভভা কএ হঁসি দেলন্হি।
নাহব রাজা আর তাঁতী বনিক সএ বেটামে সভসঁ পৈঘ বেটা বৈরসী মহাদেব লগ নোকরী করএ লেল গেলাহ। মহাদেব হুনকা কহলখিন্হ জে নীলীকেঁ ধর্মকুন্ডমে স্নান করাএ দিযৌন্হ আর সোহাগকুন্ডমে ওঁঠা ডুবা দিযৌন্হ। মুদা ওঽ উনটা কএ দেলন্হি। সোহাকুন্ডমে ডুবনাক কারণ সোহাগ বড় পৈঘ ভেলন্হি। মুদা ধর্মকুন্ডমে মাত্র ওঁঠা ডুবলন্হি সে ওকর লেশমাত্র বহলন্হি। সে ওঽ বৈরসীসঁ বিবাহ করবাক গপ কহলন্হি আর হুনকেসঁ হুনকর বিবাহ ভেল।

বরি দিন্নকা পতিব্রতা স্বকন্যাক কথা
একটা রাজা- আর চবিটা হুনকর রানী ছলন্হি। ছোটকী রানীটাসঁ একটা বচিযা স্বকন্যা ভেলন্হি। এক দিন রাজা স্বকন্যা সংগে টহলৈত ছলাহ তঁ স্বকন্যা একটা দিবড়াক ভীড় দেখলন্হি। ওহিমে দুটা চমকৈত বস্তু সেহো ছল। ওঽ ওহিমে কটকীসঁ ভূড় করএ চাহলন্হি, তঁ ওহিমেসঁ শোনিত বহাব ভএ গেল আর চীকোব উঠল। একটা মুনি তপস্যা কএ রহল ছলাহ আর হুনকর দুনূ আঁখি ফুটি গেল ছলন্হি। রাজা হাথ জোড়ি ক্ষমা মাঁগলন্হি তঁ ওঽ স্বকন্যাকেঁ সেবাক লেল মাঁগি লেলন্হি। রাজা মুমোনসঁ স্বকন্যাক বিবাহ ওহি বূঢ় ঋষিসঁ করবাএ দেলন্হি। ফেব এক দিন অশ্বিনীকুমাব স্বকন্যাকেঁ ভেটলখিন্হ আর হুনকা লোকনিক সংগ পতিকেঁ গংগা স্নান করবেবাক লেল কহলখিন্হ। জখনে তীনূ গোটে স্নান কএ নিকললাহ তঁ একে বংগ-রূপক সুবরা আঁখি সহিত বাহব আরি গেলাহ। আব স্বকন্যা হুনকা চিন্হতথি কোনা। তখনে ওঽ দেখলন্হি জে দুনূ দেবতাক পিপনী তঁ খসিতে নহি ছন্হি সে ওঽ অপন পতিকেঁ চীন্হি গেলীহ। রাজা বেটী-জমাএক খুশীমে ভোজ দেলখিন্হ। দেবতা সভ সেহো অএলাহ মুদা দেবতা সভ অশ্বিনেকুমাবকেঁ পাঁতীমে বৈসি কএ খাএ নহি দেমএ চাহৈত ছলাহ মুদা রাজাক কহলাপব হুনকা সভকেঁ একে পাঁতীমে বৈসএ দেলখিন্হ।

বাবহম দিন্নকা কথা



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

একটা ব্রাহ্মণীক সাত টা বেটা ছলন্হি। ছোটকী প্বতোহ্ গবীব ঘবক ছলীহ সে সস্ব-সস্বব নহি মানৈত ছলন্হি। হ্নকা গর্ভ ভেলন্হি তঁ খীব পূবী খএবাক ওচ্ছা পতিকেঁ কহলথিন্হ। পতি কহলথিন্হ জে মায হম খেত জাগত ছী হমব পনপিআগমে আগ খীব-পূবী কনিআক হাথে পঠা দিঅ। মাযকেঁ বুঝেলন্হি জে হো নঞি হো, ঙা অপন কনিআকেঁ খীব-পূবী খুআওত। সে ওহ প্বতোহক জীহপব নিখি কহলন্হি, জে ঘুবি কএ আরী তঁ ঙা নিখন বহবাক চাহী। প্বতোহ্ খীব-পূবী নএ খেত পহুঁচলীহ তঁ পতি আধা-আধা খাএ নেন কহলখিন্হ। ম্দা ঞহ জীহ দেখা দেনখিন্হ। তখন ওহ পীপবক ধোধবিমে খীব-পূবী বাখি কহলন্হি জে জাঙু, মাযকেঁ জীহ দেখা কএ ঘূর্বি আঙু। জখন ওহ ঘ্বনীহ তঁ ওহি ধোধবিক বীহড়্ মে বহএবনা বাস্বকী সাঁপক কনিআ, জে গর্ভবতী ছলীহ সে সভটা খীব-পূবী খাহ গেন ছলীহ। ওহি সাপিনকেঁ বান আহ বসন্ত দূটা পোআ ভেনৈক। এক দিন চববাহা সভ ওকবাসভকেঁ মাবএ নেন দৌগন তঁ ছোটকী প্বতোহ্ ওকবা বচেনক। ফেব একব উত্তবমে বান-বসন্ত হ্নকা বব মঁগবাক নেন কহলথিন্হ। প্বতোহ্ বব মঁগনন্হি জে এহন কএ দিঅ জে হমবো নৈহবক আস বহএ। সৈহ ভেন। বান-বসন্ত বিদাগবী কবেবাক নেন পহুঁচি গেনাহ মন্বষ্যরূপ ধাবণ কএ। সাস্ববমে বান-বসন্ত রূপমে পবিচএ দএ কহলন্হি জে হমবা সভক জন্ম বহিনক দ্বিবাগমনক বাদ ভেন ছন। বিদাগবী কবাএ বস্তামে বীহবিমে পৈসি কএ জে নিকননাহ তঁ পৈঘ ঘব আবি গেন। বাস্বকীনি স্বাগত কএ সাঁঝমে স্বআসিনক কাজ সাঁঝমে দীঅঠিপব দীপ জবেনাগ অছি- সে কহলন্হি। বাস্বকীনাগক ফনপব ওহ দীপ জববথি তঁ ওহ খৌঁঝাকএ পনীকেঁ কহলন্হি জে একবা হম ডসি নেব। পনী মনা কএনন্হি জে অজশ হোএত সে বিদা কবএ দিঅ। সস্বব চনি জাএত তঁ জে মোন হোএ সে কবব। বস্বকিনী নূআ-নহঠী দএ বিদা কবৈত কান ধবি ঙা কেনন্হি জে সাঁপ বক্ষকমংত্র কনিআকেঁ সিখা কএ বান-বসন্তক সংগ বিদা কএ দেনন্হি। কহলন্হি জে ঙা মংত্র সূতএকান পঠ্ সূতব।

দীপ-দীপহবা আগূ হবা মোতী মানিক ভব্ধ ধবা।
নাগ বড়্থ্, নাগিন বঠ্থ্, পাঁচো বহিন, বিষহবা বঠ্থ্।
বান বসন্ত ভৈয্যা বঠ্থ্, ডাঠ্ -খোঠ্ মৌসী বঠ্থ্।
আশাববী পীসী বঠ্থ্, খোনা-মোনা মামা বঠ্থ্।
বাম্হ শঙ্খ নএ স্বতী, কাঁসা শঙ্খ নএ উঠী।
হোগত প্রাত সোনা কটৈবামে দূধ-ভাত খাগ।
সাঁঝ স্বতী, প্রাত উঠী, পটৈব পহিবী কচোব ওঠ্ ী।
ব্রহ্মাক দেন কোদাবি, বিষ্ণুক চাঁছন বাট।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

भाग-भाग रे कीड़ा-मकोड़ा, ताहि बाँटे खाओत।
ई शिव महादेव, पड़ए गरुड़केँ ठाठ।
आस्तीक, आस्तीक, आस्तीक।

बाँस्वकी डसए नए आबैथि तँए ई मंत्र स्वनि घुरि जाथि। चाविमदिन सास्वकेँ डसि तीन ठेंव नाउवि पटैकि घव सोना-चानीसँ भवि देलखिन्ह।

गोसाउँनिक कथा- मधस्थ बाजाक एकसए एक बेटीक बिबाह नाहव बाजाक एकसए एक बेटासँ भेलन्हि। सभसँ पैघ भाए बेंवसीक बिबाह सभसँ पैघ कान्या गोसाउँनीसँ भेलन्हि। बिबाहकालमे बेंवसीक पागसँ पहिल कनिआ महादेवक पुत्री नीनी खसि पड़लन्हि। नीनी नाबाँ बिछि खए लागलि। गोसाउँनिक पिता मधस्थ सबापलन्हि जे बेंवसी डेग पाछाँ पानक बीड़ा या खएताह आ कोशे पाछाँ तिविबासँ गप करताह तँ जीताह नहि तँ मवि जएताह। तँए बेंवसी नीनीकेँ मानथि। सास्वबमे गोसाउँनि अपन ब्यथा दिअव चनागकेँ कहलन्हि। ओ भागकेँ कहलन्हि जे बाहव घूमि फिबि आउ। तँ बेंवसी सस्वबक सबापक कथा कहलन्हि। तँए चनाग सभटा ब्यवस्था कए भौजीकेँ कहलन्हि जे हम पाँच्-पाँच कोसपव ठवबाँक ब्यवस्था कवबँ अहाँ भायसँगे भेष बँदलि बन्ह आ संगमे पासाक गोटी नए लिअ आ तकवा प्रमाण रूपमे गाड़ैत जाएब। सैह भेल। पाँच बिश्रामक बाद जखन सभ घूबि अएलाह, तखन गोसाउँनिकेँ ओध्, कष्ठ, महानाग, श्रीनाग, आ नग्नश्री नमक पाँचटा पुत्र भेलन्हि। नीनी बेंवसीकेँ कहलन्हि जे ई चनागक सन्तान छी। तँए गोसाउँनि पासाक गोटी देखेलन्हि। तखन बेंवसी नीनीकेँ मानभोग चौव आ खेड़हीक दालि आ गोसाउँनिकेँ लोहाक चाउव आ पाथवक दालि सिद्ध कवए कहलन्हि। तँए तेँयो नीनी बुते सिद्ध नञि कएल भेलन्हि, तँए गोसाउँनि स्वसिद्ध कए देलन्हि। ई देखि कए गोसाउँनिक शबीब गौवरे फाटि गेलन्हि।

तेवहम दिन्वका कथा

बाजा श्रीकवक कन्याक टीपणिमे छाती लात, मोँटा हाथ आ सौतिनक पोखड़ि मे अठ़ाग ब्राक माटि उघवँ लिखल छल। हुनकव ह्मगनाक बाद हुनकव बेटा चन्द्रकव जंगलमे एकटा सोन्हि बँना कए एकटा चेबीसंगमे दए बाजकुमाबीकेँ ओतए बाखि देलन्हि। जंगलमे स्वर्ण बाजाकेँ ओ भेँटे भेलीह तँ दूनू गोटे जाए लगलाह तँ बाजकुमाबी साओन सुदि तृतियाकेँ मधुश्रावणी पाबँनिक लेल सास्वबक अन्न खएबाँक आ बस्त्र पहिबबाँक प्रथाक मोन पाड़ि कहलन्हि जे ई दूनू वस्तु अबश्य पठायबँ। बाजा



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

বাজ্য জাএ কাবীগবকেঁ বস্ত্রনেন কহলন্হি তঁ বঁড়কী বানী স্বনি নেনন্হি আ২ বস্ত্রমে ছাতী-নাত আ২ মোঁটা মাথ নিখি দেবাঁক নেন কহলন্হি। কৌআকেঁ জখন ঙা বস্ত্র পহুঁচেবাঁক ভাব বাজ দেনন্হি তঁ ও২ বস্তামে কতহু ভোজ-ভাত খএ নাগন আ২ সনেস পহুঁচেনাগ রিসবি গেন। বাজা সেহো সভটা রিসবি গেনাহ। মধ্শ্রাবণী দিন বাজকুমাবী গৌবীক পূজন উজ্জব চানন-ফূনসঁ কএনন্হি আ২ কহলন্হি জে জহিয়া বাজা ভেঁটা হোথি তহিআ হম রৌক ভএ জাগ। জখন চন্দ্রকবকেঁ পতা চনন জে বাজকুমাবী রিরাহ কএ নেনন্হি তঁ ও২ খবচা বঁন্দ কএ দেনন্হি। আবঁ দূনূ গোটে বাজকুমাবী অ২ চেবী স্বর্ণ বাজাক বঁড়কী বানী দ্বাবা খূনাওন জাএ বহন পোখড়ি মে মাটি উঘএ নগনীহ। স্বর্ণ এক দিন হিনকা নোকনিকেঁ দেখনথিন্হ তঁ হূনকা সভটা মোন পড়ি গেনন্হি। ও২ হূনকা বাজ্য নএ অননন্হি। ফদা বাজকুমাবী বঁজবেঁ নহি কবথি। চেবী সভটা গপ বূঁঝেনন্হি তঁ বাজা কহলন্হি জে ঙা কৌআক গনতী অছি। তখন বানী অগিনা মধ্শ্রাবণীমে নান চাননসঁ গৌব প্বজনন্হি আ২ হূনকব বঁকাব ঘূবি গেনন্হি আ২ স্বখসঁ জীরন রিতাবঁএ নগনীহ।

শ্রীগণেশজী মধ্শ্রাবণী দিন মএ গৌবীসঁ কহলন্হি জে আগ হম সোহাগ মথবঁ আ২ বাঁটবঁ। ধান-ধন্য, কাঠক তামা, নীম বেঁন আ২ আমক কাঠীসঁ ও২ সোহাগ মথি সভকেঁ বঁটৈনন্হি।

ঝূনন

সাওন মাসক শ্বক্নপক্ষ প্বত্রদা একাদশীসঁ প্রাবম্ভ ভএ পাঁচ দিনক বাঁদ সনৌনী পূর্ণিমা ধবি কাঠক ঝূনা, আণ্ডী, টৈপী, চন্দবি , বেশমী ডোবীসঁ সজারট কএ ঝূনা গাওন জাগত অছি।

ভাদবমাস কৃষ্ণপক্ষ অষ্টমী তিথিক ১২ বঁজে বাতিমে কৃষ্ণক জন্ম ভেনন্হি।
সতযুগমে কেদাব নাম্না বাজা পবম্পবানুসাব বৃদ্ধারস্থা প্রাপ্ত ভেনাপব প্বত্রকেঁ বাজ্যভাব দএ তপস্যাক নেন বৌন চনি গেনাহ। কেদাবক একেটা প্বত্রী ছনন্হি বৃন্দা নাম্না। ও২ ভবি জিনগী যমুনা তটপব ঘোব তপস্যা কেনন্হি। অন্তমে ভগরান প্রকট ভএ বব মঁগবাঁক নেন কহলন্হি। বৃন্দা কহলথিন্হ জে অহাঁ হমব বব বঁনূ। ও২ বৌন জতএ বূঁন্দা তপস্যা কএনন্হি বৃন্দারনক নামসঁ প্রসিদ্ধ ভেন। ওতএ যমুনাক নদীক নিচ্নকা দক্ষিণ তটপব মধ্প্ববী নামক নগব বঁসেনক। শত্রুঘন ওহি দৈত্যকেঁ মাবি মধ্পব (মথূবা) জিতনন্হি। দ্বাপবমে ঙা শূবসেনক বাজধানী বঁনন। যাদর,অঁধক ভোজ এতএ বাজ কেনন্হি। ভোজবাজ উগ্রসেনকেঁ হূনকব বেঁটা কংস গদ্দীপবসঁ উতাবি দেনকন্হি। হূনকব বঁহিন



যদুবংশী ক্ষত্রিয় রাসুদেরসঁ রিযাহল ছলীহ। এক দিন কংস দেরকীকেঁ সাসুর পহুঁচারঁএ জাঽ রহল ছলাহ ক্ষদা আকাশরাণী ভেল জে দেরকীক আঠম রঁচা কংসকেঁ মাবত সে ওঽ অপন রঁহিন রঁহিনোঞকেঁ কাবাগাবমে ধঽ দেনক। দেরকীক সাত টা সন্তানকেঁ ওঽ মবরাঁ দেনক। ভাদর মাসক বোহিণী নক্ষত্রক কৃষ্ণপক্ষক অষ্ঠমী তিথিক অন্হবিযামে মূসনধাব রঁবখামে কাবাগাবমে প্রকাশ ভএ গেল আঽ ভগরান শঁখ-চক্র-গদা-পদ্ম নএ ঠাঢ় ভএ গেলাহ, কহলন্হি জে হমবা জন্ম যোগত দেবী বৃন্দারন নন্দক ঘব দএ আউ আঽ ওতএ একটা রঁচিযা চন্ডিকা জন্ম নেনে অছি, ওকবা আনি কএ কংসকেঁ দএ দিঔক। মাযাসঁ সভ পহবেদাব সূতি জাএত, ফাটক সভ অপনে খুজি জাএত, যমুনা মৈয়্যা স্বযং বস্তা দএ দেতীহ। রাসুদের সএহ কএলন্হি। ভোবমে কংস একটা পাথবপব একটা বজক দ্বাবা পটকরাঁয জখনে ওহি রঁচিযাকেঁ মাবএ চাহলন্হি উড়ি গেলীহ আঽ কহলন্হি জে হুনকা মাবএ রঁলা বৃন্দারন পহুঁচি গেল অছি। কংস কতেকো বাক্ষসকেঁ পঠেলক কৃষ্ণকেঁ মাবরাঁক নেল ক্ষদা রঁহ সভ মাবল গেল। পৈঘ ভএ কৃষ্ণ মথুবা আবি কংসকেঁ মাবি মাতা-পিতাকেঁ কাবাগাবসঁ ছোড়াওল আঽ ফেব কিছু দিনকা রাঁদ গোপী-সখাকেঁ ছোড়ি দ্বাবকা চলি গেলাহ।

2.হবিতালিকা/ চৌবচন্দ্র/ অনংত চতুর্দশী- গজেন্দ্র ঠাকুব

হবিতালিকা পূজা ব্রত (তীজ)

তিথি ভাদর শুক্ল তৃতিযাকেঁ কুমাবি কন্যা সোহাগক নেল ব্রত কবৈত ছথি। কথা এহি প্রকাবেঁ অছি। সূতজী- পার্রতী শিরসঁ শিরসন রবপ্রাপ্তিক ব্রতক রিষযমে প্রছৈত ছথি তঁ ওঽ উত্তব দৈত ছথি জে হিমরান পহাড়পব অহাঁ ভাদর শুক্ল তৃতিযাকেঁ ঞ ব্রত কএনে বহী রাঁবহ রর্ষ উন্টা টাঁগ মাত্র ধুঁআ পীরি কএ, মঘমে জলমে রঁসি, শ্রারনমাসমে রর্ষামে আঽ রঁসাখ দুপহবিযামে পঁচাগ্নিমে। তখন অহাঁ পিতা নাবদকেঁ কহলন্হি জে ওঽ পার্রতীক রিরাহ রিষ্ণুসঁ কবওতাহ। ঞ সুনি অহাঁ সখীক ঘবপব কানএ লগলহুঁ জে হম তঁ পাত্র শিরকেঁ অপন পতি রঁনাএরঁ আঽ অপন সখেক সংগ গংগাকাত খোহমে চলি গেলহুঁ আঽ ভাদর শুক্ল তৃতিযাকেঁ হমব রাঁলুক প্রতিমাক পূজা কএলহুঁ তখন হম আবি অহাঁকেঁ পতি হোএরাঁক রব দেলহুঁ। তখন অহাঁ হমব রাঁলুক প্রতিমাক রিসর্জন কএ পাবণ কেলহুঁ, তখনে অহাঁক পিতা সেহো পহুঁচি গেলাহ আঽ অহাঁকেঁ ঘব অনলন্হি আঽ হমবাসঁ অহাঁক রিরাহ ভেল। অহাঁক সখী অহাঁকেঁ হবিকএ লএ গেল ছলীহ তেঁ এহি ব্রতক নাম হবিতালিকা পড়ল।

চৌবচনক কথা



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

सनक्कुमारकेँ नन्दिकेश्वर योगीन्द्र कथा सुनबैत छथि- कृष्ण मिथ्या आरोपसँ दुखित भए गणेश आ चन्द्रमाक पूजा कएलन्हि। पृथ्वीक भार उतारए लेल बलराम, कृष्ण आ कमलनाभ उत्पन्न भेलाह। कंसक बध कृष्ण कएलन्हि। मुदा कंसक ससुर जरासन्धक आक्रमण संकट देखि छप्पन करोड़ यदुवंशीक आ सोलह हजार आठ स्त्रीरत्नक संग द्वारका अएलाह।
सत्राजित सूर्यक उपासना द्वारका तटपर कए स्यामन्तक मणि- जे सभ दिन आठ भार सोना उत्पन्न करैत छल- पओलन्हि। ओ एकरा अपन भाग प्रसेनकेँ दए देलन्हि। राजा उग्रक दू सन्तान छलाह- सत्राजित आ प्रसेन। एक दिन कृष्ण आ प्रसेन शिकार खेलाए लेल बोन गेलाह तँ एकटा सिंह प्रसेन कए मारि मणि लए विदा भेल तँ जाम्बवान भालू ओहि सिंहकेँ मारि मणि अपन पुत्रकेँ खेलाए लेल दए देलन्हि। कृष्ण जखन असगरे आपिस भेलाह तखन सभ हुनकापर प्रसेनक हत्या मणिक लोभमे करबाक आरोप लगओलक। तखन कृष्ण सभकेँ लए बोन गेलाह तँ सिंह आ प्रसेनकेँ मृतक देखलन्हि आ जाम्बवानक पुत्र सुकुमारक झूलामे लटकल मणि देखलन्हि। जाम्बवानक पुत्री कृष्णकेँ मणि लए भागए कहलन्हि, मुदा कृष्ण शंख फुकि सात दिन खोहमे भेल युद्धक बाद द्वारकावासी द्वारका घुरि कृष्णक अन्तिम संस्कार मृत बुझि कएल, मुदा २१ म दिन जाम्बवान हारि मानि पुत्रीक विवाह हुनकासँ कराए मणि उपहारमे देलन्हि। कृष्ण ओहि मणिकेँ सत्राजितकेँ दए देलन्हि। सत्राजित हुनकापर मिथ्या आरोपसँ दुखी भए अपन पुत्रीक विवाह कृष्णसँ कराओल आ स्यामन्तक मणि कृष्णकेँ देल मुदा कृष्ण नहि लेलन्हि।
फेर कृष्ण-बलराम जखन बाहर छलाह तखन शतधन्वा सत्राजितकेँ मारि मणि लए लेलक आ अक्रूर यादरकेँ दए अपने भागि गेल। सत्यभामाक कहलापर कृष्ण-बलराम ओकरा खेहारलन्हि, कृष्ण ओकरा मारल मुदा मणि नहि भेटल, ई कथा सुनितेँ बलरामकेँ ई शंका भेल जे कृष्ण कपट करैत छथि, से ओ कृष्ण द्वारका अएलाह मुदा बलराम विदर्भ चल गेलाह, अक्रूर तीर्थयात्रापर निकलि गेलाह, मणि धारण कए काशीमे सूर्यक उपासना करए लागल।
तखन नारद कृष्णकेँ भाद्र शुक्ल चौठमे चन्द्रमाक दर्शन कएलाक कारण ई कलंक लागल, से कहलनि, कारण रूपक गर्वमे चन्द्रमाकेँ गणेशजी श्राप देलन्हि जे एहि दिन हुनकर दर्शन करएबलाकेँ कलंक लागत।
ब्रह्मा-विष्णु-महेश निर्विघ्नदेरक अष्टसिद्धि पूजा कएल आ जखन ओ घुरि रहल छलाह तँ चन्द्रमा हुनकर हाथी बला मस्तक, पैघ पेट देखि कए हँसि देलन्हि आ ई श्राप पओलन्हि। तखन एहि चतुर्थी तिथिकेँ ब्रह्माक कहल अनुसार गणेशक पूजा भेल फेर चन्द्रमाक अनुनय-विनयपर ई वर देल जे जे क्यो भाद्र शुक्ल चौठमे हाथमे फल-फूल



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

নএ মংত্রক সংগ অহাঁ দর্শন করত ওকরা কলংক নহি লাগত।

অনংত পূজা

অনন্ত ভাদরমাস শুক্ল পক্ষ চতুর্দশীকেঁ অনন্ত পূজা হোইত অছি। কথা- জুআমে হারল যুধিষ্ঠিরকেঁ বোনমে কৃষ্ণ এহি ব্রত করবাকলেল কহলন্হি আর কথা সুনওলন্হি। সত্যযুগমে সুমন্ত নাম্না ব্রাহ্মণ ভৃগুক কন্যা দীক্ষাসঁ বিবাহ কএলন্হি। হুনকা শীল জন্মক বাদ দীক্ষাক মৃত্যু ভএ গেলন্হি। ফের সুমন্তক বিবাহ কর্কশাসঁ ভেলন্হি ওর শীলাকেঁ কষ্ট দেমএ লাগলি। ফের শীলাক বিবাহ কৌণ্ডিন্যসঁ ভেলন্হি। দুনু গোটে অনন্ত চতুর্দশীক দিন যমুনা তটপর ঘুরৈত কল জাইত ছলাহ তঁ স্ত্রীগণ লোকনি হুনকা বাঁহিপর অনন্তক তাগ বাঁন্হি দেলন্হি জাহিসঁ হুনকর সভক ঘর গৃহস্থীমে সমৃদ্ধি আয়ল। ঘরমে মাণিক্য রহিতহুঁ ও তাগ দেখি এক দিন পতি ওকরা তোড়ি আগিমে ফেঁকি দেলন্হি। শীল জবল ডোরকেঁ নিকালি দূধমে রাখি লেল। আর বিপত্তি শুরু ভএ গেল আর ঘরমে আএল দরিদ্রতাকেঁ দেখি কৌণ্ডিন্য বোন চলি গেলাহ। ওতএ অনন্ত ভগবান হুনকা ঋষ্ক লগ লএ গেলখিন্হ। ওর হুনকা অনন্ত ব্রত ১৪ বরখ ধরি করবাক লেল কহলন্হি।

মিথিলা সঙ্গীত

রামাশ্রয ঝা "রামরংগ" (১৯২৮-) বিদ্বান, বাগ্যকার, শিক্ষক আর মংচ সম্পাদক ছথি। রামরংগজীসঁ গপ শপ। (৬ জুলাই ২০০৮)



गजेन्द्र ठाकुर: गोर लगैत छी। स्वास्थ्य केहन अछि।
रामरंग: ७० बरख पार केलहुँ। संगीतमे रहबैत रहैत छी।
गजेन्द्र ठाकुर: संगीतक तँ अपन फराक भाषा होइत छैक। मैथिली संगीत विद्यापति आ लोचन सँ शुरू भऽ अखन धरि अबैत अछि। मैथिलीमे अहाँ लिखनहिओ छी।
रामरंग: अपन मिथिलासँ सम्बन्धित हम तीन रागक रचना केलहुँ अछि, जकर नाम ऐ प्रकारसँ अछिह।
१.राग तीरभुक्ति, राग विद्यापति कल्याण तथा राग वैदेही भैरव। ऐ तीनू रागमेसँ तीरभुक्ति आर विद्यापति कल्याणमे मैथिली भाषामे ख्याल बनल अछि। हमर संगीत रामायणक बालकाण्डमे रागभूपाली आर विनायकमे सेहो मैथिली भाषामे ख्याल छैक। आर सङ्गीत रामायणक पृष्ठ ३ पर विनायकमे श्री गणेशजीक वन्दना तथा पृष्ठ २० पर राग भूपालीमे श्री शंकरजीक वन्दना अछि। पृष्ठ ४७ पर राग तीरभुक्तिमे मिथिला प्रदेशक वन्दना अछि आर पृष्ठ १२० पर राग वैदेही भैरवक (हिन्दीमे) रचना अछि। "अभिनव गीताञ्जलीक पंचम भागमे २६३ आर २६६ पृष्ठ पर विद्यापति कल्याण रागमे विलम्बित एवं द्रुत ख्याल मैथिली भाषामे अछि। मिथिला आ मैथिलीमे हम उपरोक्त सामग्री बनओने छी।

गजेन्द्र ठाकुर: ऋदा पूर्ण रागशास्त्र विद्यापति कल्याणक, तीरभुक्तिक वा वैदेही भैरवक नञि अछि। मैथिलीमे आरो रचना अहाँ...
रामरंग: बहुत रचना मोन अछि, ऋदा के सीखत आ के लीखत। हाथ थरथराइत अछि आब हमर।
गजेन्द्र ठाकुर: कमसँ कम ओहि तीनू रागक रचना शास्त्र लिखि दैतियैक तँ हम पुस्तकाकार छापि सकितहुँ।
रामरंग: जे रचना सभ हम देने छी ओकरा छापि दिऔक। हाथ थरथराइत अछि , तैयो हम तीनूक विस्तृत विवरण पठायब, लिखैत छी।
गजेन्द्र ठाकुर: प्रणाम।
रामरंग: निकेना रहू।
रामाश्रय झा "रामरग" (१९२८-) विद्वान, वागयकार, शिक्षक आ मंच सम्पादक छथि।
राग विद्यापति कल्याण- एकताल (विलम्बित)

मैथिली भाषामे श्री रामाश्रय झा "रामरंग" केर रचना।
स्थाई- कतेक कहब गुण अहाँके स्वरन गणेश विद्यापति विद्या गुण निधान।
अन्तरा- मिथिला कोकिला किर्ति पताका "रामरंग" अहाँ शिर भगत सुजान॥

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



স্থাযী
– – রেগ্ম্প গ্রেসা
২২ ক তে ২২ ক ক ২

রে সা (সা) নি্ধ নিসা – রে নি্ধ প ধনি সা সারে গ্রে রেগ্ম্ওখ – ম্
ঠ রঁ ২ ২ ২ গু ন ২ অ হাঁ, ২২ কে ২ ২ স্বর ন২ ২২২২ ২ গ

প প ধনি্ ধপ ধনিসাঁ – – রেঁ সাঁ নি ধপ (প)গ্ রে সা রে গ্ম্প গ্ রেসা
নে স রি২ দ্যাপ তি ২২ ২ ২রি দ্যা গুন নিধা ন, ক তে ২২২ ক, ক২

অন্তরা

পপ নি্ধ নিসাঁ সাঁরেঁ
মিথি লা২ ২২ কোকি

সাঁ – নিসাঁরেঁগঁ্ রেঁ সাঁ রেঁ নি সাঁরে নি্ ধপ প (প) গ্ রেসা
লা২ কী ২২২ তি প তা ২ ২২ কা ২২ বা ম বঁ গ অ

রে সাসা ধনি্প ধ নিসা –সা রে গ্ম্প –গ্ সারে সা,সা রেগ্ম্প গ্, রেসা
হাঁ শির ভ২, গ ত২ ২স্ব জা২২২ ২ ২ ন ২, ক তে ২২২ ক,ক২

*গংধার কোমল, মধ্যম তীব্র, নিষাদ দুনু আ২ অন্য স্বর শুদ্ধ।
রামাশ্রয ঝা "রামরগ" (১৯২+–) বিদ্বান, রাগযকার, শিক্ষক আ২ মংচ সম্পাদক ছথি।
রাগ বিদ্যাপতি কল্যাণ– একতান (বিলম্বিত)

মৈথিলী ভাষামে শ্রী রামাশ্রয ঝা "রামবংগ" কের রচনা।
স্থাঙ্গ– কতেক কহরঁ গুণ অহাঁকে স্বরন গণেশ বিদ্যাপতি বিদ্যা গুণ নিধান।
অন্তরা– মিথিলা কোকিলা কির্তি পতাকা "রামবংগ" অহাঁ শির ভগত স্বজান॥

স্থাযী
– – রেগ্ম্প গ্রেসা
২২ ক তে ২২ ক ক ২

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



রে সা (সা) নি়ধ নিসা – রে নি়ধ প ধনি সা সারে গ়রে রেগ়ম॑ওঋ – ম॑
চ রঁ ২ ২ ২ গ্ব ন ২ থ র্হা, ২২ কে ২ ২ স্বর ন২ ২২২২ ২ গ

প প ধনি় ধপ ধনিসাঁ – – রেঁ সাঁ নি ধপ (প)গ় রে সা রে গ়ম॑প গ় রেসা
নে স রি২ থ্যাপ তি ২২ ২ ২রি থ্যা গ্বন নিধা ন, ক তে ২২২ ক, ক২

অন্তরা

পপ নি়ধ নিসাঁ সাঁরেঁ
মিথি লা২ ২২ কোকি

সাঁ – নিসাঁরেঁগঁ় রেঁ সাঁ রেঁ নি সাঁরে নি় ধপ প (প) গ় রেসা
লা২ কী ২২২ তি প তা ২ ২২ কা ২২ বা ম বঁ গ থ

রে সাসা ধনি়প ধ নিসা –সা রে গ়ম॑প –গ় সারে সা,সা রেগ়ম॑প গ়, রেসা
র্হা শির ভ২, গ ত২ ২স্ব জা২২২ ২ ২ ন ২, ক তে ২২২ ক,ক২

রামাশ্রয ঝা "রামরংগ" (১৯২৮–) বিদ্বান, রাগযকার, শিক্ষক আ২ মঁচ সম্পাদক ছথি।
২.রাগ বিদ্যাপতি কল্যাণ – ত্রিতাল (মধ্য লয)

স্থাঙ– ভগতি রশ ভেলা শির জিনকা ঘর এলা শির, ডমরু ত্রিশূল রঁসগা রিঁসরি উগনা ভেষ করথি চাকরী।
অন্তরা– জননী জনক ধন, "রামরংগ" পারল পূত এহন, মিথিলাক কেলন্হি উঁচ পাগড়ী॥

স্থাঙ– রে
ভ
সা গম॑ প ম॑ প – – ম॑গ় – রে সা সারে নি সা –, নি
গ তি২২ র শি ২ ২ ভে ২ লা ২ শি ২ র ২ ২ জি

ধ় নি সা রে সা নি় – প় ধ় নি় ধ় প় – নি সা – – সা
ন কা ২ ঘ র ২ ২ এ ২ লা ২ শি র ২ ২ ড



বে গ়্ ম্ প প – প নি়্ ধ প ম্ প ধনি সাঁ সাঁ গঁ়্
ম ক ২ ত্রি শূ ২ ন রঁ স হা ২ রিঁ স২ ২২ বি ঙঁ

রেঁ সাঁ নি রেঁ সাঁ নি়্ ধ প ম্ প পনি়্ ধ প – –গ — রে
গ না ২ ২ ভে ২ ষ ক ব থি চা২ ২ ক২ ২বী ২২, ভ

অন্তরা প
জ

প নি সাঁ সাঁ সাঁ – – ধ নি – ধ নি নি সাঁ রেঁ সাঁ –, নি
ন নী ২ জ ন ২ ২ ২ ২ ক ধ ন ধ ন ২, বা

নি সাঁ – গঁ়্ রেঁ সাঁ সাঁ নি – ধ নি সাঁ নি়্ ধ প গ়্

ম্ প নি সাঁ সাঁ নি়্ ধ প ম্ প পনি়্ ধ প– –গ – রে
থি না ২ ক কে ন হ্নি ডুঁ ২ চ পা২২ গ২ ২ড় া ২২,ভ
***গংধার কোমল, মধ্যম তীব্র, নিষাদ দোনো র অন্য স্বর শুদ্ধ।

রাগ বিদ্যাপতি কল্যাণ– একতাল (বিলম্বিত)

মৈথিলী ভাষামে শ্রী রামাশ্রয় ঝা "রামরংগ" কের রচনা।
স্থাঙ্গ– কতেক কহরঁ গুণ অহাঁকে স্বরন গণেশ বিদ্যাপতি বিদ্যা গুণ নিধান।
অন্তরা– মিথিলা কোকিলা কির্তি পতাকা "রামরংগ" অহাঁ শির ভগত স্বজান॥

স্থায়ী
– – রেগ়্ম্প গ়্রেসা
২২ ক তে ২২ ক ক ২

রে সা (সা) নি়্ধ নিসা – রে নি়্ধ প ধনি সা সারে গ়্রে রেগ়্ম্ওঅ – ম্
হ রঁ ২ ২ ২ গু ন ২ অ হাঁ, ২২ কে ২ ২ স্বর ন২ ২২২২ ২ গ

প প ধনি়্ ধপ ধনিসাঁ – – রেঁ সাঁ নি ধপ (প)গ়্ রে সা রে গ়্ম্প গ়্ রেসা
নে স বি২ দ্যাপ তি ২২ ২ ২বি দ্যা গুন নিধা ন, ক তে ২২২ ক, ক২



अन्तरा

पप नि॒ध निसां सांरें
मिथि ला२ २२ कोकि

सां – निसांरेंगं॒ रें सां रें नि सांरे नि॒ धप प (प) ग॒ रेसा
ला२ की २२२ ति प ता २ २२ का २२ बा म बं ग अ

रे सासा धनि॒प ध निसा –सा रे ग॒म॑प –ग॒ सारे सा,सा रेग॒म॑प ग॒, रेसा
हां शिर छ२, ग त२ २स्व जा२२२ २ २ न २, क ते २२२ क,क२

*गंधार कोमल, मध्यम तीव्र, निषाद दुनू आ२ अन्य स्वर शुद्ध।

३.श्री गणेश जीक वन्दना
राग विनारन त्रिताल (मध्य लय)
स्थाइ: विघन हरन गज बँदन दया कर, हर हमर दु:ख-ताप-संताप।
अन्तरा: कतेक कहबँ हम अपन अरगुन, अधम आयल "रामदंग" अहाँ शरण।
आशुतोष सुत गण नायक बँरदायक, सबँ विधि टाँक पाप।

स्थाइ
नि
ग प ध नि सा नि ध प ध नि॒ ध प म ग म रे
वि ध न ह र न ग ज बँ द न द या २ क रु

ग ग म नि॒ ध प म ग ग प म ग म रे स सा
ग रु २ ह म र दु ख ता २ प सं ता २ प २

अन्तरा
नि रें
प प ध नि सां सां सां सां सां गं गं मं गं रें सां –
क ते क क ह बँ ह म अ प न अ र गु न २
रे
सां सां सां सां ध नि॒ ध प ध ग प म ग ग प प
अ ध म आ य ल रा म दे २ ग अ हाँ श र ण



ध प म ग म रे सा सा सा सा ध – ध नि़ ध प
आ ऽ श्व तो ऽ ष स्व त ग ण ना ऽ य क र व
धनि संर्रे नि सां ध नि़ ध प पध नि़ ध प म ग म रे
दाऽ ऽऽ य क स र्र रिं ध ऍऽ ऽ क ऽ पा ऽ ऽ प

४.मिथिलाक वन्दना
राग तीवरतोडि झपताल

स्थाई: गंग बाँगमती कोशी के जहँ धाव, एहेन भूमि कय नमन करूँ बाँव–बाँव।
अन्तरा: जनक याग्यवल्क्य जहँ सन्त विद्वान, "वामवंग" जय मिथिला नमन तोहे बाँव–बाँव ॥

स्थाई

रे – ग म प म ग रे – सा
गं ऽ ग ऽ बाँ ऽ ग म ऽ ती

प
सा नि ध़ – प़ नि नि सा रे सा
को ऽ शी ऽ के ज हँ धा ऽ व

सा
म ग रेग रे प ध म पनि सां सां
ए हे नऽ ऽ भू ऽ मि कऽ ऽ य

प
सां नि प ध (ध) म ग रे सा सा
न म न क रूँ बाँ ऽ व बाँ व

अन्तरा
प पध म – प नि नि सां – सां
ज नऽ क ऽ ऽ या ग्य व ऽ ल्क



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

রেঁ রেঁ গঁ – মঁ মঁ গঁ রেঁ – সাঁ
জ হঁ সঁ ২ ত রি ২ দ্বা ২ ন
ধ প
সাঁ নি প ধ ম প নি সাঁ সাঁ সাঁ
বা ম বঁ ২ গ জ য মি থি না
প
সাঁ নি প ধ (ধ) ম গ রে সা সা
ন ম ন তো হে রাঁ ২ ব রাঁ ব
৩.শ্রী শংকর জীক বন্দনা
রাগ ভূপালী ত্রিতাল (মধ্য লয)

স্থাঙ্: কতেক কহরঁ দ্:খ অহাঁ কয অপন শির অছুঁ বহরঁ চুপ সাধি।
অন্তরা: চিংতা রিথা তবহ তবহ ক অছি, তন নাগন অছি ব্যাধি,
"বামবংগ" কোন কোন গনরঁ সরঁ এক সয এক অসাধ্য॥

স্থাঙ্
প গ ধ প গ রে স রে স ধ সা রে গ রে গ গ
ক তে ক ক হ রঁ দ্: খ অ হাঁ কয অ প ন শি র

গ গ – রে গ প ধ সাঁ পধ সাঁ ধ প গ রে সা –
অ ছুঁ ২ ব হ রঁ চু প সা২ ২ ২ ২ ২ ২ ধি ২

অন্তরা

প গ প ধ সাঁ সাঁ – সাঁ সাঁ ধ সাঁ সাঁ সাঁ রেঁ সাঁ সাঁ
চিং ২ তা ২ রি থা ২ ত ব হ ত ব হ ক অ ছি

সাঁ সাঁ ধ – সাঁ সাঁ রেঁ রেঁ সঁ রে গঁ রেঁ সাঁ – ধ প
ত ন না ২ গ ন অ ছি ব্যা ২ ২ ২ ২ ২ ধি ২

সাঁ – ধ প গ রে স রে সা ধ স রে গ রে গ গ
বা ২ ম বঁ ২ গ কো ন কো ২ ন গ ন রঁ স রঁ



মানুষীমিহ সংস্কৃতাম্ ISSN 2229-547X VIDEHA

গ গ গ রে গ প ধ সাঁ পধ সাঁ ধ প গ রে সা –
এ ক স য এ ২ ক ঋ সা২ ২ ২ ২ ২ ২ ধ্য ২






গৌৱীশংকৱ, জমথৱি, হৈঁঠী ৱাঁনী, মধ্ৱঁনী


গৌৱীশংকৱ, জমথৱি, হৈঁঠী ৱাঁনী, মধ্ৱঁনী


গৌৱীশংকৱ, জমথৱি, হৈঁঠী ৱাঁনী, মধ্ৱঁনী


গৌৱীশংকৱ, জমথৱি, হৈঁঠী ৱাঁনী, মধ্ৱঁনী


গৌৱীশংকৱ, জমথৱি, হৈঁঠী ৱাঁনী, মধ্ৱঁনী


গৌৱীশংকৱ, জমথৱি, হৈঁঠী ৱাঁনী, মধ্ৱঁনী


গৌৱীশংকৱ, জমথৱি, হৈঁঠী ৱাঁনী, মধ্ৱঁনী


গৌৱীশংকৱ, জমথৱি, হৈঁঠী ৱাঁনী, মধ্ৱঁনী


গৌৱীশংকৱ, জমথৱি, হৈঁঠী ৱাঁনী, মধ্ৱঁনী



 গৌবীশংকব, জমথবি, হঁঠী বাঁনী, মধুবঁনী	 গৌবীশংকব, জমথবি, হঁঠী বাঁনী, মধুবঁনী	 বাঁগসী–বঁসৈঠী, খববিযা মিথিনাক্ষব তাম্রনেখ
 বাঁগসী–বঁসৈঠী, খববিযা মিথিনাক্ষব তাম্রনেখ	 বাঁগসী–বঁসৈঠী, খববিযা মিথিনাক্ষব তাম্রনেখ	 বাঁগসী–বঁসৈঠী, খববিযা মিথিনাক্ষব তাম্রনেখ
 ধবহবা, বঁনমনখী, পূর্ণিযাঁ, নবসিংহ খবতাব	 ধবহবা, বঁনমনখী, পূর্ণিযাঁ, নবসিংহ খবতাব	 পূবণদেবী, পূর্ণিযাঁ

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



		
রিদেশ্বব স্থান খভিলেখ, মধ্রঁনী	খন্ধ্রাঠাঠী খভিলেখ, মধ্রঁনী	রঁঙ্ক খঠধাত্ত, সিসর রঁসংত প্ৱব, রঁগহা
		
12 শেতাব্দী, কোগনখ, মধ্রঁনী	খগ্নি রিদেশ্বব স্থান, মধ্রঁনী রঁঙ্ক, স্কংগেব	খহিন্যা স্থান
		
খন্ধ্রাঠাঠী, মধ্রঁনী	খশোক স্তংভ, রঁসাঠ, রৈশানী	রঁঙ্ক
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



अवलोकितेश्वर तारा, भागलपुर	बसाढ़, वैशाली	बुद्ध भूमिस्पर्श
 बुद्ध, ताम्र	 बुद्ध मस्तक, सुलतानगंज	 वैशाली मूर्त्ति
 चाम्लुण्डा नाग-नागिनी, मुंगेर	 मुकुटधारी बुद्ध, अंतीचक, भागलपुर	 नाचैत गणेश, 10म शताब्दी, दरभंगा
 दरभंगा म्युजियम	 दरभंगा म्युजियम	 दुर्गा, कार्त्तिकेय

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



		
10ম শতাব্দী, ভীঠ ভগবান পুব, খন্ধ্রা ঠাঠী	গণেশ বুদ্ধ	গৌতম বুদ্ধ, বৈশালী
		
হবিহব বুদ্ধ	চিড়ৈকেঁ খ্খাবৈত মহিলা, বাজমহল	নৌবিযা নন্দনগঢ, খশোক স্তুংভ
		
লোমশ স্বদামা গুফা	ফ্ংগেব	নাগবাজ তীর্থংকব
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



ক্ষমাবিন ভট্টৈ ফেকেনাহ, নানন্দা	রিক্রমশিনা রিশ্বরিদ্যানয, ভাগনপ্পব	ঠাঠ ব্ঁদ্ধ
 পার্বতী	 বামাযণ	 বামপ্পবরা বৃষভ
 বামপ্পবরা	 ব্ঁদ্ধক খরশেষ	 সংকিসা
 সপ্তমাতৃকা	 সর্বতো ভদ্র মন্ডন	 সূর্য
		

সূর্য	সূর্যক সংগী	সূর্য, মধুবনী আ ভাগলপুর
		
মূর্ত্তি	মূর্ত্তি	মূর্ত্তি, বৈশালী
		
উঁমা মাহেশ্বর, কল্যাণসুন্দর	বৈশালী বৃষভ শীর্ষ	বৈশালী, শালভঞ্জিকা ভাগলপুর
		
নাওক প্রকার	বিষ্ণু ব্রহ্মা	পাঁখিযুক্ত মহিলা
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

থহিন্যা	খণ্ঠযোগিনী মন্দিব, সহবসা	ৰঁনগংগা
দবভঁংগা	দবভঁংগা নগব, 1934	দবভঁংগা মেডিকন কॉনেজ
দ্ল্হদ্ল্হিন মন্দিব, জনকপ্পব	শ্রী যংত্র	গল্ডীশ্বিব
গংগাসাগব পোখবি, মধ্ৰঁনী	হন্নমান মন্দিব, মধ্ৰঁনী	হবিহবস্থান

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



মধুবনী হৰ্স্পীটৰ	জনকপুৰ জানকী মন্দিৰ	জানকী মন্দিৰ
 জানকী মন্দিৰ, সীতামঢী	 জানকী মন্দিৰ, সীতামঢী	 জিনা স্বাস্থ্য কার্যালয বাজ ৰিবাজ, নেপান
 কননেশ্বৰ ৰাঁৰাঁ	 কপিনেশ্বৰ	 কোষনেখাকার্যালয, বাজৰিবা জ, নেপান
 মিথিনা ৰিশ্বৰিদ্যানয, দৰভঙ্গা	 নক্ষ্মীশ্বৰ পৈনেস, 1934	 মাধ্যমিকৰিদ্যানয , জনকপুৰ



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

		
মহেন্দ্র চৌক, জনকপুর	জনকপুর মংডপ	মিথিলা, 1988 ভূকম্প
		
পগনারাঁরা ধর্মশালা, জনকপুর , নেপাল	পংডৌল খহল্যা	মধুবঁনী বঁস স্টৈড
		
রাজ হেড আঁফিস, 1934	রাজ হাস্পীটৈল, দরভংগা, 1934	সৌরাঠ সভা
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY

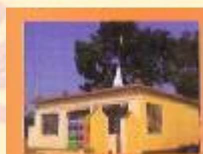


শিব মন্দিব, 1934	শিবশংকব সিনেমা, মধুবনী	শ্যামা মন্দিব
 বিদ্যাপতি মূর্ত্তি, বিস্ফী	 উগ্রতাবা, তাবাস্থান, মহিষী, সহবসা	 বিদ্যাপতি স্মাবক, বিস্ফী
 বিস্ফী, উঁদনা মহাদেব	 বিস্ফী, বিশ্বেশ্বৰী ভগবতী	 অহল্যা মন্দিব, অহিযাবী
 অশোক স্তম্ভ, বৈশালী	 স্তূপ অশোক স্তম্ভ, বৈশালী	 বনিবাজপুব কিলা পূর্ণী গেট

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY

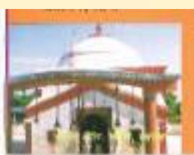


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

		
রাঁনিবাজপ্বব কিনা মীনাব	চন্ডী স্থান, রিবাঠপ্বব, সহব সা	গাঁধী পোখবি, ঢাকা, মোতি হাবী
		
গাঁধী রিদ্যানয, ঢাকা, মোতি হাবী	গিবিজা স্থান, মধ্রঁনী	হবিহব মন্দিব, সোনপ্বব
		
জৈন মন্দিব, ভাগনপ্বব	জৈন মন্দিব, রৈশানী	কমনাদিত্য স্থান
		
কপিনেশ্বব শিব মন্দিব	নৌবিযা নন্দনগঢ	মদনেশ্বব শিব মন্দিব

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



		
মন্দাব পর্বত, বাঁকা	মোতিহাবী সত্যাগ্রহ স্মাবক	পবমেশ্বৰী মন্দিব, ঠাঠী, মধুবনী
		
বামজানকী মন্দিব, সীতামঢী	সত্যাগ্রহ স্মাবক, সীতামঢী	শাঁতি স্তূপ, বৈশালী
		
উচ্চৈঠ ভগবতী	উচ্চৈঠ মন্দিব	সিংঘেশ্বব স্থান, মধেপুবা
		
সূর্যধাম, পবসা		বৈশালী স্তূপ

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



	উগ্রতাবা মন্দিব, মহিষী, স হবসা	
 রিক্রমশিলা রিশ্বরিদ্যালয, ভাগ নপ্পব	 রিবাটপ্পব মন্দিব, মধেপ্পবা	 বৃষভ শীর্ষ, বামপ্পবরা
 সিংহ শীর্ষ, বামপ্পবরা	 শবভ, নেপান	 পাঁখিযকত দেরী, রৈশানী
 রাঁরা রঁডেশ্বব, দেরনা, রঁনগাঁর	 রট রৃক্ষ, রঁনগাঁর	 ভগরান রিষ্ণু, দেরনা, রঁন গাঁর

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

		
শাস্ত্রার্থ স্থল,তারাস্থান মহিষী	শাস্ত্রার্থ স্থল,তারাস্থান মহিষী	তারাস্থান মহিষী
		
মাতা তারা, তারাস্থান মহিষী	উগ্রতারা (খাদব রাণী তারা) মূর্তি, মহিষী	রশ্মিগ্র হ্নি, তারাস্থান মহিষী
		
খরর্ধিত কালী উঁচেঠ	বৌদ্ধদেবী তারা রাবী সম স্তীপ্বর	ভগরতী দেহুলী
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

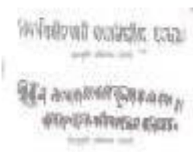
ভগরতী গিবিজা ফ্ন্ডব	ভগরতী মৃণ্মূর্তি গক্সৰাবি	ভগরতী ৰাবী সমস্তীপ্পব
		
ভুরনেশ্বৰী কোর্থ	দেৰীকানী কোর্থ	গংগামূর্তি নগবডীহ দবভঙ্গা
		
গোসাউঁনি মন্দিব কোর্থ	হৈহঙ্ক দেৰী হাৰীডীহ	কানী উঁচঠ
		
মহিষাস্ববমর্দ্দিনী ৰহেৰী দবভংগা	মহিষাস্ববমর্দ্দিনী হাৰীডীহ	মহিষাস্ববমর্দ্দিনী নাহব-ভগরতীপ্পব
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

উঁমা ম্লেছমর্দিনী মিজপ্পিব দব ভঁগা	যক্ষ্না ভৈবর রঁনিযা মধ্রঁনী	খণ্ঠভুজ গণেশি,কোর্থ
 ভৈবর, ভৈবর-রঁনিযা	 নটৰাজ, তাবানাগী	 শির-পার্রতী মন্দিব, কপিনেশ্বৰস্থান
 শির-পার্রতী মন্দিব, কপিনেশ্বৰস্থান	 শির মন্দিব, সিংগিযা, রিস্পী	 উঁমামাহেশ্বৰ, মহাদেরমঠ
 উঁমামাহেশ্বৰ, তিবহুত	 রিষ্ণু, ভরানীপ্পৰ	 রিষ্ণু, ভীঠ ভগরানপ্পৰ

		
বিষ্ণু, জয়নগর	বিষ্ণু, নদহো	বিষ্ণু, সাহো-পররী, হারীডীহ
		
শেষশায়ী বিষ্ণু, সরাস, হ্মজফ্ফরপুর	ররাহ মূর্তি, তিনকেশ্বরস্থান	মিথিলাক্ষর অভিলেখ, বিষ্ণু ব্র্হ্ম মূর্তি
		
ভগরতী উঁচৈঠ, রেঁনীপট্টী	ভগরতী রাণেশ্বরী, ভংডারীস ম	চাহ্মুন্ডা মন্দির, কটৈরা, হ্মজফ্ফরপুর
		

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



অষ্ঠভুজ গণেশ, হারীডীহ	অষ্ঠভুজ গণেশ, কোর্থ	গংগা, অন্ধ্রা-ঠাঢ়ী
মহিষাসুরমর্দিনী, দুর্গা	মুণ্ডমর্দিনী মন্দিব, মির্জাপুর, দবভংগা	নটবাজ
বামমন্দিব, অহিল্যাস্থান	সেহনী, রৈশালী, বিষ্ণু তিন ক-যজ্ঞোপবীতধাবী	রূপনগব শিব মন্দিব
সূর্য, দেকুলী	সূর্য মূর্তি, ডিলাহী	সূর্য মূর্তি, বিষ্ণু, রঁকখাব

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



		
উঁমামাহেশ্বৰ	যক্ষনা, আন্ধ্রা- ঠাঢ় ী	সিমৰৌনাগঢ় মূৰ্তি
		
আদি কালী, চৈনপুৰ সহৰসা চৈনপুৰ সহৰসা- মিথিলাক একমাত্র নীলকণ্ঠ মন্দিৰ, সংগমে আদিকালীন ভব্য কালী- মন্দিৰ সেহো এহি গামমে অছি। মহাশিৱরাত্রি আ কালী পূজা বঁড় ধূমধামসঁ চৈনপুৰমে হোইত অছি।	বাথাগঢ়ক স্বামী মাধ্বানন্দ কৌলাচার্য কালী মন্দিৰ বাথা গঢ় নগ। প্ৰবান গঢ় । একৰ পূৱঁমে ব্ৰহ্মপুৰাক বাঁৱাঁ হৰিহৰনাথ মহাদেৱ মন্দিৰ আ দক্ষিণমে উঁচৈঠ ভগরতী ছথি।	বাথাগঢ়ক দসমহাখী কালী বাথা গঢ় নগ। প্ৰবান গঢ় । একৰ পূৱঁমে ব্ৰহ্মপুৰাক বাঁৱাঁ হৰিহৰনাথ মহাদেৱ মন্দিৰ আ দক্ষিণমে উঁচৈঠ ভগরতী ছথি।
		

কোগনখ (মধ্রॅনী) দেরীক মন্দিব	খকৌব, রॅনীপষ্টী, ভগরতী দ্গা, ভগরতীপীঠ	খকৌব, রॅনীপষ্টী, ভগরতী দ্গা, ভগরতীপীঠ
		
১.খঠভুজ গণেশি, কোর্থ ২. শির মন্দিব, সিঁঘিযা, রিস্ফী	১. রৌহ্ম দেরী তাবা, রাবী, সমস্তীপ্বব ২.উগ্রতাবা মন্দিব, মহিষী, সহবসা	১.ভগরতী, রাবী ২.ভগরতী, দেহ্মনী
		
১. ভগরতী গিবিজা, ফ্নহব ২.কানী, উঁচঠ	১. ভৈবর, ভৈবর রॅনিযা ২. উঁমামাহেশ্বিব, মহাদেরমঠ	১. দেরীকানী, কোর্থ ২. গ্বসা উঁনি স্থন মন্দিব, কোর্থ
		
১. গণেশি, নহেবিযাসবায ২.উঁমামাহেশ্বিব ३. নটবাজ, ४. রিষ্ণু, তিনক, জনউঁ ধাবী, সেহান, রৈশানী	১. গংগা মূর্তি, নগবডীহ, দবভংগা ২. ভগরতী মৃণ্মূর্তি, গহ্মবাবি	১. হৈহষ্ট দেরী, হাবীডীহ ২. ভুরনেশ্বিবী, কোর্থ

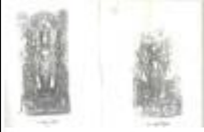
विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



		
১. কথিত কালী, উঁচৈঠ, ২.খঠ্ঠভুজ গণেশ, কোর্থ	১. মহিষাস্বব মর্দিনী, হারীডীহ, ২.উঁমা, মুন্ডমর্দিনী, মির্জাপ্পব, দবভঁগা	১.মহিষাস্ববমর্দিনী, ভগরতীপ্পব, নাহব, মহিষাস্বব মর্দিনী, ৰঁহেৰী, দবভঁগা
		
১. মুন্ডমর্দিনী ভগরতী, মির্জাপ্পব, দবভঁগা ২. বাম মন্দিব , খহিন্যাস্থান	১. মুন্ডমর্দিনী ভগরতী, মির্জাপ্পিব, দবভঁগা ২.সিংহেশ্বিব স্থান, মধেপ্পবা	১. নটবাজ, তাবানাহী ২. উঁমামাহেশ্বিব
		
১_শেষসাযী, সরাস, ঝজহফ বপ্পব, ২_নটবাজ_তাবানাহী ৩_ ভগরতী ৪_ উঁমা মাহেশ্বিী	১– শির পার্বতী মন্দিব, কপিলেশ্বিব স্থান ২. সূর্য মূর্তি ডিনাহী	১_ সূর্যমূর্তি, রিষ্ণু রঁকুখাব ২. গংগা, খান্ধ্রা ঠাঢ় ী



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

 १_উচ্চৈঠ ভগবতী, বৈনীপট্টী ২_মহিষাসুবমর্দিনী, দুর্গা ৩ _ চামুণ্ডা মন্দিব, কটৈবা, মুজফ্ফবপুব ৪._ভগবতী বা নেশ্ববী, ভণ্ডাবিসম	 ১. ববাহমূর্তি, তিনকেশ্ববস্থান , ২.বিষ্ণু, ভবানীপুব	 ১. বিষ্ণু, জযনগব ২.বিষ্ণু, ভীঠ ভগবানপুব
 ১_বিষ্ণু, নদহো, ২.সূর্য, দেক্ষ নী	 ১_বিষ্ণু_সাহো পবড় ী, স্থাপিত-হাভীডীহ ২.বৃষ্ণু-বিষ্ণু মূর্তি অভিলেখ	 ১_বিষ্ণু, সেহান, ২_ববাহ ৩_গণেশ ৪.শিব মন্দিব_ক পনগব
 ১_যক্ষনা, খান্ধ্রা ঠাঢ় ী, ২.অষ্ঠভুজ গণেশ, হাবীডীহ	 ১_যক্ষনা, ভৈবব বৈনিযা, ২ _শৈষসাযী, সবাস, মুজফ্ফব বপুব, ৩_নটৈবাজ_তাবানাহী	 কথিত, কানী, উচৈঠ, বৈনীপ ট্টী



৪_ ভগবতী ৩_ উমা মাহেশ্বরী

<u>মিথিলাক খোজ</u>

ই আলেখ হমর দর্শকসঁ উপরোক্ত মিথিলাক যাত্রাক উপরান্তক সূত্র-বৃত্তান্ত অছি আ এহিমে এহি সভ স্থানক স্থানীয় নিবাসী আ গাইড সভক অকথনীয় যোগদান ছন্হি । কখনো কালতঁ ভাড় কি গাড় কি ড্রাইবর লোকনি সেহো নীক গাইড সিদ্ধ ভেলাহ । -গজেন্দ্র ঠাকুর

১.গৌরী-শংকর স্থান- মধুবনী জিলাক জমথরি গাম আ হঁঠী বালী গামক বীচ ই স্থান গৌরী আ শঙ্করক সম্মিলিত মূর্ত্তি আ এহি পর মিথিলাক্ষরমে লিখল পালবংশীয় অভিলেখক কারণসঁ বিশেষ রূপসঁ উল্লেখনীয় অছি। ই স্থল একমাত্র প্রাচীন স্থল অছি জে পূর্ণ রূপসঁ গামক উৎসাহী কার্যকর্তা লোকনিক সহযোগসঁ পূর্ণ রূপসঁ বিকসিত অছি। শিবরাত্রিমে এহি স্থলক চহলপহল দেখবা যোগ্য রহৈত অছি। বিদেশ্বরস্থানসঁ ২-৩ কিলোমীটর উত্তর দিশামে ই স্থান অছি।

২.ভীঠ-ভগবানপুর অভিলেখ- রাজা নান্যদেবক পুত্র মল্লদেবসঁ সংবধিত অভিলেখ এতএ অছি। মধুবনী জিলাক মধেপুর থানামে ই স্থল অছি।

৩.হুলাসপট্টী- মধুবনী জিলাক ফুলপরাস থানাক জাগেশ্বর স্থান লগ হুলাসপট্টী গাম অছি। কারী পাথরক বিষ্ণু ভগবানক মূর্ত্তি এতএ অছি।

৪.পিপরাহী-লৌকহা থানাক পিপরাহী গামমে বিষ্ণুক মূর্ত্তিক চারু হাথ ভগ্ন ভএ গেল অছি।

৫.মধুবন- পিপরাহীসঁ ১০ কিলোমীটর উত্তর নেপালক মধুবন গামমে চতুর্ভুজ বিষ্ণুক মূর্ত্তি অছি।

৬.অধরা-ঠাঢ় কি স্থানীয় বাচস্পতি সংগ্রহালয়- গৌড় গামক যক্ষিণীক ভব্য মূর্ত্তি এতএ রাখল অছি।

৭.কমলাদিত্য স্থান- অধরা ঠাঢ় ী গামক লগমে কমলাদিত্য স্থানক বিষ্ণু মংদির কর্ণাট রাজা নান্যদেবক মংত্রী শ্রীধর দাস দ্বারা স্থাপিত ভেল।

৮.ঝংঝারপুর অনুমণ্ডলক রখরাবী গামমে বৃক্ষক নীচাঁ রাখল বিষ্ণু মূর্ত্তি, গাংধারশৈলী মে বনাওল গেল অছি।

৯.পজেবাগঢ় বনহী টোল- এতএ একটা বুদ্ধ মূর্ত্তি ভেটল ছল, মুদা ওকর আব কোনো পতা নহি অছি। ই স্থল সেহো রখরাবী গাম লগ অছি।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

১০.হ্মসহবনিযাঁ ডীহ– ঋধবা ঠাঢ় হিসঁ ৩ কিনোমীটব পশ্চিম পস্থন গাম নগ একটা ঙঁচ ডীহ খছি। ব্র্ঙ্কানীন একজনিযাঁ কোঠনী, বৌঙ্কানীন মূর্ত্তি, পাগ, বর্ত্তনক টুকড় া আ পজেবাঁক খবশেষ এতএ খছি।

১১.ভগীবথপ্পব– পণ্ডৌন নগ ভগীবথপ্পব গামমে খভিনেখ খছি জাহিসঁ ওগনরাব বংশক খংতিম দ্নূ শাসক বামভদ্রদের আ নক্ষ্মীনাথক প্রশাসনক রিষযমে সূচনা ভেটৈত খছি।

১২.খকৌব– মধ্বনীসঁ ২০ কিনোমীটব পশ্চিম আ উত্তবমে খকৌব গামমে একটা ঙঁচ ডীহ খছি, জতএ বৌঙ্কানক মূর্ত্তি খছি।

১৩.বনিবাজপ্পব কিনা– মধ্বনী জিনাক বাবূববহী প্রখণ্ডসঁ ৩. কিনোমীটব পূব বনিবাজপ্পব গাম খছি। একব দক্ষিণ দিশামে একটা প্পবান কিনাক খবশেষ খছি। কিনা চাবি কিনোমীটব নমগব আ এক কিনোমীটব চাকব খছি। দস ফীটক মোট দেবানসঁ ঔ ঘেবন খছি।

১৪.খস্ববগঢ় কিনা– মিথিনাক দোসব কিনা মধ্বনী জিনাক পূব আ উত্তব সীমা পব তিনহগা ধাবক কাতমে মহাদের মঠ নগ ৩০ একড়মে পসবন খছি।

১৫.জযনগব কিনা– মিথিনাক তেসব কিনা খছি ভাবত নেপান সীমা পব প্রাচীন জযপ্পব আ রর্ত্তমান জযনগব নগব নগ। দবভংগা নগ পঁচোভ গামসঁ প্রাপ্ত তাম্র খভিনেখ পব জযপ্পব কেব রর্ণন খছি।

১৬.নন্দনগঢ়– বেতিযাসঁ ১২ মীন পশ্চিম-উত্তবমে ঔ কিনা খছি। তীন পংক্তিমে ১৩ টা ঙঁচ ডীহ খছি।

১৭.নৌবিযা-নন্দনগঢ়– নন্দনগঢ়সঁ উত্তব স্থিত খছি, এতএ খশোক স্তংভ আ বৌঙ্ক স্তূপ খছি।

১৮.দেহ্নীগঢ়– শিরহব জিনাসঁ তীন কিনোমীটব পূব হাগবে কেব কাতমে দূ টা কিনাক খবশেষ খছি। চাব্দ দিশি খধাগ খছি।

১৯.কটবাগঢ়– হ্মজফ্ফবপ্পবমে কটবা গামমে রিশান গঢ় খছি, দেহ্নী গঢ় জেকাঁ চাব্দ কাত খধাগ খ্নন খছি।

২০.নৌনাগঢ়–বেগ্পসবাযসঁ ২৩. কিনোমীটব উত্তব ৩৩০ একড়মে পসবন ঔ গঢ় খছি।

২১.জযমংগনগঢ়–বেগূসবাযমে ববিযাবপ্পব থানামে কাবব ঝীনক মধ্য একটা ঙঁচ ডীহ খছি। এতএ ঔ গঠ খছি। নাওকোঠী (মঝৌন) গাম নগ ঔ গঠ খছি।

২১ খ.মংগনগঢ়– সমস্তীপ্পব জিনামে দ্ধপ্পবা বজাব নগ দেওঠ গাম নগ।

২২.খনৌনীগঢ়–খগড়ি যাসঁ ১৩. কিনোমীটব উত্তব খনৌনী গাম নগ ১০০ একড়মে পসবন ঔ গঢ় খছি।

২৩.কীচকগঢ়–পূর্ণিযা জিনামে ডেংগবঘাটসঁ ১০ কিনোমীটব উত্তব মহানন্দা নদীক পূবমে ঔ



गढ़ अछि।

२४.बैनूगढ़–बैढ़गाछ थानामे करन धारक कातमे ई गढ़ अछि।

२५.रविजनगढ़–बहादुरगंजसँ छह किलोमीटर दक्षिणमे लोनसरवी धारक कातमे ई गढ़ अछि।

२६.गौतम तीर्थ– कमतौल स्टेशनसँ ६ किलोमीटर पश्चिम ब्रह्मपुर गाम लग एकटा गौतम कुण्ड पुष्करिणी अछि।

२७.हलावर्त्त– जनकपुरसँ ३५ किलोमीटर दक्षिण पश्चिममे सीतामढ़ी नगरमे हलरेश्वर शिव मन्दिर आ जानकी मन्दिर अछि। एतएसँ डेढ़ किलोमीटर पर पुण्डरीक क्षेत्रमे सीताकुण्ड अछि। हलावर्त्तमे जनक द्वार हर चलएबा काल सीता भेटलि छलीह। राम नवमी (चैत्र शुक्ल नवमी) आ जानकी नवमी (बैशाख शुक्ल नवमी) पर एतए मेला लगैत अछि।

२८.फुलहर–मधुबनी जिलाक हरलाखी थानामे फुलहर गाममे जनकक पुष्पवाटिका छल जतए सीता फूल लोढ़ैत छलीह।

२९.जनकपुर–बृहद् विष्णुपुराणमे मिथिलामाहात्म्यमे जनकपुर क्षेत्रक वर्णन अछि। सत्रहम शताब्दीमे संत सूर किशोरकेँ अयोध्यामे सरयू धारमे राम आ जानकीक दू टा भव्य मूर्त्ति भेटलन्हि, जकरा ओ जानकी मन्दिर, जनकपुरमे स्थापित कए देलन्हि। वर्त्तमान मन्दिरक स्थापना टीकमगढ़क महारानी द्वारा १९११ ई. मे भेल। नगरक चारूकात यमुनी, गेरुआ आ दुग्धवती धार अछि। राम नवमी (चैत्र शुक्ल नवमी),जानकी नवमी (बैशाख शुक्ल नवमी) आ विवाह पंचमी (अगहन शुक्ल पंचमी) पर एतए मेला लगैत अछि।

३०.धनुषा– जनकपुरसँ १५ किलोमीटर उत्तर धनुषा स्थानमे पीपरक गाछक नीचाँ एकटा धनुषाकार खण्ड पड़ल अछि। रामक तोड़ल ई धनुष अछि। एहिसँ पूब बाणगंगा धार बहैत अछि जे लक्ष्मण द्वारा बाणसँ उद्घाटित भेल छल।

३१.सुग्गा–जनकपुर लग जलेश्वर शिवधामक समीप सुग्गा ग्राममे शुकदेवजीक आश्रम अछि। शुकदेवजी जनकसँ शिक्षा लेबाक हेतु मिथिला आएल छलाह– एहि ठाम हुनकर ठहरेबाक व्यवस्था भेल छल।

३२.सिंहेश्वर– मधेपुरासँ ५ किलोमीटरपर गौरीपुर गाम लग सिंहेश्वर शिवधाम अछि।

३३.कपिलेश्वर–कपिल मुनि द्वार स्थापित महादेव मधुबनीसँ ६ किलोमीटर पश्चिममे अछि।

३४.कुशेश्वर– समस्तीपुरसँ उत्तर-पूब, लहेरियासरायसँ 60 किलोमीटर दक्षिण-पूब आ सहरसासँ २५ किलोमीटर पश्चिम ई एकटा प्रसिद्ध शिवस्थान अछि। एतए चिड़ै-अभ्यारण्य सेहो अछि जतए उज्जर आ कारी गैबर, लालसर, दिघौंछ, मैल, नकटा, गैरी, गगन,



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

সিল্লী, খধানী, হবিখন, চাহা, কবন, বতরাঁ চিড় সভ খনাযাসহি নরয়্লবসঁ মার্চ ধবি দেখরাঁমে খাএত ।

৩৩.সিমবদহ–থনরাবা স্টেশন নগ শিরসিংহ দ্বাবা রঁসাওন শিরসিংহপ্ৰব গাম নগ ঙা শিরমন্দিব খছি ।

৩৬.সোমনাথ– মধ্রঁনী জিনাক সৌবাঠ গামমে সভাগাছী নগ সোমদের মহাদের ছথি ।

৩৭.মদনেশ্বব– মধ্রঁনী জিনাক খঁধবা ঠাঢ় সিঁ ৪ কিনোমীটব পূর্ব মদনেশ্বব শির স্থান খছি ।

৩৮.ক্ন্দগ্রাম:হাজীপ্ৰবসঁ রঁত্তীস কিনোমীটব উত্তব–পূর্বমে রঁসাধ–রৈশানী খা নগমে রাসোকুন্ড নগ গাম গঢ়–টৌনাসঁ ২ কি.মী. উত্তব–পূর্ব খছি ক্ন্দগ্রাম , জতএ জৈনক ২৪ম তীর্থংকব মহারীবক জন্ম ভেন ছনন্হি । এতএ রঁদ্ধক ছাউব, খভিষেক প্ৰষকবণী (বাজা খভিষেকসঁ পূর্ব এতএ নহাগত বহথি), খশোক স্তম্ভ খা সংসদ–ভরন (বাজা রিশানক গঢ়) খছি ।

৩৯.চন্ডেশ্বব– ঝংঝাবপ্ৰবমে হবড় ী গাম নগ চন্ডেশ্বব ঠাকুব দ্বাবা স্থাপিত চন্ডেশ্বব শিরস্থান খছি ।

৪০.রিদেশ্বব–মধ্রঁনী জিনামে নোহনারোড স্টেশন নগ স্থিত শিরধামক স্থাপনা মহাবাজ মাধরসিংহ কএনন্হি । তাহি যুগক মিথিনাক্ষবক খভিনেখ সেহো এতএ খছি ।

৪১.শিনানাথ– জযনগব নগ কমনা ধাবক কাতমে শিনানাথ মহাদের ছথি ।

৪২.উগ্রনাথ–মধ্রঁনীসঁ দক্ষিণ পন্ডৌন স্টেশন নগ ভরানীপ্ৰব গামমে উগনা মহাদেরক শিরনিংগ খছি । রিদ্যাপতিকেঁ প্যাস নগনন্হি তঁ উগনারূপী মহাদের জটাসঁ গংগাজন নিকানি জন পিএনখিন্হ । রিদ্যাপতিক হঠ কএনা পব এহি স্থান পব উগনা হুনকা খপন খসন শিররূপক দর্শন দেনখিন্হ ।

৪৩.উচৈঠ ছিন্নমস্তিকা ভগরতী– কমতৌন স্টেশনসঁ ১৬ কিনোমীটব পূর্বোত্তব উচৈঠমে কানিদাস ভগরতীক পূজা কবৈত ছনাহ । ভগরতীক মৌনিক মূর্ত্তি মস্তক রিহীন খছি ।

৪৪.উগ্রতাবা– মন্ডন মিশ্রক জন্মভূমি মহিষীমে মন্ডনক গোসাউনি উগ্রতাবা ছথি ।

৪৫.ভদ্রকানিকা– মধ্রঁনী জিনাক কোগনখ গামমে ভদ্রকানিকা মঁদিব খছি ।

৪৬.চামুন্ডা– মুজফ্ফবপ্ৰব জিনামে কটবাগঢ় নগ নক্ষ্মণা রা নখনদেগ ধাব নগ দুর্গা দ্বাবা চন্ড–মুন্ডক রধ কএন গেন । ওহি স্থান পব ঙা মন্দিব খছি ।

৪৭.পবসা সূর্য মন্দিব– ঝংঝাবপ্ৰবমে সগ্রামসঁ পাঁচ কিনোমীটব পূর্ব পবসা গামমে সাঢ়ে চাবি ফীটক ভব্য সূর্য মূর্ত্তি ভেটৈন খছি ।

৪৮.রিসফী– মধ্রঁনী জিনাক রেঁনীপট্টী থানামে কমতৌন রেনরে স্টেশনসঁ ৬ কিনোমীটব পূর্ব খা কপিনেশ্বব স্থানসঁ ৪ কিনোমীটব পশ্চিম রিসফী গাম খছি । রিদ্যাপতিক জন্ম–স্থান



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ঙা গাম খছি। এতএ রিদ্যাপতিক স্মাবক সেহো খছি।

৪৯.মংদাব পর্রত–ৰাঁকা স্থিত স্থনমে মিথিনাক্ষবক গুপ্তরংশীয ৭ম্ শতাব্দীক খভিনেখ খছি। সমুদ্র মংথনক হেতু মংদাবক প্রযোগ ভেন ছন। নিকটমে রৌংসীমে জৈনক ৰাঁবহম তীর্থংকব রাসুপূজ্য নাথক দূটা মূর্তি খছি, পৈঘ মূর্তি নান পাথবক খছি তঁ দোসব কাঁসাক জকব সোমাঁ দূটা পদচিহ্ন খছি। জৈনক ৰাঁবহম তীর্থংকব রাসুপূজ্য নাথক জন্ম চম্পানগবমে খা নির্রাণ এতহি ভেন ছনন্হি।

৫০.রিক্রমশিনা–ভাগনপুবমে স্থিত প্রাচীন রিশ্বরিদ্যানয। ভাগনপুব জিনাক খংতীচক গামমে বাজা ধর্মপানক রঁনাওন বৃহৎ রিশ্বরিদ্যানয খছি। ১০৮ র্যাখ্যাতা নেন বহৰাঁক স্থান খা ৰাঁহবসঁ পঢ়এ রঁনা নেন সেহো স্থান এতএ নির্মিত খছি

৫১. মিথিনাক ৰীস টা সিদ্ধ পীঠ– ১.গিবিজাস্থান(ফুনহব, মধুর্রঁনী), ২.দুর্গাস্থান(উচৈঠ, মধুর্রঁনী), ৩.বহেশ্ববী (দোখব, মধুর্রঁনী), ৪.ভুরনেশ্ববীস্থান(ভগরতীপুব, মধুর্রঁনী), ৫.ভদ্রকানিকা(কোগনখ, মধুর্রঁনী), ৬.চমুন্ডা স্থান(পচাহী, মধুর্রঁনী), ৭.সোনামাগ(জনকপুব, নেপান), ৮.যোগনিদ্রা(জনকপুব, নেপান), ৯. কানিকা স্থান (জনকপুব স্থান), ১০.বাজেশ্ববী দেরী(জনকপুব, নেপান), ১১.ছিনমস্তা দেরী(উজান, মধুর্রঁনী), ১২.রঁনদুর্গা(খববখ, মধুর্রঁনী), ১৩.সিধেশ্ববী দেরী(সবিসর, মধুর্রঁনী), ১৪.দেরী–স্থান (খংধবা ঠাঢ়ী, মধুর্রঁনী),১৫.কংকানী দেরী (ভাবত নেপান সীমা খা বামৰাঁগ প্লুস, দবভংগা), ১৬.উগ্রতাবা (মহিষী, সহবসা), ১৭.কাত্যানী দেরী(রঁদনাঘাট, সহবসা), ১৮.পুবন দেরী(পূর্ণিযাঁ), ১৯.কানী স্থান (দবভংগা), ২০.জৈমংগনাস্থান(মুংগেব), ৫২. জনকপুব পবিক্রমাক ১৫ স্থন খা ওতুক্কা মুখ্য দেরতা ১. হনুমাননগব– হনুমানজী, ২.কন্যাণেশ্বব– শিরনিংগ, ৩.গিবিজা–স্থান– শক্তি, ৪.মটিহানী– রিষ্ণু মন্দিব, ৫.জানেশ্বব– শিরনিংগ, ৬.মনাঙা– মান্ডর ঋষি, ৭. শ্রুর কুন্ড– ধ্রুর মন্দিব, ৮.কংচন রন– কোনো মন্দিব নঞি মাত্র মনোবম দৃশ্য, ৯.পর্রত– পাঁচ টা পর্রত, ১০.ধনুষা– শিরধনুষক টুকড়ী, ১১.সতোখড়ী– সপ্তর্ষিক সাত টা কুন্ড, ১২.হকষাহা– রিমনাগংগা, ১৩. ককণা– কোনো মন্দিব নহি মাত্র মনোবম দৃশ্য, ১৪. রিসৌন– রিশ্বামিত্র মন্দিব, ১৫.জনকপুব। "মিথিনাযদযশ্চ মধ্যংতে বিপরো গতি মিথিনা নগবী" – মিথিনা জতএ শত্রুকেঁ মথন জাগত খছি– পাণিনীক রিরবণ ।

৫৩. চৈনপুব সহবসা– মিথিনাক একমাত্র নীনকংঠ মন্দিব, সংগমে খাদিকানীন ভর্য কানী–মন্দিব সেহো এহি গামমে খছি। মহাশিরবাত্রি খা কানীপূজা রঁড় ধূমধামসঁ চৈনপুবমে হোগত খছি।

৫৪.ধবহবা, রঁনমনখী, পূর্ণিযাঁমে নবসিংহ খরতাবক স্থান খছি, একটা খোহ জেকাঁ পৈঘ পাযা খছি জাহিমে জে কিছু ফেকরৈক তঁ রঁড়ী কান ধবি গোঁ–গোঁ খৰাঁজ হোগত



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

बहुत। ई स्थान आब नवसिंह भगवानक मूर्ति आ मन्दिरक कारणसँ बेशी विकसित भऽ गेल अछि।

५.५.नेहुँरी: दरभंगाक बिरौल प्रखण्डसँ १३ किलोमीटर पश्चिममे एकटा गढ़ अछि जे लोरिकक मानल जाइत अछि।

५.६.दरभंगा कैथोलिक चर्च: १८९१मे स्थापित ई चर्च १८९७ केर भूकम्पमे क्षतिग्रस्त भऽ गेल। एकरा होली रोजेरी चर्च सेहो कहल जाइत अछि।

५.७.सेंट फ्रांसिस असिसी चर्च म्जयफ्फरपुरमे अछि।

५.८.भिखा सलामी मजार: गंगासागर पोखरि दरभंगाक महारपर ई मजार अछि।

५.९.दरभंगा टावर मस्जिद इस्लाम मतावलम्बीक एकटा भव्य मस्जिद आ धार्मिक स्थल अछि।

६०. मकदूम बाबाक मजार:ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय आ कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगाक बीच स्थित ई मजार हिन्दू आ म्सलिम मतावलम्बीक एकटा पावन स्थान अछि।

६१.चम्पानगर:भागलपुरक पश्चिममे, आब नगरसँ सटि गेल अछि। ई जैन लोकनिक एकटा पवित्रस्थल अछि, एतऽ महावीर तीनटा बस्सावास कएने छलथि। दू टा जैन मन्दिर एतऽ अछि, जे जैनक बारहम तीर्थंकर वासुपूज्य नाथकेँ समर्पित अछि।

६२.बसैठी अभिलेख- पूर्णियाँमे श्रीनगर लग मिथिलाक्षरक ई अभिलेख मिथिलाक पहिल महिला शासक रानी इन्द्रावतीक राज्यकालक वर्णन करैत अछि। एकर आधार पर मदनेश्वर मिश्र 'एक छलीह महारानी' उपन्यास सेहो लिखने छथि।

बाँगसी-बसैठी, अररिया मिथिलाक्षर अभिलेख- रानी इन्द्रावती (१७८४-१८०२) जे फूड-फ्ॉर-वर्क आ अन्य कल्याणकारी कार्यक प्रारम्भ कएलन्हि केर मिथिलाक्षर अभिलेख एतऽ एकटा मन्दिरक ऊपरमे ताम्र-पत्रपर कीलित अछि जे निम्न प्रकारसँ अछि:-

बसैठी (अररिया) बिहार, शिव मन्दिरक मिथिलाक्षर अभिलेखक देवनागरी लिप्यान्तरण।

वंशे सभा समाने स्वबगल विदिते भू सुबस्यावतिर्णा।
वाजाभूतद्धञ्जदेवोनृपति समवसिंहा मिधस्यामेजातः॥
यस्मिन् वाज्याभिषेकं फलयित्त मिरतद्भजित्तग्रामहेशैः।
कैलाशाद् भूगतेभ्योप्यधिक सतितवा बैद्यनाथेन नाम्नाः॥
तस्य तन्वजः स्वग्रतिनृपरबौ विश्वनाथ वाजा भूत।
विवनावायण वाजस्तस्यापासीद् स्वतस्य॥
नवनावायण वाजो नवपति फल मौलि भूषणम् प्वनः।
अर्थिकल्पद्रूमदूर स्वबगल वंसारतंसोऽभूत॥ २॥

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



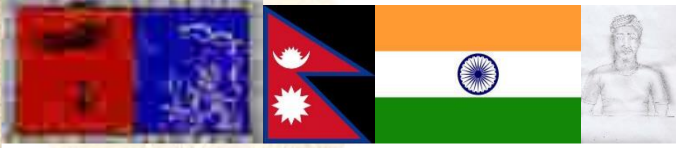
তস্মাদি রৈবিক্ষন সূদন বামচন্দ্র নাবাযণো নবপতিস্তনযো রভূক।
সংমোদিতা দশ দিশো নিজ কীর্তি চন্দ্র জ্যাতিষ্মহাভিবার্থ নিরহঃ
স্ববিরতশ্চযেণ ॥ ৩। ।
যদ্দানরাবি পবিরক্সিত রাবি বাশি সঞান্ত কীর্তি রিমনেন্দ্ মবিচিকাভিঃ ।
প্রাখ্যাতিতা দশদিশঃ সতন্বজ গন্দ্রনাবাযণোস্য ক্ষনভূষণ বাজবাজঃ ॥ ৪ ॥
তেনচ সক্নে জাতা তনযা মনরৌধ শিষ্মাণিঃ হৃতিনঃ ।
পবিণীতা রঁক্ষ্ যনৈস্ত্রিনোচননাদ্রি প্বত্রীর ॥ ঌ ॥
যস্যা প্রতাপতবণার্দিতেঽপিচিতে
চিন্তাবজরিন্দ রনমানভতে রিকাসম
সৌহ্রদয হ্রদয মকবন্দ চ উষ্মন
তত্রির যদ্ গ্বণগণা মধ্পন্তি যোগাত্ ॥ ৬ ॥
যক্তরর্দ্দের গণো দ্বিজাতি নিরহঃ সস্তাযনব্বাদবৈঃ ।
দদর্নৈপূর্ণঃ মনোবথোঽর্থপবন সন্তিতিনিঃ সজ্জনা ॥ ৭ ॥
গর্জ্জদ রৈবি মদাঙ্কুরাবণ চপশ্চঞ্চঃ পেতাপাংক্ষবৌ ।
রস্যাঃ সর্বদৃশৈন্থতাগ্বণ চমের্মস্যাশ্চ ভূমীতনে ॥ + ॥
শ্রী শ্রী গন্দ্মতি সতীমতিমতী দেরী মহাবাক্তিকা
জাতা মৈথিন মাল্ডবাঽমিষ্ঠক্ষনাত্ মোধোসবী জানযাঃ ।
দানৈ কল্পনতা মধঃ হৃতরতী শ্রী রিষ্ণু সেরা পবা
পাতিব্রত্য পবাযণাচ সততং গংগেব সম্পাবণী ॥ ৯ ॥
শাকেন্দ্ নরচন্দ্র শৈনধবণী সংনক্ষিত ফাল্গুনে
মাসি শ্রেষ্ঠতবে সিতাহনি শিতেপক্ষে দ্বিতীযাযাং তিথৌ ।
ভূদেবৈর্ব রৈদিকের্ম্মঠমযং নির্ভবিয সচিনিমিঃ
তত্রে সেন্দ্মতি স্ববস্য রিধিত্র প্রাণ প্রতিষ্ঠার্যধাত্ ॥ ১০ ॥
সোদবপ্বব সম্ভর বাজান্বকম্পাপজিরনিহৃতিনঃ ।
শ্রী শ্বভনাযস্য হৃতির্মিদং রিক্তক্ষং সন্নন্ততাম্ ॥ ১১ ॥



विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

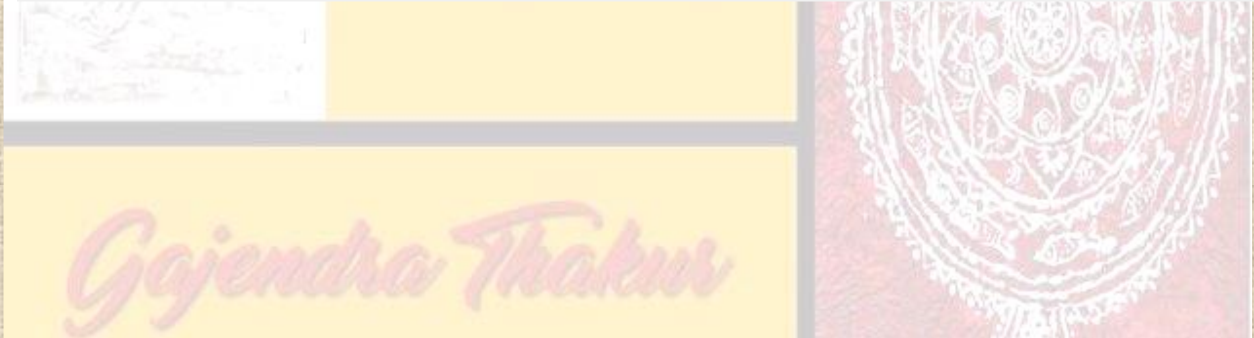


विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम्: VIDEHA: AN IDEA FACTORY



जायत। एहि ई पत्रिकाकेँ श्रीमति लक्ष्मी ठाकुर द्वारा मासक ०१ आ १५ तिथिकेँ ई प्रकाशित कएल जाइत अछि।

 भालसरिक गाछ जे सन् २००० सँ याहूसिटीजपर छल http://www.geocities.com/bhalsarik-gachh/, http://www.geocities.com/gajendrathakur/ आदि लिंकपर आ अखनो ५ जुलाइ २००४ क पोस्ट http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html (किछु दिन लेल http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html लिंकपर, स्रोत wayback machine of https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004 to 2016- http://videha.com/ भालसरिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग / मैथिली ब्लॉगक एग्रीगेटर) केर रूपमे इन्टरनेटपर मैथिलीक प्राचीनतम उपस्थितक रूपमे विद्यमान अछि। ई मैथिलीक पहिल इंटरनेट पत्रिका थिक जकर नाम बादमे १ जनवरी २००८ सँ "विदेह" पड़लै। इंटरनेटपर मैथिलीक प्रथम उपस्थितिक यात्रा विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचल अछि,जे http://www.videha.co.in/ पर ई प्रकाशित होइत अछि। आब "भालसरिक गाछ" जालवृत्त 'विदेह' ई-पत्रिकाक प्रवक्ताक संग मैथिली भाषाक जालवृत्तक एग्रीगेटरक रूपमे प्रयुक्त भऽ रहल अछि। विदेह ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA



विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: AN IDEA FACTORY



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA